राष्ट्रीय संस्करण

वर्ष 7 अंक 347

दैनिक जागरण

मूल्य ₹8.00 नई दिल्ली, शनिवार, 25 मई, 2024

www.jagran.com

पृष्ठ 14

सीमाएं सुरक्षित रहतीं तो और तेजी से प्रगति करता भारत

>>6

चुनाव चल रहे हैं, अभी नहीं दे सकते कोई आदेश

सुप्रीम कोर्ट का मतदान के आंकड़े जारी करने में देरी के आरोप वाली अर्जी पर अंतरिम आदेश देने से इन्कार

- एडीआर ने मतदान केंद्र वार आंकड़े अपलोड करने का निर्देश देने का किया था अनुरोध
- सुप्रीम कोर्ट ने कहा, अर्जी पर छुट्टियों के बाद मुख्य याचिका के साथ होगी सुनवाई
- आयोग बोला- ऐसी अर्जियों से मतदाता होता है भ्रमित, कम वोटिंग का यह भी एक कारण

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को केंद्रवार मतदान प्रतिशत के आंकड़े वेबसाइट पर जारी करने के बारे में कोई भी अंतरिम आदेश देने से शुक्रवार को इन्कार कर दिया। कोर्ट ने मांग ठुकराते हुए कहा, चुनाव चल रहे हैं, अभी ऐसा कोई आदेश नहीं दिया जा सकता। मतदान के पांच चरण संपन्न हो चुके हैं। दो चरण बचे हैं, चुनाव आयोग के लिए बीच प्रक्रिया में मानव संसाधन जुटाना मुश्किल होगा। इसके अलावा कोर्ट ने 2019 से लंबित रिट याचिका में की गई मांग को 2024 में नई अर्जी दाखिल कर अंतरिम आदेश के लिए उसी मांग को दोबारा रखे जाने पर भी सवाल उठाया।

जस्टिस दीपांकर दत्ता एवं सतीश चंद्र शर्मा की अवकाशकालीन पीठ ने कहा, जमीनी हकीकत समझने की जरूरत है, चुनाव के बीच में प्रक्रिया में दखल नहीं दिया जा सकता। चुनाव आयोग पर बीच चुनाव में प्रक्रिया को बदलने का भार नहीं डाला जा सकता। अर्जी में मांगी गई अंतरिम राहत एक प्रकार से अंतिम राहत देने के समान है। इस अर्जी पर छुट्टियों के बाद पहले से लंबित याचिका के साथ सुनवाई की जाएगी।

गैरसरकारी संगठन एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफार्म्स (एडीआर) ने सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल कर चुनाव आयोग द्वारा मतदान के आंकड़े जारी करने में देरी और बाद में उनमें काफी अंतर होने को लेकर सवाल उठाया था। अर्जी में मांग की गई थी कि चुनाव आयोग को निर्देश दिया जाए कि वह हर चरण के मतदान के बाद 48 घंटे के भीतर केंद्रवार मतदान के आंकड़े (फार्म-17सी) अपनी वेबसाइट पर जारी करे। पूर्व सांसद महुआ मोइत्रा ने भी इस इस संबंध में अर्जी दाखिल की थी। गत 17 मई को कोर्ट ने इस पर चुनाव आयोग से जवाब मांगा था। आयोग ने कोर्ट में जवाबी हलफनामा दाखिल कर अर्जियों का विरोध किया था।

शुक्रवार को चुनाव आयोग की ओर से पेश वरिष्ठ वकील मनिंदर सिंह ने अर्जी का जोरदार विरोध करते हुए कहा कि अर्जी सिर्फ आशंकाओं और अनुमानों के आधार पर दाखिल की गई है। अर्जी में कही गई आंकड़ों में पांच से छह प्रतिशत का अंतर होने की बात झूठी है। अंतर सिर्फ डेढ़ से दो प्रतिशत का ही होता है। इस अर्जी में जो मुद्दे उठाए गए हैं, उन पर कोर्ट ने हाल ही में ईवीएम के बारे में दिए गए आदेश में भी विचार किया था। पहले से लंबित पुरानी रिट याचिका में यह नई अर्जी दाखिल की गई है। याचिकाकर्ता लगातार एक के बाद एक अर्जी दाखिल करके संदेह और भ्रम पैदा करते हैं, इससे मतदाता भ्रमित होता है। कम मतदान का एक कारण यह भी हो सकता है। इस तरह के रुख से लोगों के हित को नुकसान पहुंच रहा है। कोर्ट को इस अर्जी पर विचार नहीं करना चाहिए।

चुनाव आयोग द्वारा अर्जी पर आपत्ति उठाए जाने के बाद पीठ के न्यायाधीश दत्ता ने एनजीओ की ओर से पेश वकील दुष्यंत दवे से कई सवाल किए। पीठ ने कहा कि आपकी मुख्य याचिका 2019 से लंबित है और उस याचिका में एक मांग ठीक यही है जो इस नई अर्जी में अंतरिम आदेश की मांग है। जो मांग मुख्य याचिका में की गई है और जो कोर्ट के समक्ष पहले से लंबित है, उसी बारे में नई अर्जी दाखिल कर अंतरिम आदेश कैसे मांगा जा सकता है। पीठ ने कहा कि जब आपकी याचिका 2019 से लंबित थी तो आपने पहले इस मामले को क्यों नहीं उठाया। यहां तक कि चुनाव घोषित होने की तिथि 16 मार्च से पहले इस मुद्दे को क्यों नहीं उठाया। आप उचित स्तर पर मांग लेकर क्यों नहीं आए। अब जबकि चुनाव चल रहे हैं, पांच चरण के चुनाव हो चुके हैं, शनिवार को छठवें चरण का मतदान होगा, तब मुद्दा उठाने का क्या मतलब है। चुनाव के बीच कोई अंतरिम आदेश कैसे दिया जा सकता है।

जब दुष्यंत दवे ने जनहित याचिका के जरिये जनहित में मुद्दा उठाने की दलील दी तो पीठ ने कहा कि जनहित के मुद्दों पर कोर्ट विचार करता है, लेकिन कई बार पीआइएल, पब्लिसिटी इंटरेस्ट लिटीगेशन, पैसा इंटरेस्ट लिटीगेशन भी होती हैं। दवे ने एडीआर द्वारा महत्वपूर्ण मुद्दे कोर्ट तक लाने का उदाहरण दिया और उनकी याचिका पर राजनीति के अपराधीकरण को रोकने के पूर्व आदेश का हवाला दिया।

इस पर पीठ ने कहा कि उन्होंने संगठन द्वारा उठाए गए कई मामलों को माना है सिवाय एक मामले में उनकी मंशा पर सवाल उठाने के। महुआ मोइत्रा के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने फार्म-17सी के आंकड़े वेबसाइट पर जारी करने को मुमकिन बताया और इस संबंध में कुल निर्वाचन क्षेत्रों और मतदान केंद्रों के आंकड़े दिए। लेकिन कोर्ट दलीलों से प्रभावित नहीं हुआ और किसी भी तरह का अंतरिम आदेश देने से इन्कार कर दिया।

आइपीएल के फाइनल में नाइटराइडर्स से भिड़ेंगे सनराइजर्स

नई दिल्ली, जेएनएन: आइपीएल 2024 के फाइनल में एक बार फिर कोलकाता नाइटराइडर्स के सामने सनराइजर्स हैदराबाद की चुनौती होगी। अहमदाबाद में हुए क्वालीफायर-एक में सनराइजर्स हैदराबाद को हराकर फाइनल में पहले ही पहुंच चुकी कोलकाता नाइटराइडर्स को फिर उन्हीं से चेन्नई में भिड़ना होगा। चेन्नई में खेले गए दूसरे क्वालीफायर मैच में सनराइजर्स हैदराबाद ने राजस्थान रायल्स को 36 रन से हराकर रविवार को फाइनल मैच का टिकट कटाया।

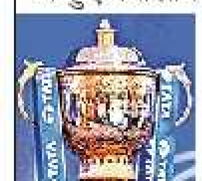

पहले बल्लेबाजी करते हुए सनराइजर्स हैदराबाद ने हेनरिक क्लासेन (50) के अर्धशतक के दम पर नौ विकेट पर 175 रन बनाए। जवाब में राजस्थान रायल्स की टीम ध्रुव जुरैल (56*) के अर्धशतक के बावजूद सात विकेट पर 139 रन ही बना सकी। सनराइजर्स की ओर से इंपैक्ट खिलाड़ी के रूप में आए शाहबाज अहमद ने तीन, आलराउंडर अभिषेक शर्मा ने दो विकेट झटककर टीम की जीत सुनिश्चित की।

(पेज-12 भी देखें)

विश्वास.News

भाजपा में शामिल नहीं हुए हैं प्रशांत किशोर ?

विश्वास न्यूज की पड़ताल ● पेज-4

यात्रा

चारधाम यात्रा संग करें शीतकेदार के भी दर्शन

देहरादून: चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालु यदि पंचकेदार के दर्शन नहीं कर पाते हैं तो शीतकेदार की यात्रा से भी वह पुण्यार्जन कर सकते हैं। साथ ही प्रकृति दर्शन का भी अवसर मिलता है। ● पेज-7

संपादकीय

मोदी केंद्रित एक और चुनाव: यह चुनाव वास्तव में प्रधानमंत्री का चुनाव है। चुनाव प्रचार को ऐसा बनाने में विपक्ष की भी भूमिका रही। डा. **एके वर्मा** का विश्लेषण।

कानूनी खामियां गिनाता पुणे कार हादसा: पुणे प्रकरण को किशोर न्याय के नाम पर नजरअंदाज करने के समाज में गंभीर दुष्परिणाम होंगे। डा. **अजय खेमरिया** का दृष्टिकोण। ● पेज-8

विमर्श

चाबहार का भौगोलिक एवं राजनीतिक महत्व: भू-राजनीतिक चुनौतियों के कारण दो दशक से अधिक समय बीत जाने के बाद चाबहार परियोजना पर अनुबंध के हस्ताक्षर हो गए। भारत के लिए इसकी व्यापक महत्ता को दर्शा रहे हैं, डा. **नवीन कुमार मिश्र**।

सामाजिक चरित्र का प्रदर्शन: एक समाज के तौर पर हम स्वयं को सभ्य अवश्य बताते हैं, किंतु हमारा इंटरनेट मीडिया का व्यवहार कई बार इस पर सवाल भी खड़े कर देता है। डा. **सौरभ जैन** का आलेख। ● पेज-9

सप्तरंग

जोश नई राहों का

आनलाइन कोर्स से निखारें कौशल

वायुसेना में अधिकारी बनने की राह ● पेज-13

महासमर 2024

सिख मानते हैं कि मोदी ने की हर आस पूरी, फिर भी पंजाब में क्यों है नाराजगी? पेज>>3

गोरक्षपीठ की आभा में उलझा जातीय गणित पेज>>3

इंडी गठबंधन के घोटालेबाजों को अच्छा नहीं लग रहा बदलता भारत : नड्डा पेज>>4

...अब यहां कोई नहीं चाहता शांति और विकास से दूर रहना पेज>>5

'चार सौ पार करा दें, मुस्लिम आरक्षण खत्म कर पिछड़ों को देंगे' पेज>>5

छठे चरण का चुनाव आज, 58 सीटों पर मतदाता चुनेंगे प्रतिनिधि

- इनमें मनोहर लाल, महबूबा, मेनका, राज बब्बर की सीटें शामिल, दिल्ली-हरियाणा की सभी सीटों पर चुनाव

11 करोड़ से ज्यादा मतदाता 889 प्रत्याशियों के चुनावी भाग्य का करेंगे फैसला

शुक्रवार को दिल्ली के गोल मार्केट के समीप आदर्श बंगाली बालिका विद्यालय में बने केंद्र से ईवीएम और मतदान से संबंधित समाग्री लेकर उत्साह के साथ जाते निर्वाचनकर्मी। चंद्र प्रकाश मिश्र

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

दो महीने से ज्यादा समय से चल रहा लोकसभा चुनाव अब अपने समापन की ओर है। सात चरणों के इस चुनाव में शनिवार यानी 25 मई को छठे चरण के लिए मतदान होगा। इनमें दिल्ली, हरियाणा सहित आठ राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की 58 सीटें शामिल हैं। इस चरण में 11.13 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इनमें 5.84 करोड़ पुरुष, 5.29 करोड़ महिला और 5,120 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं। इस चरण में दिल्ली और हरियाणा की सभी सीटों पर चुनाव होगा। उत्तर प्रदेश की 14, बिहार की आठ, झारखंड की चार, ओडिशा की छह, बंगाल की आठ और जम्मू-कश्मीर की अनंतनाग-राजौरी सीट पर भी वोट डाले जाएंगे है। साथ ही ओडिशा की विधानसभा के लिए भी इस चरण में मतदान होगा।

छठे चरण में जिन दिग्गजों के चुनावी भाग्य का फैसला होगा, उनमें हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल, जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती, के अलावा केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, राव इंद्रजीत सिंह, मेनका गांधी, राज बब्बर, मनोज तिवारी जैसे प्रमुख चेहरे शामिल हैं। इस चरण में शामिल 58 सीटों में से भाजपा व सहयोगी दलों ने 2019 में 40 सीटों पर जीत दर्ज की थी। ऐसे में यह चुनाव भाजपा और उसके सहयोगी दलों के साथ विपक्ष दलों के लिए भी काफी महत्वपूर्ण है।

निर्वाचन आयोग के अनुसार, छठे चरण के चुनाव के लिए 58 सीटों पर विशेष इंतजाम किए गए हैं। खासकर गर्मी को ध्यान में रखते हुए सभी मतदान केंद्रों पर छांव और पीने के पानी का विशेष इंतजाम रखने के निर्देश दिए गए हैं। इन सभी सीटों पर करीब 1.14 लाख मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जहां मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। छठे चरण के इस चुनाव में 889 प्रत्याशी मैदान में हैं। गौरतलब है कि सात चरणों के लोकसभा चुनाव में अब तक पांच चरणों का चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो चुका है। इसमें 25 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की 428 सीटों पर प्रत्याशियों की चुनावी किस्मत ईवीएम में कैद हो चुकी है।

184 पर्यवेक्षक उतारे गए हैं मैदान में

निर्वाचन आयोग ने चुनाव के दौरान किसी तरह की गड़बड़ी पर नजर रखने के लिए 184 पर्यवेक्षकों की तैनाती की है। इनमें 66 सामान्य पर्यवेक्षक, 35 पुलिस पर्यवेक्षक और खर्च पर नजर रखने के 83 विशेष पर्यवेक्षकों को तैनात किया है। ये सभी पर्यवेक्षक इन सीटों पर मतदान से जुड़ी पल-पल की रिपोर्ट आयोग को देंगे।

दिल्ली, गुरुग्राम व फरीदाबाद के मतदाता धोएं उदासीनता का दाग पेज>>5

कांग्रेस शासन में हमारे सिर पर नाचता था पाकिस्तान : मोदी

प्रधानमंत्री ने हिमाचल प्रदेश और पंजाब की रैलियों में कांग्रेस को निशाने पर रखा

मंडी के ऐतिहासिक पड्डल मैदान में शुक्रवार को भाजपा प्रत्याशी कंगना रनौत के पक्ष में आयोजित चुनावी रैली में हाथ जोड़ कर जनता का अभिवादन स्वीकार करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। जागरण

मोदी के तीर

- कांग्रेस सरकार इतनी डरपोक थी कि दलाईलामा का नाम लेने से डरती थी
- आज भी कांग्रेस चाहती है कि हम पाकिस्तान व उसके एटम बम से डरें
- कश्मीर में फिर से अनुच्छेद 370 को लागू कर आतंकवाद पैदा करना चाहती है कांग्रेस
- इंडी गठबंधन देश के लिए सबसे बड़ा खतरा, सबसे ज्यादा घाव दिए

जागरण टीम, दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को हिमाचल प्रदेश और पंजाब की रैलियों में कांग्रेस को निशाने पर रखा। मोदी ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में पाकिस्तान हमारे सिर पर नाचता था। आज कांग्रेस और उसके साथी कहते हैं कि पाकिस्तान के पास एटम बम है। हमें उससे डर कर रहना होगा। कांग्रेस सरकार इतनी डरपोक थी कि तिब्बतियों के धार्मिक गुरु दलाईलामा का नाम लेने से भी डरती थी। पीएम ने पहले हिमाचल प्रदेश के सिरमौर व मंडी में फिर पंजाब के गुरदासपुर के दीनानगर में रैली को संबोधित किया।

हिमाचल प्रदेश में पीएम ने कहा, कांग्रेस की सोच यह थी कि सीमावर्ती क्षेत्रों का विकास किया तो शत्रु अंदर तक आ जाएगा, पर बीते 10 वर्षों में सीमांत क्षेत्रों का विकास हुआ है। मोदी ने कहा, कांग्रेस ने मंडी का नाम लेकर कंगना के लिए जो भद्दी बातें कही हैं वे छोटी काशी और हिमाचल की हर बेटी का अपमान है। अपने दम पर सफलता हासिल करने वाली बेटियों को कांग्रेस क्या-क्या नहीं कहती है। कांग्रेस 21वीं सदी में आ ही नहीं पाई हैं। लोग आगे बढ़ते हैं। कांग्रेस उलटा चलती है। वह 20वीं सदी की तरफ जा रही है। वहीं पंजाब में मोदी ने इंडी गठबंधन को देश के लिए सबसे बड़ा खतरा बताते हुए कहा, कांग्रेस का एजेंडा कश्मीर में फिर से अनुच्छेद 370 लागू करने का है। कांग्रेस फिर से आतंकवाद पैदा करना और कश्मीर को अलगाववादियों के हाथों में सौंपना चाहती है। इसके लिए कांग्रेस ने माहौल बनाना भी शुरू कर दिया है। एक तरफ पाकिस्तान बम विस्फोट करेगा और कांग्रेस कहेगी कि कुछ भी हो बातचीत तो करनी होगी।

वोट बैंक बचाने के लिए राम मंदिर का विरोध : हिमाचल में मोदी ने कहा, कांग्रेस वोट बैंक बचाने के लिए राम मंदिर का विरोध करती है। उन्होंने कलकत्ता हाई कोर्ट के निर्णय का जिक्र करते हुए कहा, कैसे अवसरवादी गठबंधन की सरकार ने औरों का हिस्सा छीन कर अपने वोट बैंक को पिछड़ा वर्ग में डाल दिया। पीएम ने चेताया कि कांग्रेस ऐसी ही शुरुआत कर्नाटक में भी कर चुकी है। मोदी ने दावा किया कि इस चुनाव के पांच चरणों में भाजपा-राजग को बहुमत से ज्यादा सीटें मिल चुकी हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, कांग्रेस को गरीबी, संकट वाला भारत पसंद पेज>>4

राजीव की हत्या के बाद कांग्रेस ने किया चुनाव आयोग का दुरुपयोग : मोदी पेज>>4

मेधा पाटकर की दुर्भावनापूर्ण हरकत से वीके सक्सेना की प्रतिष्ठा को पहुंची क्षति : कोर्ट

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

मेधा पाटेकर। फाइल

वीके सक्सेना की शिकायत पर साकेत कोर्ट ने मेधा पाटकर को मानहानि का दोषी करार दिया

आपराधिक मानहानि के 23 साल से अधिक पुराने मामले में दिल्ली की साकेत कोर्ट ने नर्मदा बचाओ आंदोलन की नेता मेधा पाटकर को दोषी करार देते हुए अहम टिप्पणी की है। मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट राघव शर्मा ने कहा, मेधा की दुर्भावनापूर्ण हरकत से वीके सक्सेना की प्रतिष्ठा को काफी क्षति पहुंची है और इसका उद्देश्य सक्सेना की अच्छी छवि को खराब करना था। प्रतिष्ठा सबसे मूल्यवान संपत्तियों में से एक है और समाज में किसी की स्थिति पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालती है। कोर्ट ने यह टिप्पणी वर्ष 2001 में सक्सेना की ओर से दायर आपराधिक मानहानि मामले पर निर्णय सुनाते हुए की। सक्सेना वर्तमान में दिल्ली के उपराज्यपाल हैं।

अदालत ने दर्ज किया कि पाटकर ने सक्सेना की देशभक्ति पर सवाल उठाते हुए कायर व हवाला लेनदेन में शामिल होने का आरोप लगाया है। ये आरोप मानहानि करने के साथ ही नकारात्मक धारणाओं को भड़काने के लिए लगाए गए थे।

आरोप शिकायतकर्ता के चरित्र और राष्ट्र के प्रति वफादारी पर सीधा हमला : कोर्ट पेज>>2

केदारनाथ में हेलीकाप्टर की आपात लैंडिंग, सभी यात्री सुरक्षित

- पायलट ने सूझबूझ से सफलतापूर्वक कराई हेलीकाप्टर की लैंडिंग
- छह श्रद्धालुओं को लेकर रुद्रप्रयाग से केदारनाथ धाम जा रहा था हेलीकाप्टर
- हवा में डगमगाता रहा हेलीकाप्टर, हेलीपैड से 20 मीटर नीचे कच्ची जमीन पर की लैंडिंग
- यूकाडा ने क्रिस्टल एविएशन की सभी उड़ानें स्थगित कीं, डीजीसीए ने दिए जांच के आदेश

शुक्रवार को तकनीकी खराबी के बाद केदारनाथ धाम हेलीपैड के पास कच्ची जमीन पर लैंड हेलीकाप्टर। साभार- सूचना विभाग

जागरण संवाददाता, रुद्रप्रयाग

रुद्रप्रयाग शेरसी हेलीपैड से केदारनाथ के लिए उड़ान भरने वाले क्रिस्टल एविएशन के हेलीकाप्टर की शुक्रवार को आपाता लैंडिंग करानी पड़ी। हेलीकाप्टर में सवार तमिलनाडु के सभी छह यात्री सुरक्षित हैं। यह हेलीकाप्टर केदारनाथ धाम में बने हेलीपैड पर लैंडिंग के दौरान तकनीकी खराबी के कारण अनियंत्रित हो गया। वह करीब एक मिनट तक हवा में दस बार घूमा, पायलट सूझबूझ दिखाते हुए हेलीपैड से 20 मीटर नीचे कच्ची जमीन पर आपात लैंडिंग कराने में सफल रहा। प्रारंभिक सूचनाओं में हेलीकाप्टर के टेल रोटर (पिछली तरफ के पंखें) में खराबी आना बताया जा रहा है। सही कारण नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) की टीम के जांच के बाद ही सामने आ पाएगा, टीम ने जांच शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है, इस मामले को उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण (यूकाडा) देख रहा है। उसने डीजीसीए को ब्योरा मुहैया करा दिया है।

यूकाडा के सीईओ सी. रविशंकर ने बताया कि जिस तरह के हालात थे उसमें पायलट ने सही निर्णय लिया। जिस हेलीकाप्टर की आपात लैंडिंग हुई है उसके पायलट सेना से रिटायर हैं। डीजीसीए ने हेली सेवा प्रदाता कंपनी की उड़ानों पर रोक लगा दी है। कंपनी में जिन यात्रियों ने टिकट बुक कराए हैं उन्हें अन्य कंपनियों के माध्यम से उड़ान की सुविधा दी है। उन्होंने बताया कि यह हेलीकाप्टर अगस्ता वेस्टलैंड कंपनी निर्मित एडब्लु- 119 माडल है।

पिछले वर्ष चली गई थी अधिकारी की जान : क्रिस्टल एविएशन के हेलीकाप्टर से 23 अप्रैल 2023 को केदारनाथ धाम में यात्रा तैयारियों का जायजा लेने गए यूकाडा के वित्त अधिकारी अमित सैनी की टेल रोटर की चपेट में आने से मौके पर मौत हो गई थी।

14 साल में 11वां हादसा, 33 की जा चुकी है जान

केदारनाथ धाम के लिए नौ हेली सेवाएं रोजाना ढाई सौ से अधिक उड़ानें भर रही हैं। हर उड़ान में छह से सात यात्री सफर करते हैं। रोजाना 1500 श्रद्धालु बाबा के दर्शनों के लिए पहुंच रहे हैं। पिछले 14 सालों में अब तक 10 हेली दुर्घटनाओं में 33 लोगों की मौत हो चुकी है।

सरकार सक्रिय

इंडियन साइबर क्राइम कोआर्डिनेशन सेंटर की गूगल, मेटा, वाट्सएप से चल रही बातचीत, एजेंसियों के फर्जी लोगो और मिलते-जुलते यूआरएल को तत्काल रोकने में मिलेगी मदद

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से साइबर ठगी पर लगाम लगाने की तैयारी

- हटाने के चंद मिनट में दूसरा फर्जी लोगो व यूआरएल इंटरनेट पर डाल देते हैं साइबर ठग

7,000 से ज्यादा ठगी के मामले हर दिन दर्ज किए जा रहे हैं साइबर क्राइम पोर्टल पर

नीलू रंजन ● जागरण

नई दिल्ली : आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआइ) साइबर ठगी पर लगाम लगाने में कारगर टूल साबित हो सकता है। खासतौर पर सरकारी एजेंसियों के लोगो (प्रतीक चिन्ह) के साथ भ्रामक विज्ञापनों के जरिये ठगी के मामले रोकने में इसके इस्तेमाल पर काम शुरू हो गया है। इंडियन साइबर क्राइम कोआर्डिनेशन सेंटर (आइ4सी) के सीईओ राजेश कुमार के अनुसार इसके लिए मेटा, वाट्सएप, गूगल से बातचीत चल रही है।

राजेश कुमार के अनुसार, साइबर ठगी में बड़े पैमाने पर राज्य पुलिस, सीबीआइ, कस्टम विभाग, आयकर विभाग जैसी सरकारी एजेंसियों के लोगो का बड़े पैमाने पर प्रयोग किया जाता है। इन लोगो को देखकर लोग झांसे में आ जाते हैं और ठगी के शिकार हो जाते हैं। यही नहीं, साइबर ठग सरकारी एजेंसियों के यूआरएल से मिलते-जुलते यूआरएल बना लेते हैं। आम लोगों के लिए इनमें अंतर पकड़ना मुश्किल हो जाता है। आइ4सी फर्जी यूआरएल व फर्जी लोगो वाले आनलाइन विज्ञापनों पर नजर रखता है। पकड़ में आने पर उन्हें हटाने के लिए संबंधित इंटरनेट प्लेटफार्म को सूचित भी करता है। पर जब तक ये फर्जी लोगो वाले विज्ञापन और फर्जी यूआरएल हटाए जाते हैं, तब तक बहुत सारे लोग ठगी के शिकार हो जाते हैं। यही नहीं एक फर्जी लोगो, फर्जी यूआरएल हटाने के चंद मिनट के अंदर साइबर ठग उसी तरह से दूसरा लोगो व यूआरएल इंटरनेट पर डाल देते हैं।

राजेश कुमार के अनुसार, इससे निपटने का एकमात्र तरीका है कि जैसे ही फर्जी लोगो या फर्जी यूआरएल इंटरनेट प्लेटफार्म पर अपलोड किए जाएं, तत्काल उन्हें हटा दिया जाए और ऐसा सिर्फ आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की मदद से ही हो सकता है। उन्होंने कहा, इसके लिए ऐसे आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस टूल तैयार करने पर काम चल रहा है, जो सरकारी एजेंसियों से मिलते जुलते फर्जी लोगो वाले विज्ञापन और फर्जी यूआरएल की तत्काल पहचान कर उन्हें आटोमैटिक तरीके से तत्काल इंटरनेट से हटा दें। उन्होंने कहा कि इसके शुरुआती नतीजे काफी उत्साहवर्धक हैं और सभी इंटरनेट प्लेटफार्म पर इनके इस्तेमाल की बातचीत चल रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि बहुत जल्द ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सहारे फर्जी लोगो और फर्जी यूआरएल का इस्तेमाल कर साइबर ठगी के मामलों को रोकने में काफी हद तक मिल सकती है।

ध्यान देने की बात है कि साइबर क्राइम पोर्टल पर हर दिन साइबर ठगी के 7,000 से अधिक मामले दर्ज किए जा रहे हैं। दक्षिण पूर्व एशियाई देश कंबोडिया, लाओस और म्यांमार में संगठित गिरोहों की सक्रियता ने साइबर ठगी की समस्या को विकराल बना दिया है। इस समस्या से निपटने के लिए एक समेकित रणनीति बनने के लिए पिछले हफ्ते गृह मंत्रालय के विशेष सचिव (आंतरिक सुरक्षा) की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया गया है, जिसमें कई विभागों के सचिव भी शामिल हैं।

****

15 लाख मतदाता नई दिल्ली में 17 प्रत्याशियों के भाग्य का करेंगे फैसला। सभी मतदान केंद्रों पर पोलिंग पार्टियां रात में ही पहुंचीं। करीब 11 हजार कर्मी संपन्न कराएंगे मतदान

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
शनिवार 25 मई, 2024

आज का मौसम

शनिवार को आसमान साफ रहेगा। दिन के वक्त 25 से 35 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलेगी। कहीं कहीं रात के समय भी खासी गर्मी रहेगी।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली		
25 मई	44.0	31.0
26 मई	45.0	31.0
नोएडा		
25 मई	44.0	31.0
26 मई	46.0	31.0
गुरुग्राम		
25 मई	44.0	30.0
26 मई	44.0	29.0

डिग्री सेल्सियस में

न्यूज गैलरी

चुनाव में 676.77 करोड़ के कीमती सामान, उपहार जब्त

नई दिल्ली : राजधानी में लोकसभा चुनाव में बड़े स्तर पर धन बल व शराब का इस्तेमाल हुआ। इस प्रयास 23 मई तक करीब 95.86 करोड़ की नकद राशि सहित कुल 676.77 करोड़ के कीमती सामान, महंगे उपहार व शराब जब्त हुई। 24 एजेंसियों ने मिलकर यह कार्रवाई की गई है। जब्त सामानों में 2.85 करोड़ कीमत की एक लाख 32 हजार 648 लीटर शराब, करीब 359.10 करोड़ रुपये की नशीली दवाएं, 212.38 करोड़ की कीमती धातु (आभूषण) व करीब 6.50 करोड़ के उपहार शामिल है। (राब्यू)

संक्रमण फैलाने के कृत्य में शामिल घोषित अपराधी दबोचा

नई दिल्ली : उत्तरी दिल्ली की एएटीएस की टीम ने बीमारी और जीवन के लिए खतरनाक संक्रमण फैलाने (एमआईएससी आईपीसी) के घातक कृत्य के एक मामले में शामिल घोषित अपराधी को गिरफ्तार किया है। एएटीएस की टीम ने 20 मई को गुप्त सूचना केआधार पर आरोपित को सेंट स्टीफंस अस्पताल के पास से छापा मार गिरफ्तार किया। 2021 में कोरोना काल के दौरान नियम तोड़ने पर पंजाबी बाग थाने में 2021 में दर्ज मामले में तीस हजारी अदालत द्वारा घोषित अपराधी घोषित किया गया था। आरोपित रवि उर्फ चीकू पर आइपीसी की धारा 188/269/270 मामला दर्ज किया गया था। (जासं)

धमकी भरा संदेश लिखने वाले आरोपित को मिली जमानत

नई दिल्ली: केजरीवाल के खिलाफ मेट्रो स्टेशन की दीवार पर धमकी भरा संदेश लिखने में आरोपित अंकित गोयल को तीस हजारी कोर्ट ने जमानत दे दी। उत्तर प्रदेश के बरेली से अंकित को गिरफ्तार करने के बाद दिल्ली पुलिस ने मजिस्ट्रेट अदालत में पेश किया, जहां से उसे जमानत मिल गई। अदालत ने कहा कि आरोपित के खिलाफ आइपीसी के तहत लगाए गए अपराध जमानती थे। (जासं)

मतदाताओं के स्वागत के लिए तैयार हैं बूथ

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- मतदाताओं के लिए प्रतीक्षा कक्ष से लेकर सेल्फी प्वाइंट की है व्यवस्था
- लुटियंस दिल्ली के मतदान केंद्रों पर बच्चों की बनाई गई पेंटिंग लगाई गई

आखिर आज वह समय आ ही गया जिसके लिए हर पांच साल तक मतदाता इंतजार करते हैं और अपने मुद्दों और पंसद को लेकर मतदान करते हैं। मतदान सहूलियत भरा रहे और किसी को कोई दिक्कत न हो इसके लिए सामान्य बूथों पर भी पानी से लेकर प्रतीक्षालय होंगे। वहीं, माडल बूथों से लेकर पिंक बूथ पर व्यवस्था जरा खास होगी। हर संसदीय क्षेत्र में दस-दस पिंक बूथ और दस-दस ही मडल बूथ बनाए गए हैं। इन बूथों पर प्रवेश द्वार को भी फूल मालाओं से लेकर पोस्टर होर्डिंग्स से सजाया गया है। साथ ही रेड कारपेट (लाल कालीन) और गुलाबी कालीन बिछी हुई हैं। इसके साथ ही प्रतीक्षालय में भी आरामदायक सोफे भी लगाए गए हैं। साथ ही एक टेबल भी है। आयोग के अनुसार दिल्लीभर में 70 माडल केंद्र होंगे जबकि 70 ही पिंक बूथ होंगे। गुलाबी रंग के टेंट व वस्तुओं से

इन पिंक बूथों को सजाया गया है जबकि कई स्थानों पर गुब्बारों से मोडल बूथों को सजाया गया है। साथ ही यहां पर पानी की व्यवस्था होगी ही। वहीं, प्रतीक्षालय मतदाताओं के प्रोत्साहित करने वाले संदेश भी होंगे। नई दिल्ली इलाके में एनडीएमसी के स्कूलों में बने ज्यादातर बूथों में स्कूली बच्चों द्वारा बनाई गई पेंटिंग और कागज की वस्तुओं और चित्रों को प्रदर्शित किया गया है। जिसमें पर्यावरण से लेकर स्वच्छता को दिखाने वाले संदेश भी होंगे। पिंक बूथ की खासियत यह होती है कि इस मतदान केंद्र पर जो कर्मी होंगी वह महिला होंगी। इन केंद्रों पर सेल्फी प्वाइंट भी बनाए गए हैं। इसी प्रकार माडल बूथों पर ज्यादातर फर्नीचर नया है। जिसमें सोफे से लेकर कार्पेट भी शामिल हैं। वहीं, इन बूथों का मुख्य द्वार भी फ्लैक्स के माध्यम से बनाया गया है।

मतदान के लिए तैयार तुगलक क्रिसेंट रोड स्थित वीवीआइपी मतदान केंद्र। ध्रुव कुमार

मतदान केंद्रें पर बच्चों के लिए खेलने का बनाया गया है स्थान

मतदान केंद्रों पर छोटे बच्चों के लिए भी खेलने का स्थान निश्चित किया गया है। इसके लिए अलग कमरे में छोटे बच्चों के खेलने के लिए खिलौने होंगे। जहां पर वह अभिभावक मतदान करने के दौरान बच्चों को वहां छोड़ सकते हैं और फिर बच्चों को ले जा सकते हैं। आयोग ने ज्यादातर मतदान केंद्रों पर यह व्यवस्था की है।

लोकसभा चुनाव के मतदान के लिए तैयार तुगलक क्रिसेंट रोड स्थित वीवीआइपी मतदान केंद्र जिसको मोडल बूथ के रूप में बनाया गया है। ध्रुव कुमार

मतदान के दौरान राजधानी के आठ बूथों का संचालन करेंगे दिव्यांग कर्मी

दिल्ली में 70 माडल और 70 पिंक बूथ होंगे। जबकि आठ बूथ ऐसे होंगे जिनका संचालन दिव्यांग कर्मी करेंगे। हर संसदीय क्षेत्र में एक-एक बूथ दिव्यांग बूथ बनाए गए हैं जबकि नई दिल्ली संसदीय क्षेत्र में मोती नगर और नई दिल्ली विधानसभा में दो दिव्यांग बूथ हैं। इन बूथों पर दिव्यांग कर्मी होंगे। साथ ही ज्यादातर बूथों पर बुजुर्ग और दिव्यांग कर्मियों के लिए व्हील चेयर की सुविधा तो होगी ही जबकि इन बूथों पर भी वह सुविधा होगी। चांदनी चौक के आदर्श नगर विधानसभा में सर्वोदय विद्यालय ए ब्लाक जहांगीरपुरी दिव्यांग बूथ होगा। जबकि उत्तर-पूर्वी दिल्ली लोकसभा में सीमापुरी के निगम स्कूल ताहिरपुर नंबर एक को दिव्यांग बूथ बनाया गया है। इसी पूर्वी दिल्ली लोकसभा में निगम स्कूल फेस एक जेज कालोनी मदनपुर खादर को दिव्यांग बूथ बनाया गया है। नई दिल्ली के मोती नगर विधानसभा में निगम स्कूल मानसरोवर गार्डन ई ब्लाक जबकि नई दिल्ली विधानसभा में लायंस विद्या मंदिर कश्मीर हाउस में दिव्यांग बूथ बनाया है।

डिम्टस के तहत क्लस्टर में काम करने वाले 350 कर्मियों का अनुबंध खत्म

राज्य ब्यूरो, जागरण, नई दिल्ली: दिल्ली में क्लस्टर बसों के संचालन की मानीटरिंग करने वाली कंपनी दिल्ली इंटीग्रेटेड मल्टी-माडल ट्रांजिट सिस्टम (डिम्ट्स) ने 350 कर्मचारियों का अनुबंध खत्म कर उन्हें नोटिस थमाया है। 10 साल से कंपनी में काम कर रहे कर्मचारियों को नोटिस से उनकी सेवाएं 19 जून को समाप्त करने की जानकारी दी गई है। अनुबंध खत्म करने और नोटिस मिलने के बाद से कर्मचारियों में आक्रोश है।

उन्होंने राजघाट डिपो में एकत्र होकर विरोध जताया। उन्होंने दिल्ली सरकार और डिम्ट्स के अधिकारियों पर वादाखिलाफी का आरोप लगाया। इस आदेश के खिलाफ वह कोर्ट जाने की तैयारी कर रहे हैं। डीटीसी कर्मचारी एकता यूनियन के अध्यक्ष ललित चौधरी और महामंत्री मनोज शर्मा ने डिम्ट्स के इस निर्णय का विरोध किया। उनका कहना है कि कर्मचारियों के साथ सरकार ने धोखा किया है। वहीं, क्लस्टर कर्मचारी विकास सिंह ने बताया कि उनकी नियुक्ति डिम्ट्स ने 2013 में की थी। उनके अलावा करीब 350 कर्मचारी भी 10 साल से इस कंपनी में कार्यरत हैं।

केजरीवाल के पीए विभव कुमार को चार दिन की न्यायिक अभिरक्षा में भेजा

दिल्ली पुलिस ने कहा, जांच में सहयोग नहीं कर रहा पीए, जवाब देने में कर रहा टालमटोल

मुंबई और नेटवर्क वीडियो रिकार्डर से जुटाए सुबूतों से विभव का कराया जाना है सामना

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल पर हमले से जुड़े मामले में तीस हजारी कोर्ट ने आरोपित व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निजी सहायक (पीए) विभव कुमार को चार दिन (28 मई तक) की न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया।

पुलिस अभिरक्षा की अवधि समाप्त होने के बाद विभव को अदालत में पेश कर चार दिन की न्यायिक अभिरक्षा की मांग की गई थी। मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट गौरव गोयल के समक्ष दायर आवेदन में पुलिस ने कहा कि जांच के दौरान गवाहों के बयानों के साथ इलेट्रानिक, वैज्ञानिक और चिकित्सा साक्ष्य एकत्र किए गए हैं। जांच के दौरान बरामद किए गए नेटवर्क वीडियो रिकार्डर (एनवीआर) में मामले से संबंधित सामग्री होने की बात कही गई है। एनवीआर को जब्त कर लिया गया है और फोरेंसिक विशेषज्ञों को जांच और विश्लेषण के लिए भेजा गया है। पुलिस ने दावा किया कि विभव जांच में सहयोग नहीं कर रहा है और जवाब देने में टालमटोल कर रहा है। वह अपने मोबाइल फोन का पासवर्ड भी नहीं बता रहा है। पुलिस ने अदालत को बताया कि मामले की जांच कर रही उनकी एक टीम मुंबई में है और इसके जल्द लौटने की संभावना है। आरोपित का सामना मुंबई और एनवीआर से जुटाए गए सुबूतों से कराया जाना है। सुनवाई के दौरान विभव कुमार के अधिवक्ता ने एक आवेदन दायर कर घटना वाले दिन के केजरीवाल के आवास से एकत्र सीसीटीवी फुटेज की एक प्रति मांगी। विशेष लोक अभियोजक अतुल श्रीवास्तव ने याचिका का विरोध करते हुए कहा कि इस स्तर पर कानून के तहत आरोपित को सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध नहीं कराया जा सकता है। अदालत ने विभव कुमार की याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है।

आरोपित विभव को नई दिल्ली सिविल लाइंस पुलिस स्टेशन से अस्पताल ले जाया गया। प्रेट्र

विभव कुमार दुशासन, दुर्योधन हैं केजरीवाल : भाजपा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : दिल्ली की संसदीय सीटों पर मतदान से ऐन पहले भाजपा ने एक बार फिर से सांसद स्वाति मालीवाल के साथ मारपीट के मामले को लेकर आम आदमी पार्टी को घेरने की कोशिश की है। पीए विभव कुमार को दुशासन और केजरीवाल को दुर्योधन की संज्ञा देते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि सीएम आवास के आठ-दस मिनट के वीडियो में घटना का पूरा सच छिपा था, इसलिए केजरीवाल ने सीसीटीवी फुटेज नष्ट कराया। दिल्ली की जनता शनिवार को कट्टर बेईमान और महिला विरोधी मुख्यमंत्री केजरीवाल पर वोट की चोट करेगी। भाजपा प्रवक्ता ने शुक्रवार को कहा कि आप सांसद स्वाति मालीवाल द्वारा सामने लाए गए तथ्यों को उजागर करके महिला विरोधी, कट्टर बेईमान, पापी आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल से सवाल पूछना भाजपा की जिम्मेदारी है। शनिवार को दिल्ली में मतदान होना है और जहां-जहां भाजपा के नेता जनता से संपर्क कर रहे हैं, वहां जनता महिला विरोधी मुख्यमंत्री को लेकर सवाल पूछ रही है। बड़ा प्रश्न है कि केजरीवाल सबसे सवाल पूछते आए हैं, लेकिन अपने ही आवास पर एक महिला सांसद के साथ मारपीट होती है तो वही केजरीवाल उत्तर देने के लिए एक शब्द नहीं बोल रहे। गौरव भाटिया ने कहा कि इस घटना से महिला विरोधी केजरीवाल का असली चरित्र सामने आएगा, क्योंकि खामोशी कई बार लाखों शब्दों पर भारी पड़ती है। सीएम आवास का फुटेज कहां गायब हो गया? मालीवाल ने कहा है कि मारपीट के समय विभव कुमार ने एक आठ-दस मिनट का वीडियो बनाया। आज प्रश्न है कि सीसीटीवी फुटेज क्यों नष्ट कर दिया जाता है?

गौरव भाटिया।

प्रधानमंत्री ने माना, शराब घोटाला है फर्जी, नहीं मिला कोई सबूत : सीएम

राज्य ब्यूरो, जागरण • नई दिल्ली

मुख्यमंत्री ने अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को दावा किया है प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी स्वीकार कर ही लिया कि शराब घोटाला पूरी तरह से फर्जी है। ईडी-सीबीआइ के पास घोटाला होने का कोई सबूत नहीं है। उन्होंने यह दावा प्रधानमंत्री के एक साक्षात्कार में दिए बयान का हवाला देते हुए किया। डिजिटल पत्रकार वार्ता में केजरीवाल ने कहा कि, प्रधानमंत्री ने कहा है कि कोई सबूत इसलिए नहीं मिला, क्योंकि केजरीवाल अनुभवी चोर है। केजरीवाल ने प्रधानमंत्री से पूछा कि क्या आपकी ईडी-सीबीआइ के अधिकारी निकम्मे हैं? सच्चाई तो यह है कि मेरी गलत गिरफ्तारी को जायज ठहराने के लिए मोदी जी यह एक बहाना बना रहे हैं कि केजरीवाल अनुभवी चोर है।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं सीएम केजरीवाल ने कहा कि इन्होंने पिछले दो साल से शोर मचा रखा है कि दिल्ली में शराब घोटाला हो गया। इन्होंने मुझे गिरफ्तार कर लिया। संजय सिंह और मनीष सिसोदिया को गिरफ्तार कर लिया। पूरे देश में 500 से ज्यादा रेड कर लीं। पता नहीं और कितने लोगों को गिरफ्तार कर लिया। ये कहते हैं कि हमने 100 करोड़ रुपये की रिश्वत ली है। अभी थोड़े दिन पहले बोले कि 1100 करोड़ रुपये का घोटाला है। एक बड़ा प्रश्न ये उठता है कि अगर 100 करोड़ या 1100 करोड़ रुपये का घोटाला है तो वो पैसा कहीं पर तो रखा होगा। लेकिन इन्हें कहीं एक चवन्नी नहीं मिली। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री जी, जब आप ये कबूल कर ही चुके हैं कि पूरा शराब घोटाला फर्जी है। आपके पास कोई सबूत या रिकवरी नहीं है, तो आप उन सभी लोगों को छोड़ दीजिए, जिन्हें इस मामले में गिरफ्तार कर रखा है।

अरविंद केजरीवाल। फाइल

भाजपा का पलटवार, कहा-उल्टा चोर कोतवाल को डांटे

नई दिल्ली, प्रेट्र : भाजपा ने शुक्रवार को आबकारी नीति मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की भूमिका की तुलना एक पार्श्व गायक से की, जो स्क्रीन पर दिखाई नहीं देता है लेकिन गाने में आवाज रहती है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि भाजपा पर केजरीवाल का हमला उल्टा चोर कोतवाल को डांटे जैसा है। सुधांशु त्रिवेदी ने केजरीवाल के निर्दोष होने के दावे को खारिज कर दिया और कहा कि जांचकर्ताओं ने भ्रष्टाचार के पैसे में केजरीवाल की संलिप्तता है।

के. कविता को जमानत देने से जांच पर पड़ेगा प्रतिकूल प्रभाव : हाई कोर्ट

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- बीआरएस नेता के. कविता की जमानत याचिका का ईडी ने किया विरोध

आबकारी घोटाले से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में आरोपित बीआरएस नेता के. कविता की जमानत का विरोध करते हुए ईडी ने कहा कि कविता को रिहा करने से जांच पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। ईडी ने तर्क दिया कि कविता एक प्रभावशाली व्यक्ति हैं और उन पर गंभीर आर्थिक अपराध करने का आरोप है। एजेंसी ने कहा कि कविता में सुबूतों के साथ छेड़छाड़ करने और गवाहों को प्रभावित करने की क्षमता है।

ईडी ने न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ के समक्ष कहा कि के. कविता ने अन्य लोगों के साथ साजिश रची और 100 करोड़ रुपये की रिश्वत के भुगतान में सक्रिय रूप से शामिल रहीं। कविता की जमानत याचिका पर हलफनामा दाखिल कर जांच एजेंसी ने कहा कि मनी लांड्रिंग के अपराध से कविता को जोड़ने के लिए पर्याप्त सबूत हैं और अपराध की आय का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है। ईडी ने तर्क दिया कि अगर उसे जमानत पर रिहा किया गया, तो महत्वपूर्ण सुबूत नष्ट होने की आशंका है।

ईडी ने कविता की भूमि पर कहा कि मामले में सह-आरोपित, उनके सहयोगी अरुण रामचंद्रन पिल्लई के बयानों से पता चला है कि आम आदमी पार्टी को 100 करोड़ रुपये के भुगतान के बदले में के. कविता को कुछ थोक कंपनियों में हिस्सेदारी मिलेगी।

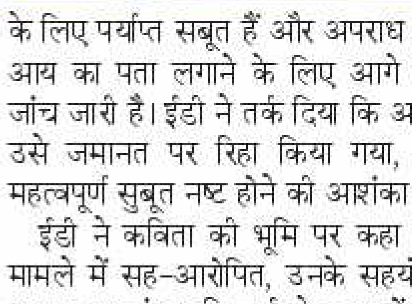

आरोप शिकायतकर्ता के चरित्र और राष्ट्र के प्रति वफादारी पर सीधा हमला : हाई कोर्ट

प्रथम पृष्ठ से आगे

अदालत ने निष्कर्ष निकाला कि ऐसे आरोप शिकायतकर्ता के व्यक्तिगत चरित्र और राष्ट्र के प्रति वफादारी पर सीधा हमला था। अदालत ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र में ऐसे आरोप विशेष रूप से गंभीर हैं, जहां देशभक्ति को महत्व दिया जाता है। अदालत ने कहा कि किसी की राष्ट्रीय निष्ठा पर सवाल उठाने से उनकी सार्वजनिक छवि और सामाजिक प्रतिष्ठा को अपूरणीय क्षति हो सकती है। ऐसे शब्द न केवल भड़काऊ थे, बल्कि इनका उद्देश्य सार्वजनिक आक्रोश भड़काना और शिकायतकर्ता के सम्मान को कम करना था। अदालत ने कहा कि मेधा का सक्सेना पर यह आरोप लगाना कि वह गुजरात के लोगों और उनके संसाधनों को विदेशी हितों के लिए गिरवी रख रहे थे, उनकी ईमानदारी और सार्वजनिक सेवा पर सीधा हमला था। मेधा इन दावों का खंडन करने के लिए या यह दिखाने के लिए कोई सुबूत देने में विफल रहीं कि आरोपों से होने वाले नुकसान का उनका इरादा या पूर्वानुमान नहीं था। परिणामस्वरूप शिकायतकर्ता के जानकारों के बीच पैदा हुए संदेह से उसकी प्रतिष्ठा को महत्वपूर्ण नुकसान पहुंचा है। अदालत ने मेधा पाटकर को सुनाई जाने वाली सजा की अवधि पर जिरह के लिए अगली सुनवाई 30 मई को निर्धारित की है।

यह था मामला : यह मामला वर्ष 2000 का है। उस समय वीके सक्सेना नेशनल काउंसिल आफ सिविल लिबर्टीज के अध्यक्ष थे और उन्होंने मेधा के नर्मदा बचाओ आंदोलन के खिलाफ एक विज्ञापन प्रकाशित किया था। मेधा का यह आंदोलन नर्मदा नदी पर बांधों के निर्माण का विरोध कर रहा था। विज्ञापन के प्रकाशन के बाद मेधा ने सक्सेना के खिलाफ प्रेस नोट जारी किया। उस के आधार पर सक्सेना ने 2001 में अहमदाबाद की एक अदालत में मेधा के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया।

मतदान से ठीक पहले दिल्ली सरकार और एलजी के बीच आरोप-प्रत्यारोप

राज्य ब्यूरो, जागरण

नई दिल्ली : शनिवार को दिल्ली में लोकसभा की सात सीटों के लिए मतदान होना है, लेकिन इससे पहले राजनीतिक रार लगातार जारी है। दिल्ली सरकार और दिल्ली के एलजी के बीच आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गया। जहां दिल्ली सरकार की मंत्री ने एलजी पर आरोप लगाया कि वह गठबंधन के प्रत्याशियों के बढ़त वाले इलाके में धीमा मतदान करवा सकते हैं, वहीं एलजी हाउस ने कहा कि दिल्ली सरकार मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए शनिवार को बिजली-पानी का संकट खड़ा कर सकती है।

आतिशी ने लगाया एलजी पर धीमा मतदान कराने का आरोप: दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी ने एलजी वीके सक्सेना पर बड़ा आरोप लगाया है। आतिशी का कहना है कि सक्सेना ने दिल्ली पुलिस को उन इलाकों में धीमा मतदान कराने के निर्देश दिए हैं, जहां पर आइएनडीआइ गठबंधन के वोटर भारी संख्या में हैं। आतिशी ने यह आरोप शुक्रवार रात को एक्स पर एक पोस्ट लिखते हुए लगाया। साथ ही चुनाव आयोग से हस्तक्षेप करने की मांग की है।

एलजी हाउस ने बिजली-पानी काटने का लगाया आरोप: एलजी हाउस के सूत्रों के मुताबिक केजरीवाल के आदेश पर बिजली व जल मंत्री आतिशी ने बिजली कंपनियों तथा जल बोर्ड को निर्देश दिए हैं कि शुक्रवार रात व शनिवार को सभी इलाकों में जान बूझ कर बिजली काटी जाए और पानी की सप्लाई न की जाए।

मंत्री आतिशी और एलजी वीके सक्सेना। फाइल

कर्जदारों से तंग परिवार के छह सदस्यों ने काटीं कलाई की नसें

जासं, फरीदाबाद: 40 करोड़ से अधिक के कर्ज और कर्जदारों की धमकी से परेशान सेक्टर-37 में रहने वाले एक परिवार के छह सदस्यों ने अपनी-अपनी कलाई की नसें काट लीं। इनमें एक की मौत हो गई, जबकि पांच जख्मी हैं। सभी एशियन अस्पताल में भर्ती हैं। इनमें श्याम गोयल की पत्नी व पुत्रवधू की हालत गंभीर है। पुलिस ने श्याम के बेटे अनिरुद्ध की शिकायत पर मुंबई निवासी किशन, अहमदाबाद निवासी स्वामी, रोहिणी, दिल्ली के सन्नी, दुबई में रहने वाले गैरी उर्फ दीवानसुख, आकाश व 10 अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

सेक्टर-37 के मकान नंबर 406 में अनिरुद्ध गोयल परिवार सहित रहते हैं। परिवार में पिता श्याम गोयल, माता साधना, पत्नी निधि, बेटा हिमांग और धनंजय है। श्याम का पहले चांदनी चौक में देसी घी का काम था, लेकिन अब वह कुछ नहीं करते थे।

सुविधा

पांच वर्षीय विधि कार्यक्रम के लिए 6,700 छात्रों ने कराए पंजीकरण, बीटेक कार्यक्रम के लिए सात हजार छात्रों ने कराए पंजीकरण

पांच जून बढ़ाए गए डीयू पीजी के लिए प्रवेश, अब तक 75 हजार पंजीकरण

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर (पीजी) में प्रवेश की प्रक्रिया को 25 मई से बढ़ाकर पांच जून तक कर दिया गया है। पांच वर्षीय विधि कार्यक्रम और बीटेक के लिए भी पांच जून तक पंजीकरण कराए जा सकते हैं। पीजी में अब तक 75 हजार छात्रों ने पंजीकरण कराया है। डीयू प्रवेश शाखा का कहना है कि लोकसभा चुनाव को देखते हुए तारीख बढ़ाई गई है।

डीयू में पीजी समेत विधि कार्यक्रम और बीटेक के लिए 25 अप्रैल को प्रवेश प्रक्रिया शुरू की गई थी। सामान्य सीट आवंटन प्रणाली (सीएसएएस) पोर्टल के जरिये छात्र पंजीकरण करा सकते हैं। पीजी में 13,500 सीटों के लिए 75 हजार से अधिक छात्रों ने आवेदन किए हैं। बीए एलएलबी और बीबीए एलएलबी 60-60 सीटों के लिए 6,700 और बीटेक की तीन शाखाओं की 120-120 सीटों के लिए सात हजार छात्रों ने पंजीकरण कराया है। अब छात्रों को आवेदन के लिए 10 दिन और मिल गए हैं। अब और आवेदन आएंगे। आवेदनों की संख्या और भी बढ़ सकती है। विधि कार्यक्रम में प्रवेश क्लैट के अंकों के आधार पर लिया जा रहा है, जबकि बीटेक में प्रवेश जेईई मेन के अंकों के आधार पर लिया जा रहा है। पीजी के लिए इस वर्ष 82 विषयों को छात्र प्रवेश के लिए चुन सकते हैं। पिछले वर्ष 77 विषयों को चुना जा सकता था। इस वर्ष एमए हिंदू स्टडीज, एमए चाइनीज, एमए कोरियन, मास्टर्स - पब्लिक हेल्थ और मास्टर्स- फाइन आर्ट के कोर्स इसमें जोड़े गए हैं। डीन एडमिशन प्रो. हनीत गांधी ने बताया कि प्रवेश का पहला चरण है। इसके बाद दूसरा चरण शुरू किया जाएगा। एनसीवेब के लिए भी पीजी में आवेदन किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि छात्र पांच जून से 12 जून तक त्रुटि सुधार कर सकते हैं। एक बार ही यह सुविधा दी जाती है, सुधार कर सब्मिट करने के बाद फार्म में बदलाव नहीं किया जा सकता।

मई के आखिरी सप्ताह में शुरू होगी स्नातक प्रवेश प्रक्रिया

डीयू में स्नातक के लिए प्रवेश की प्रक्रिया मई के आखिरी सप्ताह में शुरू हो जाएगी। इसमें कोई विशेष बदलाव इस साल नहीं किया गया है। हालांकि छात्रों को खाली सीटों की जानकारी उनके डैशबोर्ड पर दिखाई देगी। पहले इसे वेबसाइट से ही देखा जा सकता था। प्रक्रिया दो चरणों में होगी। पहले चरण में छात्र सामान्य पंजीकरण करा सकेंगे और बैंक डिटेल व प्राथमिक जानकारियां भरेंगे। सीयूईटी के परिणाम जारी होने के बाद दूसरा चरण होगा। इसमें छात्र प्राथमिक जानकारियों के साथ कालेज व कोर्स के संयोजन चुन सकेंगे। पिछले दो वर्ष से डीयू में सीयूईटी के जरिये प्रवेश लिए जा रहे हैं। सीयूईटी की परीक्षा 15 मई से शुरू हो गई है, जो 31 मई तक आयोजित की जाएगी। डीयू की प्रवेश शाखा के अधिकारी ने बताया कि 12वीं के परिणामों का असर डीयू में प्रवेश पर नहीं होता। इसमें सीयूईटी के अंक अधिक महत्वपूर्ण होते हैं। लेकिन, सीयूईटी में एक जैसे अंक आने पर टाई ब्रेकरसे प्रवेश दिए जाते हैं। इनमें 12वीं के अंकों का आकलन किया जाता है। जो विषय छात्र चुनता है, उन्हीं विषयों के एक, दो या तीन विषयों के अंकों की अधिकता के आधार पर प्रवेश दिया जाता है। टाई ब्रेकर की स्थिति कम होती है।

कह कर रहेंगे

माधव जोशी

****

159 उम्मीदवार 61 से 80 साल के बीच के हैं छठे चरण में। एडीआर की रिपोर्ट के अनुसार, मैदान में कुल 869 उम्मीदवार हैं। वहीं, 436 उम्मीदवार 41-60 वर्ष की आयु सीमा के हैं।

सिख मानते हैं कि मोदी ने की हर आस पूरी, फिर भी पंजाब में क्यों है नाराजगी?

भारतीय सीमा से सटे श्री करतारपुर साहिब गुरुद्वारे के खुले दर्शन के लिए दशकों तक अरदास होती रही। गुरदासपुर स्थित डेरा बाबा नानक से अपने गुरुधाम के दूरबीन से दर्शन करते समय मन में बस यही हूक उठती थी कि कब गुरुद्वारा साहिब में साक्षात दर्शन कर सकेंगे। श्री करतारपुर साहिब कोरिडोर बना और सिखों की पुरानी इच्छा पूरी हुई। सिख मानते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों से कोरिडोर बना है, लेकिन ऐसा माहौल बना कि किसान और सिख संगठन मोदी से नाराज हैं। इससे लोगों के मन में भी यह भावना घर कर गई है। बुद्धिजीवी कहते हैं कि यह पूरी तरह गलत है। इस पर गुरदासपुर स्थित डेरा बाबा नानक से इन्द्रप्रीत सिंह और अमृतसर से विपिन कुमार राणा की विशेष रिपोर्ट।

बठिंडा की अबनाश कौर श्री करतारपुर साहिब के दर्शन करके लौटी हैं। उनके चेहरे की रौनक बता रही है कि वर्षों से प्रतिदिन सुबह और शाम बिछड़े गुरुधामों के दर्शन की जो अरदास वह करती थीं, वह पूरी हो गई है। वह दर्शन के लिए अपने पूरे परिवार के साथ गई थीं, लेकिन वह मोदी से नाराज हैं। लगभग यही स्थिति गुरु का बाग अमृतसर के सुखराज सिंह, सिकंदर कौर और रविंदर कौर आदि श्रद्धालुओं की भी है, जो पहली बार करतारपुर साहिब जाकर आए हैं। उनकी भी बहुत समय से इच्छा थी कि वह करतारपुर साहिब जाएं, जहां श्री गुरु नानक देव ने अपने जीवन का लंबा समय व्यतीत किया था। अबनाश कौर सहित इन सब के अलावा कई और भी लोग थे, जो अभी तक अपने गुरुधाम के दूरबीन से दर्शन करते थे, लेकिन अब वहां जाकर आए हैं। वह कारिडोर को खोलने का श्रेय भी मोदी को देते हैं, लेकिन फिर भी नाराज हैं। आखिर यह विरोधाभासी रवैया क्यों? बेशक इस सवाल का सीधा उत्तर नहीं मिल पाए लेकिन शिक्षाविद और सिख मामलों पर रिसर्च करने वाले डा. रनबीर सिंह जैसे सिख बुद्धिजीवी जो दो टूक शब्दों में इसे ''विघटनकारी सोच से प्रेरित राजनीति'' ही मानते हैं। वह कहते हैं कि सिख धर्म और कृषि को एक-दूसरे का पर्याय बताकर भ्रमित प्रचार किया जाता है। तीन कृषि सुधार कानूनों के बाद पंजाब में चल रहे कृषि आंदोलन को सीधे सीधे सिख धर्म से जोड़कर भाजपा या मोदी सरकार की हर उस देन, जिससे पंजाब या सिख समुदाय का का फायदा होना निश्चित है, उसका विरोध कतई सही नहीं है। डा. रनबीर सिंह कहते हैं कि ऐसे विरोध के पीछे की पृष्ठभूमि को पंजाब के लोगों को समझना होगा। अब तक उन्हें अहसास हो जाना चाहिए कि क्षेत्रीय पार्टियां कभी नहीं चाहेंगी कि आंदोलन समाप्त हो, क्योंकि पंजाब में भाजपा के बढ़ते कदमों के साथ उन्हें अपना राजनीतिक अस्तित्व खत्म होते दिखाई देता है।

वोट बैंक नहीं, श्री गुरु ग्रंथ साहिब एवं सिख धर्म में है पीएम की विशेष आस्था

सिख धर्म से जुड़े या आस्था रखने वाले अधिकतर पंजाब वासी मोदी सरकार के कार्यों पर क्या सोचते हैं, जब यह प्रश्न विश्व भाई मरदाना यादगारी सोसायटी (फिरोजपुर) के वरिष्ठ उपप्रधान एवं सिख बुद्धिजीवी जगजीत सिंह भुल्लर से किया गया तो उन्होंने कहा कि सिख संगत की वर्षों पुरानी अरदास श्री करतारपुर साहिब कारिडोर खुलने से पूरी हुई। यह एकमात्र ऐसा मामला नहीं है, जिसमें प्रधानमंत्री ने निजी दिलचस्पी ली हो। विदेश में सिखों की काली सूची खत्म करना, लंगर पर जीएसटी खत्म करना और पहली बार छोटे साहिबजादों के नाम पर वीर बाल दिवस राष्ट्रीय स्तर पर मनाना शुरू करना, आदि कई काम उन्होंने किए हैं। श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाशोत्सव के 550 वर्ष पूरे होने पर मोदी ने बड़े स्तर पर समारोह मनाते हुए सुल्तानपुर लोधी को स्मार्ट सिटी का दर्जा दिया। लाल किले में श्री गुरु तेग बहादुर जी का बलिदान दिवस मनाने के साथ कई शताब्दी समारोह मनाए गए। ऐसे सब फैसले केवल राजनीति या वोट बैंक पालिटिक्स के प्रभाव में नहीं लिए जा सकते। वह पूछते हैं कि अगर लिए जा सकते हैं तो फिर पूर्व प्रधानमंत्रियों ने क्यों नहीं लिए? भुल्लर कहते हैं कि दरअसल, इन सब फैसलों के पीछे उनकी (प्रधानमंत्री) की श्री गुरु ग्रंथ साहिब एवं सिख धर्म के प्रति विशेष आस्था है, जिसे सिख समुदाय समझ ही नहीं पा रहा है।

जगजीत सिंह भुल्लर

बिना वजह के ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से नाराज हैं लोग

श्री ननकाना साहिब सिख यात्री जत्था भी प्रधानमंत्री मोदी से बिना वजह नाराजगी से सहमत नहीं है। जत्थे के उपप्रधान रोबिन गिल का कहना है कि प्रधानमंत्री ने विदेश में काली सूची को खत्म करवाया। काली सूची में शामिल सिख भारत विशेषकर पंजाब नहीं आ सकते थे। प्रधानमंत्री ने ऐसे प्रवासी भारतीय सिखों को दोबारा से भारत आने के लिए पासपोर्ट जारी करवाए, जिससे उन्हें राहत मिली। दिल्ली के दंगा पीड़ित दशकों तक दोषियों को सजा की राह देखते रहे, पर यह सजा मोदी सरकार में ही संभव हो सकी है। सरकार ने केसों की दोबारा पैरवी करते हुए आरोपितों सज्जन कुमार और नरेश सेहरावत को सजा दिलाई, जो आज भी जेल की सलाखों के पीछे हैं। मोदी सरकार ने ही 1984 के दंगा पीडितों को मुआवजा दिलाया था। सिख समाज के लिए इससे बड़ी और क्या बात हो सकती है।

राबिन गिल

सिख समुदाय की सुप्रीम संस्था शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के पूर्व सदस्य अमरिंदर सिंह भी मानते हैं कि मोदी सरकार ने सिखों के लिए वह सब किया जो पूर्व में केंद्र सरकारें कभी सोच भी नहीं सकीं, लेकिन भाजपा या मोदी के विरोध को वह राजनीति से ज्यादा सिख समुदाय से जुड़ी लड़ाई मानते हैं। अमरिंदर सिंह इस मामले में आगे कहते हैं कि दिल्ली गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की बात हो या एसजीपीसी के स्थान पर हरियाणा गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी बनाने का मुद्दा, मुझे लगता है कि कोई भी काम करने से पहले सिखों को विश्वास में लेना चाहिए। ऐसे कार्य प्रशासनिक वजहों से जरूरी हों तो भी इन पर निर्णय करने से पहले सिख समुदाय से बातचीत कर मामले को बेहतर तरीके से हल करने का प्रयास करना चाहिए।

गोरक्षपीठ की आभा में उलझा जातीय गणित

साढ़े तीन दशक से गोरक्षपीठ की परंपरागत सीट होने की वजह से गोरखपुर लोकसभा क्षेत्र की सियासी सरगर्मी पर पूरे देश की नजर है। पीठ का खड़ाऊं लेकर भाजपा के टिकट पर चुनाव मैदान में उतरने वाले सांसद रवि किशन उसी आभा मंडल के सहारे दूसरी बार सांसद बनने के प्रयास में लगे हैं। क्षेत्र से पांच बार सांसद रह चुके मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरपरस्ती में अपनी जीत का दावा कर रहे रवि किशन का मुकाबला इस बार इंडी गठबंधन से है, जिसने सपा प्रत्याशी काजल निषाद को मैदान में उतारा है। गठबंधन का भरोसा जातीय समीकरण पर है पर इस समीकरण के मंदिर की आभा में उलझे होने का अहसास भी सभी को है। नाथ पीठ की परंपरागत सीट के वर्तमान समीकरण पर डा. राकेश राय की रिपोर्ट

चर्चित सीट गोरखपुर

रवि किशन, प्रत्याशी, भाजपा

गोरखपुर के सांसद

1967	महंत दिग्विजयनाथ
1977	हरिकेश बहादुर
1989	महंत अवेद्यनाथ
1991	महंत अवेद्यनाथ
1996	महंत अवेद्यनाथ
1998	योगी आदित्यनाथ
1999	योगी आदित्यनाथ
2004	योगी आदित्यनाथ
2009	योगी आदित्यनाथ
2014	योगी आदित्यनाथ
2019	रवींद्र शुक्ला 'रवि किशन'

काजल निषाद, प्रत्याशी, सपा

गोरखपुर सीट के संसदीय चुनावों के आंकड़ों पर गौर करें तो 1984 तक हुए आठ चुनावों में यहां छह बार कांग्रेस का दबदबा रहा। इस बीच सिर्फ दो बार कांग्रेस को यह सीट गंवानी पड़ी थी। 1967 में गोरक्षपीठ के तत्कालीन महंत दिग्विजयनाथ से और 1977 में इमरजेंसी के विरोध की लहर में जनता पार्टी के प्रत्याशी हरिकेश बहादुर से। 1984 के चुनाव में सफलता हासिल करने के बाद से ही इस संसदीय क्षेत्र में कांग्रेस पहले जीत को तरसती रही और उसके बाद जमानत बचाने तक के लिए।

पिछली सदी के अंतिम दशक से गोरखपुर की सीट पर गोरक्षपीठ का दबदबा बना, जो अब तक बरकरार है। 1989 से लेकर 1996 तक तीन चुनावों में तत्कालीन गोरक्षपीठाधीश्वर महंत अवेद्यनाथ और 1998 से लेकर 2014 तक पांच चुनाव में वर्तमान पीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ को जनता ने संसद के लिए अपना प्रतिनिधि चुना। इसके पहले 1967 में तत्कालीन महंत दिग्विजयनाथ और 1969 में उनके ब्रह्मलीन होने के बाद महंत अवेद्यनाथ गोरखपुर संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर चुके थे। राममंदिर आंदोलन के दौर में 1989 के चुनाव में महंत अवेद्यनाथ ने दोबारा राजनीति में वापसी की और उसके बाद फिर गोरखपुर लोकसभा क्षेत्र पर गोरक्षपीठ के दबदबे का सिलसिला चल पड़ा। 1989 का चुनाव महंत अवेद्यनाथ ने हिंदू महासभा के प्रत्याशी के रूप में लड़ा था, उसके बाद वह और उनके शिष्य योगी आदित्यनाथ लगातार भाजपा के दिग्गज नेताओं की कतार में शामिल होकर लड़ते और जीत हासिल करते रहे। बीते दो लोकसभा चुनाव की बात करें तो गोरखपुर व बस्ती मंडल की सभी नौ की नौ सीटों पर पीठ के आभामंडल से भाजपा के प्रत्याशियों को जिताते रहे। इस क्षेत्र को भगवा खेमे का गढ़ बनाने का श्रेय नाथ पीठ को ही है। योगी के 2017 में मुख्यमंत्री बनने के बाद गोरक्षपीठ का चेहरा भले ही संसदीय सीट पर नहीं दिखता है, लेकिन एक साल के उप चुनाव वाले कार्यकाल को हटा दें तो 2019 से वर्तमान सांसद रवि किशन खुद को गोरक्षपीठ का सेवक और पीठ का खड़ाऊं रखकर सेवा करने वाला बताकर यह कहने से नहीं चूकते कि वह योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में ही चुनाव लड़ रहे।

उधर, गठबंधन प्रत्याशी 2018 के उप चुनाव में जातीय समीकरण के जरिये सपा प्रत्याशी प्रवीण निषाद (वर्तमान में संतकबीर नगर से भाजपा प्रत्याशी) को मिली जीत को नजीर मानकर एक बार फिर मंदिर की आभा में उलझे नजर आ रहे। इसे नजरअंदाज कर कि 2019 के लोस में सपा के सारे समीकरण धरे रह गए और गोरखपुर की सीट वापस भगवा खेमे में आ गई है।

गोरखपुर में प्रचार के लिए मोदी और योगी के कटआउट ले जाता कार्यकर्ता • जागरण

निषाद प्रत्याशियों पर ही दांव लगाती है सपा: निषाद बहुल संसदीय क्षेत्र मानकर सपा गोरखपुर संसदीय सीट पर निषाद प्रत्याशियों के जरिये ही दांव आजमाती रही है। हालांकि आम चुनाव में यह हमेशा बेअसर ही साबित हुआ है। पिछली बार निषाद प्रत्याशी रामभुआल निषाद को रवि किशन से मिली करारी हार के बाद एक बार फिर सपा ने पुरानी रणनीति अपनाते हुए निषाद प्रत्याशी काजल को चुनाव मैदान में उतारा है। पर सपा का यह दांव सफल होगा, इसपर संशय इसलिए दिख रहा क्योंकि निषाद बिरादरी के वोटों पर अधिकार बताने वाली निषाद पार्टी भाजपा की सहयोगी होने के कारण रवि किशन के साथ है। उधर, रवि किशन खुद कह रहे हैं कि यह मंदिर की सीट है और फिर मंदिर की ही रहेगी। भाजपा और रवि किशन इस बात को अच्छी तरह समझते हैं कि नाथपीठ के प्रति आस्था ने हमेशा ही जातीय समीकरणों को ध्वस्त किया है। लिहाजा उनकी रणनीति उसी आस्था को आगे कर एक बार फिर यह संसदीय सीट को अपने नाम पर है।

बिहार की जातीय धारा में राजनीति की पतवार थाम रहे नए नाविक

अश्विनी • जागरण

- बिहार में लोस चुनाव की जमीन पर बिछाई जा रही विस की बिसात
- पिछड़े-अति पिछड़े और वंचितों में नेतृत्व की असली लड़ाई
- भाजपा-कांग्रेस भले ही मुख्य नदियां, मगर सहायक नदियों बिन अधूरे

पटना: मानसून में बाढ़ और कटाव होना ही होना है। कहीं जमीन नदियों में समा जाती है, कहीं उसमें डूबी भूमि बाहर निकल आती है। नदियां अपनी धारा बदलती रहती हैं। यह प्रकृति का नियम है। कुछ तो प्राकृतिक और कुछ प्रकृति से छेड़छाड़ का परिणाम। बिहार की राजनीति भी ठीक इन नदियों की तरह है। समाज की जातीय धारा। बनते-बिगड़ते समीकरण। कहीं जमीन खिसकती हुई तो कहीं फिर से बाहर निकलती हुई।

यह समय लोकसभा चुनाव का है। राजनीतिक धाराओं का संगम भी है, अलगाव भी। उत्तराधिकारी के रूप में नए नाविक भी तैयार हो रहे हैं। इसमें आने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारी देखी जा सकती है। पुरानी पीढ़ी ने राजनीति की धारा में नाव खेने का प्रशिक्षण अच्छे से दिया है। अब हाथ-पांव मारने को अकेला छोड़ दिया, ताकि वे उसकी गहराई को समझते हुए पार उतर सकें। बाहर से उन पर दृष्टि जरूर है। इस नई पीढ़ी में कई चेहरे हैं, जो अपनी राजनीतिक जमीन बचाने को जातीय घेरे का बांध बनाने में जुटे हैं। 'जातीय बांध' इसलिए, क्योंकि यह यहां की राजनीति के मूल में है। दो धड़े हैं। एक ओर एनडीए, दूसरी ओर आइएनडीआइए। इन्हें मुख्य नदियां कह सकते हैं। राष्ट्रीय फलक पर गंगा और गंडक की तरह। सहयोगी नदियों से इनकी धारा को और प्रवाह मिलता है, जो क्षेत्रीय स्तर पर प्रभावी हैं। नदी की धाराओं की ही तरह राजनीति के प्रवाह को समझा जा सकता है। भाजपा यहां जदयू और लोजपा के साथ प्रवाहित होती रही है तो कांग्रेस राजद के साथ। वाम दल और विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) भी है। भाजपा-जदयू का संगम पुराना है, अलगाव भी हुआ, फिर साथ-साथ। आइएनडीआइए खेमे में कांग्रेस और राजद की पुरानी संगत है। कुल मिलाकर यही राजनीतिक परिदृश्य है, जिसमें नई पीढ़ी अब नावों की पतवार थाम चुकी है। इनमें राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद के पुत्र तेजस्वी यादव हैं तो दूसरी और दिवंगत हो चुके रामविलास पासवान के पुत्र चिराग पासवान।

राजद की बागडोर अभी लालू के ही हाथ में है, पर नाव तेजस्वी खे रहे। चिराग अपनी पार्टी की नाव के सर्वेसर्वा बन चुके हैं। नदियों के कटाव की तरह इनकी मूल पार्टी लोजपा दो धड़ों में बंट चुकी है, जिसमें एक चाचा पशुपति कुमार पारस के नेतृत्व में है। हालांकि, सक्रियता दिख नहीं रही। लोजपा (रामविलास) का नेतृत्व सीधे चिराग के हाथों में। ये दशकों की मूल धाराएं हैं, जिनमें नया नेतृत्व तैयार हो चुका है। भाजपा में सम्राट चौधरी को क्षेत्रीय उभार मिला है। चुनावी सरगर्मी चरम पर है। बात जातीय समीकरणों की करें तो नेतृत्व को लेकर बिहार में पिछड़े-अति पिछड़े और वंचित समाज के बीच ही असली लड़ाई दिख रही है। सवर्ण का साथ किसी के लिए प्लस प्वाइंट है। मुस्लिम वोट की अहमियत भले हो, पर नेतृत्व जैसी स्थिति नहीं। इनमें कौन कितनी सहायक नदियों को जोड़ सकता है, वह आने वाले समय में बहुत कुछ तय करेगा। सो, जोर-आजमाइश इसी की है। पिछड़े-अति पिछड़ों में यादव, कुर्मी, कुशवाहा जैसी जातियां राजनीतिक रूप से प्रभाव रखती हैं। वंचितों में पासवान समाज के साथ मुसहर, रविदास आदि संख्या बल में हैं। मुसहर समाज से जीतनराम मांझी अभी स्वयं हावी हैं, बेटे संतोष कुमार सुमन को तैयार कर रहे। तेजस्वी का पारंपरिक एमवाई समीकरण साथ है। कटाव तो यहां भी हुआ, पर पिछले विधानसभा चुनाव में ही उन्होंने बांध बांधने का भरपूर प्रयास किया। दिख रहा है। सम्राट चौधरी कुशवाहा जमीन को समेटने में जुटे हैं। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व का मार्गदर्शन भी है। इनके पिता शकुनी चौधरी यहां की राजनीति में प्रभावी भूमिका में थे, पर सम्राट भी अब अकेले स्वयं का अस्तित्व गढ़ रहे। चिराग वंचित समाज का बांध बनाने में जुटे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सभा में जिस तरह उन्हें सराहा है, वह इस धारा में भविष्य का संकेत भी है। हर बड़ी नदी को सहायक नदियों की जरूरत है। वीआइपी के मुकेश सहनी भाजपा के साथ थे, वहां से कटाव हो गया तो धारा राजद संग जा मिली। स्वयं को उप मुख्यमंत्री के रूप में प्रोजेक्ट भी कर चुके हैं।

बात क्षेत्रीय क्षत्रपों के मुद्दों की करें तो तेजस्वी ने रोजगार को हथियार बना रखा है। चिराग आध्यात्मिक गलियारों में भी पर्यटन के औद्योगिक विकास से रोजगार ढूंढ़ रहे। जातीय कैनवास पर भावनाओं का रंग गहरा है। राजनीतिक दलों में नई पीढ़ी लोकसभा चुनाव की जमीन पर आने वाले विधानसभा चुनाव का बिचड़ा भी अभी से बो रही है।

तेजस्वी यादव

चिराग पासवान

सम्राट चौधरी

मुकेश सहनी

चुनावी परिदृश्य

परिवारों की जंग में बदला जंगलमहल का युद्ध

जयकृष्ण वाजपेयी • जागरण

ममता बनर्जी

सुवेंदु अधिकारी

- तमलुक और कांथी लोस सीटों पर अधिकारी परिवार का 2009 से ही रहा है कब्जा
- एक ओर नंदीग्राम की हार का हिसाब चुकाने तो दूसरी ओर नया जख्म देने की तैयारी

कोलकाता: बंगाल में छठे चरण में आठ सीटों पर मतदान होना है। यह सभी सीटें राज्य के जंगलमहल कहे जाने वाले पूर्व व पश्चिम मेदिनीपुर, झाड़ग्राम, पुरुलिया और बांकुड़ा जिले की हैं। जहां माओवादियों का खूनी खेल हुआ करता था। अब शांति है। वैसे तो 2019 के लोस चुनाव का परिणाम देखें तो एससी, एसटी और ओबीसी बहुल इन आठ में से पांच पर भाजपा और तीन पर तृणमूल को जीत मिली थी। उन तीन में से भी पूर्व मेदिनीपुर की दो सीटें कांथी और तमलुक हैं जिस पर अधिकारी परिवार (शिशिर, सुवेंदु, दिब्येंदु अधिकारी) का 2009 से कब्जा रहा है। इन दो सीटों पर तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी और नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी के बीच मुकाबला काफी रोचक है। तमलुक ही वह लोकसभा सीट है जिसके अंतर्गत नंदीग्राम विस क्षेत्र है, जहां से 2021 में अपने चुनावी जीवन में पहली बार ममता को हार का सामना करना पड़ा और वह भी तृणमूल छोड़ भाजपा में गए अपने जूनियर नेता सुवेंदु अधिकारी से। इसीलिए इस जिले सिर्फ दो दलों की लड़ाई नहीं है, बल्कि पारिवारिक जंग भी है। एक तरफ बनर्जी हैं तो दूसरी ओर अधिकारी परिवार है।

तमलुक और कांथी पर 2009 से अधिकारी परिवार का रहा है कब्जा: 2009 से ही तमलुक और कांथी सीट पर अधिकारी परिवार का एकछत्र राज रहा है। कांथी से जहां सुवेंदु के पिता शिशिर अधिकारी तृणमूल के टिकट पर 2009 से लेकर अब तक सांसद हैं। वहीं तमलुक से दो बार 2009 और 2014 में तृणमूल के टिकट पर स्वयं सुवेंदु अधिकारी जीते थे। इसके बाद जब उन्होंने सांसद पद छोड़ा तो 2016 उपचुनाव और 2019 चुनाव में उनके भाई दिब्येंदु अधिकारी ने जीत दर्ज की थी। इस बार अधिकारी परिवार का तमलुक सीट पर कोई सदस्य नहीं है, बल्कि कलकत्ता हाई कोर्ट के जज रहे अभिजीत गंगोपाध्याय मैदान में हैं। वहीं कांथी से उनके पिता के बदले भाई सौमेंदु अधिकारी मैदान में है। ममता जहां कांथी और तमलुक जीतकर नंदीग्राम का हिसाब चुकाना चाहती हैं तो दूसरी ओर सुवेंदु कांथी और तमलुक जीतकर एक नया खाता खोलने को बेकरार हैं। वैसे जंगलमहल की आठों सीटों पर कांटे की टक्कर है।

बंगाल का रण

राष्ट्र के लिए जरूरी है मतदान

लोकसभा चुनाव में अधिक से अधिक मतदान हो, इसके लिए सतत जागरूकता अभियान चल रहे हैं। यह दृश्य हिमाचल प्रदेश के मंडी का है। जहां लोगों ने वोट डालने को राष्ट्र के प्रति प्रमुख दायित्व बताया। 'नेशन फर्स्ट, वोटिंग मस्ट' (राष्ट्र पहले, मतदान अवश्य) के संदेश के साथ मतदान का आग्रह किया गया • एएनआइ

चीन से सटे गांवों में वाइब्रेंट विलेज योजना से बढ़ी विकास की आस

हंसराज सैनी • जागरण

मंडी: हिमाचल के मंडी संसदीय क्षेत्र के दो जनजातीय जिले लाहुल-स्पीति व किन्नौर अब खामोश नहीं हैं। सीमांत गांवों में सन्नाटा नहीं है। अब वहां चीन नहीं, भारत का मोबाइल नेटवर्क चलता है। वाइब्रेंट विलेज योजना के अंतर्गत विकास को गति मिली है। योजना में केंद्र ने पहले लाहुल स्पीति के दो और किन्नौर के एक गांव को शामिल किया। वहीं, अब लाहुल-स्पीति के 20 और गांव शामिल किए हैं। इससे चीन से सटे गांवों का और तेजी से विकास होने की उम्मीद बंधी है। सड़कों की हालत सुधरेगी और मोबाइल नेटवर्क सुदृढ़ होगा तथा 48 वर्ष बाद लाहुल-स्पीति का कौरिक गांव फिर बसेगा। 1975 में भूस्खलन से कौरिक गांव का नामोनिशान मिट गया था। हालांकि उस समय सरकार ने गांव के 33 परिवारों को चंडीगढ़ में बसाने का प्रस्ताव दिया था। मगर लोगों ने जन्मभूमि नहीं छोड़ी थी।

2014 से पहले 2जी नेटवर्क भी ठीक से नहीं था: वर्ष 2014 से पहले लाहुल-स्पीति व किन्नौर जिले में मोबाइल नेटवर्क की स्थिति दयनीय थी। 3जी और 4जी तो दूर, 2जी नेटवर्क भी ठीक से उपलब्ध नहीं था। लोगों को बात करने 10 से 15 किलोमीटर दूर जाना पड़ता था। दैनिक जागरण जनजातीय क्षेत्रों में कमजोर मोबाइल नेटवर्क का मुद्दा प्रमुखता से उठाता आ रहा था। भाजपा के टिकट पर इस संसदीय क्षेत्र से रामस्वरूप शर्मा पहली बार सांसद निर्वाचित हुए थे। उन्होंने संसद के अंदर और बाहर जनजातीय क्षेत्रों में कमजोर मोबाइल नेटवर्क को लेकर आवाज बुलंद की थी। मोदी सरकार ने 4जी सेचुरेशन टावर सेवा की शुरुआत की है। लाहुल स्पीति व किन्नौर में 80 के करीब 4जी सुविधा से लैस टावर स्थापित किए गए। करीब 50 और टावर लगाने का काम चल रहा है। इससे यहां हर गांव में 4जी मोबाइल नेटवर्क की सुविधा मिलेगी। गत दिनों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चीन की सीमा के साथ सटे ग्यू गांव में 4जी मोबाइल नेटवर्क सुविधा का शुभारंभ किया था।

फैक्टर फंडा

तेजी से सुधर रही सड़कों की हालत, सीमा तक पहुंच हुई आसान: सीमांत क्षेत्रों में सड़कों के सुधार पर केंद्र सरकार विशेष ध्यान दे रही है। सड़कों की हालत तेजी से सुधर रही है। इससे सीमा तक सेना की पहुंच आसान हुई है। लोगों का जीवन सुगम हुआ है और पर्यटन को बढ़ावा मिला है। समदो-काजा-ग्रांफू सड़क को डबललेन करने का काम अंतिम चरण में है। केंद्र सरकार की इस पहल से सीमांत क्षेत्रों से लोगों का पलायन रुकेगा और उनके जीवन में सुधार होगा। साथ ही पर्यटन व सांस्कृतिक विरासत और कौशल विकास व उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा। किसानों व बागवानों को अपनी उपज मंडियों तक पहुंचाने में आसानी होगी।

महासमर से जुड़ी खबरों और सामग्री को विस्तार से पढ़ने के लिए स्कैन करें

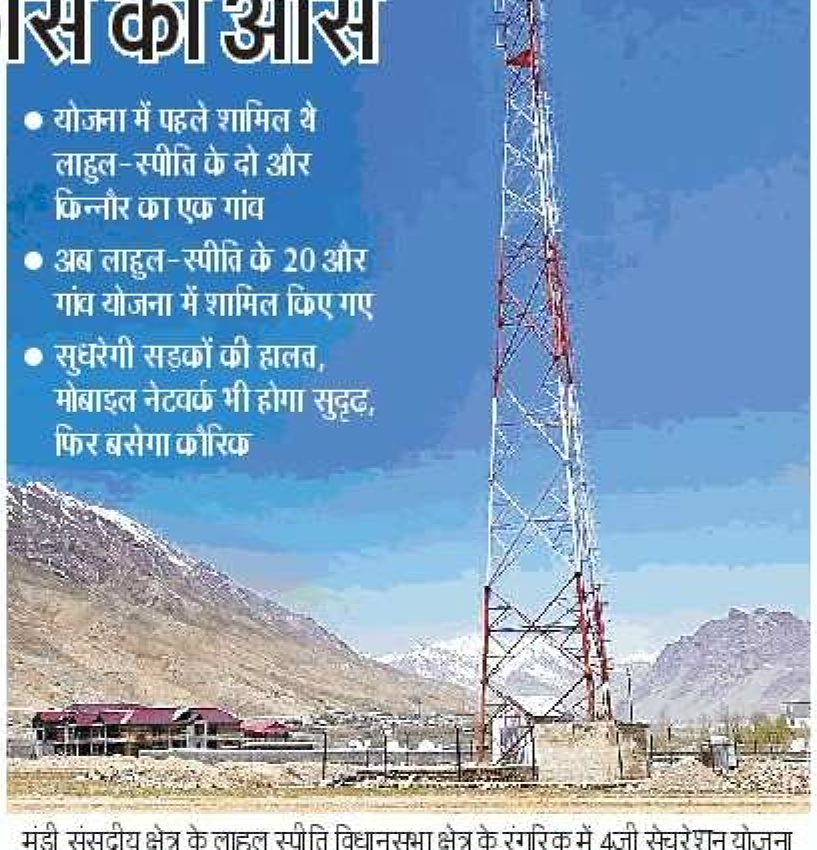

मंडी संसदीय क्षेत्र के लाहुल स्पीति विधानसभा क्षेत्र के रंगरिक में 4जी सेचुरेशन योजना के तहत लगा बीएसएनएल का मोबाइल टावर • जागरण आर्काइव

****

25 मई को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बिहार के चुनावी दौरे पर रहेंगे। वे पाटलिपुत्र, काराकाट एवं बक्सर संसदीय क्षेत्र में चुनावी जनसभाओं को संबोधित करेंगे। सबसे पहले सुबह 11 बजे पाटलीपुत्र में जनसभा को संबोधित करेंगे। 28 या 29 मई को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जहानाबाद या नालंदा में जनसभा हो सकती है।

पीएम ने काशी के दो हजार गणमान्य लोगों को पत्र भेजकर मांगा समर्थन

कला, साहित्य, चिकित्सा, कारोबार आदि क्षेत्र के प्रबुद्ध लोगों से की अपील

भाजपा कार्यकर्ता घर-घर जाकर प्रधानमंत्री का लिखा पत्र लोगों को सौंप रहे

जागरण संवाददाता, वाराणसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देशभर में जनसभाएं, रोड-शो आदि कर भाजपा प्रत्याशियों के लिए समर्थन जुटा रहे हैं। वह स्वयं वाराणसी संसदीय सीट से तीसरी बार चुनाव लड़ने जा रहे हैं। अपने नामांकन से पहले प्रधानमंत्री ने रोड-शो किया। इसके बाद कार्यकर्ताओं व महिलाओं के साथ संवाद कर चुके हैं। प्रधानमंत्री ने अब काशी के 2000 गणमान्य लोगों को पत्र भेजकर भाजपा को समर्थन देने और एक जून को मतदान करने की अपील की है।

प्रधानमंत्री भाजपा कार्यकर्ताओं और काशीवासियों से पहले भी अपील कर चुके हैं कि लोगों को मतदान के लिए बूथ तक लाने की जिम्मेदारी उनकी है। भाजपा की तरफ से लाभार्थी वर्गों, संत-महात्मा के साथ ही घर-घर जाकर मतदान अवश्य करने की अपील की जा रही है। भाजपा नेता गणपति यादव ने बताया कि गणमान्य में कलाकार, साहित्यकार, डाक्टर, इंजीनियर, व्यापारी, प्रगतिशील किसान, हस्तकला कारीगर, प्रोफेसर आदि शामिल हैं। अब तक 500 घरों में पत्र वितरित किया जा चुका है।

7:30
My Self
Today, 6:20 pm
नरेन्द्र दामोदरदास मोदी
भारतीय जनता पार्टी
मोदी सरकार

पीएम नरेन्द्र मोदी द्वारा काशीवासियों को भेजा गया पत्र। स्रोत- भाजपा

प्रधानमंत्री ने पत्र में यह लिखा है : 'भारतीय लोकतंत्र का यह सबसे बड़ा पर्व है। काशी में एक जून को मतदान होना है। काशी में आप सबके आत्मीय प्यार ने मुझे बनारसी बना दिया। मैं केवल सांसद ही नहीं, स्वयं को काशी के बेटे के रूप में पाता हूं। निवेदन है कि भाजपा के पक्ष में वोट दें। आपके एक वोट की ताकत से आज देश के भविष्य का निर्माण हो रहा है। काशी के बारे में मुझसे अधिक आपको पता है। इन 10 वर्षों में काशी के विकास को लेकर हमने जो संकल्प लिए थे, एक-एक कर पूरे हो रहे हैं। बाबा विश्वनाथ के आशीर्वाद से कुछ कर पाया, लेकिन अभी बहुत कुछ करना बाकी है। 2024 का चुनाव कई मायने में महत्वपूर्ण है। आपके मत एवं समर्थन से ही विकसित भारत का संकल्प पूर्ण होगा। परिवार के प्रत्येक सदस्यों एवं को मतदान स्थल तक लाने में सक्रिय योगदान करें।'

कांग्रेस को गरीबी, संकट वाला भारत पसंद

प्रथम पृष्ठ से आगे

पीएम बोले कि देश की जनता ने कई साल तक कांग्रेस का शासन देखा है। कांग्रेस को ऐसा भारत पसंद है जहां गरीबी हो, संकट हो, नागरिक समस्याओं से घिरे हों। वह देश में पुराने हालात वापस लाना चाहती है। इसलिए कांग्रेस कह रही है कि अगर हम सत्ता में आएंगे तो सीएए को खत्म करेंगे। मोदी ने समान नागरिक संहिता का संकल्प लिया है। कांग्रेस इसका विरोध कर रही है। कांग्रेस मुस्लिम पर्सनल ला के बहाने शरीया को समर्थन देती है।

देश को नेतृत्व देगा यह चुनाव

गुरुदासपुर में प्रधानमंत्री ने कहा कि 2024 का चुनाव देश को नेतृत्व देने वाला है। एक तरफ एनडीए है जिसके पास 'विकसित भारत का दृष्टिकोण, राष्ट्र प्रसंग का संकल्प और 10 साल का ट्रैक रिकार्ड व भ्रष्टाचार पर कड़ा प्रहार है और दूसरी तरफ इंडी गठबंधन है। जो घोर सांप्रदायिक, जातिवादी और परिवारवादी है।' प्रधानमंत्री ने कहा कि इसी गठबंधन ने सबसे ज्यादा घाव देश को दिए हैं। बंटवारे का घाव दिया, अस्थिरता का घाव, पंजाब में अशांति का दौर, भाईचारे पर हमला, हमारी आस्था पर चोट व दिल्ली में सिखों का नरसंहार किया। उन्होंने कहा कि यह मोदी ही है जिसने सिख दंगों की फाइलें खुलवाई और दोषियों को सजा दिलवाई।

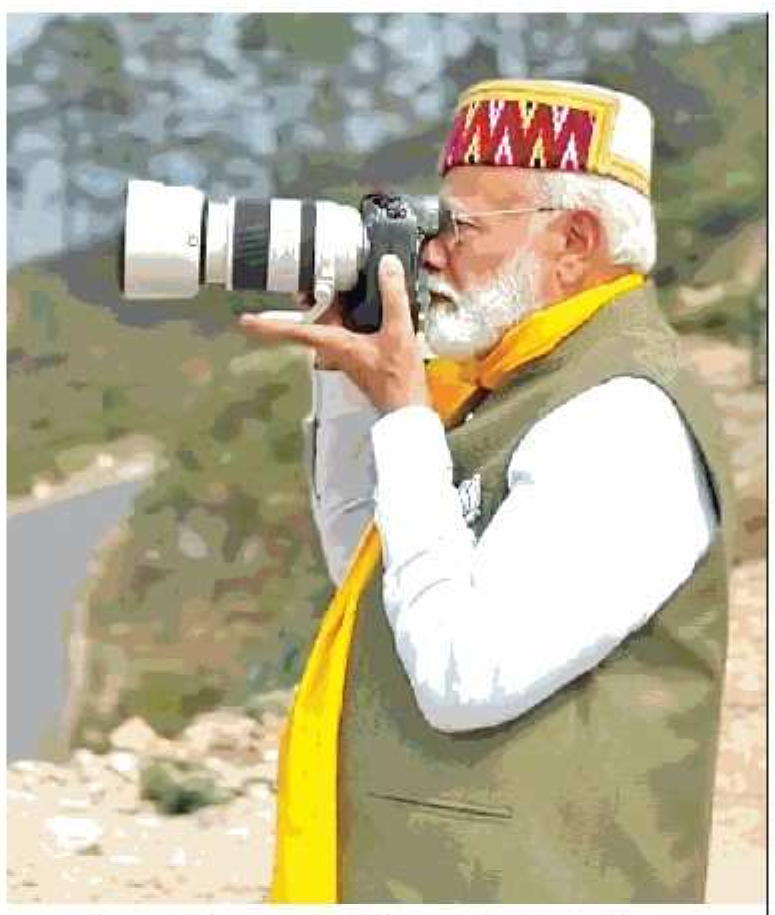
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को मंडी में सभा को संबोधित करने के बाद कांगणी हेलीपोर्ट से छोटी काशी को कैमरे में कैद किया। कांगणी हेलीपोर्ट पड्डल मैदान से ठीक ऊपर कांगणी धार में बना हुआ है। यहां से मंडी शहर का नजारा हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करता है। पीएम मोदी 2019 में लोकसभा चुनाव के दौरान मंडी में रैली करने आए थे तो उस समय भी कांगणी हेलीपोर्ट से फोटो खींचे थे और छोटी काशी की प्रशंसा की थी। इस बार उन्होंने वीडियो भी बनाया है और इंटरनेट मीडिया पर शेयर किया है। वीडियो ग्रैब

राजीव की हत्या के बाद कांग्रेस ने किया चुनाव आयोग का दुरुपयोग : मोदी

- चुनाव आयोग पर कांग्रेस के सवाल खड़ा करने को लेकर कसा तंज
- एक साक्षात्कार में प्रधानमंत्री मोदी के बयान के बाद शुरू हुई बहस

नई दिल्ली, आइएएनएस : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या के बाद लोकसभा चुनाव स्थगित करने पर सवाल उठाने के बाद अतीत में चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर जोरदार बहस शुरू हो गई है। हाल ही में एक साक्षात्कार के दौरान पीएम मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि राजीव गांधी की हत्या के बाद कांग्रेस ने देशभर में चुनाव स्थगित कर दिए। उन्होंने यह भी दावा किया कि कांग्रेस ने चुनाव में जनता की सहानुभूति हासिल करने के लिए राजीव गांधी के अस्थि कलश के साथ देशभर में यात्राएं कीं।

मोदी ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि वह वर्तमान चुनाव आयोग पर निष्पक्ष नहीं होने का आरोप लगा रही है, जबकि वह खुद इस तरह की रणनीति में शामिल रही है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस इस समय चुनाव में समान अवसर नहीं होने के बारे में चिंता जता रही है। लेकिन, खुद उसने अतीत में निष्पक्षता के प्रति बहुत कम सम्मान दिखाया था। प्रधानमंत्री मोदी की टिप्पणी के बाद एक्स पर बड़ी संख्या में पोस्ट किए गए, जिनमें उस समय के समाचार पत्रों की कतरनें प्रदर्शित की गईं। इन कतरनों से पता चलता है कि कैसे कांग्रेस ने नागरिकों से अपने पक्ष में मतदान करने का आग्रह किया।

एक राजनीतिक टिप्पणीकार ने एक्स पर लिखा, यदि चुनाव के दौरान किसी उम्मीदवार की मृत्यु हो जाती है, तो उस सीट पर चुनाव स्थगित कर दिया जाता है। केवल एक सीट के लिए पूरे चुनाव को स्थगित करने का कोई नियम नहीं है। फिर भी मई, 1991 में राजीव गांधी की हत्या के बाद पूरे चुनाव को तीन सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया गया था। एक अन्य विश्लेषक ने कहा, कम-से-कम सात मुख्यमंत्रियों ने चुनाव स्थगित करने का कड़ा विरोध किया था। इसके बावजूद तत्कालीन चुनाव आयुक्त टीएन शेषन, जो कांग्रेसी राजवंश के जाने-माने वफादार थे, आगे आए और मनमाने तरीके से चुनाव स्थगित कर दिया। चुनाव आयोग द्वारा दिए गए तीन सप्ताह का उपयोग कांग्रेस द्वारा सहानुभूति हासिल करने के लिए किया गया था। इंटरनेट मीडिया यूजरों ने लिखा कि बाद में कांग्रेस ने शेषन को टिकट देकर पुरस्कृत किया। उन्हें भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी के खिलाफ चुनाव मैदान में उतारा था।

मतदान से एक दिन पूर्व कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने की मोदी की तारीफ

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

दिल्ली में लोकसभा चुनाव के लिए मतदान से एक दिन पहले पूर्व कांग्रेस सांसद संदीप दीक्षित ने पीएम नरेन्द्र मोदी की तारीफ की। दरअसल, मोदी ने एक न्यूज चैनल को दिए गए साक्षात्कार में पूर्व मुख्यमंत्री स्व. शीला दीक्षित की प्रशंसा की थी' इस साक्षात्कार में पीएम ने शीला दीक्षित को याद करते कहा, 'मैं शीला दीक्षित का व्यक्तिगत रूप से सम्मान करता हूं। उन पर जिस तरह से आरोप लगाए गए और जीवन के आखिरी समय में जिस तरह से बदनाम किया गया था, मैंने उनको निकट से देखा है. ये बातें मेरे गले से नहीं उतरतीं।' वहीं, शीला दीक्षित के बेटे संदीप दीक्षित ने इस साक्षात्कार की वीडियो क्लिप को साझा कर लिखा, 'हमारे बीच भले ही राजनीतिक मतभेद हों लेकिन पीएम नरेन्द्र मोदी की अच्छी बात है कि उन्होंने शीला दीक्षित और उनके योगदान को याद रखा है। मेरी मां और प्रधानमंत्री मोदी साथ-साथ 12 वर्षों तक सीएम रहे हैं और अक्सर विभिन्न मंचों पर मिलते रहते थे। सार्वजनिक जीवन में ऐसा शिष्टाचार जरूरी है।'

संदीप दीक्षित।

हालांकि अन्य जगहों और मंचों पर संदीप दीक्षित पीएम मोदी की आलोचना करते हुए नजर आते हैं। शीला दीक्षित दिल्ली में 15 वर्षों तक सत्ता में रहीं। कार्यकाल के आखिरी समय में उनकी सरकार भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरी रही, जिससे उनकी लोकप्रियता पर भी असर पड़ा। उस वक्त कांग्रेस की लोकप्रियता का ग्राफ ऐसा गिरा कि वो सत्ता से बाहर हो गईं। 2019 में शीला दीक्षित ने उत्तर-पूर्व दिल्ली से चुनावी मैदान में उतरी थीं लेकिन भाजपा के मनोज तिवारी से हार गईं।

जनादेश मिलते ही तीन दिन में तय होगा गठबंधन का पीएम चेहरा : जयराम

जागरण संवाददाता, चंडीगढ़

भारतीय जनता पार्टी की गठबंधन के खिलाफ 'पांच साल में पांच प्रधानमंत्री' वाली टिप्पणी पर शुक्रवार को कांग्रेस महासचिव व पूर्व केंद्रीय मंत्री जयराम रमेश ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि इस बार के चुनाव में गठबंधन को स्पष्ट और निर्णायक जनादेश मिलने वाला है। तीन दिनों में ही प्रधानमंत्री का चेहरा तय कर दिया जाएगा, जो पांच साल के लिए होगा। उन्होंने चंडीगढ़ में प्रेसवार्ता के दौरान कहा कि जो लोग बार-बार यह सवाल उठाते हैं कि इंडी गठबंधन का प्रधानमंत्री चेहरा कौन होगा तो मैं उन्हें याद दिलाना चाहता हूं कि 2004 में कांग्रेस और उसके सहयोगियों को जनादेश मिलने के तीन दिन के भीतर ही प्रधानमंत्री पद के लिए डा.मनमोहन सिंह के नाम की घोषणा कर दी गई थी। उन्होंने कहा कि इस बार भी प्रधानमंत्री का चयन गठबंधन द्वारा लोकतांत्रिक तरीके से किया जाएगा। जयराम रमेश ने कहा कि हमारे देश में चुनाव कोई सौंदर्य प्रतियोगिता नहीं है। हमारे देश में चुनाव पार्टियों के बीच होता है, हमारा लोकतंत्र पार्टी-केंद्रित है, व्यक्ति-केंद्रित नहीं। दावा किया कि पहले दो चरण के चुनाव के बाद ही यह नजर आने लगा कि इंडी गठबंधन को निर्णायक जनादेश मिलने वाला है। उन्होंने कहा कि 2019 के चुनाव की तुलना में इस बार कांग्रेस का प्रदर्शन बहुत मजबूत होगा। इस बार उनकी लड़ाई संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए है।

जयराम रमेश

'पांच साल में पांच प्रधानमंत्री' वाली टिप्पणी पर पूर्व केंद्रीय मंत्री का पलटवार

इंडी गठबंधन के घोटालेबाजों को अच्छा नहीं लग रहा बदलता भारत : नड्डा

जागरण टीम, लखनऊ

- भाजपा अध्यक्ष ने कुशीनगर, बलिया और सोनभद्र में चुनावी सभाएं कर विपक्ष पर साधा निशाना

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने शुक्रवार को कुशीनगर, बलिया और राबर्ट्सगंज लोकसभा क्षेत्र (सोनभद्र) में चुनावी सभाएं कर विपक्ष पर निशाना साधा। नड्डा ने इंडी गठबंधन को भ्रष्टाचार का पर्याय बताया। कहा कि आज का बदलता भारत घोटालेबाजों को अच्छा नहीं लग रहा। कुशीनगर में नड्डा के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी विपक्ष पर हमला बोला। कानून व्यवस्था की चर्चा करते हुए कहा कि माफिया से मुक्ति बड़ी उपलब्धि है। आज माफिया या तो जेल में हैं या प्रदेश छोड़कर भाग गए हैं। यूपी अब बदलते भारत का साझीदार है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस के राज में कोयला, चीनी, चावल, श्री-जी, कामनवेल्थ, पनडुब्बी, अगस्ता वेस्टलैंड घोटाला हुआ। सपा राज में गोमती रिवर फ्रंट, अनाज और लैपटाप घोटाला किया गया। बिहार में लालू का चारा, अलकतरा और नौकरी के बदले जमीन घोटाला से सभी परिचित हैं। ममता बनर्जी का शिक्षक भर्ती घोटाला, केजरीवाल का शराब, दवा और बालू घोटाला किसी से छिपा नहीं। इन घोटालेबाजों को आज का भारत रास नहीं आ रहा।

जेपी नड्डा। फाइल

धर्म के आधार पर आरक्षण देने वालों को बेनकाब करना जरूरी : योगी

राज्य ब्यूरो, जागरण, लखनऊ: यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि भारत का संविधान किसी को भी धर्म के आधार पर आरक्षण की अनुमति नहीं देता है। बंगाल सरकार ने राजनीतिक तुष्टीकरण की सीमा पार करते हुए वर्ष 2010 में 118 मुस्लिम जातियों को जबरन ओबीसी में डाल कर ये आरक्षण दिया था। आइएनडीआइए द्वारा देश की कीमत पर राजनीति की जो ये नीति चल रही है, इस होड़ को खारिज और बेनकाब किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को लखनऊ स्थित सरकारी आवास पर मीडिया से बातचीत में कहा कि बंगाल की ममता सरकार ओबीसी का हक जबरदस्ती हड़प रही थीं।

'अग्निपथ योजना थोप पीएम मोदी ने युवाओं को दिया धोखा'

नई दिल्ली, प्रेट्र: कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी ने अग्निपथ योजना को जबरन थोपकर देश की सेवा करने का सपने देख रहे युवाओं के साथ धोखा किया है। इस दौरान उन्होंने जोर देकर कहा कि आइएनडीआइ गठबंधन की सरकार युवाओं के लिए न्याय सुनिश्चित करेगी।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अग्निपथ योजना से नाखुश युवाओं से बातचीत का वीडियो साझा करते हुए एक्स पोस्ट में कहा कि 'देशभक्ति के टेंपो' में यात्रा के दौरान उन्होंन युवाओं की परेशानी करीब से जानी। उन्होंने कहा कि हम युवाओं के सपनों को नहीं बिखरने देंगे और विपक्षी गठबंधन की सरकार आने पर युवाओं को न्याय दिलाएंगे। उन्होंने वादा किया सत्ता में आने पर कांग्रेस अग्निपथ योजना को खत्म कर देगी।

'अग्निपथ पर टिप्पणी नीति की आलोचना, सेना की नहीं' : चुनाव आयोग द्वारा हिदायत दिए जाने पर कांग्रेस के पूर्व सैनिक विभाग के प्रमुख कर्नल (सेवानिवृत्त) रोहित चौधरी ने कहा सशस्त्र बल देश की रक्षा में अच्छा काम कर रहे हैं और कांग्रेस अग्निपथ योजना पर टिप्पणी कर केवल सरकार की नीतियों की ओलाचना कर रही है। आरोप लगाया कि इस योजना ने सेना में भेदभाव पैदा किया है और यह देश की सुरक्षा को कमजोर कर रही है।

- सत्ता में आने पर योजना खत्म करने का किया वादा

राहुल गांधी। फाइल

उस समय कांग्रेस ने जो कुछ किया, मोदी वैसा कर भी नहीं पाते : शशि थरूर

राज्य ब्यूरो, जागरण, पटना

कांग्रेस नेता शशि थरूर ने शुक्रवार को दावा किया कि चार जून को आइएनडीआइए की सरकार बनेगी। जीत के बाद पीएम का चेहरा तय होगा, जैसे कि 2004 में हुआ था। सदाकत आश्रम (कांग्रेस के प्रदेश मुख्यालय) में प्रेस-वार्ता के दौरान पूछे गए प्रश्नों पर थरूर बेबाक रहे। उन्होंने कहा कि भाजपा की पराजय तय है। इस बार जिन क्षेत्रों से उसको समर्थन की विशेष आशा थी, वहां मतदान कम हुआ है। इससे भाजपा की बेचैनी बढ़ी है।

पीएम के बयान कि 1971 में बांग्लादेश मुक्ति युद्ध के समय पाकिस्तानी सैनिकों की रिहाई के बदले में वह करतारपुर साहिब को पाकिस्तान से वापस ले लेते, पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह गैर-जिम्मेदाराना टिप्पणी है। उस समय कांग्रेस ने जो कुछ किया, मोदी वैसा कर भी नहीं पाते। इतिहास और ऐसी बातें अकादमिक चर्चा के लिए अच्छी हैं। यह चुनाव के लिए प्रासंगिक विचार नहीं। भाजपा को हार का अंदेशा हो चुका है, इसलिए वह चुनाव को सांप्रदायिकता के रंग में ढालना चाह रही।

हिंदू-मुस्लिम की बात प्रधानमंत्री को शोभा नहीं देता। उन्हें जनहित-राष्ट्रहित के मुद्दों पर बात करनी चाहिए। चीन सीमा पर स्थिति अनुकूल नहीं। सीमा पर 26 पेट्रोलिंग प्वाइंट पर चीन काबिज हो चुका है और पीएम देश को सही जानकारी नहीं दे रहे। उन्हीं पेट्रोलिंग प्वाइंटों में से एक गलवान को बचाने में हमारे वीर सैनिक बलिदान हुए।

खरगे की तस्वीर पर कालिख पोतने के मामले में दो गिरफ्तार

राज्य, जागरण ● कोलकाता : कोलकाता स्थित कांग्रेस के प्रदेश मुख्यालय के बाहर लगे पोस्टर में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की फोटो पर कालिख पोते जाने के मामले में पुलिस ने शुक्रवार को दो लोगों गिरफ्तार किया है। इनके नाम फिरोज उर्फ शाहरुख और मोहम्मद वसीम अकरम हैं। इनमें शाहरुख कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी के करीबी सहयोगी कांग्रेस नेता सुमन पाल का ड्राइवर है। बीते रविवार को खरगे की तस्वीर पर स्याही पोत दी गई थी। दरअसल बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा आइएनडीआइए को बाहर से समर्थन दिए जाने के बयान पर अधीर रंजन चौधरी ने जो बयान दिया था, उस पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने तल्ख टिप्पणी की थी।

महिला सशक्तीकरण ही सशक्त भारत की नींव : स्मृति इरानी

जागरण संवाददाता, पटना सिटी

केंद्रीय मंत्री स्मृति इरानी ने कहा कि राम मंदिर के निर्माण और कोरोना से बचाव के लिए मुफ्त टीका उपलब्ध कराने वाली केंद्र सरकार आर्थिक विकास के लिए तीन करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने पर काम कर रही है। सुकन्या योजना के तहत महिला बचत पत्र लाकर महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया गया। सशक्त भारत की नींव मजबूत रखने के लिए महिला सशक्तीकरण की दिशा में ढेरों काम किए गए हैं। शुक्रवार को बिहार के पटना साहिब लोकसभा के भाजपा प्रत्याशी रविशंकर प्रसाद के पक्ष में चुनाव प्रचार के लिए पटना सिटी पहुंचीं स्मृति इरानी ने हाजीगंज में महिलाओं की सभा को संबोधित किया।

स्मृति इरानी ने कहा कि उज्ज्वला योजना के तहत रसोई गैस सिलेंडर व चूल्हा देकर महिलाओं की समस्या दूर की गई। स्वच्छता व इज्जत के लिए शौचालय का निर्माण कराया गया। आयुष्मान योजना का लाभ दिया जा रहा है। सर्वाइकल कैंसर के लिए मुफ्त टीका दिया जा रहा है। इससे पहले उन्होंने तख्त श्रीहरिमंदिर जी पटना साहिब के दरबार हाल में मत्था टेक आशीर्वाद लिया और महिला श्रद्धालुओं के बीच बैठ कर शबद कीर्तन सुना। प्रबंधक कमेटी के उपाध्यक्ष गुरविंदर सिंह, अधीक्षक दलजीत सिंह व अन्य ने उन्हें सम्मानित किया।

स्मृति इरानी। फाइल

केंद्रीय मंत्री ने महिलाओं की सभा को किया संबोधित, तख्त साहिब में मत्था टेका

नंदीग्राम में हिंसा पर राज्यपाल सख्त, मांगी कार्रवाई रिपोर्ट

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

बंगाल के राज्यपाल डा सीवी आनंद बोस ने पूर्व मेदिनीपुर के नंदीग्राम में मतदान से पहले हुई हिंसा और एक महिला कार्यकर्ता के मारे जाने की घटना को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की आलोचना की है। बोस ने इस मामले में राज्य सरकार को तत्काल कार्रवाई करने और उसकी रिपोर्ट उन्हें सौंपने का निर्देश दिया है। सूत्रों के अनुसार, गुरुवार शाम राज्यपाल ने ममता को भेजे गए आधिकारिक संदेश में चेतावनी दी कि वह खून खराबा बंद करें और सुनिश्चित करें कि सभी आवश्यक कार्रवाई आदर्श आचार संहिता के मापदंडों के भीतर की जाए।

डा सीवी आनंद बोस। फाइल

राज्य के मुख्य सचिव को भेजे पत्र में राज्यपाल ने जोर दिया कि किसी भी संवैधानिक उल्लंघन से जुड़े मामले को गंभीरता से लिया जाएगा और उस पर उचित कार्रवाई की जाएगी। मालूम हो कि बुधवार देर रात नंदीग्राम में अनुसूचित जाति समुदाय की एक महिला भाजपा कार्यकर्ता की हत्या कर दी गई, जिसके बाद गुरुवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा का आरोप है कि पार्टी कार्यकर्ता रतिबाला आड़ी की हत्या सत्तारूढ़ टीएमसी के गुंडों ने की। हमले में महिला के बेटे और सात अन्य लोग घायल हो गए थे।

पीएम के रोडशो के दिन से ही कोलकाता के एक हिस्से में दो महीने के लिए निषेधाज्ञा लागू

राज्य ब्यूरो, जागरण, कोलकाता: कोलकाता में आगामी सप्ताह मंगलवार को जिस दिन सातवें व अंतिम चरण के लोकसभा चुनाव के प्रचार के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रोडशो करने वाले हैं, उसी दिन से दो महीने के लिए महानगर के एक क्षेत्र में निषेधाज्ञा यानी धारा 144 लागू करने की घोषणा कर दी गई है। कोलकाता पुलिस आयुक्त विनीत गोयल ने एक नोटिस जारी निषेधाज्ञा जारी करने की बात कही है। पुलिस आयुक्त ने कहा है कि कोलकाता में हिंसक आंदोलन की योजना बन रही है, जिसके कारण बहूबाजार और हेयर स्ट्रीट थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले इलाकों में माहौल बिगड़ सकता है। धर्मतल्ला चौराहा पर गड़बड़ी हो सकती है। इसलिए, इन दो महीनों के दौरान कोलकाता के उक्त क्षेत्रों में कोई सभा, जुलूस, रोडशो या रैली आयोजित नहीं की जा सकती है। जिन इलाकों में धारा 144 लगाने की बात है वहां न तो प्रधानमंत्री और न ही मुख्यमंत्री को रोडशो या पैदल मार्च करने की संभावना है।

सारण कांड में पूर्व सीएम राबड़ी देवी का एक और अंगरक्षक निलंबित

जागरण संवाददाता, हाजीपुर

- छपरा में हुई घटना से संबंधित प्रसारित फोटो व वीडियो में दिखा सिपाही
- वैशाली एसपी ने फोटो व वीडियो में देखने के बाद की कार्रवाई

बिहार में छपरा शहर के नगर थाना क्षेत्र में 21 मई की सुबह चुनावी रंजिश में हुई मारपीट व फायरिंग मामले में पूर्व सीएम राबड़ी देवी के एक और अंगरक्षक को निलंबित कर दिया गया है। शुक्रवार को वैशाली एसपी हर किशोर राय ने वैशाली जिला बल के सिपाही आफताब आलम को निलंबित कर दिया। उसके विरुद्ध बिना आदेश के सारण जिले में उपस्थिति के साक्ष्य मिले हैं। छपरा में चुनावी हिंसा के इंटरनेट पर प्रसारित वीडियो और फोटो में उक्त सिपाही को देखा गया है।

एसपी हर किशोर राय के कार्यालय से जारी प्रेस रिलीज में बताया गया है कि वैशाली जिला बल के सिपाही नंबर 108 आफताब आलम को पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के अंगरक्षक के रूप में प्रतिनियुक्त किया गया था। उन्हें वाट्सएप के माध्यम से प्रसारित एक फोटो और वीडियो में देखा जा रहा है। जांच में फोटो एवं वीडियो सत्य पाया गया। एसपी ने उसके बिना आदेश के सारण जिले में उपस्थित रहने को कर्तव्य के प्रति लापरवाही, आदेश का उल्लंघन एवं अयोग्य पुलिसकर्मी होने का परिचायक माना है। ज्ञात हो कि सारण जिले के नगर थाना क्षेत्र स्थित भिखारी ठाकुर चौक के पास गत 21 मई को हुई गोलीबारी में एक युवक की मौत और दो घायल हो गए थे। यह घटना एक दिन पूर्व 20 मई को मतदान के समय भाजपा व राजद के समर्थकों में हुई झड़प का परिणाम था। मामले में एक भाजपा नेता समेत दो लोग गिरफ्तार कर जेल भेजे जा चुके हैं। वहीं पटना के एसएसपी राजीव मिश्रा ने सारण के एसपी डा. गौरव मंगला से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर गुरुवार को पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के अंगरक्षक (सिपाही) जितेंद्र सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया था।

****

दैनिक जागरण के सहयोगी मीडिया प्लेटफार्म विश्वास.न्यूज की पड़ताल में सामने आया सच

भाजपा में शामिल नहीं हुए हैं प्रशांत किशोर

विश्वास.News
क्योंकि सच जानना आपका अधिकार है
www.vishvasnews.com

जेएनएन, नई दिल्ली: इंटरनेट मीडिया पर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव के नाम से जारी किया गया एक फर्जी पत्र तेजी से प्रसारित हो रहा है। इसमें लिखा है कि प्रशांत किशोर को पार्टी का राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता नियुक्त किया गया है। इस पत्र को सच मानकर कई यूजर्स शेयर कर रहे हैं।

पड़ताल: प्रसारित पत्र की सच्चाई जानने के लिए हमने गूगल पर संबंधित कीवर्ड से सर्च करना शुरू किया। हमें कहीं भी प्रशांत किशोर के भाजपा ज्वाइन करने की खबर नहीं मिली। इसके बाद हमने भाजपा और प्रशांत किशोर के इंटरनेट मीडिया हैंडल्स को भी खंगाला, मगर हमें कहीं भी ऐसी कोई जानकारी नहीं मिली। सच्चाई जानने के लिए हमने भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह से संपर्क साधा। विश्वास न्यूज से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'प्रसारित लेटर एडिटेड है, ये पोस्ट पूरी तरह बेबुनियाद है।' हमने इस विषय में प्रशांत किशोर से बात की। उन्होंने भी इस पोस्ट को फर्जी बताया।

निष्कर्ष: विश्वास न्यूज ने अपनी पड़ताल में पाया कि यह दावा गलत है। प्रशांत किशोर भाजपा में शामिल नहीं हुए हैं। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने इसकी पुष्टि की।

Arun Singh
National General Secretary
भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party
FAKE
Dated: 23rd May, 2024
Organisational Appointment
BJP National President Shri Jagat Prakash Nadda has appointed Shri Prashant Kishore as the National Chief Spokesperson of BJP.
This appointment comes into immediate effect.
(Arun Singh)
National General Secretary & Headquarter Incharge

क्या हो रहा है प्रसारित

इंस्टाग्राम यूजर झारखंड मुक्ति मोर्चा फैन ने 22 मई, 2024 को प्रसारित पत्र को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है, 'पीके तो बीजेपी का टीम निकला, इसलिए तो मोदी जी को जीता रहा था।' शेयर किया गया पत्र अंग्रेजी में है जिसका हिंदी अनुवाद इस प्रकार है, 'भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने प्रशांत किशोर को भाजपा का राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता नियुक्त किया है। यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी।' इस पत्र पर भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह के हस्ताक्षर हैं।

झूठी खबर और अफवाहों का सच जानने के लिए विश्वास न्यूज के वाट्सएप चैनल को फालो करने के लिए कोड स्कैन करें।

6 वें चरण से संबंधित लोकसभा क्षेत्रों में सी विजिल एप पर 1648 शिकायतें हुई दर्ज उत्तर प्रदेश में। इनमें से 1141 शिकायतें सही पाई गई हैं। इसके साथ ही 16 मार्च से 24 मई तक 16.53 करोड़ रुपये की कीमत की शराब, नकदी व ड्रग की गई जब्त। यह कार्रवाई लोकसभा चुनाव के मद्देनजर की गई है। एक जून को सातवें चरण का मतदान है।

रिक्शा में ईवीएम

लोकसभा चुनाव के छठे चरण के मतदान के लिए मतदानकर्मी अपने-अपने गंतव्यों के लिए रवाना हुए। कोई बस या कार से तो कोई मतदान सामग्री लेकर ई-रिक्शा और रिक्शा में सवार होकर निकला। झारखंड के रांची में रिक्शा में ईवीएम और अन्य सामग्री लेकर रवाना होता एक कर्मी। एएनआइ

...अब यहां कोई नहीं चाहता शांति और विकास से दूर रहना

- आतंकवाद के गढ़ रहे अनंतनाग के लोग लोकतंत्र को मजबूत बनाने को तैयार
- रैलियों में अनुच्छेद 370 का मुद्दा गूंजा, लेकिन वोट विकास के नाम पर ही पड़ेंगे
- महबूबा, मियां अल्ताफ समेत 20 आजमा रहे हैं भाग्य

नवीन नवाज, जागरण

श्रीनगर : अनंतनाग में संगम पुल के नीचे बहते झेलम नदी की तरफ इशारा करते हुए इनायत हुसैन ने कहा, देखो यह कैसे सुकून के साथ बह रही है, बस ऐसी ही जिंदगी चाहिए। बिजली हो, पानी हो, रोजगार हो, तरक्की हो, कोई रुकावट पैदा करने वाला न हो। लोगों को यहां जम्हूरियत (लोकतंत्र) और शांति का मतलब अच्छी तरह से समझ आ चुका है, तभी तो यहां पहली बार चुनाव को लेकर उत्साह है। जीवन के 55 बसंत पार कर चुके इनायत ने कहा, मैंने बीते 40 वर्ष में पहली बार यहां ऐसी चुनावी रैलियां देखी हैं। इन रैलियों में अनुच्छेद 370 मुद्दा तो गूंजा, लेकिन यहां वोट विकास के नाम पर ही पड़ेगा। शनिवार सुबह का इंतजार करें, यहां के लोग वोट से दूर रहने का धब्बा हटाते नजर आएंगे। यहां श्रीनगर और बारामुला से ज्यादा वोट पड़ेंगे। इनायत हुसैन संगम के पास ही क्रिकेट के बल्ले बनाने वाली फैक्टरी के मालिक हैं। अनंतनाग-राजौरी संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में शनिवार 25 मई को मतदान होने जा रहा है। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग, कुलगाम और शोपियां में प्रतिबंधित जमात-ए-इस्लामी का अच्छा खासा प्रभाव है। यह क्षेत्र वर्ष 2012 के बाद से कश्मीर में आतंकी हिंसा का केंद्र रहा। राजौरी-पुंछ में भी बीते पांच वर्ष से आतंकी तत्व अपना सिर उठाने की कोशिश कर रहे हैं। पीडीपी की महबूबा मुफ्ती, नेशनल कान्फ्रेंस के मियां अल्ताफ अहमद लारवी, जम्मू-कश्मीर अपनी पार्टी के जफर इकबाल मन्हास समेत 20 उम्मीदवार भाग्य आजमा रहे हैं।

अब आतंकियों का नहीं चलता फरमान : आतंकी संगठन टीआरएफ के कई आतंकियों को जन्म देने वाले कुलगाम के स्थानीय निवासी शब्बीर अहमद ने कहा, हमारे इलाके में अब भी आतंकी हैं, लेकिन उनका फरमान नहीं चलता।

हमें टूरिज्म चाहिए, टेररिज्म नहीं : कश्मीर को राजौरी-पुंछ से जोड़ने वाले मुगल रोड पर स्थित शोपियां के हीरपोरा में बीते शनिवार को आतंकियों ने एक सरपंच की हत्या कर दी थी, बावजूद इसके यहां चुनाव को लेकर जोश बरकरार है। निजामदीन ने कहा, शोपियां में भी अब रेलवे लाइन बिछ रही है। इससे हमारा सेब भी बाहर आसानी से जाएगा, पर्यटन बढ़ेगा। हमें टूरिज्म चाहिए, टेररिज्म नहीं।

अब वोट डालने को लेकर कोई डर नहीं

संगम से पांच किलोमीटर दूर महबूबा मुफ्ती के पुश्तैनी घर बिजबिहाड़ा के मुख्य चौराहे पर अपने पति सलीम के साथ खड़ी आसिया ने कहा, मैं अपनी जिंदगी में शनिवार को पहली बार वोट डालने जा रही हूं। मेरी उम्र 35 वर्ष है, लेकिन कभी वोट डालने की हिम्मत नहीं हुई, डर लगता था। अब कोई डर नहीं है। यह माहौल बीते पांच साल में बदला है और मैं इसी माहौल को बनाए रखने के लिए वोट देना चाहती हूं।

दिल्ली, गुरुग्राम व फरीदाबाद के मतदाता धोएं उदासीनता का दाग

प्रथम पृष्ठ से आगे

शहरी क्षेत्रों के मतदाताओं में मतदान के प्रति गहरी उदासीनता को देखते हुए निर्वाचन आयोग ने दिल्ली, गुरुग्राम और फरीदाबाद के मतदाताओं से विशेष अपील की है। आयोग ने कहा कि कम मतदान से जुड़े अपने खराब रिकार्ड को तोड़ने के लिए मतदाता घरों से बाहर निकलें। लोकतंत्र को सशक्त बनाने में अपना अहम योगदान दें। आयोग ने इससे पहले इन सभी शहरी क्षेत्रों के मतदाताओं के बीच मतदान के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए विशेष अभियान भी चलाया है। आयोग ने शहरी क्षेत्रों को लेकर यह अपील तब की है, जब एक चरण को छोड़ दें तो बाकी चार चरणों में 2019 के मुकाबले कम मतदान हुआ है।

'चार सौ पार करा दें, मुस्लिम आरक्षण खत्म कर पिछड़ों को देंगे'

जनसभा ▶ बोले-पांच चरणों में पीएम 310 सीटें प्राप्त कर चुके हैं

कहा, लालू को केवल अपनी बेटी को एमपी व बेटों को मंत्री बनाने की चिंता

जागरण संवाददाता, आरा

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि यादव समाज मुगालते में है कि लालू यादव यादवों के हक में काम करेंगे, वह केवल परिवार के हक में काम करते हैं, समाज के हक में नहीं। उन्हें केवल अपनी बेटी को एमपी और अपने बेटों को मंत्री बनाने की चिंता है। यहां तेल पिलावन रैली करने वाले जंगलराज चलाते थे। हमें 400 पार करा दें, मुस्लिम आरक्षण को खत्म कर पिछड़ा समाज को दे देंगे। विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि बिहार में घमंडिया गठबंधन का खाता नहीं खुलेगा। पांच चरणों के मतदान में मोदीजी 310 सीटें प्राप्त कर चुके हैं, लालू-राहुल का सूपड़ा साफ हो चुका है। गृह मंत्री शुक्रवार को बिहार के आरा और झारखंड में चुनावी सभाओं को संबोधित किया। आरा में गृह मंत्री की सभा में बिना अनुमति के ड्रोन उड़ाने पर पुलिस ने एक युवक को हिरासत में लेकर ड्रोन जब्त कर लिया।

गृह मंत्री ने न केवल आइएनडीआइए पर तीखे हमले किए, बल्कि मोदी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का भी प्रमुखता से जिक्र किया। उन्होंने भाषण की शुरूआत महान स्वतंत्रता सेनानी बाबू वीर कुंवर सिंह को याद कर किया। कहा कि बिहार में आइएनडीआइए का खाता नहीं खुलेगा। वह जहां जाते हैं, लोग कहते हैं कि मेरे सांसद को मंत्री बना दें, लेकिन आरा के लोगों का सौभाग्य है कि यहां मोदीजी ने बना-बनाया मंत्री जनता को चुनने के लिए भेजा है। हमने आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र आदि राज्यों से नक्सलवाद समाप्त कर दिया। इस बार सत्ता में आएंगे तो छत्तीसगढ़ से भी उनको समूल नष्ट कर देंगे। माले का इतिहास छिपा नहीं है, आरा में माले जीत गया तो फिर से नक्सलवाद आ जाएगा। वह अमन चैन छीन लेंगे।

आरा के रमना स्टेडियम में आयोजित चुनावी सभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह(बीच में), जीवन कुमार(बाएं से पहला), प्रत्याशी आर के सिंह(बाएं से दूसरे), हुलास पांडेय(दाएं से दूसरे) और राघवेन्द्र प्रताप सिंह(सबसे दाएं)। जागरण

भाजपा हार रही तो मोदी कैसे जाएंगे 400 पार : खरगे

- कांग्रेस अध्यक्ष ने आइएनडीआइए को बहुमत की जताई उम्मीद
- कहा-भाजपा स्वायत्त निकायों के दुरुपयोग से कर रही है शासन

कलबुर्गी, प्रेट्र: कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आश्चर्य जताते हुए पूछा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 400 से अधिक सीटें जीतने का नारा कैसे लगा रहे हैं जबकि भारतीय जनता पार्टी हर जगह हार रही है? उन्होंने दावा किया कि विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए के बहुमत पाने की काफी संभावना है।

अपने गृहनगर कलबुर्गी में संवाददाताओं से बात करते हुए खरगे ने कहा कि विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए के पक्ष में लोगों के बीच अच्छा माहौल बना है। यह चुनाव जनता और प्रधानमंत्री मोदी के बीच है, क्योंकि लोग आज कुंठित हैं। खासकर बढ़ती कीमतों और बेरोजगारी को देखते हुए। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि यहां लोकतंत्र और भारतीय संविधान पर भी बड़ा आघात हो रहा है। उन्होंने अपने पक्ष में दलील देते हुए कहा कि भाजपा स्वायत्त निकायों का दुरुपयोग करके प्रशासन को चला रही है। इससे जनता उनसे नाराज है और विपक्षी गठबंधन का समर्थन कर रही है। इसीलिए आइएनडीआइए के लिए अच्छा अवसर है। खरगे ने कहा कि बहुत संभव है कि आइएनडीआइए को बहुमत मिल जाए। इस गठबंधन में भाजपा को फिर से सत्ता में आने से रोकने की ताकत है। उन्होंने जनता को चार जून तक रुकने के लिए कहा है। फिर वह चुनाव नतीजों के आधार पर अगले कदमों पर फैसला लेंगे। जब उनसे पूछा गया कि विपक्षी गठबंधन को कितनी सीटें मिल रही हैं, तो उन्होंने कहा कि वह कोई सटीक नंबर नहीं बता सकते। उन्होंने कहा कि इसतरह से गणना नहीं की है, क्योंकि राजनीति में ऐसी गणना करना दुलर्भ है। उनके हिसाब से भाजपा सभी राज्यों में सीटें हार रही है।

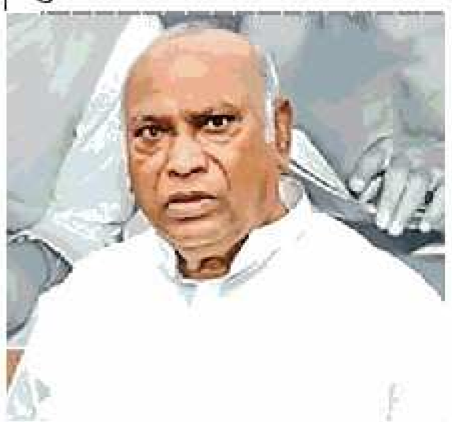

मल्लिकार्जुन खरगे। फाइल

अंग्रेजों की तरह मोदी ने जल, जंगल व जमीन को लूटा : खरगे

जासं, देवघर: कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि नरेन्द्र मोदी की सरकार ने अंग्रेजों की ही तरह झारखंड की खनिज-संपदा, जल, जंगल और जमीन को लूटने का काम किया है। भाजपा हमसे 55 वर्ष का हिसाब मांग रही है। हम कहते हैं, हिसाब देंगे, परंतु पहले भाजपा जवाब दे कि पिछले 10 वर्षों में उसने देश के लिए क्या किया? उन्होंने आरोप मढ़ा कि पंडित नेहरू के समय स्थापित संसाधनों को मोदी सरकार एक-एक कर बेच रही है। गोड्डा में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि झारखंड सिदो-कान्हू की धरती है, जो अंग्रेजों के विरुद्ध लड़ाई लड़ते हुए बलिदान हो गए। उन्होंने नारा दिया था- ''करो या मरो, अंग्रेजों हमारी धरती छोड़ो''। ठीक उसी तरह की आवाज आज उठ रही है कि ''भाजपा हमारी माटी को छोड़ो..''।

'कुछ जजों के फैसलों में कोई बुनियादी योग्यता नहीं'

राब्यू, जागरण ● कोलकाता : बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को दक्षिण 24 परगना जिले के मथुरापुर में एक चुनावी सभा में कहा कि हम न्यायालयों और न्यायिक प्रणाली का बहुत सम्मान करते हैं, लेकिन मुझे यह कहते हुए दुख हो रहा है कि कुछ न्यायाधीशों के फैसले बुनियादी योग्यता नहीं रखते। उन्होंने कहा कि हाई कोर्ट एक न्यायाधीश ने आरएसएस से अपने जुड़ाव को स्वीकार किया है। ममता की यह टिप्पणी कलकत्ता हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश चित्तरंजन दास के हालिया बयान को लेकर आई है। जस्टिस दास ने 20 मई को न्यायिक सेवा से सेवानिवृत्त होने के दिन अपने व्यक्तित्व को आकार देने का श्रेय आरएसएस को दिया था। उन्होंने स्पष्ट कहा था कि मुझे खुद को आरएसएस के सदस्य के रूप में पहचाने जाने का साहस है और वह सेवानिवृत्ति के बाद संघ परिवार में लौट आएंगे।

ममता बनर्जी। फाइल

पीएम को भगवान ने भेजा है, तो उनके लिए मंदिर में रहना बेहतर : ममता ने पीएम मोदी की इस टिप्पणी के लिए उन पर भी निशाना साधा कि उनकी ऊर्जा जैविक नहीं है। ममता ने कहा कि अगर उन्हें भगवान ने भेजा है, तो उनके लिए मंदिर में रहना बेहतर है। मैं उस मंदिर के निर्माण की व्यवस्था करूंगी।

चुनावी हलचल

विज्ञापनों पर हाई कोर्ट के निर्देश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची भाजपा

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता : भाजपा ने लोकसभा चुनाव प्रक्रिया के दौरान आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने वाला कोई भी विज्ञापन प्रकाशित नहीं करने संबंधी कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश को शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। कलकत्ता हाई कोर्ट की एक खंडपीठ ने बुधवार को एकल पीठ के इस आदेश में हस्तक्षेप करने से इन्कार कर दिया था। भाजपा ने यह दावा करते हुए खंडपीठ के समक्ष याचिका दायर की थी कि एकल पीठ ने बिना कोई सुनवाई किए आदेश पारित कर दिया। मामले को तत्काल सूचीबद्ध करने के लिए न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति पंकज मित्तल की अवकाश पीठ के समक्ष उल्लेख किया गया। पीठ ने पूछा कि आप अगली अवकाश पीठ का रुख क्यों नहीं करते? इस पर वकील सौरभ मिश्रा ने कहा कि उच्च न्यायालय ने भाजपा पर चार जून तक विज्ञापन जारी करने पर रोक लगा दी है। कृपया इस पर 27 मई को सुनवाई करें। पीठ ने कहा कि हम विचार करेंगे। वैसे, चुनाव प्रक्रिया के दौरान किसी भी विवाद के मामले में निवारण के लिए निर्वाचन आयोग उपयुक्त प्राधिकारी है।

ममता की टिप्पणी के खिलाफ साधु-संतों ने सड़क पर उतरकर जताया विरोध

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता : बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा रामकृष्ण मिशन और भारत सेवाश्रम संघ के कुछ साधुओं के खिलाफ हालिया टिप्पणी के विरोध में शुक्रवार को राज्यभर से जुटे साधु-संतों ने कोलकाता में विशाल रैली निकालकर विरोध प्रदर्शन किया। बंगाल में साधुओं की शीर्ष संस्था बंगीय संन्यासी समाज के बैनर तले निकाली गई इस 'संत स्वाभिमान रैली' में हजारों की संख्या में साधु-संत शामिल हुए। कोलकाता के बागबाजार से शुरू हुई यह रैली विभिन्न रास्तों से होते हुए शिमला स्ट्रीट स्थित स्वामी विवेकानंद के पैतृक आवास के पास समाप्त हुई। मालूम हो कि ममता ने हुगली में पिछले हफ्ते एक चुनावी रैली में कहा था कि रामकृष्ण मिशन और भारत सेवाश्रम संघ के कुछ साधु-संत राजनीति कर रहे हैं तथा भाजपा के इशारे पर काम कर रहे हैं। ममता ने कार्तिक महाराज का नाम लेकर कहा था कि मैं उन्हें साधु नहीं मानती, क्योंकि वह राजनीति में शामिल हैं। उन्होंने चुनाव से पहले मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा के लिए भी कार्तिक महाराज को जिम्मेदार ठहराया था। इस रैली का नेतृत्व मुर्शिदाबाद के बेलडांगा स्थित भारत सेवाश्रम संघ की शाखा प्रमुख कार्तिक महाराज ने किया।

ईवीएम तोड़ने वाले वाईएसआर कांग्रेस विधायक को गिरफ्तारी से अंतरिम राहत

अमरावती, प्रेट्र : आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट ने ईवीएम क्षतिग्रस्त करने के मामले में माचेर्ला से वाईएसआर कांग्रेस के फरार विधायक रामकृष्णा रेड्डी को छह जून तक गिरफ्तारी से अंतरिम राहत दे दी। कोर्ट ने यह फैसला विधानसभा चुनाव में उनके उम्मीदवार होने सहित विभिन्न कारणों के आधार पर दिया। माचेर्ला से वाईएसआर कांग्रेस उम्मीदवार रेड्डी पर आरोप है कि वह 13 मई को मतदान के दिन मतदान केंद्र संख्या 202 में दाखिल हुए और ईवीएम को क्षतिग्रस्त कर दिया। निर्वाचन आयोग द्वारा स्थापित किए गए वेब कैमरे में यह पूरी घटना रिकार्ड हो गई, जिससे उनकी पहचान तस्वीरों और दस्तावेजी सुबूतों के आधार पर हुई। हाई कोर्ट ने गिरफ्तारी से अंतरिम सुरक्षा का आदेश रेड्डी की याचिका पर गुरुवार रात को पारित किया। रेड्डी ने गिरफ्तारी से संरक्षण देने की गुहार लगाई थी। अदालत ने विधायक की इस दलील को स्वीकार कर लिया कि उम्मीदवार होने के नाते चार जून को मतगणना के दिन उनकी मतगणना स्थल पर उपस्थिति आवश्यक है और उन्हें गिरफ्तारी से अंतरिम सुरक्षा दे दी।

रामकृष्णा रेड्डी

'कांग्रेस-आप की चंडीगढ़ में दोस्ती, पंजाब में कुश्ती'

- भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता बोले- तालिबानी सोच रखने वाली पंजाब सरकार पर मनीष तिवारी चुप क्यों

जागरण संवाददाता, चंडीगढ़

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने चंडीगढ़ पहुंचकर कहा कि कांग्रेस-आप गठबंधन में कहीं दोस्ती, कहीं कुश्ती और कहीं मस्ती चल रही है। जनता के लिए उनके पास कुछ नहीं है। पूनावाला ने कहा कि पंजाब में कांग्रेस और केजरीवाल की पार्टी एक-दूसरे के आमने सामने आरोप प्रत्यारोप लगाते हुए प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार को हराने में लगे हैं। चंडीगढ़ में आम आदमी पार्टी कांग्रेस के प्रत्याशी मनीष तिवारी के लिए वोट मांग रही है। यह हालात सार्वजनिक रूप से कांग्रेस की दिशाहीनता को प्रदर्शित कर रही है। पूनावाला चंडीगढ़ स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय कमलम में मीडिया से रुबरू हुए। उन्होंने कहा कि अभी तो बहुत कुछ सामने आना बाकी है। चार जून को चुनावी नतीजे घोषित होने के बाद देश की जनता इंडी गठबंधन में छिड़ने वाले दंगल को भी देखेगी और गठबंधन में तीन तलाक के हालात भी नजर आएंगे। गठबंधन को घेरते हुए उन्होंने पंजाब सरकार को तालिबानी सत्ता कहा। कहा कि कांग्रेस और आप में कहीं ताली, तो कहीं गाली चल रही है।

इस मौके पर शहजाद ने बताया कि वह आज यहां काले कपड़े पहन कर आए हैं, क्योंकि पंजाब की तालिबानी सरकार ने लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर प्रहार किया है। उन्होंने एक समाचार पत्र के मुख्य संपादक पर आप सरकार द्वारा केस दर्ज कराने की कड़े शब्दों में निंदा की। सवाल उठाया कि पंजाब के पूर्व सीएम एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता चरणजीत सिंह चन्नी इस घटना पर पंजाब सरकार के विरोध में धरना प्रदर्शन का एलान कर रहे हैं, लेकिन चंडीगढ़ में कांग्रेस प्रत्याशी मनीष तिवारी ने अभी तक चुप्पी क्यों साधी हुई है।

गठबंधन के पास न मिशन-न विजन: पूनावाला ने गठबंधन और कांग्रेस पर तीखे प्रहार करते हुए कहा कि उसके पास न मिशन है और न विजन है। कांग्रेस की लीडरशिप भ्रम, विभाजन और विरोधाभासी स्थिति से गुजर रही है। इसके विपरीत भाजपा के पास एक अनुशासित संगठन है, जिसका नेतृत्व मिशन और विजन देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कर रहे हैं। कहा कि किसी भी सूरत में भारत में गठबंधन की सरकार बनते नहीं दिख रही। लोगों को जानकर हैरानी होगी कि गठबंधन ने अगले पांच वर्षों के लिए पांच प्रधानमंत्री देने का लूट की खिचड़ी वाला फार्मूला तैयार किया है।

भाजपा के प्रवक्ता शहजाद पूनावाला पार्टी कार्यालय में प्रेसवार्ता के दौरान अपनी बात रखते हुए। फोटो भाजपा

केटीआर ने सीएम रेवंत रेड्डी पर लगाया झूठी कहानियां गढ़ने का आरोप

केटीआर। फाइल रेवंत रेड्डी। फाइल

हैदराबाद, एएनआइ: तेलंगाना के पूर्व मंत्री केटी रामा राव ने शुक्रवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर कड़ा हमला किया है। उन्होंने रेवंत रेड्डी को जोकर और आदतन फर्जी न्यूज फैलाने वाला कहा और पूछा कि उन्हें जेल में क्यों नहीं डाला जाना चाहिए। केटीआर ने कहा कि रेवंत ने एक झूठ गढ़ा कि मेरे रिश्तेदार को दस हजार करोड़ रुपये का कोविड ड्रग कान्ट्रैक्ट मिला है। उसी जोकर ने निजाम के गहनों के बारे में एक फर्जी कहानी बनाई जो सचिवालय के अधीन थे। रेवंत ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का फर्जी वीडियो प्रसारित किया था। सीएम रहते हुए उन्होंने उस्मानिया विश्वविद्यालय का एक फर्जी सर्कुलर भी पोस्ट किया था।

ईवीएम में गड़बड़ी न हुई तो भाजपा फिर सत्ता में नहीं आएगी : मायावती

जागरण संवाददाता, नवांशहर

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष व उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने शुक्रवार को कहा कि देश की आजादी के बाद सत्ता ज्यादा समय कांग्रेस के हाथों में रही है। गलत नीतियों और कार्य प्रणाली के कारण ही उसे केंद्र की सत्ता से बाहर होना पड़ा। वहीं, अब वर्तमान में भाजपा की नीतियां भी गरीब विरोधी हैं। भाजपा केवल पूंजीपतियों और बड़े घरानों के लिए ही काम कर रही है। भाजपा ने गरीबों से किए एक चौथाई वादे भी पूरे नहीं किए। अगर चुनाव सही ढंग से हो और ईवीएम में कोई गड़बड़ी नहीं की गई तो भाजपा फिर से सत्ता में नहीं आएगी। वह नवांशहर में चुनावी सभा को संबोधित कर रही थीं।

उन्होंने कहा कि भाजपा और कांग्रेस को सत्ता से दूर रखने की जरूरत है, क्योंकि वे झूठे वादे और गारंटियां देकर सत्ता में आती हैं और फिर अपने वादे और गारंटियां भूल जाती हैं। हम काम में विश्वास रखते हैं। इसी कारण अपना चुनाव घोषणापत्र भी जारी नहीं करते। देश की जनता काफी हद तक इस बात को समझ चुकी है कि भाजपा ने देश के गरीबों और मध्यम वर्ग के लोगों को जो अच्छे दिन दिखाने के प्रलोभन दिए, वे हवा-हवाई हैं। निजी क्षेत्र में एससी व एसटी वर्ग में आरक्षण नहीं होने के कारण इस वर्ग में बेरोजगारी बढ़ी है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी बांड के बारे में जो राजफाश किया है, उससे साफ जाहिर है कि बसपा को छोड़कर अन्य सभी राजनीति दलों ने अपना संगठन चलाने के लिए पूंजीपतियों से पैसा लिया है।

मायावती। फाइल

कहा- बसपा को छोड़कर अन्य सभी दल पूंजिपतियों से ले रहे चुनावी बांड

तिवारी के प्रचार के लिए अब बंसल को नहीं मनाएगी कांग्रेस

चंडीगढ़: इस बार लोकसभा चुनाव में चंडीगढ़ सीट से टिकट न मिलने से नाराज पूर्व केंद्रीय मंत्री पवन बंसल को अब पार्टी हाईकमान नहीं मनाएगा। पार्टी की ओर से तय किया गया है कि बंसल को चंडीगढ़ में पार्टी का प्रचार करने के लिए नहीं मनाया जाएगा। इसी वजह से राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे जब बीते दिनों चंडीगढ़ आए थे तो बंसल को उनके कार्यक्रम में नहीं बुलाया गया। हालांकि इससे पहले पार्टी की ओर से बंसल को मनाने की पूरी कोशिश की गई थी। यहां तक कि उन्हें मनाने के लिए पार्टी प्रभारी राजीव शुक्ला ने भी प्रयास किया। मगर वह भी नाकाम रहे। बंसल ने चंडीगढ़ सीट पर प्रचार से दूरी बनाई हुई है। हालांकि उन्होंने अंबाला सीट पर (पंचकूला में)कांग्रेस उम्मीदवार वरुण मुलाना के लिए प्रचार जरूर किया है।

जबकि बंसल के पुत्र मनीष बंसल पंजाब की बरनाला सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार सुखपाल सिंह खैहरा के लिए लगातार प्रचार कर रहे हैं। इससे पहले मनीष बंसल ही चंडीगढ़ में अपने पिता के चुनाव प्रचार की कमान संभालते रहे हैं। उधर, अब भी कई स्थानीय नेता जोर लगा रहे हैं कि पवन बंसल मनीष तिवारी के चुनाव प्रचार का हिस्सा बनें। अगर बंसल ऐसा करते हैं तो तिवारी को मजबूती मिलेगी। मनीष तिवारी भी बंसल से मिलने उनके घर जा चुके हैं। नामांकन के दिन भी तिवारी ने बंसल को फोन किया था। तिवारी लंबे समय से चंडीगढ़ सीट से चुनाव लड़ना चाहते थे, लेकिन बंसल ने उनके पैर शहर की राजनीति में जमने नहीं दिए। तिवारी की पिछले कई वर्षों से इच्छा थी कि वह चंडीगढ़ से चुनाव लड़ें। आखिरकार इस बार पार्टी ने उनकी यह इच्छा पूरी की है। खरगे ने भी चंडीगढ़ में प्रेसवार्ता के दौरान कहा था कि हमारे पास चंडीगढ़ से चुनाव लड़ने के काबिल कई दावेदार थे। मगर इस बार उन्होंने तिवारी को मौका दिया।

गठबंधन में बंसल की रही अहम भूमिका : पंजाब में बेशक आप और कांग्रेस के बीच गठबंधन न हो। लेकिन चंडीगढ़ सीट पर गठबंधन करवाने में पवन बंसल ने अहम भूमिका निभाई, क्योंकि पार्टी हाईकमान ने बंसल से ही इनुपट लेकर चंडीगढ़ सीट पर फैसला लिया था। लेकिन इसका बंसल को फायदा नहीं मिला। बंसल इस बार भी खुद चंडीगढ़ से चुनाव लड़ना चाहते थे। मेयर चुनाव में भी बंसल ने गठबंधन करवाकर आप के मेयर उम्मीदवार को जितवाने के लिए जोर लगाया। उस समय मनीष तिवारी के चंडीगढ़ से चुनाव लड़ने की कोई चर्चा नहीं थी। बंसल के कई समर्थक भी अभी तक तिवारी के लिए प्रचार न कर घर बैठ गए हैं। बंसल के करीबी नेता जिनमें कांग्रेस के पूर्व चंडीगढ़ अध्यक्ष सुभाष चावला शामिल थे, वह पार्टी को अलविदा कह भाजपा में शामिल हो चुके हैं। बंसल अग्रवाल बिरादरी से संबंध रखते हैं। कांग्रेस की इस बिरादरी के वोट बैंक पर खास नजर है। हालांकि राजनीतिक जानकारों का मानना है वोट प्रतिशत पर इसका असर पड़ सकता है।

पवन बंसल। फाइल मनीष तिवारी। फाइल

1991 से 2019 तक लगातार उम्मीदवार बनते आए थे बंसल, टिकट की घोषणा से पहले थे सक्रिय

- बंसल ने तिवारी के प्रचार से किया किनारा, अंबाला सीट पर पार्टी के लिए किया प्रचार
- इस बार चंडीगढ़ से पार्टी का टिकट न मिलने के बाद से नाराज चल रहे पवन बंसल

आठ बार मिल चुकी है टिकट

साल 1991 से लेकर साल 2019 तक पवन बंसल लगातार आठ बार चंडीगढ़ से कांग्रेस का टिकट लेने में कामयाब रहे। इस दौरान वह पांच बार शहर के सांसद रहे। यह पहला मौका है जब उनकी टिकट कटी है।

पवन बंसल पार्टी के समर्पित और सीनियर नेता हैं। वह अपने हिसाब से कांग्रेस की मदद कर रहे हैं। उन्होंने पंचकूला और मोहाली में कांग्रेस उम्मीदवार के लिए भी प्रचार किया है। उनकी कोई दिक्कत नहीं है। वह पार्टी के खिलाफ कभी नहीं जाएंगे।

-राजीव शुक्ला, पार्टी प्रभारी एवं महासचिव, कांग्रेस।

****

8.4 करोड़ की हेरोइन जब्त की है असम राइफल्स और मिजोरम पुलिस ने चंफाई जिले में, गुप्त सूचना पर नगुर गांव में एक कार से मादक पदार्थ मिला। इस मामले में अभी तक किसी को भी गिरफ्तार नहीं किया गया है।

जयशंकर बोले, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्य कर रहा खान मार्केट गैंग

नई दिल्ली, एएनआइ : विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि वैश्विक स्तर पर भी भारत के खिलाफ एक खान मार्केट गैंग कार्य कर रहा है। यह गैंग भारत विरोधी कार्य व दुष्प्रचार करता है। इसका उद्देश्य विश्व में भारत की नकारात्मक छवि पेश करना है। यह भारत के खान मार्केट गैंग का अंतरराष्ट्रीय स्वरूप है।

समाचार एजेंसी से साक्षात्कार में जयशंकर ने कहा, देश इन दिनों खास तरह की वैचारिक प्रक्रिया से गुजर रहा है। इसमें व्यक्ति और संगठनों पर तरह-तरह के शीर्षक लगाए जा रहे हैं। ऐसे में भारत विरोधी कार्य करने वालों के लिए खान मार्केट गैंग का नाम सबसे ज्यादा उपयुक्त है। ऐसा ही एक इंटरनेशनल खान मार्केट गैंग भी सक्रिय है। दोनों स्तरों पर कुछ लोग इनसे जुड़े हुए हैं, वे सामाजिक तौर पर इन गैंग के साथ सुकून महसूस करते हैं, क्योंकि वे उन्हीं की तरह सोचते हैं। जब घरेलू खान मार्केट में बिक्री कम हो जाती है तब इंटरनेशनल खान मार्केट गैंग सक्रिय हो जाता है। लोस चुनाव में भाजपा को लेकर विपक्ष के नारे- दक्षिण में साफ और उत्तर में हाफ...पर जयशंकर ने कहा, उन्हें पूरा भरोसा है कि मोदी सरकार पहले से बड़े बहुमत के साथ केंद्र में पुनः आएगी। कहा, दक्षिण में भाजपा पहले की तुलना में दोगुनी सीटें जीतेगी जबकि उत्तर भारत में विपक्ष मुश्किल में है। भाजपा सरकार के संविधान के खिलाफ होने के आरोप पर विदेश मंत्री ने कहा, कांग्रेस के शासनकाल में संविधान में 80 संशोधन किए गए। ऐसे में संविधान में बदलाव का आरोप किस पर लगना चाहिए। संविधान में धर्म आधारित आरक्षण की व्यवस्था नहीं है पर विपक्ष खासतौर पर कांग्रेस ने यह व्यवस्था लागू कर रखी है।

गैंग का उद्देश्य भारत की नकारात्मक छवि प्रस्तुत करना : जयशंकर

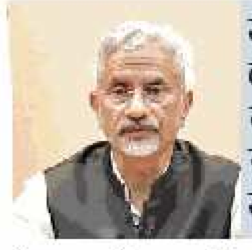

जब देसी गैंग कमजोर पड़ता है तो यह समर्थन में सक्रिय हो जाता है

भारत की बढ़ती ताकत वैश्विक संतुलन के लिए जरूरी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : भारत ने फिर अपनी बढ़ती ताकत का दांव ठोका है और कहा है कि वैश्विक संतुलन कायम करने और खासतौर पर एशिया को बहुध्रुवीय बनाने के लिए भारत का मजबूत रहना जरूरी है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने निक्की एशिया 2024 (एशिया का भविष्य) सम्मेलन में कहा कि एशिया को बहुध्रुवीय बनाने के लिए भारत में बदलाव जरूरी है, क्योंकि बहुध्रुवीय एशिया से ही बहुध्रुवीय विश्व का गठन होगा। भारत की बढ़ती ताकत सुनिश्चित करेगी कि विश्व में आजादी, खुलापन, पारदर्शिता और कानून सम्मत व्यवस्था कायम रहेगी। विदेश मंत्री जयशंकर के इस बयान को चीन के संदर्भ में देखा जा रहा है। जयशंकर ने टोक्यो में आयोजित उक्त सेमिनार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए संबोधित करते हुए जो बातें कहीं हैं, जो वैश्विक मंचों पर भारत के बढ़ते आत्मविश्वास को दर्शाती हैं।

डा. एला को जान हापकिन्स स्कूल आफ पब्लिक हेल्थ का डीन मेडल

नई दिल्ली, प्रेट्र: भारत बायोटेक के सह-संस्थापक एवं कार्यकारी अध्यक्ष डा. कृष्णा एला को जान हापकिन्स ब्लूमबर्ग स्कूल आफ पब्लिक हेल्थ ने प्रतिष्ठित डीन मेडल से सम्मानित किया। स्कूल द्वारा दिए जाने वाला सर्वोच्च पुरस्कार डा. एला को सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार, असाधारण व स्थायी नेतृत्व के लिए प्रदान किया गया। मैरीलैंड के बाल्टीमोर में गत 22 मई को ब्लूमबर्ग स्कूल के दीक्षा समारोह में डीन एलन जे. मैकेंजी ने डा. एला को पुरस्कार प्रदान किया। इस मौके पर डा. एला ने कहा, मैं इस मेडल को भारत की वैज्ञानिक उत्कृष्टता की वैश्विक मान्यता के रूप में स्वीकार करता हूं और इस मेडल को भारत को समर्पित करता हूं। उल्लेखनीय है कि डा. एला के निर्देशन में भारत बायोटेक ने अपनी कोविड-19 वैक्सीन (कोवैक्सीन), पहली रोटावाइरस वैक्सीन (रोटावैक), टाइफाइड कंजुगेट वैक्सीन (टायबर टीसीवी) का निर्माण किया।

डा. कृष्णा एला। फाइल

मणिपुर हिंसा मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा, भावनाओं के आधार पर नहीं चल सकते

नई दिल्ली, प्रेट्र: मणिपुर हिंसा के दौरान विस्थापितों की संपत्तियों की सुरक्षा पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश के कथित गैर-अनुपालन के लिए अवमानना कार्रवाई की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करने से शीर्ष अदालत ने शुक्रवार को इन्कार कर दिया। कोर्ट ने कहा,वह भावनाओं के आधार पर नहीं चल सकता, बल्कि उसे कानून के अनुसार काम करना होगा।

जस्टिस बेला एम. त्रिवेदी व पंकज मित्तल की अवकाशकालीन पीठ ने कहा, वह दलील से संतुष्ट नहीं है कि मणिपुर के मुख्य सचिव समेत प्रतिवादियों के विरुद्ध अवमानना का मामला बनता है। याचिकाकर्ता कानून के तहत उपलब्ध उपायों का सहारा ले सकते हैं। मणिपुर की ओर से पेश एडिशनल सालिसिटर जनरल एश्वर्य भाटी ने पीठ को बताया कि अवमानना का मामला नहीं बनता और राज्य और केंद्र सरकार लोगों की चिंताओं को दूर करने के लिए धरातल पर हर काम कर रही हैं। उन्होंने कहा, मुद्दे को गर्म रखने का प्रयास करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। सभी नागरिकों एवं उनकी संपत्तियों की रक्षा करना राज्य का दायित्व है और सरकार इस मुद्दे पर अपडेट स्थिति रिपोर्ट दाखिल कर सकती है। शीर्ष अदालत उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें दावा किया गया था कि जातीय हिंसा के दौरान विस्थापित हुए लोगों की संपत्तियों की रक्षा के उसके पिछले वर्ष 25 सितंबर के आदेश की प्रतिवादियों ने अवमानना की है।

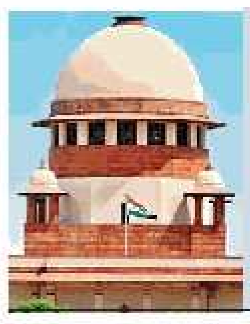

अवमानना कार्रवाई की मांग वाली याचिका पर सुनवाई से इन्कार

पीठ ने याचिकाकर्ता के वकील से पूछा कि किसने अवमानना की है, इस पर वकील ने जवाब दिया कि मुख्य सचिव एवं अन्य। पीठ ने कहा, उन्होंने अतिक्रमण नहीं किया है। जब वकील ने कहा, याचिकाकर्ता मणिपुर के बाहर रह रहे हैं और इंफाल के नजदीक कहीं भी जाने की स्थिति में नहीं हैं, तब पीठ ने कहा, 'इसका अर्थ यह नहीं कि मुख्य सचिव के विरुद्ध नोटिस जारी किया जाए।' इस दौरान भाटी ने कहा, 'मणिपुर में अभी भी असहज करने वाली शांति है। लोगों में मतभेद हैं। राज्य व केंद्र सरकार सभी को समझाने की कोशिश कर रही हैं।' जब याचिकाकर्ता के वकील ने दावा किया कि उनकी संपत्तियों को पुलिस की उपस्थिति में लूटा गया और वे उन वीडियो को अदालत के समक्ष रख सकते हैं, तब भाटी ने कहा, मिथ्या आरोप लगाए जा रहे हैं। पीठ ने कहा, 'संपत्तियों की रक्षा करना उनका (अधिकारियों का) दायित्व है। अदालत के आदेश का पालन करना उनका कर्तव्य है। इस बारे में संदेह नहीं है।' मुख्य सचिव और अन्य प्रतिवादियों के विरुद्ध अवमानना का मामला नहीं बनता,अफसरों पर इस तरह दबाव मत डालिए। पीठ ने कहा, 'आपके साथ पूरी सहानुभूति है। आपकी संपत्तियों की रक्षा करने की जरूरत है, पर इसका यह अर्थ नहीं कि हमें प्रतिवादियों को अवमानना नोटिस जारी करना होगा।' ज्ञात हो, मणिपुर में गत वर्ष तीन मई को भड़की जातीय हिंसा में 170 से ज्यादा लोग मारे गए हैं।

सीमाएं सुरक्षित रहतीं तो और तेजी से प्रगति करता भारत : डोभाल

बीएसएफ के समारोह में एनएसए बोले – जमीन पर जो कब्जा है वही अपना है

नई दिल्ली, प्रेट्र: राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए)अजीत डोभाल ने कहा है कि गत दस वर्षों में देश तेजी से सशक्त हुआ है। अगर देश की सीमाएं अधिक सुरक्षित, सुरचित व प्रतिकूल कब्जे वाली नहीं होतीं, तो भारत ने अधिक रफ्तार से प्रगति की होती। उन्होंने कहा, 'जमीन पर जो कब्जा है वही अपना है, बाकी तो सब अदालत और कचहरी का काम है। उससे फर्क नहीं पड़ता।'

21वें अलंकरण समारोह में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की ओर से आयोजित रुस्तमजी मेमोरियल लेक्चर में शुक्रवार को डोभाल ने कहा, भारत की आर्थिक प्रगति अधिक रफ्तार पकड़ती अगर देश की सीमाएं अधिक सुरक्षित रहतीं। निकट भविष्य में हमें नहीं लगता कि हमारी सीमाएं इतनी सुरक्षित हो जाएंगी कि हम तेजी से आर्थिक विकास कर सकें। इसलिए सीमाओं पर तैनात सैन्य बलों के कंधों पर अत्यधिक भार है। उन्हें हमेशा 24x7 सतर्क रहना पड़ता है। हर वक्त राष्ट्रीय हितों व देश की सुरक्षा का ध्यान रखना होता है। देश की सीमाएं अत्यधिक अहम हैं क्योंकि वह हमारी संप्रभुता को परिभाषित करती हैं। गत दस सालों में भारत सरकार ने सीमाओं की सुरक्षा पर बहुत ध्यान दिया है। इसी अवधि में हमारी राष्ट्रीय ताकत बढ़ी है। उन्होंने कहा, भारत बहुत तेजी से बदल रहा है। अगले दस सालों में हम 10 ट्रिलियन डालर इकोनामी हो जाएंगे दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे, जोकि बहुत बड़ी बात है। डोभाल ने कहा,भारत के पास सबसे बड़ा कार्यबल है। उच्च तकनीक के आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ), सेमीकंडक्टरों, क्वांटम कंप्यूटिंग व रक्षा व सुरक्षा निर्माण के विभिन्न क्षेत्रों में भारत के पास हब होगा। इस बदलते भारत में समृद्धि कुछ हद तक सुरक्षा की भी गारंटी बनेगी। भारत ने इसी साल 31 मार्च तक 2.5 अरब डालर के हथियारों को निर्यात किया है। यह कारनामा सरकारी नीतियों की आत्मनिर्भरता और आत्मनिर्भर भारत होने की दिशा में एक और कदम है।

नई दिल्ली में शुक्रवार को 21वें बीएसएफ अलंकरण समारोह एवं रुस्तमजी स्मृति व्याख्यान में एनएसए अजीत डोभाल को पौधा भेंट करते बीएसएफ के महानिदेशक नितिन अग्रवाल। प्रेट्र

'स्थानीय आबादी विरुद्ध है तो आप सीमा पर काबू नहीं रख सकते'

अजीत डोभाल ने बीएसएफ की प्रशंसा करते हुए कहा, वह देश की सीमाओं की सुरक्षा का काम बखूबी कर रहे हैं। समय-समय पर आंतरिक सुरक्षा में भी विशेष योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा, 'चाणक्य का मंत्र है कि अगर स्थानीय आबादी आपके विरुद्ध है तो आप सीमा पर काबू नहीं रख सकते हैं।' सीमा पर सुरक्षा का प्रबंध स्थानीय लोगों का दिल जीत कर ही हो सकता है। लोगों को यह नहीं लगना चाहिए कि वर्दीधारी उन्हें कंट्रोल कर रहे हैं। उन्होंने इजरायल के अपनी सीमा की सुरक्षा करने के अंदाज की प्रशंसा करते हुए कहा कि इजरायल पर ईरान ने 1500 मिसाइलें दागी थीं, जिनमें से 99 प्रतिशत मिसाइलों को रोक दिया गया था। यह रक्षा क्षेत्र में उनकी तकनीक का कमाल है।

अपराधों से प्रभावी तरीके से निपटेंगे नए आपराधिक कानून : पूर्व जस्टिस

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस नवीन सिन्हा ने कहा है कि संसद से पारित नए आपराधिक कानून अपराधों से निपटने में प्रभावी होंगे। इसके साथ ही जस्टिस सिन्हा ने इस बात पर जोर दिया कि इन्हें सफल बनाने के लिए न्यायाधीशों और पुलिस के अधिकारियों और अन्य कर्मचारियों के लिए प्रभावी प्रशिक्षण कार्यक्रम की जरूरत है।

सेवानिवृत्त जस्टिस नवीन सिन्हा ने सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता अश्विनी कुमार दुबे की पुस्तक 'एंड आफ कोलोनियल ला फ्राम विजन टू एक्शन'' के विमोचन के अवसर पर यह बात कही। उन्होंने कहा, ''समय बदल रहा है और समय के अनुसार कानूनों में भी बदलाव की आवश्यकता है। कानून निर्माताओं ने महसूस किया है कि मौजूदा कानून समाज के उद्देश्यों को पूरा नहीं कर रहे हैं। इसलिए नए कानूनों की मदद से अपराधों से प्रभावी तरीके से निपटा जाएगा। इन कानूनों के क्रियान्वयन के लिए न्यायाधीशों और पुलिस को प्रशिक्षित करने की आवश्यकता है।''

इस मौके पर भाजपा के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार ने अंग्रेजों के समय के काले काननों को खत्म किया और लोगों तक त्वरित न्याय पहुंचाने के लिए तीन नए कानूनों को लागू किया है। वहीं, नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के जस्टिस सुधीर अग्रवाल ने कहा कि नए कानूनों से न्याय देने की प्रक्रिया में तेजी आएगी।

उल्लेखनीय है कि दिसंबर 2023 में संसद से तीन आपराधिक कानून पारित किए गए थे, जिसमें भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम शामिल है। ये कानून एक जुलाई से लागू होंगे। सरकार का कहना है कि इन कानूनों को लागू करने से देश में अपराधों की संख्या में कमी आएगी।

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस नवीन सिन्हा ने कहा-जजों और पुलिस के लिए प्रभावी प्रशिक्षण की जरूरत

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस नवीन सिन्हा। फाइल

राजस्थान के मंत्री बोले- मुस्लिमों को ओबीसी में आरक्षण की समीक्षा होगी

जागरण संवाददाता, जयपुर : राजस्थान की भजनलाल शर्मा सरकार अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) में शामिल मुस्लिम जातियों के आरक्षण की समीक्षा करने की तैयारी कर रही है। लोकसभा चुनाव की आचार संहिता समाप्त होने के बाद उच्च स्तरीय कमेटी बनाकर मुस्लिम जातियों के ओबीसी कोटे की समीक्षा की जाएगी।

प्रदेश के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने शुक्रवार को कहा कि मुस्लिम जातियों के अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) में आरक्षण की समीक्षा करवाई जाएगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने तुष्टीकरण की राजनीति के तहत अलग-अलग समय पर मुस्लिम जातियों को ओबीसी का आरक्षण दिया। कहा कि कांग्रेस शासन में ओबीसी की जातियों को अलग-अलग समय में आरक्षण दिया गया था। इनमें से कई जातियां ऐसी है जो हिंदू और मुस्लिम दोनों धर्मों में है।

अविनाश गहलोत ने कहा कि बाबा भीमराव आंबेडकर ने संविधान में प्रविधान किया था कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं दिया जा सकता है। कांग्रेस ने 1997 से लेकर 2013 के बीच अलग-अलग समय में 14 मुस्लिम जातियों को अन्य पिछड़ा वर्ग में शामिल किया था। अब भाजपा सरकार इस फैसले की समीक्षा करवाएगी।

अभिनेत्री लैला खान हत्याकांड में सौतेले पिता को मौत की सजा

मुंबई, प्रेट्र : फिल्म अभिनेत्री लैला खान की हत्या के मामले में सत्र अदालत ने शुक्रवार को उनके सौतेले पिता परवेज टाक को मौत की सजा सुनाई। संपत्ति विवाद में परवेज ने लैला की मां और उनके चार भाई-बहनों को भी मार डाला था। लैला बहुत कम बालीवुड फिल्मों में नजर आई थीं। इनमें 2008 में आई फिल्म वफा भी शामिल है, जिसमें वह राजेश खन्ना के साथ नजर आई थीं।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सचिन पवार ने नौ मई को परवेज को कई हत्याओंव सुबूतों को नष्ट करने के अलावा भारतीय दंड संहिता के तहत अन्य अपराधों का दोषी पाया था। उसकी सजा 24 मई को तय की गई। परवेज टाक लैला की मां सेलिना पटेल का तीसरा पति था। अभिनेत्री, उनकी मां और उनके चार भाई-बहनों की फरवरी 2011 में नासिक स्थित उनके बंगले में हत्या कर दी गई थी। इन हत्याओं का पता नौ माह बाद चला, जब जम्मू-कश्मीर पुलिस ने परवेज को गिरफ्तार किया। मारे गए लोगों के क्षत-विक्षत शव बाद में बंगले से बरामद किए गए। अभियोजन पक्ष का कहना था कि परवेज ने सेलिना की संपत्तियों को लेकर बहस के बाद पहले उनकी हत्या कर दी। इसके बाद लैला और उनके चार भाई-बहनों को भी मार डाला। बच्चों की हत्या इसलिए की गई, क्योंकि उन्होंने परवेज को सेलिना की हत्या करते देखा था। अभियोजन पक्ष ने इस मामले में 40 गवाहों से पूछताछ की। आइएएनएस के अनुसार, लैला और उनके स्वजन के अचानक लापता होने के बाद उनके पिता नादिर पटेल ने पुलिस से संपर्क किया था। मामला तब सुलझा, जब जांच में पता चला कि लैला का फोन आखिरी बार नासिक जिले में सक्रिय था।

अभिनेत्री, उनकी मां और चार भाई-बहनों की फरवरी, 2011 में उनके बंगले में कर दी गई थी हत्या

लैला खान। फाइल

लैला की मां सेलिना के तीसरे पति परवेज की जम्मू-कश्मीर में गिरफ्तारी के बाद खुला था मामला

विदेश मंत्रालय ने प्रज्वल रेवन्ना से पूछा, पासपोर्ट क्यों न रद कर दिया जाए

नई दिल्ली, प्रेट्र : विदेश मंत्रालय ने जदएस सांसद प्रज्वल रेवन्ना को कारण बताओ नोटिस भेजकर पूछा है कि उनका राजनयिक पासपोर्ट क्यों नहीं रद कर दिया जाना चाहिए? प्रज्वल के खिलाफ यौन शोषण के आरोपों को देखते हुए कर्नाटक सरकार ने विदेश मंत्रालय से प्रज्वल का पासपोर्ट रद करने का अनुरोध किया है।

अधिकारियों ने गुरुवार को कहा था कि विदेश मंत्रालय प्रज्वल का राजनयिक पासपोर्ट रद करने के कर्नाटक सरकार के अनुरोध पर कार्रवाई कर रहा है। माना जा रहा है कि वह फिलहाल जर्मनी में हैं। अधिकारियों ने बताया कि प्रज्वल का पासपोर्ट रद करने के लिए शुरू की गई प्रक्रिया के तहत ईमेल के जरिये उनको कारण बताओ नोटिस भेजा गया है।

एएनआइ के अनुसार, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि विदेश मंत्रालय को प्रज्वल का पासपोर्ट रद करने का आग्रह 21 मई को प्राप्त हुआ था। उन्होंने कहा, पासपोर्ट रद करने के लिए हमें अदालत या पुलिस के अनुरोध की आवश्यकता होती है। विदेश मंत्रालय को कर्नाटक सरकार से यह अनुरोध 21 मई को मिला था। हमने तुरंत इस पर कार्रवाई की। भाजपा पर प्रज्वल को बचाने के कांग्रेस सरकार के आरोपों पर जयशंकर ने कहा, उन्होंने पहला कदम नहीं उठाया। मेरा मतलब है, यह पहला मामला नहीं है जब पासपोर्ट रद किया जा रहा है।

आइएएनएस के अनुसार, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरमैया ने शुक्रवार को कहा कि प्रज्वल रेवन्ना का परिवार उनके बारे में सब कुछ जानता है। जब प्रज्वल रेवन्ना को उनके दादा और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा द्वारा दी गई चेतावनी के बारे में पूछा गया कि उन्हें परिवार से अलग कर दिया जाएगा, तो सिद्दरमैया ने सवाल किया-क्या प्रज्वल अपने परिवार को सूचित किए बिना चले गए हैं? क्या वह अपने परिवार के सदस्यों के संपर्क में नहीं हैं? सिद्दरमैया ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और अन्य के खिलाफ अनाप-शनाप बातें करके अपने भतीजे प्रज्वल रेवन्ना पर यौन उत्पीड़न के आरोपों को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं।

इस बीच, कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने कहा कि प्रज्वल रेवन्ना को अपने दादा की चेतावनी पर ध्यान देना चाहिए और कानून का सामना करने के लिए तुरंत लौट आना चाहिए। बताते चलें, देवेगौड़ा ने एक खुला पत्र लिखकर प्रज्वल रेवन्ना को आत्मसमर्पण करने या परिवार के गुस्से का सामना करने को कहा था।

कर्नाटक सरकार की मांग पर केंद्र ने भेजा कारण बताओ नोटिस

जयशंकर ने कहा, हमें 21 मई को मिला था राज्य सरकार का अनुरोध

प्रज्वल रेवन्ना। फाइल फोटो

फर्जी जन्म प्रमाणपत्र केस में आजम, पत्नी व बेटे को रिहा करने का निर्देश

जागरण संवाददाता, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री और सपा के राष्ट्रीय महासचिव मोहम्मद आजम खां, पत्नी और बेटे की जमानत मंजूर करते हुए इलाहाबाद हाई कोर्ट ने तीनों को रिहा करने का निर्देश दिया है। आजम खां को बेटे अब्दुल्ला आजम के फर्जी जन्म प्रमाणपत्र केस में मिली सजा और दोषसिद्धि आदेश पर भी कोर्ट ने रोक लगा दी है। एमपी-एमएलए विशेष अदालत रामपुर ने सभी को सात-सात साल की कैद की सजा सुनाई थी। पत्नी तजीन फात्मा और बेटे अब्दुल्ला की सजा पर रोक नहीं लगाई गई है। इससे वह कोई चुनाव नहीं लड़ पाएंगे।

यह आदेश कोर्ट ने सजा के खिलाफ दायर आजम परिवार की आपराधिक पुनरीक्षण याचिका (क्रिमिनल रिवीजन) की सुनवाई करते हुए शुक्रवार को सुनाया। आरोप है कि अब्दुल्ला आजम का दो जन्म प्रमाणपत्र बनवाया गया। इसकी शिकायत पर उन्हें विधायिकी गंवानी पड़ी। वह स्वार विधानसभा क्षेत्र से वर्ष 2017 में सपा के टिकट पर जीते थे। प्रतिद्वंद्वी प्रत्याशी नवाब काजिम अली खां उर्फ नावेद मियां तथा बाद में भाजपा नेता आकाश सक्सेना ने फर्जी जन्म प्रमाणपत्र पर चुनाव लड़ने की शिकायत की। कहा, अब्दुल्ला चुनाव लड़ने की योग्यता नहीं रखते थे। आयु बढ़ाकर चुनाव लड़ाया गया। चुनाव याचिका पर हाई कोर्ट ने अब्दुल्ला का चुनाव रद कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट से भी उन्हें राहत नहीं मिली थी।

उल्लेखनीय है कि शैक्षिक प्रमाण पत्र में अब्दुल्ला आजम की जन्मतिथि एक जनवरी, 1993 दर्ज है और नगर निगम लखनऊ से जारी प्रमाणपत्र में 30 सितंबर, 1990 है। रामपुर की विशेष अदालत ने 18 अक्टूबर, 2023 को तीनों को सात-सात साल की सजा सुनाई थी। इसे पुनरीक्षण याचिका में चुनौती दी गई थी। लंबी बहस के बाद कोर्ट ने अर्जी पर 14 मई को निर्णय सुरक्षित कर लिया था।

इलाहाबाद हाई कोर्ट से तीनों को राहत

सपा के राष्ट्रीय महासचिव की सजा पर रोक, बेटे-पत्नी की नहीं

लगातार प्रहार

घबराए नक्सली बिना शर्त वार्ता को तैयार

सुरक्षा बलों के अभियान ने तोड़ी नक्सलियों की कमर, जनवरी से अब तक 117 मारे गए, नक्सलियों ने पत्र जारी कर कहा-बातचीत के लिए उचित वातावरण बनाए सरकार

नईदुनिया प्रतिनिधि, जगदलपुर

छत्तीसगढ़ में सत्ता परिवर्तन के बाद नक्सल आपरेशन में तेजी आई है। इस वर्ष मुठभेड़ में 117 नक्सली मारे गए हैं। इससे घबराकर नक्सलियों ने अब बिना शर्त वार्ता का प्रस्ताव रखा है। नक्सलियों के केंद्रीय प्रवक्ता की ओर से शुक्रवार को पत्र जारी कर कहा गया है कि सरकार की ओर से वार्ता के लिए उचित वातावरण बनाने की जरूरत है। खून-खराबा रोकने के लिए नक्सली वार्ता का प्रस्ताव स्वीकारते हैं। बता दें कि इससे पहले नक्सलियों की दण्डकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी ने सशर्त वार्ता का प्रस्ताव रखा था, जिसमें सुरक्षा बलों को छह माह के लिए बैरकों तक सीमित करने और नए कैंप खोलने पर रोक की शर्त रखी थी।

नक्सलवाद प्रभावित बस्तर क्षेत्र में सुरक्षा बल के आक्रामक अभियान के साथ ही प्रदेश सरकार ने नक्सल समस्या का हल वार्ता के माध्यम से निकालने का विकल्प दिया है। इसके बाद से नक्सल संगठन के भीतर छटपटाहट तेज होने की बात सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि कई बड़े नक्सली आत्मसमर्पण की तैयारी में हैं। इससे संगठन पर भी दबाव बनता दिखाई दे रहा है।

दो दिन पहले बुधवार को राज्य के गृह मंत्री विजय शर्मा बस्तर पहुंचे थे। उन्होंने पुनर्वास नीति बनाने के लिए नक्सलियों से सुझाव मांगा था। साथ ही, नक्सलवाद की समस्या का समाधान बातचीत से निकालने की बात कहते हुए नक्सलियों को वार्ता के लिए सामने आने कहा था। उधर, नक्सलरोधी अभियान के तहत जनवरी से अब तक 117 नक्सलियों को ढेर किया गया है।

जनता के मुद्दे पर करेंगे बात : नक्सलियों की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि जनता के तमाम मुद्दों को लेकर ही नक्सलियों के प्रतिनिधि सरकार के साथ वार्ता करेंगे। जून, 2022 में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से आदिवासी मुद्दों पर आदिवासी युवा नेतृत्व ने चर्चा की थी।

पत्र में राहुल-भूपेश का उल्लेख : गत रविवार को झारखंड में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राहुल गांधी को इंगित करते कहा था कि शहजादे नक्सलियों की भाषा बोल रहे हैं। अब नक्सलियों के पत्र में राहुल गांधी का उल्लेख सामने आया है, जिसमें कहा गया है कि प्रदेश में नक्सलियों के नाम पर आम जनता को निशाना बनाया जा रहा है। यह हम नहीं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, कांग्रेस प्रवक्ता कह रहे हैं। पी. चिदंबरम और राहुल गांधी के नाम का भी संदर्भ पत्र में दिया गया है।

डीएनए टेस्ट की मांग के लिए ठोस आधार जरूरी : केरल हाई कोर्ट

कोच्चि, आइएएनएस : केरल हाई कोर्ट ने दोहराया है कि अदालतें नियमित तरीके से डीएनए परीक्षण (किसी के माता-पिता का निर्धारण करने में) के लिए आवेदन की अनुमति नहीं दे सकती हैं या पार्टियों को सुबूत निकालने की अनुमति नहीं दे सकती हैं। इस तरह के परीक्षण के आयोजन के लिए मजबूत प्रथम दृष्टया मामला बनाया जाना चाहिए।

जस्टिस सी. जयचंद्रन ने कहा, अदालतें ऐसा तब तक नहीं कर सकतीं जब तक की उनके पक्ष में कोई प्रथम दृष्टया मामला नहीं बनता है। अदालत ने संपत्ति विवाद में डीएनए परीक्षण की अनुमति देने के ट्रायल कोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका को स्वीकार करते हुए यह टिप्पणी की। न्यायालय के अनुसार, ''कोई भी व्यक्ति केवल अपने मामले के समर्थन में साक्ष्य प्राप्त करने के प्रयास में डीएनए परीक्षण की मांग नहीं कर सकता। जब तक आवेदक प्रथम दृष्टया मजबूत मामला नहीं बनाता, तब तक ऐसे आवेदन को मंजूरी नहीं दी जा सकती।''

ये है मामला : एक महिला (वादी) ने 2017 में ट्रायल कोर्ट के समक्ष मुकदमा दायर किया था, जिसमें 1980 में मर चुके व्यक्ति की भूमि पर दावा किया था। वादी ने कहा, मृत व्यक्ति उसका पिता था। मैं पहली पत्नी की संतान हूं। अतः वह और उसकी मां मृतक की संपत्ति के एक हिस्से की हकदार हैं। मृतक के बेटे का तर्कहै कि पिता ने उसकी मां के अलावा किसी और से शादी नहीं की थी। वादी ने मृत व्यक्ति की जैविक संतान होने के प्रमाण के रूप में भाई-बहन का डीएनए परीक्षण कराने के लिए एक आवेदन दायर किया, जिसे सुनवाई अदालत ने मान लिया था।

कहा,अदालतें नियमित रूप से आवेदन की अनुमति नहीं दे सकतीं

रामेश्वरम कैफे विस्फोट में एक और गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रेट्र : बेंगलुरु के रामेश्वरम कैफे विस्फोट मामले में एनआइए ने शुक्रवार को एक और आरोपित शोएब अहमद उर्फ छोटू को गिरफ्तार कर लिया। मामले में यह पांचवीं गिरफ्तारी है। एनआइए अब तक देशभर में 29 ठिकानों की तलाशी ले चुकी है। गत एक मार्च को रामेश्वरम कैफे में धमाका हुआ था जिसमें नौ लोग घायल हुए थे।

एजेंसी ने बताया कि कर्नाटक के हुबली शहर निवासी शोएब लश्कर-ए-तैयबा आतंकी साजिश मामले में दोषी ठहराया गया था। जांच में सामने आया कि जेल से रिहाई के बाद वह इस साजिश में शामिल हो गया। गत 2018 में उसने आरोपित अब्दुल मथीन ताहा से दोस्ती की और उसे विदेश में रहने वाले आनलाइन हैंडलर से मिलवाया। मिर्जा ने हैंडलर एवं ताहा के बीच गुप्त संचार के लिए ईमेल आइडी मुहैया कराई थी। ताहा को 12 अप्रैल को मुस्सविर हुसैन शाजिब संग कोलकाता से पकड़ा गया था।

****

16 जून 2022 को भारत सरकार ने शुरू की थी अग्निपथ योजना, इसके तहत सशस्त्र बलों की तीन सेवाओं यानी थल सेना, जल सेना और वायु सेना में जवानों की भर्ती की जाती है। योजना के तहत सेना में शामिल होने वाले जवानों को 'अग्निवीर' के नाम से जाना जाता है

बांग्लादेश के सांसद के शव को बोटी-बोटी करने वाला कसाई गिरफ्तार

सांसद का दोस्त कसाई को मुंबई से दो महीने पहले कोलकाता लाया था

शरीर की खाल उतारकर मांस निकाला और शव के टुकड़ों को ठिकाने लगाया

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

बंगाल सीआइडी ने पिछले दिनों कोलकाता के एक फ्लैट में बांग्लादेश के सांसद अनवारुल अजीम अनार की हत्या के मामले में उत्तर 24 परगना जिले के बनगांव से एक कसाई जेहाद हवलादार को गिरफ्तार किया है, जिसने सांसद के शव को बोटी-बोटी कर प्लास्टिक की थैलियों में भरा था। बांग्लादेश के खुलना के रहने वाले जेहाद ने अवैध रूप से भारत में प्रवेश किया था और अपनी पहचान छिपाकर मुंबई में रह रहा था। बता दें कि बांग्लादेश के सांसद इलाज के लिए 12 मई को कोलकाता पहुंचे थे। उसके कुछ दिनों बाद वह लापता हो गए थे। उत्तर कोलकाता के बरानगर के निवासी और बांग्लादेशी राजनेता के परिचित गोपाल बिश्वास ने 18 मई को पुलिस में उनकी गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी।

बांग्लादेश पुलिस द्वारा गिरफ्तार तीन आरोपितों से पूछताछ के लिए बंगाल सीआइडी बांग्लादेश गई

बांग्लादेशी सांसद अनवारुल अजीम अनार की हत्या प्रकरण में गिरफ्तार एक आरोपित शुक्रवार को बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। प्रेट्र

पुलिस सूत्रों ने कहा, सांसद के दोस्त बांग्लादेशी मूल के अमेरिकी नागरिक अख्तारुज्जमां शाहीन हवलादार को दो माह पहले कोलकाता लाया था। अख्तारुज्जमां संभवतया इस समय अमेरिका में है, जो इस हत्याकांड का मास्टरमाइंड है। पता चला कि सोने की तस्करी के धंधे को लेकर सांसद से उसकी अनबन हो गई थी। बदला लेने के लिए उसने सांसद की हत्या की साजिश रची और इसे अंजाम देने के लिए आरोपितों को लगभग पांच करोड़ रुपये का भुगतान किया था।

पूछताछ में हवलादार ने पुलिस को बताया कि अख्तारुज्जमां के आदेश पर उसने और चार अन्य बांग्लादेशी नागरिकों ने फ्लैट में अनवारुल अजीम का गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद पूरे शरीर की खाल उतारकर सारा मांस निकाल दिया और उसे बोटी-बोटी कर प्लास्टिक की थैलियों में भरा। मांस में हल्दी व नमक मिलाया ताकि यह जल्दी गल जाए। हड्डियों को भी छोटे-छोटे टुकड़ों में काटा और प्लास्टिक की थैलियों में भर दिया। इसके बाद कोलकाता में विभिन्न स्थानों पर उन पैकेटों को ठिकाने लगाने के लिए परिवहन के विभिन्न तरीकों का इस्तेमाल किया।

हवलादार को शुक्रवार को बारासात अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे 12 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। बंगाल सीआइडी की टीम जेहाद को दक्षिण 24 परगना के भांगड़ के कृष्णामाटी गांव ले गई, जहां शरीर के कटे हुए हिस्सों को प्लास्टिक की थैलियों में डालकर अलग-अलग जगहों पर फेंका गया था। वहीं बांग्लादेश पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए तीन आरोपितों तनवीर, शिमुल भुईया व महिला सेलिस्टी रहमान से पूछताछ करने के लिए बंगाल सीआइडी की एक टीम गुरुवार को बांग्लादेश गई है।

हनी ट्रैप करने के लिए महिला को किया गया शामिल

सांसद की हत्या के मामले में गिरफ्तार महिला सेलिस्टी रहमान सांसद के दोस्त अख्तारुज्जमां की करीबी है। महिला सेलिस्टी को सांसद को हनी ट्रैप करने के लिए लाया गया था। सेलिस्टी ने सांसद के साथ दोस्ती की और उन्हें कोलकाता के न्यूटाउन स्थित उस फ्लैट में लेकर आई जहां उनकी हत्या की गई। अख्तारुज्जमां ने हत्या के मकसद से इस फ्लैट को पहले से ही किराए पर ले रखा था। हत्या की घटना के दौरान सेलिस्टी भी वहां मौजूद थी। घटना के बाद वह बांग्लादेश चली गई थी जहां उसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

गुजरात ही नहीं अन्य राज्यों में भी आतंकियों के घुसने की आशंका

राज्य ब्यूरो, अहमदाबाद

श्रीलंका से आए चार आतंकियों के साथ अन्य कई आतंकियों के देश के अलग-अलग राज्यों में घुसने की आशंका जांच एजेंसी ने जताई है। आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने गांधीनगर के चिलोडा से पिछले दिनों तीन लोडेड रिवाल्वर और 20 कारतूस बरामद किए थे। जांच एजेंसी चिलोडा इलाके के सीसीटीवी फुटेज लेकर स्लीपर सेल की तलाश कर रही है। जांच का दायरा राजस्थान व महाराष्ट्र तक बढ़ाया गया है।

एटीएस ने गत रविवार को श्रीलंका से चेन्नई होते हुए अहमदाबाद पहुंचे इस्लामिक स्टेट (आइएस) के चार आतंकियों को दबोचा था। एटीएस के उपाधीक्षक हर्ष उपाध्याय ने बताया कि पकड़े गये चारों आतंकी मोहम्मद नुसरत (35), मोहम्मद फारुख (35), मोहम्मद नफरान (27) और मोहम्मद रासदीन (43) से पूछताछ के बाद आशंका है कि इनके साथ अन्य राज्यों में भी आतंकियों को भेजा गया है। गुजरात के अलावा महाराष्ट्र, तमिलनाडु, राजस्थान आदि राज्यों में इस्लामिक स्टेट के आतंकी और स्लीपर सेल होने की प्रबल आशंका है। चारों आतंकियों को चार लाख रुपये और दो किलो चांदी देकर भेजा गया था। चांदी साथ देकर भेजने के पीछे मकसद आतंकियों को सर्राफा व्यापारी बताना था ताकि कोई उन पर शक न करे। साथ ही अगर पैसों की तंगी की स्थिति आ जाए तो चारों लोग चांदी को बेचकर पैसों का इंतजाम कर सकते थे।

- **गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान में स्लीपर सेल की तलाश**
- **पिछले दिनों अहमदाबाद से चार आतंकी पकड़े गए थे**

पकड़े गये चारों आतंकी पाकिस्तान में बैठे एक हैंडलर के इशारे पर काम कर रहे थे और इनमें से दो आतंकवादी नुसरत और नाफरान 35 से 40 बार भारत आ चुके हैं।

एटीएस की टीम चिलोडा और आसपास के इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि इन आतंकियों से जुड़े व्यक्ति तथा स्लीपर सेल को दबोचा जा सके।

दिव्यांग ने पैरों से 12वीं की परीक्षा देकर हासिल किए 78 प्रतिशत अंक

लातूर, प्रेट्र: 'लहरों से डर कर नौका पार नहीं होती, हिम्मत करने वालों की कभी हार नहीं होती'। कवि हरिवंश राय बच्चन की मशहूर कविता की इन पंक्तियों को लातूर जिले के गौस शेख ने चरितार्थ कर दिखाया। बिना हाथों के जन्मे गौस ने गत मार्च में आयोजित 12वीं की परीक्षा पैरों से दी और 78 प्रतिशत अंक हासिल किए। पढ़ाई के प्रति दृढ़ संकल्पित गौस बड़े होकर भारतीय प्रशासनिक सेवा (आइएएस) अधिकारी बनना चाहता है।

लातूर का छात्र बड़ा होकर बनना चाहता है आइएएस

महाराष्ट्र के लातूर जिले के छोटे से गांव में रहने वाले 17 वर्षीय गौस शेख टांडा के वसंतनगर के रेणुकादेवी हायर सेकेंडरी आश्रम स्कूल से अपनी प्रारंभिक शिक्षा पूरी की। इस विद्यालय में गौस के पिता चपरासी के रूप में कार्यरत हैं। गौस के पिता अमजद ने बताया कि गौस ने चार वर्ष की उम्र में पैरों से अंक और अक्षर लिखने शुरू कर दिए थे। बचपन में उसके शिक्षकों ने उसे पैरों की अंगुलियों से लिखने का अभ्यास कराया। वह परीक्षा में अन्य छात्रों की तरह की शामिल होता है और अपने सभी कामों का ध्यान रखता है। गौस ने कहा कि मैंने बचपन से ही देश की सेवा करने का सपना देखा है और यही कारण है कि मैं आइएएस अधिकारी बनना चाहता हूं।

कलकत्ता हाई कोर्ट ने सुवेंदु के घर तलाशी पर लगाई अंतरिम रोक

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

कलकत्ता हाई कोर्ट ने शुक्रवार को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी के किराए के घर पर पुलिस की छापेमारी के मामले में दस जून तक रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति अमृता सिन्हा ने कहा, इस अवधि के दौरान किसी तत्काल निर्देश की जरूरत हो तो राज्य सरकार अदालत का रुख कर सकती है।

ज्ञात हो, मंगलवार को पूर्व मेदिनीपुर के कोलाघाट स्थित सुवेंदु के घर पर 70-80 पुलिसकर्मियों ने तलाशी ली थी। पुलिस का दावा है कि वह वहां एक अपराधी की तलाश में गई थी। इसके बाद नेता प्रतिपक्ष ने पुलिस के खिलाफ कलकत्ता हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

मामले की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने हाई कोर्ट को बताया कि पुलिस को यह नहीं पता था कि उक्त घर में सुवेंदु रहते हैं या उनके नाम पर किराए पर लिया गया है। राज्य ने कोर्ट को यह भी बताया कि जिस मामले में पुलिस ने घर की तलाशी ली, उसमें सुवेंदु न तो आरोपित है और न ही गवाह है। दूसरी ओर सुवेंदु का दावा है कि उन्हें हाई कोर्ट से सुरक्षा प्राप्त है। अगर पुलिस के पास सर्च वारंट होता तो पुलिस उनकी मौजूदगी में तलाशी ले सकती थी। पुलिस के पास मौजूद दस्तावेजों के मुताबिक घर का मालिक सुरजीत दास नामक शख्स है। राज्य ने अदालत को यह भी बताया कि शाम करीब पांच बजे पुलिस को शिकायत मिली कि घर में बड़ी संख्या में हथियार छिपाए गए हैं।

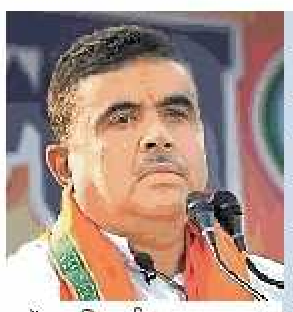

सुवेंदु अधिकारी। फाइल

सरकार ने कहा, पुलिस को नहीं पता था सुवेंदु ने घर किराये पर ले रखा है

सेना का क्षेत्र सबसे महान

पुणे में शुक्रवार को राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में 146 वें कोर्स के स्प्रिंग टर्म की पासिंग परेड के दौरान कैडेट को सम्मानित करते सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे। कैडेटों को संबोधित करते हुए जनरल पांडे ने सैनिक के महान पेशे के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने कहा कि हर कोई अलग-अलग पृष्ठभूमि से आता है, लेकिन सभी में एक बात समान है कि उन्होंने सेना का क्षेत्र चुना है, जो अपने आप में महान कार्य है। प्रेट्र

अग्निपथ परीक्षा में होगा मनोवैज्ञानिक टेस्ट, अध्ययन सामग्री तैयार

अमित मिश्रा ● नईदुनिया

ग्वालियर: सेना ने अग्निपथ योजना के तहत भर्ती में अब मनोवैज्ञानिक परीक्षण भी जोड़ा है। शारीरिक प्रवीणता परीक्षा के बाद अभ्यर्थियों का मनोवैज्ञानिक परीक्षण भी होगा। सेना भर्ती कार्यालय के डायरेक्टर कर्नल संतोष कुमार का कहना है कि मनोवैज्ञानिक टेस्ट शारीरिक प्रवीणता परीक्षा के तुरंत बाद ही होगा। यह पहली बार होने जा रहा है। अध्ययन सामग्री वेबसाइट पर उपलब्ध है।

परीक्षा में आने वाले सवालों का स्तर, प्रश्न पत्र को हल करने का तरीका और माक टेस्ट तक की सुविधा अभ्यर्थियों के लिए उपलब्ध है। अभी शारीरिक प्रवीणता परीक्षा में करीब ढाई महीने का समय है। सेना के अधिकारियों का कहना है, शारीरिक प्रवीणता परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को तुरंत यह टेस्ट देना होगा। सेना की वेबसाइट www.joinindianarmy.nic.in पर जाकर सैंपल पेपर, प्रश्न पत्र हल करने का तरीका और सवालों का स्तर जाना जा सकता है। सेना के अधिकारियों का कहना है कि इस टेस्ट के जरिये अभ्यर्थियों का मानसिक स्तर जांचा जा सकता है। वह कठिन परिस्थितियों में चुनौती को किस तरह लेते हैं। अब सैनिक शारीरिक के साथ मानसिक रूप से मजबूत और तकनीकी रूप से दक्ष चाहिए। ड्रोन अटैक और अन्य तकनीक का इस्तेमाल जंग में होता है। इसे देखते हुए सैनिक तकनीकी रूप से दक्ष चाहिए।

तैयारी के लिए सेना की वेबसाइट पर मौजूद है अध्ययन सामग्री

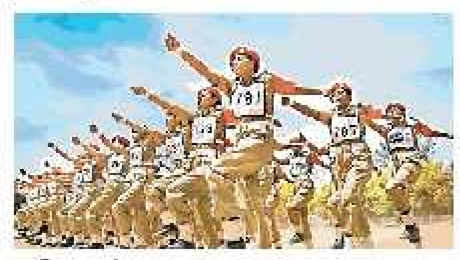

अग्निपथ योजना। फाइल

भोजशाला की खोदाई में स्तंभों के तीन पाषाण अवशेष मिले

धार स्थित भोजशाला। फाइल फोटो

नईदुनिया, धार : मप्र के धार में स्थित ऐतिहासिक भोजशाला में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के सर्वे के 64वें दिन टीम ने उत्तर व दक्षिण भाग में सर्वे किया। इसमें उत्तर की ओर स्तंभों के दो पाषाण अवशेष तथा गर्भगृह से एक अवशेष प्राप्त हुआ है। इस पर भोजशाला के मौजूदा स्तंभों की तरह ही आकृति बनी हुई है। अब इनके काल की गणना की जाएगी। चार जुलाई को मप्र हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ में सर्वे रिपोर्ट प्रस्तुत की जानी है, इसके लिए दस्तावेजी कार्य तेज कर दिया गया है।

भाजपा ने कर्नाटक की राजधानी को 'उड़ता बेंगलुरु' करार दिया

बेंगलुरु, प्रेट्र: कर्नाटक में बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर भाजपा ने मुख्यमंत्री सिद्दरमैया की अगुआई वाली कांग्रेस सरकार को घेरा है। पार्टी ने राज्य की राजधानी को ''उड़ता बेंगलुरु'' करार दिया और आरोप लगाया कि यह शहर मादक पदार्थों व रेव पार्टियों का ''अड्डा'' बन गया है। वहीं राज्य के गृहमंत्री जी परमेश्वर ने कहा है, राजधानी को ''उड़ता बेंगलुरु'' कहना उचित नहीं है। ज्ञात हो, बेंगलुरु पुलिस ने हाल ही में एक फार्महाउस में रेव पार्टी का भंडाफोड़ किया था। इसमें एक तेलुगु अभिनेत्री समेत 103 लोग शामिल थे।

भाजपा ने एक्स पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि जब से कर्नाटक में कांग्रेस सरकार सत्ता में आई है तब से बेंगलुरु में हर जगह अनैतिक सभाएं हो रही हैं। ''कानून-व्यवस्था खराब हो गई है। सरकारी अराजकता उजागर हो गई है। कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद बेंगलुरु में हर जगह अनैतिक सभाएं हो रही हैं। सिलिकान सिटी अब ड्रग्स और रेव पार्टियों से भरी हुई है।'' इसके साथ ही भाजपा ने एक पोस्टर साझा किया है, जिसमें राज्य की राजधानी को ''उड़ता बेंगलुरु'' करार दिया है। इसके जवाब में शुक्रवार को राज्य के गृहमंत्री परमेश्वर ने कहा, ''राज्य सरकार द्वारा ड्रग तस्करों के विरुद्ध कार्रवाई के बाद 'उड़ता बेंगलुरु' जैसे बयान नहीं दिए जाने चाहिए। इससे बेंगलुरु की छवि खराब हो सकती है।''

राज्य के गृहमंत्री ने भाजपा के बयान की आलोचना की, कहा-यह उचित नहीं

जी परमेश्वर। फाइल

कांग्रेस ने केरल के आबकारी मंत्री का मांगा इस्तीफा

तिरुअनंतपुरम, आइएएनएस : केरल में एक आडियो क्लिप शुक्रवार को सामने आया है, जिसमें राज्य के सभी बार मालिकों को अनुकूल शराब नीति के लिए 2.50 लाख रुपये (कुल 20 करोड़ रुपये से अधिक) देने को कहा गया है। इस क्लिप के सामने आने के बाद कांग्रेसी नेताओं ने आबकारी मंत्री एम.बी. राजेश से इस्तीफे की मांग की है। विपक्ष के नेता वी. डी. सतीसन ने कहा, यह आबकारी क्षेत्र में सामने आए बड़े घोटालों में से एक है।

आडियो में बार-होटल मालिकों की शीर्ष संस्था के उपाध्यक्ष एनीमोन जिले के सभी बार मालिकों से 2024-25 शराब नीति को अपने अनुकूल बनाने के बदले धन मांग रहे हैं। आडियो में एनिमोन ने दावा किया है कि वह एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष वी. सुनील कुमार के कहने पर आडियो संदेश भेज रहे हैं। हालांकि, कुमार ने एनिमोन के दावों का खंडन किया है। वहीं,आबकारी मंत्री राजेश ने कहा, राज्य सरकार ने अब तक नई आबकारी नीति तैयार नहीं की है। हम चुप नहीं बैठेंगे और कार्रवाई होगी।

ठाणे में केमिकल फैक्ट्री मालिकों को पता था-चूक से हो सकता है विस्फोट

ठाणे, प्रेट्र: जिले के डोंबिवली स्थित केमिकल फैक्ट्री में विस्फोट मामले में मलबे से दो और शव मिलने के बाद मृतकों की संख्या 10 हो गई है। अभी भी मलबे में और लोगों के दबे होने की आशंका है। प्राथमिक जांच में सामने आया कि फैक्ट्री मालिकों की जानकारी थी कि केमिकल (यौगिकों) के मिश्रण एवं भंडारण के दौरान छोटी सी भी चूक विस्फोट का कारण बन सकती है। ऐसे में फैक्ट्री निदेशकों, स्टाफ प्रबंधन एवं फैक्ट्री की देखरेख करने वाले अधिकारियों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

ज्ञात हो, डोंबिवली के एमआइडीसी फेस-2 में खाद्य रंगों का उत्पादन करने वाली अमुदान फैक्ट्री में गुरुवार को बायलर फटने के बाद आग लग गई थी। आग ने आसपास की फैक्ट्रियों को अपनी जद में ले लिया था। हादसे में दो महिलाओं समेत 10 लोगों की मौत हो गई और 60 से अधिक घायल हैं, जिनका उपचार जारी है। लापरवाही सामने आने के बाद मनपाड़ा थाने में फैक्ट्री निदेशकों मालती प्रदीप मेहता, मयाल प्रदीप मेहता एवं अन्य निदेशकों, स्टाफ प्रबंधन के खिलाफ गैर इरादतन हत्या समेत आइपीसी की अन्य धाराओं, सार्वजनिक संपत्ति क्षति निवारण अधिनियम व विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

- **मलबे से दो शव और बरामद, मृतकों की संख्या हुई 10**
- **फैक्ट्री निदेशकों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मुकदमा**

हाथ की अंगूठी से की पत्नी की पहचान: अमुदान फैक्ट्री में काम करने वाली मनपाड़ा क्षेत्र निवासी 38 वर्षीय रिद्धी खानविलकर की भी हादसे में मौत हो गई। रिद्धी की पहचान पति अमित ने उसके हाथ की अंगूठी से की। वहीं रिद्धी के साथ काम करने वाली 23 वर्षीय रोहिणी कदम की पहचान भी उसके परिजनों ने कर ली।

'डोंबिवली से फैक्ट्रियां हटाने को उद्धव ने कुछ नहीं किया' : केमिकल फैक्ट्री विस्फोट मामले में राजनीति शुरू हो गई है। उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने मुख्यमंत्री रहते हुए डोंबिवली से फैक्ट्रियों को हटाने के लिए कुछ नहीं किया। महायुति सरकार इन फैक्ट्रियों के लिए वैकल्पिक स्थान खोजगी। गत गुरुवार को महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा था कि महाविकास अघाड़ी सरकार ने केमिकल फैक्ट्री को बंद करने का आदेश दिया था पर वर्तमान सरकार ने इसे फिर खोलने की अनुमति दे दी।

यात्रा

चारधाम यात्रा के साथ शीतकेदार के दर्शन से करें पुण्यार्जन

पंचकेदार समूह के मुख्य मंदिरों जैसा ही है शीतकेदार के तीन प्रमुख मंदिरों का महात्म्य, यहां वर्षभर आ सकते हैं श्रद्धालु

दिनेश कुकरेती ● जागरण

देहरादून: चारधाम यात्रा में पुण्यलाभ को श्रद्धालु देश के कोने-कोने से पहुंचते हैं। उत्तराखंड की इस यात्रा में पंचकेदार के दर्शन का विशेष महात्म्य है, लेकिन स्वास्थ्य या अन्य कारण से यहां न पहुंच सकने वाले श्रद्धालु शीतकेदार के दर्शन कर पुण्यार्जन कर सकते हैं। पंचकेदार समूह में केदारनाथ के अलावा मध्यमेश्वर, तुंगनाथ, रुद्रनाथ और कल्पेश्वर मंदिर शामिल हैं। जबकि शीतकेदार मंदिर समूह से आशय उन तीन आस्था स्थलों से है जहां सर्दी में भारी बर्फबारी के कारण बाबा केदारनाथ, मध्यमेश्वर, तुंगनाथ और रुद्रनाथ प्रभु की डोलियों को स्थापित किया जाता है। कल्पेश्वर मंदिर शीतकाल में भी खुला रहता है। शीतकेदार यानी ओंकारेश्वर, मार्कंडेय और गोपीनाथ मंदिर की यात्रा धार्मिक पर्यटन के साथ प्रकृति के मनोरम दृश्यों को निहारने और आत्मिक शांति का अनुभव करने का भी सुअवसर है।

ओंकारेश्वर मंदिर, ऊखीमठ

रुद्रप्रयाग जिले में स्थित यह मंदिर भगवान केदारनाथ और भगवान मध्यमेश्वर का शीतकालीन पूजा स्थल है। हालांकि इस मंदिर की ख्याति पंचगद्दीस्थल के रूप में भी है क्योंकि यहां पांचों केदार पिंडी रूप में भी विराजमान हैं। जब आपकी इच्छा हो ओंकारेश्वर धाम जा सकते हैं, क्योंकि यह मंदिर वर्षभर दर्शन के लिए खुला रहता है। ऊखीमठ नगर में प्राकृतिक सुंदरता सर्वत्र बिखरी हुई है। यहां की सुरम्य वादियां, ठीक सामने दिखने आने वाली चौखंभा की हिमाच्छादित चोटियां और घने वन हर किसी का मन मोह लेते हैं। नगर के मध्य में ओंकारेश्वर मंदिर स्थापित है। यह देश में अकेला मंदिर है, जिसका निर्माण अतिप्राचीन धारत्तुर परकोटा शैली में हुआ है। ऊखीमठ के आसपास चोपता, दुगलबिट्टा और देवरियाताल जैसे प्रसिद्ध स्थल भी स्थित हैं। इसके अलावा प्रमुख तीर्थ स्थलों त्रियुगीनारायण और कालीमठ के दर्शनों के लिए भी आसानी से पहुंचा जा सकता है।

मार्कंडेय मंदिर, मक्कूमठ

रुद्रप्रयाग जिले के मक्कूमठ गांव स्थित मार्कंडेय (मर्कटेश्वर) मंदिर में तृतीय केदार भगवान तुंगनाथ शीतकाल में प्रवास करते हैं। रुद्रप्रयाग से 44 किमी दूर मक्कूमठ गांव चारों ओर से देवदार, बांज, बुरांश व थुनेर के घने जंगल से घिरा है। गांव का इतिहास प्रथम शताब्दी पूर्व से माना जाता है। प्राचीन आदिवासी जातियां ग्रीष्मकाल में अपने पशुओं के साथ बुग्याल (घास के मैदान) की प्राकृतिक सुषमा में और शीतकाल के दौरान मक्कू में जीवनयापन करती थीं। कालांतर में यहां आदि शंकराचार्य ने तुंगनाथ मठ की स्थापना की। वर्ष 1803 के भूकंप में प्राचीन सभ्यता का यह केंद्र तहस-नहस हो गया था। तब गांव की परिधि चंद्रशिला शिखर तक फैली थी। ऊखीमठ के रास्ते मक्कू पहुंचने के लिए 32 किमी और भीरी के रास्ते 16 किमी की दूरी तय करनी होगी। मक्कूमठ के अलावा इस क्षेत्र में भगवान तुंगनाथ का एक और मंदिर भी स्थित है।

गोपीनाथ मंदिर, गोपेश्वर

चमोली जिले में गोपेश्वर नगर स्थित गोपीनाथ मंदिर में शीतकाल के छह माह चतुर्थ केदार बाबा रुद्रनाथ प्रवास करते हैं। 71 फीट ऊंचा यह मंदिर एक वर्गाकार गर्भगृह पर नागर शैली के शिखर के साथ प्रांगण के केंद्र में स्थित है। इसका मंडप व अंतराल बाद में समान रेखा में निर्मित किए गए। मंदिर परिसर से सटे दो भवन और परंपरागत तिबारी (बैठने का स्थान) भी हैं, जो तत्कालीन पहाड़ी कला का बेजोड़ नमूना हैं। गोपीनाथ मंदिर का निर्माण नवीं से 11वीं सदी के मध्य कत्यूरी राजाओं ने कराया था। मंदिर के प्रांगण में पत्थर के एक चबूतरे के आधार स्तंभ पर स्थापित पांच मीटर ऊंचे लौह त्रिशूल के मध्य फलक पर नागवंश के प्रतापी शासक गणपति नाग का दक्षिणी ब्राह्मी लिपि में उत्कीर्ण अभिलेख है। इसमें गणपित नाग के अलावा तीन अन्य नाग राजाओं स्कंद नाग, विभु नाग व अंशु नाग का भी उल्लेख है। त्रिशूल के निचले फलक पर नेपाल के राजा अशोक चल्ल का 1191 ईस्वी का लेख भी उत्कीर्ण है।

खाने-ठहरने की अच्छी व्यवस्था

ऊखीमठ, मक्कूमठ व गोपेश्वर में खाने-ठहरने को पर्याप्त संख्या में होम स्टे, होटल व लाज उपलब्ध हैं। भक्त यहां वर्षभर किसी भी मौसम में जा सकते हैं। तीर्थयात्री व पर्यटक यहां पारंपरिक पहाड़ी व्यंजनों का स्वाद भी ले सकते हैं। इनमें मंडुवा व चौलाई की रोटी, आलू के गुटखे, राजमा, उड़द और तोर की दाल, हरी चटनी, चौलाई के लड्डू प्रमुख हैं।

ऐसे पहुंच सकते हैं

ऋषिकेश से सार्वजनिक व निजी वाहन से ऊखीमठ, मक्कूमठ व गोपेश्वर पहुंचा जा सकता है। ऊखीमठ से मक्कूमठ और गोपेश्वर के लिए सार्वजनिक वाहन आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं।

विस्तार से पढ़ने के लिए स्कैन करें।

गुजरात में रैगिंग मामले में चार डाक्टर निलंबित

राज्य ब्यूरो, अहमदाबाद: गुजरात के मणिनगर स्थित नरेन्द्र मोदी मेडिकल कालेज की काउंसिल कमेटी ने जूनियर डाक्टर की रैगिंग करने पर चार सीनियर डाक्टरों को निलंबित कर दिया है। इनमें से एक डा ब्रज वाघाणी दो साल के लिए निलंबित किए गए हैं। मेडिकल कालेज काउंसिल से सीनियर डाक्टरों द्वारा रैगिंग किए जाने की शिकायत की गई थी। कमेटी ने मामले की जांच की और चार सीनियर डाक्टर को दोषी पाया। कमेटी की रिपोर्ट के अनुसार, आरोपित सीनियर डाक्टर अपने जूनियर डाक्टर को नहीं नहाने, 700 बार पर्ची पर दवाएं लिखवाने जैसी सजाएं देकर प्रताड़ित करते थे।

काउंसिल के पदाधिकारियों ने बताया कि रैगिंग करने का दोषी करार देते हुए डा ब्रज वाघाणी को दो साल, डा शिवानी पटेल को एक साल और दो अन्य सीनियर डाक्टरों को 28-28 दिन के लिए निलंबित किया गया है।

****

Join Magazine Group @ ₹60/m WhatsApp To 8969469464
Join Epaper Group @ ₹30/m WhatsApp To 8969469464

दैनिक जागरण
आत्मविश्वास समस्त शक्तियों को संगठित कर देता है

अनावश्यक संदेह

यह अच्छा हुआ कि सुप्रीम कोर्ट ने गैर सरकारी संगठन एडीआर यानी एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफार्म्स और तृणमूल कांग्रेस की नेता महुआ मोइत्रा की ओर से दायर की गई इन याचिकाओं पर तुरंत सुनवाई करने से मना कर दिया कि चुनाव आयोग को प्रत्येक मतदान केंद्र में कितने वोट पड़े, इसका विवरण 48 घंटे के अंदर सार्वजनिक करने को कहा जाए। इन याचिकाओं में केवल मतदान प्रतिशत बताने को ही नहीं कहा गया था, बल्कि उसका विवरण देने वाले फार्म 17 सी की स्कैन कापी अपलोड करने की भी मांग की गई थी। ध्यान रहे कि मतदान के बाद फार्म 17 सी की प्रतियां उम्मीदवारों को उपलब्ध कराई जाती हैं। आखिर जब ऐसा होता है, तब चुनाव आयोग से यह क्यों चाहा जा रहा है कि वह इस फार्म की स्कैन कापी अपनी वेबसाइट पर अपलोड करे? चूंकि याचिकाकर्ताओं के पास इसका कोई जवाब नहीं था, इसलिए सुप्रीम कोर्ट ने याचिका दायर करने के समय पर भी सवाल उठाए। वह इस नतीजे पर पहुंचा कि जब चुनाव प्रक्रिया जारी है, तब चुनाव आयोग का बोझ बढ़ाने वाली किसी मांग पर फिलहाल विचार करना ठीक नहीं। उसने यह भी पाया कि इस मामले को लेकर एक याचिका पहले ही दायर की जा चुकी है। इसके बावजूद नई याचिकाएं दायर कर अंतरिम राहत प्रदान करने की मांग की गई। इसी कारण चुनाव आयोग के वकील की यह दलील भी ठीक थी कि केवल आधारहीन आशंकाओं के चलते नई याचिकाएं दायर की गईं और उनका उद्देश्य चुनाव आयोग को बदनाम करना है। इस दलील में दम नजर आता है।

पिछले कुछ दिनों से कई राजनीतिक दल यह माहौल बनाने में लगे हुए हैं कि मतदान के दिन जारी किए जाने वाले वोट प्रतिशत के अंतरिम आंकड़ों और कुछ दिन बाद जारी होने वाले अंतिम आंकड़ों में अंतर के पीछे किसी तरह की धांधली हो सकती है। यह बेतुकी आशंका ही है, क्योंकि मतदान के अंतरिम और अंतिम आंकड़ों में अंतर होना कोई नई-अनोखी बात नहीं। चुनाव आयोग ने पिछले चुनावों का विवरण जारी करके यह बताया भी है कि पहले भी मतदान के अंतिम आंकड़ों को जारी करने में कुछ दिन का समय लगता रहा है। मतदान के अंतरिम और अंतिम आंकड़ों में अंतर को लेकर जो प्रश्न खड़े किए जा रहे हैं, उनका इसलिए कोई औचित्य नहीं, क्योंकि मतदान प्रतिशत का विवरण प्रत्याशियों के पास तो होता ही है, वह ईवीएम में भी दर्ज होता है। आखिर इस स्थिति में किसी तरह की हेरफेर अथवा धांधली कैसे संभव है? सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों से यह स्पष्ट है कि उसने यह समझा कि इन याचिकाओं का उद्देश्य अनावश्यक संदेह पैदाकर चुनाव आयोग को विवादों में घेरना और नए विवाद खड़े करना है। चूंकि यही काम ईवीएम को लेकर किया जा चुका है, इसलिए सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को झटका देकर बिल्कुल सही किया।

घटेगा प्रदूषण

बिहार के कई शहरों में प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। स्थिति यहां तक आ गई कि बेगूसराय जैसा शहर देश के सबसे अधिक प्रदूषित शहरों में शामिल हो गया। स्थिति में सुधार के लिए राज्य सरकार लगातार प्रयास कर रही है। इस कड़ी में सार्वजनिक परिवहन के क्षेत्र में इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। यही वजह है कि शहर से लेकर गांव तक इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या काफी बढ़ी है। ग्रामीण इलाकों में तो ई-रिक्शा यातायात का प्रमुख साधन बन गया है। किंतु ऐसे वाहन मालिकों को बैटरी चार्ज करने के लिए काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। शहर हो या गांव, कई लोगों ने अवैध चार्जिंग स्टेशन बना रखे हैं और लोगों से मनमानी वसूली करते हैं। उनके द्वारा बिजली चोरी किए जाने की भी शिकायत मिलती रहती है। बैटरी चार्ज करने की सुविधा जगह-जगह उपलब्ध नहीं होने के कारण इन वाहनों से लोग लंबी दूरी की यात्रा करने से कतराते हैं। यही वजह है कि इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री भी अपेक्षित रफ्तार नहीं पकड़ सकी है। अच्छी बात है कि अब सरकार ने इस समस्या से निजात के लिए चार्जिंग स्टेशनों की संख्या बढ़ाने का निर्णय लिया है। अभी प्रदेश में तीन सौ से अधिक जगहों पर ईवी चार्जिंग की सुविधा उपलब्ध है जिसे बढ़ाया जाएगा। इससे इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग, पेट्रोल पंप व मुख्य चौक-चौराहों पर लोगों को यह सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना के वक्त इस बात का खास ध्यान रखा जाना चाहिए कि उन्हें इसकी जानकारी आसानी से मिल सके। इससे ऐसे वाहनों का उपयोग बढ़ेगा, जो अंततः एक हद तक प्रदूषण को भी नियंत्रित करने में कारगर हो सकेगा।

बैटरी चार्ज करने की सुविधा विकसित होने पर इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग बढ़ सकता है

मोदी केंद्रित एक और चुनाव

डा. एके वर्मा

यह चुनाव वास्तव में प्रधानमंत्री का चुनाव है। चुनाव प्रचार को ऐसा बनाने में विपक्ष की भी भूमिका रही

लोकसभा चुनाव अब अपने अंतिम पड़ाव पर है। चुनाव में मतदाता अपनी वैचारिक अभिरुचि के अनुसार प्रत्याशियों को वोट देते हैं। ऐसे में कहना मुश्किल है कि चुनाव प्रचार से कितने लोग अपना मन बदलते हैं, लेकिन मतदाताओं का एक छोटा समूह अनिर्णय की स्थिति में होता है, जो चुनाव प्रचार से प्रभावित होता है और चुनाव परिणामों पर कुछ हद तक असर भी डालता है। राजनीतिक शब्दावली में मतदाताओं के इस वर्ग को 'फ्लोटिंग वोटर्स' कहा जाता है। जहां तक इस चुनाव प्रचार की कुछ विशेष प्रवृत्तियों पर गौर किया जाए तो यह चुनाव अभियान मोदी केंद्रित रहा। प्रधानमंत्री मोदी ने नेतृत्व की इतनी बड़ी लकीर खींची कि इस समय कोई नेता उनके आसपास भी नहीं ठहरता। मोदी ने अथक परिश्रम कर नई-नई रणनीतियां अपनाईं। विपक्ष और प्रेस की शिकायत रहती है कि दस वर्षों में मोदी ने उनसे बात नहीं की। शायद यह सही हो, लेकिन मोदी ने जनता से सतत संवाद किया। यह अपनी तरह का एक रिकार्ड होगा कि 2014 से प्रधानमंत्री ने प्रतिमाह 'मन की बात' कार्यक्रम द्वारा लगभग 110 बार जनता से संवाद किया, जिसमें उन्होंने कभी राजनीति या दल की बात नहीं की। वे युवा जो आज 18-28 आयु वर्ग में हैं, वे विगत दस वर्षों से मोदी से जुड़े हुए हैं। यह ऐसा मतदाता वर्ग है, जिस पर विपरीत चुनाव प्रचार का असर नहीं पड़ेगा। विपक्षी मोर्चे आइएनडीआइए से आशा थी कि शायद वह योग्य नेतृत्व दे, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। विपक्ष की यह ऐतिहासिक भूल रही, जिसका खामियाजा उसे उठाना पड़ेगा। इस चुनाव प्रचार का दूसरा पहलू आरोप-प्रत्यारोप तक सिमटकर रह गया। जहां विपक्ष मोदी सरकार पर केंद्रित होकर प्रधानमंत्री पर हमलावर रहा और जनता को डराने की कोशिश करता रहा कि मोदी लोकतंत्र खत्म कर देंगे, संविधान बदल देंगे, आरक्षण समाप्त कर देंगे तो सत्तारूढ़ दल ने भी प्रतिक्रियास्वरूप कांग्रेस और विपक्षी दलों पर आरोप लगाए कि वे हिंदू स्त्रियों के मंगलसूत्र तक छीन लेंगे, पंथ-मजहब के आधार पर संपत्ति का बंटवारा करेंगे, दलितों और पिछड़ा वर्ग का आरक्षण छीनकर मुस्लिमों को देंगे। इन आरोपों-प्रत्यारोपों से प्रत्येक मतदाता चिंतित हो गया। इससे सांप्रदायिक ध्रुवीकरण को बल मिला, जो लोकतंत्र के लिए किसी 'रेड अलर्ट' से कम नहीं।

प्रचार का तीसरा पहलू भाजपाई सांसदों से मतदाता की नाराजगी के रूप में दिखा, लेकिन मतदाता मोदी को पुनः प्रधानमंत्री देखना चाहता है। ऐसे में उसे इससे ज्यादा फर्क नहीं पड़ा कि प्रत्याशी कौन है। उसे मोदी को वोट देना है। यह चुनाव वास्तव में प्रधानमंत्री का चुनाव है। प्रचार को ऐसा बनाने में विपक्ष की भी भूमिका रही, क्योंकि उसने केवल मोदी को अपनी आलोचना, उपहास और आरोप का लक्ष्य बनाया। देश में बड़ों के सम्मान करने की एक परंपरा और संस्कार रहा है। मोदी के लिए विपक्षी नेताओं विशेषकर राहुल गांधी ने जिस प्रकार तू-तड़ाक वाली भाषा का इस्तेमाल करने से लेकर उन्हें अपशब्द कहे, उनके कपड़ों तक पर कटाक्ष किया, उसे जनता ने पसंद नहीं किया। जिस परिश्रम, समर्पण तथा स्वच्छ राजनीतिक जीवन का प्रतिमान प्रधानमंत्री मोदी ने स्थापित किया, उसे जनता ने सराहा है।

अवधेश राजपूत

चौथी प्रवृत्ति के मूल में मोदी का अबकी बार चार सौ पार का आह्वान दिखा। इससे लोगों में विशेष उत्साह नजर आया। जबसे मोदी भाजपाई राजनीति के शीर्ष पर उभरे हैं, तबसे उन्होंने समावेशी राजनीति द्वारा पार्टी के जनाधार में बहुत विस्तार किया है। उन्होंने देश में वर्गीय राजनीति की शुरुआत की। मोदी ने महिला, सीमांत किसानों, गरीब-शोषित-वंचित एवं युवा, इन चार वर्गों को चिह्नित कर उनके कल्याण एवं सशक्तीकरण पर विशेष ध्यान दिया। उन्होंने जातीय समीकरणों की उपेक्षा किए बिना उसे वर्गीय राजनीति से जोड़ा। अधिकांश विश्लेषक चुनाव परिणामों का आकलन जातीय गणित द्वारा करने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन यह चुनाव स्वयं जनता मोदी के लिए लड़ रही है। पांचवां पहलू यह रहा कि चुनाव प्रचार में विपक्ष कोई गंभीर 'राष्ट्रीय नैरेटिव' नहीं गढ़ पाया। चुनावी रैलियों में प्रत्याशी या स्टार प्रचारक महत्वपूर्ण और प्रभावी विचार रखते नहीं दिखे। विपक्ष नहीं बता पाया कि आइएनडीआइए सत्ता में आया तो उसकी वैकल्पिक नीतियां क्या होंगी? यदि विपक्ष अपनी नीतियां बताता, जनता को समझाता कि वे सत्ताधारी दल की नीतियों से कैसे बेहतर हैं और मोदी सरकार को प्रतिरक्षात्मक बनाता तो यह कहीं बेहतर होता। चुनावी विमर्श निराशाजनक रहा और अंततः सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की चपेट में आ गया।

राजनीति की दृष्टि से देश के सबसे महत्वपूर्ण राज्य उत्तर प्रदेश में मायावती की भूमिका संदिग्ध दिखी। तीसरे दौर के बाद वह अपने राजनीतिक उत्तराधिकारी आकाश आनंद को 'अपरिपक्वता' के कारण किनारे किए जाने का ठोस कारण नहीं दे सकीं। इससे न केवल बसपा का चुनाव प्रचार पटरी से उतर गया, बल्कि बसपा कार्यकर्ता मायावती के इरादों पर भी संदेह करने लगे। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी चुनाव के दौरान ही नरेश उत्तम पटेल को हटाकर श्यामलाल पाल को प्रदेश अध्यक्ष बनाया। चुनाव में सपा ने कांग्रेस के साथ गठबंधन भी किया, पर अखिलेश यह नहीं समझा पाए कि 'यूपी के दो लड़के' वाले असफल सपा-कांग्रेस गठजोड़ की पुनरावृत्ति उन्होंने क्यों की? जिस पार्टी को पिछले विधानसभा चुनाव में 2.3 प्रतिशत वोट मिले, उसे उन्होंने 17 लोकसभा सीटें लड़ने के लिए दे दीं।

चुनाव प्रचार में इंटरनेट मीडिया की भी सशक्त भूमिका रही। तमाम दिग्गज इस मंच पर सक्रिय रहते हैं। उनकी सक्रियता ने भी मतदान व्यवहार को भाजपा के पक्ष में प्रभावित किया। प्रचार में यह भी देखने को मिला कि 'राम-मंदिर' वैसा मुद्दा नहीं बन पाया, जैसा उसे लेकर आरंभ में आस लगाई गई थी। चूंकि मंदिर बन गया, प्राण-प्रतिष्ठा हो गई, अपार जनसमूह रामलला के दर्शन से आह्लादित एवं अभिभूत है, इसलिए अब वह मुद्दा क्यों बने? हालांकि जनमानस पर उसका प्रभाव कितना गहरा हुआ है, अभी इसका अनुमान लगाना कठिन है। संभव है कि चुनाव प्रचार के दौरान नेपथ्य में रहने वाला यह मुद्दा अन्य सभी मुद्दों पर बहुत भारी पड़े।

(लेखक सेंटर फार द स्टडी आफ सोसायटी एंड पालिटिक्स के निदेशक एवं राजनीतिक विश्लेषक हैं)

response@jagran.com

कानूनी खामियां गिनाता पुणे कार हादसा

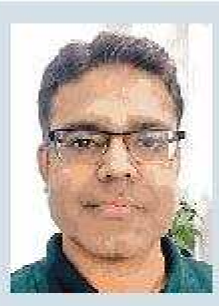

डा. अजय खेमरिया

पुणे प्रकरण को किशोर न्याय के नाम पर नजरअंदाज करने के समाज में गंभीर दुष्परिणाम होंगे

पुणे में इसी कार से हुई भयावह घटना। एएनआइ

इन दिनों पुणे में दो इंजीनियरों की सड़क दुर्घटना में हुई मौत और इस हादसे के आरोपित नाबालिग को किशोर न्याय बोर्ड से मिली जमानत पूरे देश में चर्चा का विषय बनी हुई है। चुनावी माहौल में राजनीतिक नजरिये से भी बयानबाजी हो रही है, मगर बुनियादी रूप से जिस पक्ष पर बात होनी चाहिए, वह नदारद है। बात यह है कि क्या किशोर न्याय कानून, 2015 के प्रविधानों पर पुनर्विचार की आवश्यकता है? पुणे में किशोर न्याय बोर्ड ने कोई नियम विरुद्ध या विशेषाधिकार का प्रयोग किया ही नहीं, क्योंकि किशोर न्याय कानून मूल स्वरूप में एक सुधारात्मक कानून है, जो 18 साल तक के हर लड़के-लड़की को उसकी हर गलती पर सुधरने का अवसर सुनिश्चित करता है। इस बार किशोर न्याय बोर्ड ने वही किया, जो निर्भया केस में सर्वाधिक दरिंदगी करने वाले नाबालिग आरोपित के साथ किया गया था। देखा जाए तो इस मामले में दो अधिनियम मोटर वाहन कानून और किशोर न्याय कानून प्रभावशील हैं। मोटर वाहन कानून की धारा 199 (अ) के अनुसार लापरवाही से वाहन चलाकर दुर्घटना करने वाले को तीन साल की सजा के साथ वाहन का लाइसेंस एक साल के लिए निलंबित होगा। इसमें 25 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया जा सकता है। पुणे सड़क दुर्घटना मामले में यही प्रविधान लागू होगा, जबकि किशोर न्याय कानून कहता है कि बच्चों के मामले में अपराध को तीन श्रेणियों में देखा जाएगा। मामूली अपराध, जिनमें तीन साल तक की सजा है। गंभीर अपराध, जिनमें तीन से सात साल तक की सजा है।

पुणे प्रकरण में आरोपी का कृत्य मामूली अपराध की श्रेणी में ही आता है इसलिए सुधारात्मक पहलू लागू हुआ और किशोर न्याय बोर्ड ने आरोपित किशोर को इसी आधार पर जमानत दे दी। स्मरण रहे कि 2012 में जब निर्भया कांड हुआ था, तब ये तीनों श्रेणियां बनाई गई थीं और यह निश्चय किया गया था कि अगर जघन्य अपराध करने वाले किशोर 16 से 18 साल की आयु के हैं तो उन पर वयस्कों की तरह मुकदमा चलाया जा सकता है, लेकिन इसका निर्णय भी किशोर न्याय बोर्ड किशोर न्याय कानून की धारा 15 के तहत विचार करने के बाद ही करेगा। यानी किशोर न्याय बोर्ड अगर जघन्य अपराध में भी किसी किशोर में सुधारात्मक संभावना देखता है तो किसी हत्या और दुष्कर्म के मामले में भी उसे जमानत दे सकता है। अगर किशोर न्याय बोर्ड ऐसा मानता है कि किशोर ने जो अपराध किया है, वह उसके प्रभावों से वाकिफ था, तब उस मामले को किशोर न्यायालय में वयस्कों की तरह सुनवाई के लिए भेज सकता है। यहां भी कानून में प्रविधान है कि किशोर न्यायालय उसे मृत्युदंड नहीं दे सकता है, अधिकतम 20 साल की सजा ही सुनाएगा। चूंकि पुणे प्रकरण का आरोपित भी नाबालिग है इसलिए उसे वही छूट मिली, जो मौजूदा किशोर न्याय कानून में है। सड़क पर आदमी को मारने की सजा भारत में तीन साल ही है। इसलिए उसका यह अपराध किशोर न्याय कानून की नजर में जघन्य नहीं है, भले ही पीड़ितों के परिवार उसके इस कृत्य से उजड़ गए हों। इस पूरे मामले में पुलिस किशोर न्याय कानून से बाहर जाकर कार्रवाई नहीं कर सकती है। ज्यादा से ज्यादा वह जिस पब में आरोपित ने शराब पी, उसके संचालक को नाबालिग को शराब परोसने के अपराध में सात साल की सजा दिला सकती है।

एक महत्वपूर्ण पक्ष मोटर वाहन कानून से भी जुड़ा है। इसके हिट एंड रन के कुछ प्रविधानों को जब मौजूदा केंद्र सरकार ने सख्त करने का निर्णय लिया, तब उसका तीखा विरोध हुआ था। यह बताता है कि देश में किसी घटना विशेष पर हायतौबा तो खूब होती है, लेकिन जब कानून के प्रवर्तन की बात आती है तो हम यथास्थितिवाद के साथ खड़े हो जाते हैं। ऐसे में बेहतर होगा कि इस घटना से सबक लेते हुए सरकार मोटर वाहन कानून में वैसे ही सुधार करे, जैसे निर्भया के वक्त नाबालिग के अपराधों को परिभाषित किया गया था। किशोर न्याय, पोक्सो, महिला सुरक्षा जैसे कानून भी भारत में लागू तो कर दिए गए, लेकिन इनकी भावभूमि भारतीय है ही नहीं। किशोर न्याय कानून उन पश्चिमी देशों की सामाजिक व्यवस्था की उपज है, जहां परिवार नामक संस्था उतनी प्रभावी नहीं। वहां बच्चे दो वयस्कों की एक संविदा का प्रतिफल अधिक होते हैं। इसीलिए वहां 18 साल के बच्चों को कानून की शरण अपने नैसर्गिक विकास के लिए लेनी पड़ती है। भारत में आज भी परिवार संस्था जीवित है और इसके अंदर अभिभावकों और बच्चों के मध्य जिम्मेदारी का भाव तिरोहित नहीं हुआ है। स्पष्ट है मौजूदा कानून परिवार व्यवस्था के साथ बच्चों के लिए सामाजिक जवाबदेही को भी सरकार के पाले में डालता है। बेहतर होगा कि 1989 से शुरू बाल कल्याण की इस अवधारणा को भारतीयता के धरातल पर मूल्यांकित किया जाए।

पुणे में जो घटना हुई, उसे अगर किशोर न्याय के नाम पर छोड़ दिया जाएगा तो इसके दुष्परिणाम भारतीय समाज में बहुत गहरे रूप में होंगे। एनसीआरबी के आंकड़े बताते हैं कि 2022 में 4,22,659 सड़क हादसे हुए, जिनमें दस प्रतिशत हादसे बच्चों ने किए। समझा जा सकता है कि एक गंभीर चुनौती बच्चों की उद्दंडता और स्वच्छंदता की खड़ी हो रही है। किशोर कानून में अपराधों की श्रेणी को नए सिरे से परिभाषित करने की आवश्यकता तो है ही, मोटर वाहन कानून को भी बच्चों के मामले में सख्त किया जाना चाहिए। इसके साथ ही पोक्सो के मामलों का भी स्वतंत्र रूप से सामाजिक प्रभावोत्पादकता के नजरिये से अध्ययन किया जाए और तत्संबंधी संशोधन हो।

(लोकनीति विश्लेषक लेखक किशोर न्याय बोर्ड के सदस्य रहे हैं)

response@jagran.com

ऊर्जा

परमात्मा से प्रेम

धर्म और अध्यात्म के क्षेत्र में हम जो कहते-सुनते हैं उसे करने या आचरण में उतारने के लिए अपेक्षित तत्परता एवं प्रयासों का प्रायः अभाव दिखता है। हम प्रवचन सुनकर घर-परिवार, धन-दौलत, हिंसा और लोभ आदि के त्याग की बड़ी-बड़ी बातें तो कर लेते हैं, लेकिन इन सब चीजों को छोड़ने की या जो कुछ सुना है उसे करने की हिम्मत नहीं रख पाते। वस्तु और व्यक्ति इन दोनों के साथ मधुर संबंध जोड़ने से हमें लाभ की अनुभूति होती है, परंतु परमात्मा के साथ मधुर संबंध जोड़ने से कोई लाभ होता है, ऐसा तुरंत और प्रत्यक्ष दिखता नहीं है। शायद इसीलिए हमारा मन परमात्मा को प्रियतम के स्थान पर तो क्या प्रिय के स्थान पर भी स्थापित करने को तैयार नहीं होता। शाश्वत सुख चाहिए तो प्रियतर के स्थान पर चाहे हम किसी को रखें, पर प्रियतम के स्थान पर परमात्मा के अलावा कोई और नहीं होना चाहिए।

ऐसा करना कोई मुश्किल नहीं, अपितु बहुत सरल है। हमारा आकर्षण मुक्ति के प्रति होना है, बंधन के प्रति नहीं। हमारे शुभ भावों पर परमात्मा का ही आधिपत्य है। हम सांस लेने की जिस प्रक्रिया से जी रहे हैं वह भी परमात्मा की कृपा का ही फल है। ऐसे में परमात्मा के सिवा किसी अन्य को प्रियतम के स्थान पर कैसे स्थापित किया जा सकता है? जीवन का प्रारंभ प्रेम से और समाप्ति परमात्मा से है। अगर कुछ संभालना है तो वस्तु और व्यक्ति को संभालें, जीवन न्योछावर करना हो तो परमात्मा पर ही करना उचित है।

संसार के समस्त जीवों को दोष से मुक्त करने की न हमारी जिम्मेदारी है, न ही सामर्थ्य, किंतु उन समस्त जीवों के प्रति हृदय में प्रेम रखने की शक्ति तो है ही। एक बार स्वार्थ से दृष्टि हटाकर गुणों के ग्राहक बन जाएं तो हमें व्यक्ति भी और उनके गुण दोनों अच्छे लगने लगेंगे। तब दोष हमें दिखाई ही नहीं देंगे। इस प्रकार हमारी ऐसी दृष्टि विकसित होगी जो जीवन को आनंद से सराबोर कर देगी।

डा. निर्मल जैन

प्रदूषण का मैंग्रोव इकोसिस्टम पर असर

सीमा अग्रवाल

प्रदूषित हवा में आक्सीजन की कमी के कारण मैंग्रोव इकोसिस्टम में रहने वाले जीवों पर इसका दुष्प्रभाव पड़ता है

पिछले दिनों बोस इंस्टीट्यूट, कोलकाता और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर के विज्ञानियों ने पाया कि महानगरों में बढ़ता वायु प्रदूषण मैंग्रोव इकोसिस्टम के लिए घातक बन रहा है। विज्ञानियों का मानना है कि सुंदरवन डेल्टा की हवा में हानिकारक वायु प्रदूषकों का स्तर बढ़ रहा है। इससे डेल्टा का मैंग्रोव वन क्षेत्र सिकुड़ता जा रहा है। वस्तुतः कोलकाता की हवा में जहरीली हैवी मैटल्स जैसे लेड, क्रोमियम, कैडमियम की मात्रा काफी है। डेल्टा क्षेत्र में बढ़ते प्रदूषण के तमाम कारण हैं। जैसे सुंदरवन के इलाके में स्थानीय नाविक अपनी नावों में पुरानी मोटर का इस्तेमाल करते हैं। इन नावों की पुरानी मोटरों के इंजन से जो धुआं निकलता है वह भारी मात्रा में जहरीली धातुओं से भरा होता है। मैंग्रोव वनों से सटे इलाकों की प्रति व्यक्ति आय बहुत कम है। यहां लोग ठोस ईंधन जलाते हैं। इस कारण यहां की हवा में ब्लैक कार्बन का लेवल लगातार बढ़ता जा रहा है।

मैंग्रोव ऊष्ण कटिबंधीय वृक्ष और झाड़ियां हैं, जो ज्वारीय क्षेत्रों में समुद्र के किनारे, लवणीय दलदल और कीचड़ भरे तटों पर पाए जाते हैं। जलवायु परिवर्तन का सामना करने, जैव विविधिता की रक्षा, सूनामी एवं चक्रवात जैसी प्राकृतिक आपदाओं के जोखिम को कम करने में मैंग्रोव महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पर्यावरण के क्षेत्र में कार्यरत एक संस्था के आंकड़े बताते हैं कि मैंग्रोव वन क्षेत्रों से सटे तटीय शहरों जैसे चेन्नई, मुंबई, कोलकाता और कोच्चि में पीएम 2.5 और पीएम 10 और नाइट्रोजन आक्साइड का स्तर काफी बढ़ा हुआ है। यह स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा तय किए गए मानकों से लगभग पांच से 10 गुना तक ज्यादा है। यह आकलन साफ इशारा करता है कि तटवर्ती शहरों की हवा सांस लेने लायक नहीं बची है। वायुमंडल में ब्लैक कार्बन पीएम 2.5 और पीएम 10 कणों के होने से मैंग्रोव पौधों में प्रकाश संश्लेषण की दर कम हो जाती है। इससे उनका पारिस्थितिकीय तंत्र प्रभावित होता है।

हवा जब दूषित होती है तो उसमें ग्रीन हाउस गैस जैसे नाइट्रोजन डाईआक्साइड का स्तर ज्यादा होता है। इन गैसों के प्रभाव से समुद्र के पानी का तापमान बढ़ता है, जिसमें घुली आक्सीजन की मात्रा घटने लगती है, इससे भी मैंग्रोव इकोसिस्टम खत्म होने लगता है। हालांकि समूचे विश्व में मैंग्रोव इकोसिस्टम को बचाने के संदर्भ में तमाम प्रयास किए गए हैं। इसमें काप-27 के दौरान लांच हुआ मैंग्रोव एलायंस फार क्लाइमेट उल्लेखनीय है। इसमें विश्व के तमाम बड़े, छोटे देशों ने मिलकर शपथ ली कि वे अपने-अपने देशों में मैंग्रोव इकोसिस्टम को होने वाले खतरों की पहचान करेंगे और तटीय क्षेत्रों को मैंग्रोव इकोसिस्टम के फलने, फूलने लायक बनाएंगे।

(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

मेलबाक्स

कांग्रेस को दिखानी होगी सक्रियता

'हाथ के कितने बदलेंगे हालात' शीर्षक से प्रकाशित आलेख में राहुल वर्मा ने मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस की चुनावी संभावनाओं की थाह ली है। केंद्र में दस साल के सत्ता विरोधी रुझान के बाद तो कांग्रेस सत्ता की स्वाभाविक दावेदार होनी चाहिए थी, लेकिन अब यदि उसकी सफलता के लिए सौ सीटें हासिल करने को ही एक कसौटी माना जा रहा है तो इससे उसकी दयनीय दशा को सहज ही समझा जा सकता है। आज कांग्रेस अपनी इस स्थिति के लिए स्वयं उत्तरदायी है। उसने समय रहते प्रयास नहीं किए और आज वह राजनीतिक मुकाबले से लगभग बाहर खड़ी हुई है। वैसे तो चुनाव नतीजों का आना अभी शेष है, लेकिन व्यापक अनुमानों में माना जा रहा है कि कांग्रेस मुख्य मुकाबले में एक तरह से बाहर है। यह लोकतंत्र के लिए कोई शुभ संकेत नहीं, क्योंकि स्वस्थ लोकतंत्र में विभिन्न पक्षों के बीच संतुलन कायम होना बहुत आवश्यक है। यदि चुनाव परिणाम पक्ष में आते हैं और यदि अनुकूल नहीं आते तो दोनों ही स्थितियों में कांग्रेस को अपनी सक्रियता बनाए रखनी होगी। केवल चुनाव से कुछ समय पहले ही सक्रियता दिखाने के बहुत अच्छे परिणाम नहीं निकलते। राजनीति वास्तव में सदैव सक्रिय रहने वाला क्षेत्र है।

रवि वार्ष्णेय, बुलंदशहर

ओबीसी कार्ड का किसे फायदा

लोकसभा चुनावों के अंतिम चरण से पहले कलकत्ता उच्च न्यायालय ने तृणमूल कांग्रेस शासन के दौरान जारी किए गए सभी अन्य पिछड़ी जाति प्रमाण पत्रों को रद करने का आदेश दिया है। ये ओबीसी प्रमाणपत्र वर्ष 2010 के बाद जारी किए गए थे। हालांकि ममता बनर्जी सरकार वर्ष 2011 में सत्ता में आई थी। विदित हो कि तथाकथित ओबीसी प्रमाणपत्र 1993 (पश्चिम बंगाल पिछड़ा वर्ग आयोग) अधिनियम के प्रविधानों को दरकिनार करते हुए जारी किए गए थे। माननीय उच्च न्यायालय की नजर में ओबीसी प्रमाण पत्र देने की प्रक्रिया में कई खामियां थीं। ओबीसी की नई सूची पिछड़ा वर्ग आयोग अधिनियम 1993 में उपलब्ध प्रविधानों के अनुरूप तैयार एवं जारी करने के दिशानिर्देश जारी किए गए हैं। निःसंदेह इस फैसले से लगभग पांच लाख लोग प्रभावित होंगे। लेकिन ममता बनर्जी सरकार की पोल अवश्य खुल गई है, क्योंकि बंगाल सरकार का रुख मुस्लिम तुष्टीकरण में ज्यादा रहा है। ओबीसी कार्ड का चुनाव में किसे फायदा होगा, यह तो चार जून के बाद ही पता चलेगा।

युगल किशोर शर्मा, फरीदाबाद

बदहाल कांग्रेस

राहुल वर्मा का आलेख 'हाथ के कितने बदलेंगे हालात' बहुत ही सटीक है। लेखक ने आइएनडीआइए बनने, परिवार से बाहर के मल्लिकार्जुन खरगे को अध्यक्ष बनाने, थोड़ी बहुत सत्ता विरोधी लहर, राहुल गांधी की दो यात्राओं आदि के चलते कांग्रेस की सीटें कुछ हद तक बढ़ने की उम्मीद जताई है। वर्ष 2019 में कांग्रेस को लोकसभा में 52 सीटों पर जीत मिली थी। कुछ सीट हो सकता है बढ़ जाएं, लेकिन 100 सीट का आंकड़ा तो असंभव ही दिखता है। इसके बहुत से कारण हैं। सबसे बड़ा कारण तो आइएनडीआइए सच्चे अर्थ में कभी भी गठबंधन बन ही नहीं पाया। इसके घटक दल कहीं साझा मुकाबला कर रहे हैं तो कहीं आपस में ही लड़ रहे हैं। उदाहरण के तौर पर आम आदमी पार्टी और कांग्रेस दिल्ली में मिलकर लड़ रहे हैं, जबकि पंजाब में एक-दूसरे के विरुद्ध लड़ रहे हैं। विपक्षी गठबंधन के दलों के घोषणापत्र तक पृथक हैं, यहां तक कि परस्पर विरोधी भी हैं। आइएनडीआइए एक नेता तक तय नहीं कर पाया है। विपक्षी गठबंधन की एकमात्र सफलता है कि कुछ सीटों पर वह बहुकोणीय मुकाबला रोक सकता है। कांग्रेस के कायाकल्प में सबसे बड़ी बाधा राहुल गांधी स्वयं ही हैं। वह पार्टी को दो कदम आगे ले जाते हैं तो फौरन छह कदम पीछे ले जाते हैं। कई कदम ऐसे उठाते हैं जो घातक सिद्ध होते हैं। जैसे कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी से सीट साझा करना। ऐसी ही गलतियां और जगह भी की हैं।

सीपी बंसल, दिल्ली

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।
अपने पत्र इस पते पर भेजें :
दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल: mailbox@jagran.com

संस्थापक- स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त, पूर्व प्रधान संपादक- स्व. नरेन्द्र मोहन, नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन- महेन्द्र मोहन गुप्त, प्रधान संपादक- संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई/रेल शुल्क ₹-2 अतिरिक्त।
****

7200 किमी लंबा नेटवर्क तैयार किया जाना है, भारत, ईरान, अफगानिस्तान, आर्मीनिया, अजरबैजान, रूस, मध्य एशिया और यूरोप के बीच माल ढुलाई के लिए जहाज, रेल और सड़क मार्ग के रूप में।

डा. नवीन कुमार मिश्र
भू-राजनीतिक मामलों के जानकार

आजकल

चाबहार का भौगोलिक एवं राजनीतिक महत्व

वैश्विक भू-राजनीतिक चुनौतियों के कारण दो दशक से अधिक समय बीत जाने के बाद चाबहार परियोजना पर 13 मई को दस वर्ष के अनुबंध के हस्ताक्षर हो गए। यह समझौता भारत और ईरान के आर्थिक संबंधों में मील का पत्थर साबित होने के साथ ही भारत के रणनीतिक और कूटनीतिक हितों के लिए भी महत्वपूर्ण भी है। चीन की विस्तारवादी नीतियों के विरुद्ध चाबहार समझौता हिंद महासागर में चीन की ताकत को सीमित करने के लिए एक ढाल की तरह है। भारत के लिए इसकी व्यापक महत्ता है

चाबहार समझौते से भारत को अरब सागर में चीनी विस्तारवाद को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। फाइल

चाबहार परियोजना पर दस वर्ष के अनुबंध के हस्ताक्षर हो गए। यह समझौता भारत और ईरान के संबंधों में मधुरता कायम रखने के साथ ही भारत के रणनीतिक और कूटनीतिक हितों के लिए भी महत्वपूर्ण भी है। यह समझौता वर्ष 2016 के आपरेशन समझौते की जगह लेता है, जिसे प्रत्येक वर्ष नवीनीकृत किया जाता था। वैसे ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की दुर्घटना में मृत्यु से ईरान के चाबहार समझौते को लेकर आशंका जताई जा रही थी, परंतु इस पर कोई प्रभाव पड़ने वाला नहीं है, क्योंकि वर्ष 2002 में पहली बार तत्कालीन ईरानी राष्ट्रपति सैयद मोहम्मद खातमी एवं भारतीय प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा रणनीतिक सहयोग को बढ़ाने के लिए चाबहार को बनाने पर सहमति व्यक्त की गई थी।

भारत चाबहार बंदरगाह के शाहिद बेहेश्ती पोर्ट टर्मिनल का प्रबंधन करेगा, जो ईरान के दक्षिण-पश्चिम सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत एवं ओमान की खाड़ी में स्थित है। यह परियोजना चीन की बेल्ट व रोड इनिशिएटिव को कमजोर करने के साथ ही पाकिस्तानी बंदरगाहों की बाधाओं से मुक्ति दिलाने वाली है। इसलिए चाबहार को विकसित करने की भारत की इच्छा दशकों पुरानी रही है, जहां से अफगानिस्तान-ईरान सीमा पर स्थित जरंज शहर के रास्ते दक्षिणी अफगानिस्तान का पूरा फलक खुल जाता है। यही कारण है कि भारत ने वर्ष 2002 में ही जरंज से दिलाराम तक सड़क बनाने में अफगानिस्तान की मदद की थी।

होर्मुज जलडमरूमध्य के बाहर स्थित चाबहार बंदरगाह, इस क्षेत्र का एकमात्र गहरे पानी का समुद्री बंदरगाह है, जो अफगानिस्तान और मध्य एशियाई देशों जैसे लैंडलाक देशों तक पहुंचने के लिए भारत के महत्वपूर्ण वाहक के रूप में कार्य करता है। इसके साथ ही यह यूरोप के साथ व्यापार करने के लिए सस्ता पारगमन मार्ग प्रदान करता है और भारत से फारस की खाड़ी और मध्यपूर्व के लिए जहाजों के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव के रूप में भी कार्य करता है। होर्मुज जलडमरूमध्य और हिंद महासागर के पास अपनी रणनीतिक स्थिति के साथ चाबहार पोर्ट पश्चिम एशिया, हिंद महासागर और अफ्रीका के क्षेत्रों के लिए एक आधार प्रस्तुत करता है। चाबहार अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे का भी हिस्सा है, जो भारत, ईरान, अफगानिस्तान, आर्मीनिया, अजरबैजान, रूस, मध्य एशिया और यूरोप के बीच माल ढुलाई के लिए जहाज, रेल और सड़क मार्ग का 7200 किमी लंबा नेटवर्क तैयार होना है। इसमें हिंद महासागर व फारस की खाड़ी को ईरान के माध्यम से कैस्पियन सागर से जोड़ने व रूस में सेंट पीटर्सबर्ग के माध्यम से उत्तरी यूरोप से जोड़ने की योजना तैयार कि गई है। इस मार्ग से भारत की यूरोप तक पहुंच आसान हो जाएगी।

कई देशों तक पहुंच में सुगम : जी-20 के दौरान भारत-मध्यपूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे की पहल की गई थी, परंतु मध्य पूर्व में हमास-इजराइल संघर्ष इसमें बाधक बनी और लाल सागर में हूती विद्रोहियों के कारण व्यापार एवं वाणिज्य के लिए आइएनएसटीसी का महत्व बढ़ गया है, जो सेंट पीटर्सबर्ग को ईरान एवं भारत के बंदरगाहों से जोड़ने वाली 'परिवहन धमनी' के रूप में महत्वपूर्ण हो गई है। भारत ने ईरान के प्रति अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण सावधानी रखी, परंतु रूस के विरुद्ध प्रतिबंधों के बावजूद भारत का व्यापार रूस से बढ़ने से चाबहार और आइएनएसटीसी की महत्ता भी प्रमुख हो गई। यह कारिडोर यूरेशियन इकोनमिक यूनियन (ईएईयू) के राज्यों के साथ व्यापार के लिए एक बड़ा अवसर प्रदान करता है, जहां संसाधनों का प्रचुर भंडार है, जो भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था के लिए आवश्यक हैं। दीर्घकालिक निवेश के परिचालन के साथ चाबहार में भारत मध्य एशिया और अफगानिस्तान के लैंडलाक देशों से जोड़ने के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बनने की क्षमता रखता है।

इसे केवल व्यापारिक उद्देश्यों तक सीमित समझना संकीर्णता है, बल्कि यह भारत की रणनीतिक स्वायत्तता और वैश्विक रूप में उभरने का एक साहसिक कदम है। विश्व में भू-राजनीतिक संघर्षों एवं लाल सागर में बढ़ रही अशांति के बीच यह समझौता भारत की यूरेशिया तक पहुंच बढ़ाने के साथ चीन व पाकिस्तान के नापाक इरादों को भी नाकाम करता है। भारत और ईरान के सार्वजनिक रूप से चाबहार समझौते की घोषणा होते ही अमेरिका ने पश्चिम एशिया के संकट में ईरान की भूमिका को देखते हुए प्रतिक्रिया व्यक्त की और चेतावनी दी। परंतु चाबहार बंदरगाह और आइएनएसटीसी के साथ भारत की भागीदारी का समर्थन करना अमेरिका के हित में होगा, क्योंकि यह मध्य एशिया और ईरान में चीनी आधिपत्य का मुकाबला करने के व्यापक उद्देश्यों को पूरा करता है, जो अमेरिकी हितों को लाभान्वित कर सकती है।

चीन का प्रभुत्व : वर्तमान में चीन की कंपनियां हिंद महासागर क्षेत्र में लगभग डेढ़ दर्जन बंदरगाहों का प्रबंधन कर रही हैं, जिसमें दक्षिण एशिया व अफ्रीका के बंदरगाहों जैसे बांग्लादेश, म्यांमार, पाकिस्तान, मालदीव और तंजानिया में भारी निवेश कर भारत को घेरने में लगा है, परंतु चाबहार जैसे रणनीतिक बंदरगाहों में निवेश करने से आपूर्ति श्रृंखलाओं का बेहतर तरीके से विविधीकरण के साथ तेजी से बदलते अशांत भू-राजनीतिक माहौल भी संतुलित रहेगा। भारत द्वारा किसी विदेशी या बाहरी बंदरगाह के प्रबंधन का यह पहला प्रयास है। हिंद महासागरीय क्षेत्र में कुल 46 देश आते हैं, जो आर्थिक संसाधनों से समृद्ध है। चीन और भारत क्रमशः विश्व की दूसरी और पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के रूप स्थापित हो चुके हैं। व्यापार और सुरक्षा के क्षेत्रों में अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए चीन ने हिंद महासागर पर ध्यान केंद्रित किया है और भारत के लिए चुनौती प्रस्तुत करता रहता है। चीन के विस्तारवादी नीतियों के विरुद्ध चाबहार समझौता हिंद महासागर में चीन को सीमित करने के लिए एक ढाल की तरह है तथा भू-राजनीतिक अशांति के समय मध्य एशिया और यूरोप के साथ अपने व्यापार संबंधों को भी मजबूत करेगा।

भारत की मजबूत सुरक्षा व्यवस्था

प्रो. महेश चंद गुप्ता
पूर्व प्राध्यापक, दिल्ली विश्वविद्यालय

आज से महज एक दशक पहले देश के हर हिस्से में असुरक्षा का वातावरण था। वर्ष 2014 से पहले देश में आतंकी हमले होना आम बात थी। वैसे तो देश का कोई कोना नहीं था जहां आतंकियों ने कहर नहीं बरपाया हो, लेकिन मुंबई तो आतंकियों का पसंदीदा लक्ष्य रहा। मार्च 1993 में आतंकियों ने बम विस्फोटों से समूची मुंबई को दहला दिया गया। नवंबर 2008 में मुंबई पर जो हमला किया गया, उससे पूरी दुनिया सन्न रह गई। जुलाई 2006 में लोकल ट्रेनों में हुए विस्फोट से हुई दो सौ से अधिक लोगों की मौत को कौन भुला सकता है। इससे पूर्व भी मुंबई में छोटे-बड़े कई आतंकी हमले हो चुके हैं। केंद्र की सत्ता में मोदी सरकार के आने से पहले देश की राजधानी दिल्ली भी हमेशा आतंकियों के निशाने पर रही। दिसंबर 2001 में संसद पर हुआ हमला देश की संप्रभुता पर हमला था। नई दिल्ली में वर्ष 2005 में दिवाली से एक दिन पहले आतंकियों ने कई इलाकों में विस्फोट किए, जिसमें 70 से अधिक लोग मारे गए और कम से कम 250 अन्य लोग घायल हो गए। पिछले करीब चार दशकों में दिल्ली ने न जाने कितने आतंकी हमले झेले हैं। आए दिन बम विस्फोटों से दिल्ली का दहल जाना आज भी हिला देता है। केवल दिल्ली और मुंबई ही नहीं जयपुर, अजमेर, मालेगांव, श्रीनगर, अहमदाबाद, हैदराबाद, कोयंबटूर, वाराणसी समेत देश के तमाम राज्यों के बड़े शहरों में आतंकियों के नापाक मंसूबे कामयाब होते रहे।

दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश में जब-जब आतंकी हमले हुए, हमारी सरकारों की प्रतिक्रिया हमेशा केवल 'कड़ी निंदा' तक सीमित रही, लेकिन 2014 में मोदी सरकार बनने के बाद जहां भारत में घुसने की कोशिश करने वाले आतंकियों को सीमा पर ही ढेर करने की नीति पर व्यापक काम शुरू हुआ, वहीं देश में घुसे आतंकियों का भी काम तमाम किया जाने लगा। हालांकि बौखलाए आतंकियों ने कश्मीर तथा पंजाब के एक एयरबेस पर हमले का दुस्साहस किया, लेकिन जिस प्रकार मोदी सरकार ने आतंकियों को पाकिस्तान में घुसकर मारा, उससे आतंकियों के हौसले पस्त हो गए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन के अनुसार केंद्र सरकार सभी पहलुओं को मजबूत कर राष्ट्र की सीमाओं पर और आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कटिबद्ध रही है। वर्ष 2014 में मोदी सरकार बनने के बाद से भारत को बड़े आतंकवादी हमले नहीं झेलने पड़े हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का दावा एकदम सही है कि मोदी के नेतृत्व में देश की आंतरिक सुरक्षा की स्थिति मजबूत हुई है और कश्मीर में आतंकवाद को पूर्ण रूप से काबू करने में सफलता मिली है। मोदी काल में देश की आंतरिक सुरक्षा की स्थिति में बहुत बदलाव आया है। पिछले दस वर्षों में देश की सामरिक शक्ति तुलना में कई गुना बढ़ी है। हमारी सेनाएं पहले की अपेक्षा रक्षा साजोसामान से पूरी तरह लैस हैं तथा युद्ध के लिए हर तरह से और हर समय तैयार हैं। हमारी सेनाओं का मनोबल बहुत ऊंचा है। मोदी सरकार द्वारा शुरू की गई रक्षा क्षेत्र में सुधारों की प्रक्रिया के बेहतर नतीजे सामने आ रहे हैं। मोदी सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति पूरी तरह गंभीर रही है। पिछले साल नई दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुआ राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति सम्मेलन प्रधानमंत्री मोदी के विजन को पूरा करने में महत्वपूर्ण कड़ी रहा है।

खरी-खरी

विकास के लिए चंदा

पूरन सरमा

मोहल्ले के विकास में अब कोई बाधा नहीं है। चंदे की रसीदें द्रुतगति से काटी जा रही हैं। वे पांच लोग थे जिन्हें देखकर सामान्य गृहस्थ कांपने लगते थे। वे आते, खीसें निपोरते और कहते, 'देखिए साहब, थोड़ी देर हमारे साथ भी चलिए, आखिर सामुदायिक विकास का मामला है।'

मैं डर जाता और कहता, 'भाई, मुझे तो बाजार जाना है। बताइये क्या प्रोग्राम है।'

उनमें से एक आदमी रसीद बुक लेकर आगे बढ़ता और कहता है, 'देखिए कल एक कार्यक्रम है। भगवान का काम है, जो भी देना हो स्वेच्छा से दे दीजिए।'

'देखिये, अभी तक 51 से कम तो किसी ने दिए ही नहीं हैं। फिर आप तो पढ़े-लिखे हैं। समिति के समझदार तथा सक्रिय सदस्य हैं। अपने लोग ही नहीं समझेंगे इसके महत्त्व को तो और लोग भला क्या देंगे? फिर साहब इस बहाने कालोनी में एक कार्यक्रम हो जाता है तथा मिलना-जुलना हो जाता है।' उनमें से एक जुमला उगल देता है।

मैं यही कह पाता, 'सही फरमा रहे हैं आप। मोहल्ले का विकास इसी तरह सभी के सहयोग से होता है। लीजिए यह 51 रुपये, बच्चों की फीस बाद में जमा करवा दूंगा। पहले मोहल्ले का विकास।'

वे एक दूसरे के चेहरे देखते और फिर मुझे देखते और मुझे रसीद पकड़ा कर चलते बनते। यह कहानी यहीं खत्म नहीं होती, कल दीपावली पर अन्नकूट है तो एक दिन होली जलेगी तो किसी दिन मंदिर में किवाड़ लगेंगे। इसके अलावा विकास समिति को मासिक विकास शुल्क अलग देना है। मंदिर समिति और विकास समिति, दोनों धाराएं अलग हैं, लेकिन एकता के लिए इसे मिला दिया गया है।

मेरे सामने समिति के उपाध्यक्ष रहते हैं, वे इन दिनों सबसे बड़े उदास हैं। उन्हें एक पद चाहिए था, वह मिल चुका है, अतः वह सदस्यों की हौसला अफजाई के अलावा कुछ नहीं कर पाते। चंदा वे भी दे देते हैं, ताकि उनके उपाध्यक्ष को किसी प्रकार का खतरा उत्पन्न न हो। पूरी कालोनी विस्मित रहती है कि यह विकास कौन कर रहा है। सफाई का तो हाल यह है कि कई बार अहसास होता है कि हम पेरिस में तो नहीं रह रहे।

X पोस्ट

भारत जैसे विशाल एवं विविधतापूर्ण देश में लोग कैसे चुनाव परिणाम और राज्यवार सीटों के अनुमानित आंकड़ों की इतनी सहजता से भविष्यवाणी कर रहे हैं?
चेतन भगत@chetan_bhagat

नरेन्द्र मोदी की सरकार ने राशन, मकान और इलाज की जो व्यवस्था की है, उसने हर जाति-धर्म से अलग वर्ग तैयार कर दिया है। वह बाहर जाति-धर्म की फांस में फंसे होने का बहाना तो करता है, घर में अपने परिवार की खैरियत देखता है। नतीजे इसकी गवाही देंगे।
राणा यशवंत@RanaYashwant1

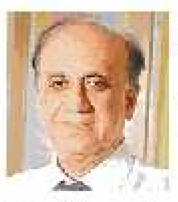

देश में मैन्यूफैक्चरिंग के मोर्चे पर कुछ सूचनाएं साझा करनी हैं। गूगल का सुपर प्रीमियम फोन पिक्सल8 इस साल से भारत में बनना शुरू हो जाएगा। वहीं एपल ने 2026 से आइफोन के वैश्विक उत्पादन का 25 प्रतिशत भारत में निर्माण करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।
मिन्हाज मर्चेंट@MinhazMerchant

केकेआर के विरुद्ध स्टार्क और आरसीबी के खिलाफ अश्विन ने दिखाया कि गेंदबाज किस तरह प्लेआफ जैसे बड़े मंच पर प्रदर्शन करते हैं। असल में बल्लेबाज आपको मैच जिताते हैं, लेकिन गेंदबाज खिताब आपकी झोली में डालते हैं।
मोहम्मद कैफ@MohammadKaif

जागरण जनमत कल का परिणाम

स्वाति मालीवाल से मारपीट का कारण राज्यसभा से इस्तीफा का दबाव रहा होगा?

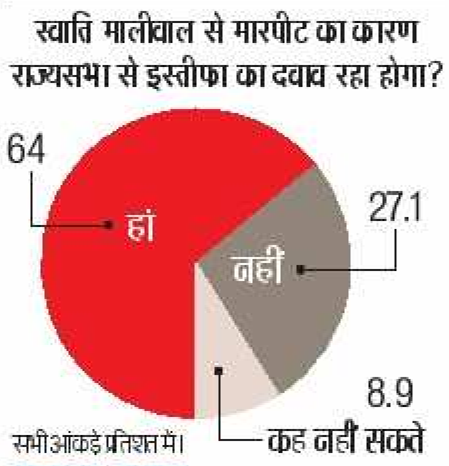

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल

क्या वार्ता को तैयार नक्सलियों से बातचीत की जानी चाहिए?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

दिखता है अखिलेश की रैली में जो दृश्य,
समझ लीजिए देश का होगा वह परिदृश्य।
होगा वह परिदृश्य अगर सत्ता में आए,
तब पीटेंगे शीश आज जो हैं बौराए!
वोटर करि मतदान भाग्य अपना है लिखता,
करो फैसला देखि सामने जो है दिखता!!
- ओमप्रकाश तिवारी

आलोक मिश्र
स्थानीय संपादक, बिहार

बिहार डायरी

क्या गुल खिलाएगी मतदाताओं की चुप्पी

जिस समय आप यह डायरी पढ़ रहे होंगे, उस समय लोकसभा के छठे चरण के लिए मतदान हो रहा होगा। छठे चरण में बिहार की छह सीटों पर वोट पड़ेंगे। इसके बाद सातवां और अंतिम चरण है। धीरे-धीरे चुनाव का समय पूरा हो रहा है और नई सरकार के गठन की ओर हम बढ़ रहे हैं। बिना लहर के इस चुनाव में मुद्दों से अधिक शोर आरोप-प्रत्यारोप का है। एक-दूसरे को धता बताने और खुद की ढपली पीटने में ही पक्ष-विपक्ष जुटा है। मतदाता शांत होकर मनन करते हुए वोट डाल रहा है। अभी भी कमोबेश यही स्थिति है। बस, दलों का शोर चौतरफा है।

लगभग 37 दिनों की चुनावी यात्रा पूरी हो चुकी है। यह चुनाव पूरी तरह से पिछले दो चुनावों से अलग दिख रहा है। राष्ट्रवाद, विकास आदि सब अब तक गौण रहे। न कहीं बैनर दिख रहे हैं और न ही कहीं पोस्टर नजर आ रहे हैं। दिखते हैं तो केवल आकाश में उड़ते हेलीकाप्टर, जिसमें सवार होकर नेता केवल चुनावी सभाओं में गरजते दिख रहे हैं। मतदाताओं से संपर्क में भी प्रत्याशी ढीले हैं। किसी गांव या टोले में वोट मांगने वालों की टीम अभी तक नहीं दिखी। न ही दिखेगी। चुनाव केवल सभाओं के जरिए नजर आता है या फिर समाचार पत्रों में। इसे देखते हुए हर कोई यह भांपने में असफल है कि मतदाता किसे वोट कर रहे हैं? हर चरण के बाद सभी दल जातियों के गुणा-गणित के आधार पर अपनी-अपनी जीत और दूसरों की हार के आकलन में जुटे हैं। मुद्दों के बजाए जातियों की गोलबंदी का आधार ही जीत का फार्मूला है। जाति के आधार पर हो रहे चुनाव को बहुत से लोग गलत ठहराते नजर भी आते हैं, लेकिन जब वोट की बारी आती है तो जाति में उलझ कर रह जा रहे हैं। राजनीतिक दलों ने इसी आधार पर अपनी चुनावी रणनीति भी बना रखी है।

इस बार चुनाव प्रचार के दौरान प्रदेश में मतदाताओं से प्रत्यक्ष संपर्क बहुत कम किया गया है। फाइल

पिछले दो चुनावों को देखा जाए तो वर्ष 2014 के चुनाव में जहां भ्रष्टाचार से आजिज जनता बदलाव के नारे के साथ उतरी थी, वहीं 2019 में देशभक्ति के ज्वार ने माहौल बना दिया था। लेकिन इस बार ऐसा कुछ दिखाई नहीं दे रहा है। बिहार में एनडीए और आइएनडीआइए ही आमने-सामने हैं। असदुद्दीन ओवैसी की एआइएमआइएम और मायावती की बहुजन समाज पार्टी भी कहीं-कहीं जोर आजमाइश कर रही है, लेकिन लड़ाई में नहीं है। आमने-सामने की लड़ाई में ये दोनों गठबंधन ही एक-दूसरे पर हमलावर हैं। छठे चरण में एनडीए की आठ सीटों में से नीतीश कुमार की जदयू चार सीटों पर, तो वहीं तीन पर भारतीय जनता पार्टी और एक पर चिराग पासवान की पार्टी मैदान में है। इन सीटों पर आइएनडीआइए की तरफ से चार में तेजस्वी यादव की राजद, दो में कांग्रेस और दो में मुकेश सहनी की वीआइपी पार्टी के उम्मीदवार भाग्य आजमा रहे हैं। पिछली बार जहां बिहार की 40 में 39 सीटें पाने वाला एनडीए इस बार सभी सीटें जीतने का दावा कर रहा है, वहीं विपक्ष बड़ी सेंधमारी की आस पाले डटा हुआ है।

आमने-सामने की लड़ाई में अगर स्टार प्रचारकों की दृष्टि से आकलन किया जाए तो एनडीए भारी दिखता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वयं कमान संभाले हैं। शनिवार यानी आज भी उनकी तीन सभाएं हैं। अब तक 13 सभाएं वे कर चुके हैं। गृह मंत्री अमित शाह की भी आज जनसभा है जिसे मिलाकर उनकी नौ सभाएं हो जाएंगी। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह आदि की भी सभाएं हो रही हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी 50 से अधिक सभाएं कर चुके हैं। जबकि दूसरी तरफ यानी आइएनडीआइए की तरफ से केवल तेजस्वी यादव ही मोर्चा लिए हैं। कमर में भीषण दर्द के बावजूद कमर में बेल्ट बांधे एक-एक दिन में पांच से सात सभाएं कर रहे हैं। वे अब तक दो सौ से ऊपर सभाएं कर चुके हैं। उनके साथ वीआइपी के संयोजक मुकेश सहनी डटे हैं। राहुल गांधी एक बार ही यहां आए। तेजस्वी को युवाओं का समर्थन मिल रहा है। वे एक करोड़ नौकरी देने का वादा कर रहे हैं। जबकि एनडीए लालू के जंगलराज को मुद्दा बनाए है। वह कांग्रेस पर भी हमलावर है। विपक्ष की सरकार आने पर क्या-क्या छिन जाएगा, इस पर चेता रही है। जबकि आइएनडीआए मोदी सरकार से संविधान खतरे में, का डर दिखाने में आगे है। देखना होगा कि मतदाताओं की चुप्पी चार जून को क्या गुल खिलाएगी?

इंटरनेट मीडिया व्यवहार

डा. सौरभ जैन
तकनीकी मामलों के जानकार

सामाजिक चरित्र का प्रदर्शन

एक समाज के तौर पर हम स्वयं को सभ्य एवं शिक्षित अवश्य बताते हैं, किंतु हमारा इंटरनेट मीडिया का व्यवहार कई बार हमारे शिक्षित होने पर सवाल भी खड़े कर देता है

वर्तमान में इंटरनेट मीडिया पर निर्भरता और जीवन में उसकी उपयोगिता सामान्य बात हो गई है। समाज का प्रत्येक वर्ग अपनी-अपनी रुचि के अनुरूप इन मंचों का उपयोग करता है। जब भी कोई ट्रेंडिंग विषय आता है, इंटरनेट मीडिया पर उस विषय पर तर्क-वितर्क की कक्षाएं शुरू ही जाती हैं। इस स्थिति को देख अब तो यह लगने लगा है कि इंटरनेट मीडिया ने मनुष्य के विवेक का हरण कर लिया है। जब कभी कोई विषय ट्रेंडिंग होता है तो उस विषय पर चर्चा करना यूजर्स का नैतिक दायित्व बन जाता है। विषय के बारे में जानकारी हासिल किए बिना या उस विषय की समझ के अभाव में भी धारा के प्रवाह की दिशा में सब चलायमान हो जाते हैं। कभी यह स्थिति ट्रोलिंग का रूप भी धारण कर लेती है।

हाल ही में इंटरनेट मीडिया ट्रोलिंग से परेशान होने पर चेन्नई में एक आईटी प्रोफेशनल महिला द्वारा आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। वस्तुतः कुछ दिनों पहले वह महिला अपनी सात माह की बेटी को अपार्टमेंट की चौथी मंजिल की गैलरी में स्तनपान करा रही थी। उसी समय बच्ची फिसलकर पहली मंजिल के छज्जे पर गिर गई, जिसे लोगों द्वारा बचा लिया गया, परंतु इस घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हुआ। इसके बाद से ही लोग महिला को ट्रोल करने लग गए। परिणामस्वरूप उस महिला ने आत्महत्या कर ली। देश के किसी भी हिस्से में चाहे कोई भी घटना घटित क्यों न हो रही हो, इंटरनेट मीडिया पर प्रसिद्धि और व्यूज की लालसा में वीडियो बनाने वाली भीड़ अपनी बेशर्मी का परिचय दे ही देती है। यह भीड़ इंटरनेट मीडिया पर ट्रोलर्स को कंटेंट परोस रही होती है, फिर बाकी की कसर वे पूरी कर देते हैं। अब ट्रोल किसी की जान भी ले सकते हैं। हैदराबाद की 32 वर्षीय महिला और उज्जैन के 16 वर्षीय लड़ने ने भी ट्रोलिंग से परेशान होने पर ऐसा ही कदम उठाया था।

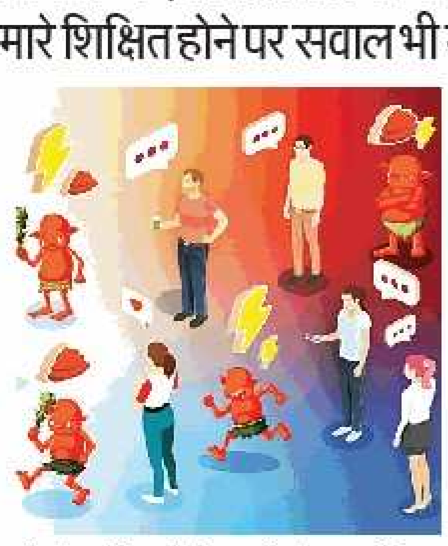

इंटरनेट मीडिया मंचों पर कई लोग अमर्यादित तरीके से रखते हैं अपनी बात। प्रतीकात्मक

इंटरनेट मीडिया गरिमा का किस रूप में हनन कर रहा है, इसे परीक्षा परिणामों की घोषणा से भी समझा जा सकता है। सीबीएसई सहित राज्यों की बोर्ड परीक्षा के परिणामों की घोषणा होने के बाद इंटरनेट मीडिया मंचों पर प्राप्तांक को लेकर चर्चा का माहौल गर्म है। इस कारण विद्यालय और निजी कोचिंग संस्थाओं ने बच्चों की तस्वीरों को व्यवसाय का आधार बना लिया है। वाट्सएप से लेकर फेसबुक तक 90-95 प्रतिशत अंक के सैलाब में तस्वीरें तैरती नजर आ रही हैं। इन सबके बीच एक घटना, जिसने न केवल हैरान किया, बल्कि समाज के आदर्शों की पोल खोल दी, उत्तर प्रदेश में टाप करने वाली लड़की की तस्वीर पर उसके रूप को लेकर चर्चा शुरू हो गई थी। जिस बच्ची के अंक पर बात होनी चाहिए थी, इंटरनेट मीडिया उसके चेहरे की बनावट के आधार पर उसे ट्रोल करने में लग गया। ऐसी घटना समाज के चरित्र की पोल खोलने के लिए काफी होती है। जब उस बच्ची से इस विषय पर सवाल किए गए तो उसने आत्मविश्वास के साथ ऐसी घटनाओं से फर्क न पड़ने की बात स्वीकारी। परंतु यह मनोबल हर लड़की में नहीं होता है। न केवल वह बच्ची, बल्कि इंटरनेट मीडिया मंचों पर महिलाओं से संबंधित विषयों में गरिमा का हनन साफ तौर पर नजर आता है। हमारे संविधान की उद्देशिका में वर्णित गरिमा को यह समाज इतने दशकों के बाद भी नहीं समझ पाया है।

फूहड़ कंटेंट : कुछ समय पूर्व इंदौर की एक महिला प्राध्यापक ने गैस सिलेंडर खत्म हो जाने पर चूल्हे पर भोजन बनाने से संबंधित एक पोस्ट साझा की थी, जिसके साथ उनकी चूल्हे पर भोजन बनाने वाली तस्वीर भी थी। इस पोस्ट के वायरल हो जाने के कारण यह अत्यधिक लोगों तक पहुंच गई। इंटरनेट मीडिया के अलग-अलग मंचों पर अनेक लोगों ने स्तरहीन हास्य के कंटेंट के साथ, बगैर अनुमति इस तस्वीर को साझा कर दिया गया। इस घटना पर भी हजारों की संख्या में लोगों की प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं। हमारा समाज अब तक उन विषयों में अंतर करना नहीं सीख पाया है कि किन विषयों पर गंभीर होना है और किन विषयों पर हंसना है। इंटरनेट मीडिया के मंच पर स्त्री को केंद्र में रखकर कोई भी फूहड़ हास्य का कंटेंट बना दीजिए, उसकी पहुंच बहुत लोगों तक जाती है और ऐसी पोस्ट पर लोगों के हजारों की संख्या में आने वाले रिएक्शन समाज के संवैधानिक मूल्यों के प्रति अनभिज्ञ होने के प्रमाण को प्रस्तुत कर रहे होते हैं।

जब कभी इंटरनेट मीडिया पर किसी स्त्री के साथ गरिमा से संबंधित कोई घटना घटित होती होगी तो इसका उस पर क्या प्रभाव होता होगा? ट्रोल करने वालों के लिए तो महज वे एक कंटेंट हैं। ऐसा करने वाले लोग क्या कभी इस बात पर विचार करते होंगे कि उनके इस कृत्य से महिलाओं के मनोबल पर क्या असर होगा? राजनीति, सिनेमा या साहित्य, किसी भी क्षेत्र में इंटरनेट मीडिया पर महिलाओं की गरिमा को तार-तार करने में वक्त नहीं लगता। किसी से किसी विषय पर असहमत होने पर उसकी तस्वीरों से छेड़छाड़ शुरू कर दी जाती है। संचार के ये माध्यम हमारे किस उपयोग के थे और किस उपयोग में प्रयुक्त हो रहे है, हम कभी इस पर गौर कर पाते हैं?

यह दुर्भाग्य है कि हमारे समाज में किसी के आत्मविश्वास को प्रभावित करना अपराध की श्रेणी में नहीं आता है। समाज में ऐसी बातों पर चर्चा नहीं होती। हम स्वयं को सभ्य किस आधार पर कहते हैं? अब यह जरूरी है कि यह समाज संवैधानिक मूल्यों को समझें और उन्हें व्यवहार में स्थान देने का प्रयास करें, तब ही यह तस्वीर सुंदर हो सकेगी।

****

चौथी तिमाही में हुडको को 700 करोड़ का लाभ

नई दिल्ली : आवासीय परियोजनाओं को कर्ज देने वाली सरकारी कंपनी हुडको को वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही के दौरान 700.16 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ है। यह जनवरी-मार्च 2023 के 639.14 करोड़ रुपये के मुकाबले 9.54 प्रतिशत ज्यादा है। बीती तिमाही में कंपनी की कुल आय 2,194.04 करोड़ रुपये रही है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 1,862.41 करोड़ रुपये थी। (प्रेट्र)

मैंने अपना पद छोड़ने का फैसला किया है, लेकिन उत्तराधिकारी मिलने तक मौजूदा भूमिका निभाता रहूंगा।

– एनपी सिंह, प्रबंध निदेशक, सोनी पिक्चर्स इंडिया

सेंसेक्स	निफ्टी	सोना (प्रति दस ग्राम)	चांदी (प्रति किलोग्राम)	डालर	क्रूड (ब्रेंट) प्रति बैरल
75,410.39	22,957.10	₹72,650	₹92,100	₹83.10	$80.77
▼ 7.65	▼ 10.55	▼ ₹900	▼ ₹500	▼ ₹0.19	

एक नजर में

35 करोड़ डालर में फिलपकार्ट की हिस्सेदारी खरीदेगी गूगल

नई दिल्ली : इंटरनेट दिग्गज गूगल ने घरेलू ई-कामर्स कंपनी फिलपकार्ट में 35 करोड़ डालर (करीब 2,900 करोड़ रुपये) के निवेश में आंशिक हिस्सेदारी खरीदने का प्रस्ताव दिया है। वालमार्ट के स्वामित्व वाली फिलपकार्ट ने शुक्रवार को बताया कि गूगल ने ताजा फंडिंग दौर में निवेश के लिए यह प्रस्ताव दिया है। फिलपकार्ट एक अरब डालर की राशि जुटा रही है। वालमार्ट ने 60 करोड़ डालर के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। (प्रेट्र)

दो दिन में 1,950 रुपये सस्ता हुआ सोना

नई दिल्ली : वैश्विक स्तर पर नरमी के बीच बीते दो दिनों में घरेलू बाजार में सोना 1,950 रुपये सस्ता हुआ है। दिल्ली में शुक्रवार को यह 900 रुपये घटकर 72,650 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। गुरुवार को भी सोने के मूल्य में 1,050 रुपये की गिरावट हुई थी। इसी तरह, चांदी भी 500 रुपये की गिरावट के साथ 92,100 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई है। (प्रेट्र)

88 नई शाखा खोलेगा इंडियन ओवरसीज बैंक

चेन्नई : इंडियन ओवसीज बैंक चालू वित्त वर्ष के दौरान 88 नई शाखाएं खोलेगा। बैंक के प्रबंध निदेशक और सीईओ अजय कुमार श्रीवास्तव ने शुक्रवार को कहा कि यह शाखाएं पूरे देश में खोली जाएंगी। उन्होंने कहा कि बैंक ग्राहकों की आवश्यकताओं के अनुरूप नए बैंकिंग उत्पाद पेश करने के लिए प्रतिबद्ध है। बैंक का कुल कारोबार पांच लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है। (प्रेट्र)

बीते वित्त वर्ष में काफी का निर्यात 12 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली : वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान काफी निर्यात 12.22 प्रतिशत बढ़कर 1.28 अरब डालर रहा है। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, वैश्विक बाजारों में रोबुस्टा काफी की मजबूत मांग के चलते निर्यात में वृद्धि रही है। 2022-23 में 1.14 अरब डालर की काफी का निर्यात किया गया है। मात्रा के लिहाज से निर्यात 13.35 प्रतिशत बढ़कर 1,25,631 टन रहा है जो 2022-23 में 1,10,830 टन था। (प्रेट्र)

छह सत्रों के दौरान सेंसेक्स में 2,423 अंक की वृद्धि

सप्ताह के दौरान सेंसेक्स ने 75,418 के नए उच्च स्तर का रिकार्ड भी बनाया, निफ्टी 756 अंक बढ़ा

जेएनएन, नई दिल्ली : सकारात्मक वैश्विक संकेतों और भाजपा की ओर से लगातार तीसरी बार सरकार बनाने के दावों से निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। यही कारण है कि बीते छह में से पांच सत्रों के दौरान प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी बढ़त के साथ बंद हुए हैं। इन छह सत्रों में बीएसई के मानक सूचकांक सेंसेक्स में 2,423 अंक और एनएसई के निफ्टी में 756.55 अंकों की बढ़ोतरी हुई है।

बाजार विश्लेषकों का कहना है कि विदेशी पूंजी का प्रवाह फिर से शुरू होने और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के मूल्य में स्थिरता का भी घरेलू बाजारों को लाभ मिल रहा है। इन छह सत्रों के दौरान गुरुवार को बीएसई सेंसेक्स ने 75,418 के सर्वकालिक उच्च स्तर का रिकार्ड भी बनाया है। हालांकि, शुक्रवार को दोनों प्रमुख सूचकांक कारोबार के दौरान नए उच्च स्तर पर पहुंचने के बाद अंत में मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स 7.65 अंक की गिरावट के साथ 75,410.39 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 75,636.50 अंक के नए उच्च स्तर तक पहुंचा था। इसी तरह, निफ्टी कारोबार के दौरान पहली बार 23 हजार के स्तर को पार करके 23,026.40 अंक के उच्च स्तर तक पहुंचा। अंत में यह 10.55 अंक गिरकर 22,957.10 अंक पर बंद हुआ। एचडीएफसी सिक्युरिटीज के सीईओ धीरज रेली का कहना है कि अनुकूल व्यापक आर्थिक संकेतों, सुधारवादी नीतियों, राजनीतिक स्थिरता, बेहतर मानसून के अनुमान और दुनियाभर में ब्याज दरों में कटौती की शुरुआत की उम्मीदों से निफ्टी में यह हालिया तेजी आई है।

सेंसेक्स और निफ्टी में कब कितनी तेजी

	सेंसेक्स	निफ्टी
16 मई	676.69	203.30
17 मई	253.31	62.25
21 मई	36.28	63.40
22 मई	267.75	68.75
23 मई	1,196.98	369.85
24 मई	-7.65	-10.55

23 हजार अंक के स्तर के पार पहुंचा एनएसई का निफ्टी पहली बार कारोबार के दौरान

5 ट्रिलियन डालर के पार जाकर बंद हुआ बीएसई का पूंजीकरण 22 मई को

10 सत्रों बाद घटा बीएसई का पूंजीकरण

बीते 11 सत्रों में बीएसई के पूंजीकरण में लगातार 10 सत्रों में वृद्धि रही है। इस दौरान पूंजीकरण 26.87 लाख करोड़ रुपये बढ़ा। कुल पूंजीकरण भी 420.22 लाख करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर तक पहुंचा। इसी दौरान बुधवार 22 मई को पहली बार बीएसई का पूंजीकरण पांच ट्रिलियन डालर के पार जाकर बंद हुआ था। हालांकि, शुक्रवार को पूंजीकरण 23,361.05 करोड़ रुपये घटकर 419.99 लाख करोड़ रुपये रहा है।

सेंसेक्स में शामिल होंगे अदाणी पोर्ट के शेयर

अदाणी समूह की कंपनी अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनमिक जोन बीएसई के मानक सूचकांक सेंसेक्स में शामिल होगी। अदाणी पोर्ट 30 शेयरों वाले सूचकांक में आइटी कंपनी विप्रो का स्थान लेगी। यह बदलाव 24 जून से प्रभावी होगी। सेंसेक्स में शामिल होने वाली यह अदाणी समूह की पहली कंपनी होगी। समूह की कुल 10 कंपनियां बाजार में सूचीबद्ध हैं और इस समय इनका संयुक्त पूंजीकरण 17 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा है।

हिंडनबर्ग रिपोर्ट से पहले के स्तर पर अदाणी एंटरप्राइजेज

अदाणी एंटरप्राइजेज के शेयर जनवरी 2023 में आई अमेरिकी शार्ट सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट से पहले के स्तर को पार कर गए हैं। इस रिपोर्ट के सामने आने से पहले 24 जनवरी 2023 को कंपनी के शेयर 3,442 रुपये प्रति इकाई पर बंद हुए थे। शुक्रवार को बीएसई में यह 3,456.25 रुपये के उच्च स्तर तक पहुंचे। कारोबार के अंत में यह 3,384.65 रुपये प्रति इकाई पर बंद हुआ। हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट के बाद अदाणी समूह की सभी कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में करीब 150 अरब डालर की गिरावट हुई थी।

2030 तक 10 ट्रिलियन डालर होगा बीएसई का मार्केट कैप

बाजार विशेषज्ञों ने कहा, मार्केट रिटर्न और 2027 तक भारत के तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने से मिलेगा शेयर बाजारों को लाभ

नई दिल्ली, प्रेट्र : बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि मार्केट रिटर्न और 2027 तक भारत के तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की उम्मीद को देखते हुए बीएसई और एनएसई का मार्केट कैप 2030 तक 10 ट्रिलियन डालर को पार कर जाएगा। अभी भारतीय शेयर बाजार यानी बीएसई और एनएसई पांच ट्रिलियन डालर के विशेष क्लब में शामिल हो गए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय बाजार के इतिहास में संपत्ति सृजन की ऐसी गति पहले कभी नहीं देखी गई। बाजार में यह तेजी विशेष रूप घरेलू संस्थागत, खुदरा और एचएनआइ (उच्च निवल मूल्य वाले व्यक्ति) निवेशकों द्वारा की गई खरीदारी से आई है, क्योंकि एफआइआइ ने इस महीने बाजार से कम से कम 28 हजार करोड़ रुपये निकाले हैं।

मार्केट एक्सपर्ट अजय बग्गा कहते हैं बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों के मार्केट कैप का 2030 तक या उससे पहले 10 ट्रिलियन डालर पार करने की अच्छी संभावना है। अर्थव्यवस्था के अनुकूल रहने पर बाजार में एफपीआइ का निवेश एक बार फिर बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि 2024 के अंत तक, भारतीय बाजारों का पूंजीकरण 5.5 से 5.75 ट्रिलियन डालर तक पहुंचने की संभावना है। जैसे-जैसे वित्तीय और आइटी जैसे सेक्टर जोर पकड़ेंगे, वैसे-वैसे भारतीय बाजारों का पूंजीकरण तेजी से बढ़ेगा। कई बड़े यूनिकार्न के सूचीबद्ध होने से मार्केट कैप और तेजी से बढ़ेगा। कोटक म्यूचुल फंड (इक्विटी) के सीईओ हर्ष उपाध्याय ने कहा कि एनएसई और बीएसई के मार्केट कैप का पांच ट्रिलियन डालर को पार करना मुख्य रूप से मजबूत आर्थिक विकास और मजबूत कारपोरेट प्रदर्शन से प्रेरित है। कुल पूंजीकरण के मामले में भारत अब चौथा सबसे बड़ा बाजार है।

मैन्यूफैक्चरिंग-सेवा क्षेत्र में जारी रहेगी तेजी

- वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक, वैश्विक उथल-पुथल से महंगाई दर नहीं होगी प्रभावित
- अमेरिका एवं यूरोप में औद्योगिक गतिविधियां तेज होने से भारतीय मैन्यूफैक्चरिंग को मिलेगा लाभ

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : चालू वित्त वर्ष 2024-25 के आने वाले महीनों में भी मैन्यूफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर में तेजी जारी रहेगी। जबकि महंगाई में कमी आएगी। शुक्रवार को जारी वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक आने वाले महीनों में मजबूत घरेलू मांग के साथ विदेशी मांग में भी तेजी से मैन्यूफैक्चरिंग में बढ़ोतरी होगी। फिजिकल व डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर और लाजिस्टिक सेक्टर में निवेश एवं नीतिगत समर्थन से सर्विस सेक्टर को प्रोत्साहन मिलेगा। होटल और पर्यटन सेक्टर में तेज रिकवरी से ट्रांसपोर्ट और रियल एस्टेट सेक्टर में तेजी आएगी।

चालू वित्त वर्ष के पहले माह अप्रैल में रिकार्ड जीएसटी संग्रह के साथ वाहनों के पंजीयन, ट्रैक्टर की बिक्री, स्टील व बिजली की खपत, टोल संग्रह, यूपीआइ भुगतान व निर्यात जैसी आर्थिक गतिविधियों में सकारात्मक वृद्धि रही। मैन्यूफैक्चरिंग व सर्विस सेक्टर के मजबूत प्रदर्शन से इस साल पहली तिमाही (जनवरी-मार्च 2024) में शहरी बेरोजगारी दर कम हो कर 6.7 प्रतिशत हो गई।

रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका एवं यूरोप में औद्योगिक गतिविधियां तेज हो गई है और वे अपनी सप्लाई चेन का विस्तार चाहते हैं। इससे भारतीय मैन्यूफैक्चरिंग को लाभ मिलेगा। एग्जिम बैंक ने तो चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में निर्यात में दहाई अंक में बढ़ोतरी का अनुमान जाहिर किया है।

सरकारी प्रयासों से महंगाई कम करने में मदद मिली

रिपोर्ट के मुताबिक, इस साल अप्रैल में खुदरा महंगाई दर 4.83 प्रतिशत के साथ 11 माह के निचले स्तर पर पहुंच गई, लेकिन आने वाले महीनों में खुदरा महंगाई में और कमी आ सकती है। मंत्रालय का कहना है कि कई खाद्य वस्तुओं की खुले बाजार में बिक्री, उनके निर्यात पर रोक, स्टाक सीमा तय करने जैसे विभिन्न सरकारी प्रयासों से महंगाई को कम करने में मदद मिली है। मंत्रालय का अनुमान है कि रबी की फसल अच्छी होने से गेहूं और चने के दाम में कमी आएगी। आरबीआइ ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में खुदरा महंगाई दर 4.9 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है।

नए उच्च स्तर पर पहुंचा विदेशी मुद्रा भंडार

मुंबई, प्रेट्र : 17 मई को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 4.549 अरब डालर बढ़कर 648.7 अरब डालर के नए सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया है। यह लगातार तीसरा सप्ताह जब विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि हुई है। 17 मई से पहले के सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 2.561 अरब डालर बढ़कर 644.151 अरब डालर के स्तर पर पहुंचा था।

लगातार कई सप्ताह की वृद्धि के बाद पांच अप्रैल को विदेशी मुद्रा भंडार 648.562 अरब डालर के अब तक के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंचा था। आरबीआइ ने कहा कि 17 मई को समाप्त सप्ताह में सोने का भंडार 1.244 अरब डालर बढ़कर 57.195 अरब डालर हो गया। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 11.3 करोड़ डालर बढ़कर 18.168 अरब डालर हो गया। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास जमा 16.8 करोड़ डालर घटकर 4.327 अरब डालर हो गई।

जेएलआर भारत में ही बनाएगी रेंज रोवर और रेंज रोवर स्पोर्ट

- स्थानीय स्तर पर उत्पादन से इन दोनों माडलों की कीमत में आएगी 18-22 प्रतिशत की कमी
- जेएलआर अभी टाटा मोटर्स के साथ साझेदारी में पुणे स्थित प्लांट में चार कारों का करती है उत्पादन

मुंबई, प्रेट्र : टाटा मोटर्स के स्वामित्व वाली जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) भारत में अपनी रेंज रोवर और रेंज रोवर स्पोर्ट का उत्पादन शुरू करेगी। अब तक इन दोनों माडलों का उत्पादन ब्रिटेन में होता है और फिर उसके बाद भारत सहित वैश्विक स्तर पर लगभग 121 बाजारों में निर्यात किया जाता है। भारत में उत्पादन से इन दोनों माडलों की कीमत में 18-22 प्रतिशत तक की कमी आएगी। जेएलआर अभी टाटा मोटर्स के साथ साझेदारी में पुणे स्थित प्लांट में चार कारों (रेंज रोवर वेलार, रेंज रोवर इवोक, जगुआर एफ-पेस और डिस्कवरी स्पोर्ट) का उत्पादन करती है। इस संयंत्र की वार्षिक उत्पादन क्षमता 10 हजार यूनिट है।

टाटा समूह के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने 15 साल पहले टाटा परिवार में जेएलआर ब्रांड लाने के लिए टाटा संस के मानद चेयरमैन रतन टाटा की सराहना की। उन्होंने कहा, 'रेंज रोवर का निर्माण भारत में किया जाएगा।' जेएलआर इंडिया के प्रबंध निदेशक राजन अंबा ने कहा कि स्थानीय उत्पादन के साथ रेंज रोवर स्पोर्ट की कीमत 1.9 करोड़ रुपये से घटकर 1.4 करोड़ रुपये हो जाएगी। इस कीमत पर माडल अगस्त से भारत में मिलने लगेगा। वहीं, रेंज रोवर आटोबायोग्राफी संस्करण की कीमत वर्तमान में 3.3 करोड़ रुपये है और इसकी कीमत घटकर 2.6 करोड़ रुपये रह जाएगी। यह संस्करण इस महीने के अंत से बाजार में उपलब्ध होगा।

अनाज का बफर स्टाक 600 लाख टन के पार

जाब्यू, नई दिल्ली : न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदारी का आंकड़ा पिछले वर्ष को पार कर गया है। केंद्र सरकार ने किसानों से अभी तक 262.48 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीदारी कर ली है, जो पिछले वर्ष की तुलना में अधिक है। सबसे ज्यादा पंजाब, हरियाणा और मध्य प्रदेश से गेहूं की खरीदारी हुई है।

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत खाद्यान्न वितरण के लिए बफर स्टाक में चावल एवं गेहूं का पर्याप्त भंडारण हो चुका है। दोनों अनाजों का संयुक्त स्टाक छह सौ लाख टन से अधिक हो गया है। गेहूं की खरीदारी अभी भी जारी है। कुछ राज्यों में जून महीने तक खरीदारी होती रहेगी। चालू वर्ष 2024-25 के लिए गेहूं खरीद का लक्ष्य 320 लाख टन निर्धारित किया गया है। साथ ही बफर स्टाक के लिए चावल की भी खरीदारी की जा रही है। 22 लाख 31 हजार किसानों को 59 हजार 715 करोड़ रुपये का न्यूनतम समर्थन मूल्य दिया गया है।

Join Magazine Group @ ₹60/m WhatsApp To 8969469464 **राष्ट्रीय फलक** Join Epaper Group @ ₹30/m WhatsApp To 8969469464

गर्भ में बेटा देखने के लिए हंसिया से पत्नी का पेट फाड़ने वाले को उम्रकैद

बदायूं में पति की क्रूरता बतातीं अनीता, साथ में बेटियां। जागरण

जागरण संवाददाता, बदायूं

- बदायूं में चार वर्ष पहले आठ माह की गर्भवती से पन्नालाल ने की थी क्रूरता

करीब चार वर्ष पहले गर्भ में बेटा देखने के पागलपन में गर्भवती पत्नी का पेट हंसिया से फाड़ने वाले को अदालत ने गुरुवार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 50,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है। कोर्ट ने उसे पत्नी का पेट फाड़ने और गर्भस्थ शिशु की जान लेने को दोषी माना है। मामला यूपी के बदायूं का है। प्रकरण की सुनवाई महिला अपराध के विशेष न्यायाधीश (फास्ट ट्रैक) कोर्ट में हुई। न्यायाधीश सौरभ सक्सेना ने आदेश में लिखा कि अभियुक्त ने वीभत्स तरीके से पत्नी के पेट पर हंसिया से प्रहार किया। ऐसा लगता है कि उसे कानून का भय नहीं। उसे उम्रकैद की सजा सुनाई जाती है। बता दें, पांच बेटियों की पिता पन्नालाल की पत्नी अनीता छठी बार गर्भवती हुईं थी। एक माह बाद प्रसव होना था, लेकिन पति उनकी स्थिति महसूस करने से इतर रट लगाए था कि इस बार बेटा ही चाहिए। अचानक सनक में बेटा देखने की जिद में हंसिया से पत्नी का पेट फाड़ दिया। इस कृत्य ने गर्भस्थ शिशु की जान ले ली। वह बेटा ही था।

पत्नी के पेट फाड़ने का दोषी पन्नालाल। सौजन्य : पुलिस

वर्तमान में अनीता मकान के एक हिस्से में किराना की दुकान चलाकर पांचों बेटियों का भरण पोषण कर रही हैं।

बेटी ने दिया था बयान, पापा ने हमला किया

अनीता की बड़ी बेटी निर्जला ने बयान दिए कि पापा मम्मी से कह रहे थे कि पेट फाड़कर देखूंगा कि बेटा है बेटी। अचानक वह हमलावर हो गए। मैंने बचाने का प्रयास किया तो धक्का दे दिया। इसके बाद उनके पेट पर हंसिया मारकर भाग गए।

घटनाक्रम बताते हुए वह भावुक हो गईं। 19 सितंबर, 2020 की शाम करीब चार बजे थे, पति पन्नालाल चाय-समोसा की दुकान बंदकर अचानक घर आया। कहने लगा कि गर्भ में देखेगा कि बेटा है या नहीं। इस बार बेटा नहीं हुआ तो दूसरी शादी कर लेगा। वह हंसिया उठा लाया तो वह डरकर भागी, मगर बच न सकी। छीनाझपटी में हंसिया का एक वार सीने और दूसरा पेट पर लगा। लहूलुहान होकर चीखने लगी तो परिवार के अन्य सदस्य आए। इस बीच पति भाग गया। मायके वाले उसे दिल्ली लेकर पहुंचे। तीसरे दिन वहां आपरेशन हुआ तब पता चला कि गर्भ में बेटा ही था, जोकि पति के हमले में दम तोड़ चुका था।

घटना के तीसरे दिन जानलेवा हमले और गर्भपात के आरोप में पन्नालाल को जेल भेज दिया था। दो वर्ष बाद उसे जमानत मिली। इसके बाद समझौते का दबाव बनाने लगा। घर आकर हमला किया। तब पिछले वर्ष प्राथमिकी पंजीकृत करानी पड़ी।

वैष्णो देवी जा रही टैंपो ट्रैवलर सड़क पर खड़े ट्राले से टकराई, छह श्रद्धालुओं की मौत

जागरण संवाददाता • अंबाला

- दिल्ली-जम्मू नेशनल हाईवे पर अंबाला के पास रात डेढ़ बजे हुआ हादसा, 24 घायल
- बुलंदशहर से जा रहे थे एक ही कुनबे लोग, चालक के शराब पीने की आशंका

दिल्ली-जम्मू नेशनल हाईवे पर अंबाला के पास गुरुवार रात डेढ़ बजे यात्रियों से भरी टैंपो ट्रैवलर (मिनी बस) खड़े ट्राले से टकरा गई। हादसे में छह माह की बच्ची समेत छह लोगों की मौत हो गई। 24 लोग घायल हो गए। घायलों में दो हालत गंभीर बनी हुई है।

उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर से माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए कटरा जा रहे यात्री एक ही कुनबे के आठ परिवारों के हैं और आपस में रिश्तेदार हैं। हादसे के समय सभी सो रहे थे। ट्राले के चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि टैंपो ट्रैवलर का चालक फरार है। आशंका है कि उसने शराब पी हुई थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हादसे पर गहरा दुख जताया है।

बुलंदशहर के भोपतपुर गांव के राजेंद्र ने मकान बनाया है। इसी खुशी में वह अपने तीन सगे भाइयों, बहन और उसके पति और अपने दो साले के परिवार को वैष्णो देवी का दर्शन कराने ले जा रहा था। इसके लिए 52 हजार रुपये में बुलंदशहर से टैंपो ट्रैवलर (यूपी-13 एटी-9774) किराये पर बुक की थी। सात परिवारों के सदस्य यहीं से गुरुवार शाम सात बजे रवाना हुए। सोनीपत के जाखोली गांव से बहन और बहनोई को साथ लिया था। करनाल के पास रात 11 बजे सभी ने एक ढाबे पर खाना खाया। वहां से मध्यरात्रि 12 बजे रवाना हुए। अंबाला में मोहड़ा के पास हादसा हो गया। बस में सवार 30 लोगों में दिल्ली के मंगोलपुरी और गौतमबुद्ध नगर के जमालपुर के भी लोग हैं।

अंबाला छावनी के नागरिक अस्पताल में भर्ती सुमित ने बताया कि रात 11 बजे जब वह ढाबे पर खाना खाने बैठे तो ड्राइवर ने कहा था कि वह अलग बैठकर खाना खाएगा। इसके बाद वह एक गिलास में पानी भी लेकर गया था। सुमित ने शक जताते हुए कहा कि उसने शायद वहां शराब पी थी। अंबाला के पड़ाव थाने के इंसपेक्टर दलीप ने बताया कि ट्राला चालक को गिरफ्तार कर लिया है। सीसीटीवी फुटेज से पता चला है कि चालक ने हाईवे पर करीब दो मिनट पहले ट्राला खड़ा किया था। इसी दौरान टैंपो ट्रैवलर पीछे से आकर भिड़ गई।

इन यात्रियों की हुई मौत

मृतकों में गौतमबुद्ध नगर के जमालपुर की छह माह की दीप्ति, बुलंदशहर के गांव भोपतपुर के 45 वर्षीय मनोज और उसकी पत्नी 40 वर्षीय गुड्डी, 46 वर्षीय सतबीर, सोनीपत के गांव जाखौली 52 वर्षीय विनोद, उप्र के हसनुपर से मेहरचंद शामिल हैं।

13 वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता ने अस्पताल के बाहर बेंच पर जन्मा मृत बच्चा

जागरण संवाददाता, मेरठ

मेरठ में 13 साल की किशोरी के साथ जो हुआ उससे मानवता शर्मसार हो गई। पड़ोसी युवक किशोरी से दुष्कर्म करता रहा। किशोरी गर्भवती हो गई। शुक्रवार सुबह उसकी हालत बिगड़ी तो स्वजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) लेकर पहुंचे। किशोरी सीएचसी के बाहर बेंच पर तड़पती रही, लेकिन किसी ने सुध नहीं ली। जब किशोरी ने बेंच पर ही मृत बच्चे को जन्म दिया, तब स्टाफ हरकत में आया। इसी बीच सीएचसी पहुंची पुलिस की मदद से स्वजन ने किशोरी को मेडिकल कालेज में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत चिंताजनक है। पुलिस ने भी आनन-फानन में दुष्कर्म व पोक्सो एक्ट में मुकदमा दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया।

सरधना थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी 13 साल की किशोरी से आठ माह पहले दो बच्चों के पिता 40 वर्षीय पड़ोसी युवक ने दुष्कर्म कर अश्लील वीडियो बना लिया था। ब्लैकमेल कर संबंध बनाता रहा। डर से किशोरी ने परिवार को नहीं बताया। एक माह पहले किशोरी के पेट में दर्द हुआ तो पता चला कि किशोरी छह माह की गर्भवती है। इसके बाद किशोरी ने स्वजन को पूरा मामला बताया।

सीएचसी पर मौजूद स्टाफ ने दुष्कर्म पीड़िता किशोरी का प्रसव कराया। किशोरी ने प्रीमेच्योर शिशु को जन्म दिया, जिसे बचाया नहीं जा सका। बाद में किशोरी को महिला जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां से मेडिकल कालेज भेजा गया। पूरे मामले की जांच कराई जाएगी। यदि किसी की लापरवाही सामने आई तो सख्त कार्रवाई होगी।

-डा. अखिलेश मोहन, सीएमओ, मेरठ

अमरोहा में कुत्तों ने एक और बच्ची को नोचकर मार डाला

जागरण संवाददाता, अमरोहा : यूपी के अमरोहा में आवारा कुत्तों ने एक और बच्ची की जान ले ली। दो वर्षीय काव्या को पेड़ की छांव में सुलाकर माता-पिता नर्सरी की सिंचाई कर रहे थे। इसी बीच कुत्तों के झुंड ने आकर बच्ची को बुरी तरह नोच डाला। उसकी चीख सुनकर दंपती ने बमुश्किल छुड़ाया, तब तक उसकी सांसें थम चुकी थीं।

रामदास, पत्नी नीतू देवी और बेटी काव्या के साथ रोज की तरह शुक्रवार दोपहर में गांव से करीब 500 मीटर दूर नर्सरी पर गए थे। नर्सरी में एक पेड़ की छांव में बेटी को सुलाकर वह सिंचाई करने लगे। अचानक बाग से चार जंगली कुत्तों ने आकर बच्ची पर हमला कर दिया। दंपती ने शोर मचाते हुए बमुश्किल कुत्तों को भगाया, लेकिन तब तक बच्ची की मौत हो चुकी थी।

देहरादून में कारोबारी को 123 घंटे डिजिटल अरेस्ट कर ठगे एक करोड़

जागरण संवाददाता, देहरादून

आयात-निर्यात का कारोबार करने वाले एक कारोबारी को साइबर ठगों ने न केवल 123 घंटे डिजीटली हाउस अरेस्ट (घर में ही हल पल आनलाइन कैमरे के सामने कैद रखना) रखा, बल्कि उन्हें ब्लैकमेल कर एक करोड़ 13 लाख रुपये भी ठग लिए। साइबर ठगों ने खुद को मुंबई क्राइम ब्रांच व सीबीआइ अधिकारी बताया और कारोबारी को बैंक खातों में 38 करोड़ के अवैध लेन-देन में गिरफ्तार कर जेल भेजने की धमकी दी। कारोबारी की शिकायत पर जांच कर रही एसटीएफ ने तीन साइबर ठगों को राजस्थान के कोटा से गिरफ्तार किया है।

एसएसपी एसटीएफ आयुष अग्रवाल ने बताया कि कारोबारी राजीव कुमार ने शिकायत दी कि नौ अप्रैल को सुनील वर्मा नाम के व्यक्ति ने मोबाइल पर खुद को मुंबई क्राइम ब्रांच का अधिकारी बताया। उसने राजीव से कहा कि कस्टम विभाग ने एक पार्सल पकड़ा है, जिसमें पासपोर्ट, क्रेडिट कार्ड और नशे की सामग्री है।

नोएडा में 25 घंटे डिजिटल अरेस्ट रखकर 35 लाख ठगे

साइबर अपराधियों ने हेमंत छाबड़ा को 25 घंटे डिजिटल अरेस्ट करके 35 लाख ठग लिए। एक से दो मई के बीच उनके द्वारा भेजे गए पार्सल में ड्रग्स होने का दावा करते हुए कार्रवाई का भय दिखाकर ठगी की वारदात को अंजाम दिया। पीड़ित की शिकायत पर नोएडा पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हेमंत ने रिपोर्ट में बताया कि एक मई को अज्ञात नंबर से फोन आया। फोन करने वाले ने खुद को कोरियर कंपनी का कर्मचारी बताते हुए कहा कि उनके नाम से एक पार्सल है। इस पार्सल को मुंबई में एक्साइज विभाग ने जब्त कर लिया है। पार्सल में ड्रग्स, पासपोर्ट, क्रेडिट कार्ड जैसी सामग्री है। फोन करने वालों ने कहा कि वह जांच पूरी होने तक डिजिटल अरेस्ट हैं। इसलिए किसी से संपर्क नहीं करेंगे। वीडियो काल के जरिये करीब 25 घंटे तक डिजिटल अरेस्ट रखा। आरोपितों ने उन्हें डराकर दो बार में 35 लाख ट्रांसफर करा लिए।

शादी में मिले उपहारों का विवरण देने पर ही मिलेगा प्रमाणपत्र

राज्य ब्यूरो, जागरण

- उप्र सरकार ने जारी किया आदेश, वर-वधू को देना होगा शपथ पत्र

लखनऊ : उत्तर प्रदेश सरकार ने मैरिज सर्टिफिकेट को लेकर नियमों में बदलाव किया है। प्रदेश में अब शादी का प्रमाणपत्र बनवाते समय वर-वधू को मिले उपहारों का विवरण भी देना होगा। सरकार की ओर से इस संबंध में आदेश जारी कर दिया गया है। शादी प्रमाणपत्र के नए नियमों के तहत वर-वधू पक्ष को शादी का कार्ड, आधार कार्ड, हाईस्कूल का अंकपत्र व गवाहों के दस्तावेज की पूर्व की व्यवस्था के साथ उपहारों के विवरण का शपथ पत्र देना होगा।

अपर महानिरीक्षक निबंधन मनीन्द्र कुमार सक्सेना ने इस संबंध में सभी सहायक महानिरीक्षकों को 17 मई को आदेश जारी किया है। प्रेषित आदेश में इलाहाबाद हाई कोर्ट के निर्देश का हवाला देते हुए कड़ाई से इसका अनुपालन सुनिश्चित किए जाने की अपेक्षा की गई है। बता दें कि हाई कोर्ट ने पिछले दिनों अपने आदेश में कहा था कि नियमानुसार दहेज और उपहारों में अंतर है। वर-वधू को मिलने वाले उपहारों को दहेज में नहीं शामिल किया जा सकता। अच्छी स्थिति यह होगी कि मौके पर मिली सभी चीजों की सूची बनाई जाए। कानून की धारा तीन में दहेज लेना-देना दोनों दंडनीय अपराध घोषित किया गया है। उपधारा दो में शादी के समय मिले उपहारों की सूची बनाने की व्यवस्था है, ताकि दहेज में मिले सामान का सत्यापन किया जा सके। इससे सत्यता पता चल सकेगी और फर्जी दहेज केसों पर नियंत्रण लग सकेगा।

****

7 अक्टूबर 2023 से गाजा में इजरायली सेना की ओर से जारी सैन्य कार्रवाई में अभी तक 35,800 से ज्यादा फलस्तीनी मारे जा चुके हैं और करीब 10 हजार लापता हैं। इसके अलावा लाखों लोग बेघर हो गए हैं।

भारत को इस गर्मी में मिल जाएगा अगली पीढ़ी का परमाणु ईंधन

रूस ने कहा, भारत में उच्च क्षमता की परमाणु ऊर्जा यूनिट की स्थापना को तैयार

रूस के परमाणु ऊर्जा प्रमुख बोले, भारत इस क्षेत्र में हमारा प्रमुख साझेदार

मास्को, एएनआइ: रूस के परमाणु ऊर्जा प्रमुख एलेक्सी लिखाचेव ने कहा कि भारत को इस गर्मी में अगली पीढ़ी का परमाणु ईंधन मिल जाएगा। कहा, हम परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में भारत से सहयोग बढ़ाने को उत्सुक हैं। इसमें भारत में नई साइट पर रूस द्वारा डिजाइन उच्च क्षमता की परमाणु ऊर्जा यूनिट की स्थापना शामिल है। भारत-रूस के मधुर द्विपक्षीय संबंधों का हवाला देते हुए लिखाचेव ने कहा कि परमाणु क्षेत्र में भारत हमारा प्रमुख साझेदार है।

रसिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के परमाणु ऊर्जा आयोग के अध्यक्ष अजीत कुमार मोहंती का रूसी स्टेट न्यूक्लियर कार्पोरेशन-रोसाटोम के प्रमुख एलेक्सी लिखाचेव ने साइबेरिया के टोमस्क रीजन में गुरुवार को गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान लिखाचेव ने मोहंती को चौथी पीढ़ी का सबसे सुरक्षित परमाणु रिएक्टर दिखाया। लिखाचेव ने दोनों देशों के बीच सहयोग की प्रशंसा करते हुए कहा कि भारत परमाणु क्षेत्र

रूस के परमाणु ऊर्जा प्रमुख एलेक्सी लिखाचेव (फाइल)। आर्काइव

में हमारा प्रमुख साझेदार है। इससे पहले गुरुवार को मोहंती और लिखाचेव ने टोमस्क रीजन के सेवर्स्क में एक बैठक में भाग लिया। रूस और भारत के परमाणु क्षेत्र के विशेषज्ञों ने सेवर्स्क स्थित पायलट डेमोंस्ट्रेशन एनर्जी कांप्लेक्स (पीडीईसी) स्थल का भी दौरा किया।

इस दौरान दोनों पक्षों ने परमाणु क्षेत्र में रूस और भारत के बीच सहयोग बढ़ाने को लेकर चर्चा की। रूस के परमाणु प्रमुख लिखाचेव ने कहा कि शांतिपूर्ण उद्देश्य के लिए भारत के सहयोग से हम परमाणु ऊर्जा के उपयोग के विस्तार को लेकर गंभीरता से विचार करने को तैयार हैं। परमाणु ऊर्जा आयोग के अध्यक्ष मोहंती रूस में भारत के राजदूत विनय कुमार के साथ रूस के टोमस्क के दौरे पर थे।

कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा परियोजना में भारत की मदद कर रहा है रूस

रूस फिलहाल तमिलनाडु में कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा परियोजना के निर्माण में भारत का सहयोग कर रहा है। वर्ष 2002 में शुरू हुई इस परियोजना के तहत 1,000 मेगावाट के कुल छह परमाणु रिएक्टरों का निर्माण होना है। कुडनकुलम में पहले रिएक्टर वर्ष 2014 में बन गया और उससे बिजली का उत्पादन हो रहा है। वर्ष 2016 से दूसरे रिएक्टर में भी काम शुरू हो गया है। तीसरे और चौथे रिएक्टर पर काम भी तकरीबन पूरा हो गया है। पांचवे और और छठें रिएक्टर पर काम आगे बढ़ाने के लिए भारत-रूस के बीच अनुबंध हो चुका है। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 13 मई 2024 को रूस की यात्रा के दौरान इस पर दस्तखत भी किए थे।

किर्गिस्तान में भारतीय छात्रों की कर रहे मदद : दूतावास

बिश्केक, एएनआइ: किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में विदेशी और स्थानीय छात्रों के बीच झड़पों की खबरों के बीच भारतीय दूतावास ने शुक्रवार को कहा कि वह छात्रों की चिंताओं के मद्देनजर नजदीकी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के लिए परिवहन की व्यवस्था करने को क्षेत्र के मेडिकल विश्वविद्यालयों के साथ काम कर रहा है।

हालांकि दूतावास ने जोर देकर कहा कि बिश्केक में स्थिति शांत बनी हुई है। बिश्केक स्थित भारतीय दूतवास ने एक्स पोस्ट कर भारतीय छात्रों की चिंताएं दूर करने की कोशिश की और कहा कि छात्रों को किसी भी परेशानी की स्थिति में अपने मेडिकल विश्वविद्यालय से संपर्क करना चाहिए। दूतावास ने हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए हैं।

दूतावास ने छात्रों एवं उनके परिजनों से किसी भी अफवाह पर ध्यान नहीं देने का आह्वान किया और कहा कि किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में स्थिति अब सामान्य हो चुकी है।

उल्लेखनीय है कि प्रति वर्ष मेडिकल और अन्य पाठ्यक्रमों में अध्ययन करने के लिए बड़ी संख्या में भारतीय छात्र किर्गिस्तान के विश्वविद्यालयों में प्रवेश लेते हैं। वर्तमान में भी तकरीबन 17 हजार भारतीय छात्र किर्गिस्तान के विभिन्न विश्वविद्यालयों में पढ़ाई कर रहे हैं। इनमें से अधिकांश छात्र बिश्केक में हैं।

चीनी सेना ने ताइवान को घेरकर दूसरे दिन भी दिखाई धमक

- सैन्याभ्यास के दौरान ताइवान के आसपास दिखे 49 एयरक्राफ्ट, 19 जंगी जहाज
- चीन की अमेरिका को चेतावनी, ताइवान का समर्थन करना होगा आत्मघाती

ताइवान का मिसाइल विध्वंसक जहाज मा कोंग डीडीजी1805 चीन के जहाजों की निगरानी कर रहा है। एपी

बीजिंग, प्रेट्र: ताइवान के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति लाई चिंग-ते के बयानों से चिढ़े चीन ने दूसरे दिन भी व्यापक सैन्याभ्यास किया। चीन की संप्रभुता को खारिज करने वाले राष्ट्रपति की टिप्पणियों से खफा पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ताइवान के राष्ट्रपति को दंडित करना चाहती है। ताइवान के आसपास शुक्रवार को बड़े पैमाने पर चीनी जेट विमानों की आवाज गूंजती रहीं। जंगी जहाज जलडमरूमध्य में ताइवान के क्षेत्र में घुसकर धमक दिखाने की कोशिश करते दिखे। चीनी सेना का कहना है कि सैन्याभ्यास का उद्देश्य ताइवान को कब्जे में लेने की क्षमता दिखाना और ताइवान की शक्ति का आकलन करना है। वहीं, ताइवान के राष्ट्रपति ने कहा, वह बाहरी चुनौती से निपटने व देश की रक्षा करने के लिए अपनी सेना के साथ खड़े हैं।

इस बीच, एक अनाम अमेरिकी अधिकारी द्वारा बीजिंग से संयम बरतने के आग्रह से चीन और भड़क गया। चीन के विदेश मंत्रालय की ओर से अमेरिका को चेतावनी दी गई कि ताइवान की स्वतंत्रता की दिशा में प्रयास आत्मघाती होगा। वहीं, ताइवान के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, शुक्रवार सुबह द्वीप के आसपास पीएलए के 49 एयरक्राफ्ट, 19 जंगी जहाज और सात कोस्टगार्ड के जहाज देखे गए। कहा, 35 एयरक्राफ्ट ताइवान क्षेत्र में घुसे। ताइवान के सशस्त्र बल स्थिति पर नजर रखे रहे और जवाब देने को तैयार रहे। चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के ईस्टर्न थिएटर कमांड के प्रवक्ता ली शी ने कहा, हमारी थल, वायु व नौसेना ने ताइवान को घेरकर संयुक्त सैन्याभ्यास किया। इसका उद्देश्य ताइवान पर नियंत्रण और उसके क्षेत्रों पर कब्जा करना है।

सैन्य विश्लेषकों का कहना है कि अगस्त, 2022 में तत्कालीन अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की स्पीकर नैन्सी पेलोसी की ताइवान यात्रा के बाद से पीएलए ने आक्रामक अभियान शुरू कर दिया है। वह किसी बाहरी हस्तक्षेप से निपटने व ताइवान पर कब्जे की तैयारी कर रहा है।

चीन के विरोध के बावजूद सुरक्षा गठबंधन बनाएगा फिलीपींस

मनीला, एपी: फिलीपींस अपने क्षेत्रीय हितों की रक्षा के लिए विवादित जल क्षेत्र में सुरक्षा गठबंधन बनाना और संयुक्त युद्ध अभ्यास करना जारी रखेगा। फिलीपींस के रक्षा मंत्री गिल्बर्टो टेओडोरो ने शुक्रवार को मनीला में नौसेना की स्थापना की वर्षगांठ के अवसर पर शीर्ष सैन्य अधिकारियों को संबोधित करते हुए यह बात कही। गिल्बर्टो ने चीन का नाम लिए बिना दक्षिण चीन सागर में बीजिंग की बढ़ती आक्रामक कार्रवाइयों की स्पष्ट रूप से आलोचना की। उन्होंने कहा, फिलीपींस आक्रामकता और उत्तेजक कदमों को बर्दाश्त नहीं करेगा। दक्षिण चीन सागर में गत वर्ष चीन से झड़प के बाद फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डीनेंड मार्कोज जूनियर के प्रशासन ने कई एशियाई और पश्चिमी देशों के साथ नए सुरक्षा गठबंधन बनाने के लिए कदम उठाए हैं और 2014 के रक्षा समझौते के तहत अधिक फिलीपींस अड्डों में अमेरिकी सैनिकों की मौजूदगी की अनुमति दी है। अप्रैल और मई में फिलीपींस सेना ने विवादित जल क्षेत्र और उसके निकट अमेरिकी सेना के साथ वार्षिक युद्धाभ्यास किया।

रफाह में सैन्य कार्रवाई रोके इजरायल : आइसीजे

- अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने 13-2 के बहुमत से दिया आदेश
- बाध्यकारी नहीं लेकिन अंतरराष्ट्रीय दबाव बनाएगा आदेश

हेग, रायटर : संयुक्त राष्ट्र के संरक्षण में कार्य करने वाले अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आइसीजे) ने दक्षिण अफ्रीका की याचिका पर सुनवाई करते हुए इजरायल को रफाह में सैन्य कार्रवाई तत्काल रोकने का आदेश दिया है। याचिका में गाजा में इजरायल की नरसंहार की कार्रवाई को रोके जाने की मांग की गई है। ज्ञात हो, मिस्र सीमा पर बसे रफाह में अभी भी लाखों शरणार्थी हैं और अंतरराष्ट्रीय विरोध के बावजूद वहां पर इजरायली हमले बढ़ते जा रहे हैं। न्यायालय का आदेश इजरायल के लिए बाध्यकारी नहीं है पर इसे न मानने पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इजरायल की स्थिति और कमजोर होने के आसार हैं।

अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के प्रमुख नवाफ सलाम ने कहा, गाजा की स्थिति दिनों-दिन खराब हो रही है। इजरायल ने वहां के बारे में मांगी गई सूचनाओं की पर्याप्त जानकारी न्यायालय को नहीं दी। रफाह पर हमले रोकने का आदेश उसी के मद्देनजर है। न्यायालय का यह आदेश 15 सदस्यीय पीठ ने 13 सदस्यों के समर्थन के आधार पर दिया है। इस

अंतरराष्ट्रीय न्यायालय। फाइल

आदेश के विरोध में यूगांडा और इजरायल के सदस्य थे। ज्ञात हो, इजरायल ने रफाह में इसी माह सैन्य कार्रवाई तेज की है। इजरायल याचिका में लगाए आरोपों को गलत बताते हुए विरोध जताता रहा है। पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि सैन्य कार्रवाई रोकने के किसी भी आदेश या सलाह को इजरायल नहीं मानेगा। ताजा आदेश के बाद न्यायालय में मौजूद इजरायल व दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधियों ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

गाजा में तीन इजरायली बंधकों के शव मिले

यरुशलम, रायटर: इजरायली सेना ने गुरुवार-शुक्रवार की रात जबालिया में कार्रवाई के दौरान तीन और इजरायली बंधकों के शव बरामद किए। मारे गए इजरायली नागरिकों को हमास के लड़ाके सात अक्टूबर, 2023 को इजरायल पर हमले के दौरान नोवा म्यूजिक फेस्टिवल से अगवा करके गाजा ले गए थे। चर्चा ये भी है कि हमले के दौरान ये लोग घायल हो गए थे और बाद में उचित इलाज के अभाव में उनकी मौत हुई। इजरायली सेना के प्रवक्ता रियर एडमिरल डेनियल हगारी ने कहा है कि इजरायल अपने प्रत्येक नागरिक को हमास की कैद से मुक्त कराने के लिए संकल्पित है। हम उनकी मुक्ति तक लड़ते रहेंगे। इस बीच जबालिया में इजरायली हमलों में पांच लोगों के मारे जाने की सूचना है जबकि रफाह में इजरायली विमानों ने बमबारी की है। इस बीच गाजा में युद्धविराम के लिए फिर से वार्ता शुरू करने के लिए अमेरिका ने कतर के जरिये कोशिश शुरू कर दी है।

अग्रिम मोर्चे पर संघर्ष विराम को तैयार हो सकते हैं पुतिन

- यूक्रेन व पश्चिमी देशों के सकारात्मक जवाब का इंतजार

मास्को, रायटर: यूक्रेन में संघर्ष के साथ युद्धविराम की कोशिशें जारी हैं। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने संकेत दिया है कि वह मौजूदा अग्रिम मोर्चे पर संघर्ष रोक सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, अगर यूक्रेन व पश्चिमी देशों ने कोई सकारात्मक जवाब नहीं दिया तो पुतिन जंग जारी रखेंगे। हालांकि, रूस की शर्तों को यूक्रेन शायद ही स्वीकार करे।

पुतिन के सलाहकारों के बीच युद्ध को लेकर चर्चा के दौरान एक वरिष्ठ नेता ने पश्चिम द्वारा समर्थित प्रयास को अरुचिकर समझौता और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के बातचीत के निर्णय को खारिज करने को लेकर निराशा व्यक्त की। वहीं, क्रेमलिन की उच्च स्तरीय बातचीत की जानकारी रखने वाले एक अन्य सूत्र ने कहा कि पुतिन लक्ष्य को हासिल करने के लिए लंबे समय तक युद्ध करना चाहते हैं, लेकिन वे युद्ध रोकने को लेकर बातचीत करने को भी तैयार हैं। वहीं, इस बारे में पुतिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव से टिप्पणी करने का आग्रह करने पर उन्हें दोहराया कि रूसी राष्ट्रपति पहले ही स्पष्ट

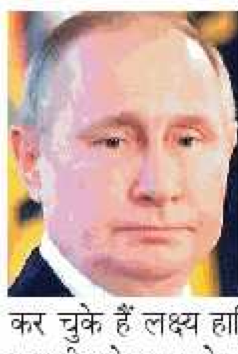
यूक्रेन को रूस की शर्तें स्वीकार करना नहीं होगा आसान

कर चुके हैं लक्ष्य हासिल करने के बीच बातचीत के दरवाजे हमेशा खुले हैं। वहीं, यूक्रेन के विदेश व रक्षा मंत्रालय ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की।

रूस में पिछले वर्ष जेल में घट गई 50 हजार कैदियों की संख्या: एक रूसी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, रूस की जेलों में कैदियों की संख्या पिछले साल 58 हजार घट गई। 2022 और 2023 के बीच एक लाख से अधिक कैदियों को रिहा कर दिया गया। जेल में यह संख्या इसलिए घट रही है, क्योंकि रूस यूक्रेन में लड़ने के लिए कैदियों की भी भर्ती कर रहा है।

बिजली संकट से निपटने को पश्चिम की ओर मदद चाहता है यूक्रेन: रूस यूक्रेन के ऊर्जा ढांचे पर लगातार हमले कर रहा है। इससे यूक्रेन में बिजली संकट गहरा गया है। यूक्रेन यूरोपीय संघ के देशों से अधिकतम बिजली आयात के लिए वार्ता कर रहा है। रूसी हमलों के कारण यूक्रेन के ऊर्जा क्षेत्र को एक अरब डालर की क्षति पहुंची है। यूक्रेन के ऊर्जा मंत्री जरमैन गलुश्चेंको ने कहा कि हम बिजली आयात के लिए यूरोपीय संघ के देशों से बात कर रहे हैं।

यूक्रेन के खार्कीव में रूस के हवाई हमले के बाद उठते घने काले धुएं की तस्वीर को अपने मोबाइल कमरे में कैद करते विदेशी पत्रकार। एपी

न्यूज गैलरी

वियतनाम के एक अपार्टमेंट में आग से 14 की मौत

हनोई : वियतनाम की राजधानी हनोई के एक अपार्टमेंट में गुरुवार आधी रात के बाद लगी आग से 14 लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। मध्य हनोई में दो मीटर चौड़ी गली में अपार्टमेंट होने से दमकल वाहन वहां तक पहुंच नहीं पाई और अग्निशमनकर्मियों को पाइप का सहारा लेना पड़ा। आग लगने के दौरान कई विस्फोट भी हुए। (एपी)

बाइक नंबर प्लेट बदलने वाली भारतवंशी महिला को जेल

सिंगापुर : सिंगापुर में भारतवंशी मलेशियाई महिला देइवानै करुनानिति को तीन हफ्ते जेल की सजा सुनाई गई है। रोड टैक्स से बचने के लिए 28 वर्षीया देइवानै ने अपनी बाइक की लाइसेंस प्लेटों में से एक में बदलाव किया था। (प्रेट्र)

सिंगापुर के पूर्व प्रधानमंत्री के भाई देंगे हर्जाना

सिंगापुर : सिंगापुर के पूर्व प्रधानमंत्री ली हसिएन लूंग के भाई ली हसिएन यांग को हाई कोर्ट ने भारतवंशी मंत्रियों के. शानमुगम और विवियन बालकृष्णन को हर्जाने के रूप में दो-दो लाख सिंगापुरी डालर देने का आदेश दिया है। पूर्व पीएम के भाई ने फेसबुक पोस्ट में दोनों मंत्रियों पर सरकारी संपत्ति को किराये पर देने का आरोप लगाया था। इसी मामले में दोनों ने मानहानि का केस किया था। (प्रेट्र)

दूसरा जासूसी उपग्रह लांच करने की तैयारी में है उत्तर कोरिया

सियोल : उत्तर कोरिया दूसरा जासूसी उपग्रह अंतरिक्ष में भेजने की तैयारी कर रहा है। दक्षिण कोरिया ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। नवंबर 2023 में उत्तर कोरिया ने अपने पहले सैन्य टोही उपग्रह को कक्षा में स्थापित किया था। उत्तर कोरिया ने इस कदम को अमेरिका की अगुआई वाले सैन्य खतरों से निपटने की तैयारी का प्रयास कहा है। (एपी)

चीन ने तिब्बत से ग्लेशियर जल की दूसरी खेप मालदीव भेजी

माले : चीन ने तिब्बती ग्लेशियरों का 1500 टन जल मालदीव को उपहार में दिया है। मीडिया रिपोर्ट में शुक्रवार को बताया गया है कि दो महीने से भी कम समय में चीन ने यह दूसरा उपहार दिया है। (प्रेट्र)

सात नवजातों की हत्या की दोषी नर्स को अपील की अनुमति नहीं मिली

लंदन, एपी : सात नवजातों की हत्या और छह अन्य की हत्या के प्रयास में दोषी ठहराई गई ब्रिटिश नर्स को अपील करने की अनुमति नहीं दी गई। 34 वर्षीय लुसी लेटबी ने पिछले साल दोषी ठहराए जाने और उम्र कैद की सजा सुनाए जाने के बाद फैसले को चुनौती देने की अनुमति मांगी थी। ब्रिटेन की अपील अदालत के तीन-न्यायाधीशों के पैनल ने अप्रैल में मामले की सुनवाई की थी और शुक्रवार को फैसला सुनाया। पैनल ने कहा, उसके आवेदन को सुनने के बाद हमने सभी आधारों पर अपील की अनुमति देने से इन्कार करने का निर्णय लिया है। मैनचेस्टर क्राउन कोर्ट की एक जूरी ने उसे उन अपराधों के लिए दोषी पाया था, जो जून 2015 और जून 2016 के बीच उत्तर-पश्चिमी इंग्लैंड के काउंटेस आफ चेस्टर हास्पिटल की नवजात इकाई में हुए थे। ब्रिटिश अदालती मामलों में अधिकांश प्रतिवादियों के पास अपील करने का स्वतः अधिकार नहीं है। उन्हें अपील करने की अनुमति लेनी होती है।

पापुआ न्यू गिनी में भूस्खलन की चपेट में आकर 100 लोगों की मौत

मेलबर्न, एपी: पापुआ न्यू गिनी में भूस्खलन की चपेट में आकर शुक्रवार को 100 से अधिक लोगों की मौत हो गई। यह घटना स्थानीय समय तड़के तीन बजे एंगा प्रांत में काओकलाम गांव में हुई। लोगों का कहना है कि मरने वालों की संख्या और अधिक बढ़ सकती है। हालांकि, अधिकारियों की ओर से इस संख्या की पुष्टि नहीं की गई है। इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहे वीडियो में लोग मलबे में दबे शवों को बाहर निकालते नजर आ रहे हैं। चारों तरफ बड़े पत्थर और टूटे पेड़ नजर आ रहे हैं। इससे मकानों को भी क्षति पहुंची है। यातायात भी प्रभावित हुआ है। मीडिया में सामने आ रही जानकारी के अनुसार, द्वीपीय राष्ट्र में भूस्खलन के कारण पोरगेरा सोने की खान में कार्य प्रभावित हुआ है। बैरिक गोल्ड द्वारा बैरिक न्यू गिनी लिमिटेड की ओर से इसका संचालन किया जाता है। हालांकि, बैरिक गोल्ड की ओर इसे लेकर कोई टिप्पणी नहीं की गई है।

पापुआ न्यू गिनी के एंगा प्रांत में भूस्खलन के बाद घटनास्थल पर जुटे लोग। एपी

मास्को कंसर्ट हाल हमले में यूक्रेन का सीधा हाथ : रूस

मास्को, रायटर: रूस की संघीय सुरक्षा सेवा के निदेशक अलेक्जेंडर बोर्टनिकोव ने शुक्रवार को कहा, मास्को के क्रोकस सिटी कंसर्ट हाल में हुए आतंकी हमले में यूक्रेनी सैन्य खुफिया विभाग सीधे तौर पर शामिल है। जांच जारी है। हमले से जुड़े सभी तार जोड़ लिए जाएंगे। इसमें शामिल कोई भी शख्स बच नहीं सकता। हमले में 144 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 551 लोग घायल हुए थे। 20 से अधिक लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

कंसर्ट हाल में मार्च में हुए हमले की जिम्मेदारी आइएस ने ली थी। साथ ही अमेरिकी अधिकारियों ने कहा था कि उनके पास खुफिया जानकारी है कि इसमें आइएस खुरासान का हाथ है। हमले के बाद से ही रूस इसे लेकर यूक्रेन पर आरोप लगाता आया है, जबकि यूक्रेन इन्कार करता आ रहा है। बोर्टनिकोव ने कहा, आइएस खुरासान ने हमलावरों को मदद की है, यूक्रेनी सैन्य खुफिया विभाग ने भी हमले में सीधी भूमिका निभाई है।

रूस में गिरफ्तार अमेरिकी सैनिक को नहीं मिली राहत

मास्को, एपी : रूस के व्लादिवोस्तक में चोरी के आरोप में गिरफ्तार अमेरिकी सैनिक हिरासत में ही रहेगा। गार्डन ब्लैक को दो जुलाई तक हिरासत में रखा जाएगा। दरअसल, प्रिमोर्स्की क्षेत्रीय अदालत ने जांच और सुनवाई लंबित रहने तक ब्लैक को हिरासत में रखने के निचली अदालत के फैसले को बरकरार रखा है। ब्लैक की गिरफ्तारी ने रूस के साथ अमेरिकी संबंधों को और अधिक जटिल बना दिया है, जो यूक्रेन में युद्ध के कारण पहले से तनावपूर्ण बने हुए हैं। ऐसा माना जाता है कि रूस ने कई अमेरिकियों को अपनी जेलों में बंद कर रखा है, जिनमें कार्पोरेट सुरक्षा कार्यकारी पाल व्हेलन और वाल स्ट्रीट जर्नल के रिपोर्टर इवान गेर्शकोविच भी शामिल हैं। अमेरिकी सरकार ने दोनों को गलत तरीके से हिरासत में लेने का आरोप लगाया है। उनकी रिहाई के लिए बातचीत करने की कोशिश कर रही है।

रईसी के हेलीकाप्टर पर किसी तरह के हमले के सुबूत नहीं

- दुर्घटना के तुरंत बाद रईसी के हेलीकाप्टर ने पकड़ ली थी आग
- ईरान की राज्य मीडिया ने जांचकर्ताओं के हवाले से दी जानकारी

तेहरान, एपी : ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी और अन्य को ले जा रहे हेलीकाप्टर ने दुर्घटना के तुरंत बाद आग पकड़ ली थी। उस पर हमले का कोई भी सुबूत नहीं मिला है। ईरान की राज्य मीडिया ने जांचकर्ताओं का हवाला देते हुए यह जानकारी दी है। रविवार को हुए दुर्घटना में इब्राहिम रईसी, विदेश मंत्री और छह अन्य लोगों की मौत हो गई थी।

एक बयान में कहा गया है कि दुर्घटना से पहले कंट्रोल टावर और हेलीकाप्टर के क्रू मेंबर की बीच हुए संपर्क में कुछ भी संदिग्ध नजर नहीं आ रहा। रईसी के हेलीकाप्टर और साथ चल रहे दो हेलीकाप्टरों के क्रू सदस्यों के बीच अंतिम बार संपर्क दुर्घटना से 90 सेकंड पहले हुआ था। इसके भी सुबूत नहीं हैं कि हेलीकाप्टर को किसी चीज से निशाना बनाया गया हो। इसका उड़ान पथ भी नहीं बदला है। ईरान का पुराना हो चुका बेल हेलीकाप्टर रविवार को खराब मौसम में फंसकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इसमें राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी, विदेश मंत्री और अन्य छह लोगों की मौत हो गई थी। दुर्घटनास्थल का पता दूसरे दिन चल पाया था। रईसी को गुरुवार को मशहद में दफनाया गया। उनकी अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए थे।

इब्राहिम रईसी। फाइल

1918 के जहाज के मलबे से मिले भारतीय नोटों की लंदन में नीलामी होगी

लंदन, प्रेट्र : 1918 में बंबई से लंदन जाते समय एक जहाज के डूबने के बाद बरामद हुए दुर्लभ 10 रुपये के दो नोटों की बुधवार को नीलामी की जाएगी। एसएस शिराला को जर्मन यू-बोट द्वारा डूबो दिया गया था। नोटों पर 25 मई 1918 की तारीख अंकित है। लंदन में नूनन्स मेफेयर विश्व बैंक नोट बिक्री के हिस्से के रूप में यह नीलामी करेगा। इसकी कीमत 2,000 से 2,600 पाउंड के बीच होने की संभावना है। जहाज के डूबने के बाद कई नोट किनारे पर आ गए थे। इनमें बिना हस्ताक्षर वाले पांच और 10 रुपये और हस्ताक्षरित एक रुपये का नोट शामिल है। इनमें से एक इस नीलामी में भी शामिल होगा। अधिकांश नोटों को बरामद कर लिया गया था और बाद में उनके स्थान पर नए रुपये जारी किए गए थे। हालांकि कुछ नोट निजी हाथों में चले गए थे। अगले हफ्ते होने वाली नीलामी का मुख्य आकर्षण ब्रिटिश औपनिवेशिक प्रशासन के तहत भारत सरकार का एक दुर्लभ 100 रुपये का नोट है।

इतालवी किशोर कार्लो एक्यूटिस को जल्द घोषित किया जाएगा संत

न्यूयार्क टाइम्स से

- किशोर ने धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए किया कंप्यूटर कौशल का प्रयोग
- कैथोलिक धर्म में दो चमत्कार जुड़े होने पर व्यक्ति घोषित हो सकता है संत

वेटिकन सिटी : पोप फ्रांसिस द्वारा अनुमोदित किए जाने के बाद ब्रिटेन में जन्मे इतालवी किशोर कार्लो एक्यूटिस को संत घोषित किए जाने का रास्ता साफ हो गया है। कंप्यूटर विशेषज्ञ एक्यूटिस ने कंप्यूटर कौशल का उपयोग कैथोलिक धर्म के प्रचार-प्रचार में किया। महज 15 वर्ष की आयु में 2006 में एक्यूटिस की ल्यूकेमिया से मौत हो गई थी। 1990 के दशक में जन्म लेने वाले एक्यूटिस संत घोषित किए जाने वाले पहले व्यक्ति होंगे।

पोप फ्रांसिस ने गुरुवार को कहा, वह कार्लो को संत की उपाधि पर विचार करने के लिए कार्डिनलो की बैठक बुलाएंगे। हालांकि वेटिकन ने औपचारिक संतीकरण समारोह की तिथि घोषित नहीं की है। कार्लो का जन्म लंदन में इतालवी माता-पिता के यहां हुआ था। बचपन में ही वह परिवार के साथ मिलान चले गए। उनकी मां एंटोनिया एक्यूटिस ने 2020 में एक साक्षात्कार में कहा था कि कैथोलिक धर्म के प्रति कार्लो का जुनून बचपन में ही विकसित हो गया था। महज सात साल की उम्र में कार्लो ने दैनिक प्रार्थना सभा में भाग लेना शुरू कर दिया था। ज्ञात हो, कैथोलिक धर्म में एक व्यक्ति तभी संत घोषित होता है जब दो चमत्कार उससे जुड़े हों और उसे पोप अनुमोदित करें। कथित तौर पर एक्यूटिस के एक टी-शर्ट को छूने से दुर्लभ अग्न्याशय की बीमारी से पीड़ित सात वर्षीय ब्राजीलियाई लड़का उबर गया था। एक पादरी ने बच्चे की ओर से उससे प्रार्थना की थी। पोप द्वारा मूल्यांकन और अनुमोदन के बाद इसे चमत्कारी माना गया। एक अन्य मामले में इटली के फ्लोरेंस में एक्यूटिस की कब्र पर एक मां द्वारा बेटी के ठीक होने के लिए प्रार्थना करने के 10 दिन बाद उसकी मस्तिष्क की चोट गायब हो गई थी।

ईयू ईरान के रक्षा मंत्री समेत नौ संस्थाओं पर प्रतिबंध लगाएगा

ब्रसेल्स, रायटर : यूरोपियन संघ (ईयू) में शामिल देशों की सरकारें रूस को ड्रोन की आपूर्ति करने पर ईरान के रक्षा मंत्री मोहम्मद रेजा अश्तियानी समेत नौ संस्थाओं पर प्रतिबंध लगाने पर सहमत हो गई हैं। रूस ईरान से मिलने वाले ड्रोन का उपयोग यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में कर रहा है। ईयू राजनयिक ने बताया कि ईयू की सरकारों के राजदूतों के बीच हुए समझौते 'कोरीपर' को सोमवार को ईयू के विदेश मंत्रियों की बैठक में समर्थन के बाद सार्वजनिक किया जाएगा। इस समझौते में ईरान की मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) बनाने वाली नौ संस्थाओं को शामिल किया गया है। इसके साथ ही इस प्रतिबंध सूची में ईरान के रक्षा मंत्री मोहम्मद रेजा अश्तियानी को भी शामिल किया गया है। इसके तहत व्यक्तियों की यात्रा पर प्रतिबंध, व्यक्तियों व संस्थाओं की संपत्ति जब्तीकरण और सूचीबद्ध लोगों व संस्थाओं को आर्थिक संसाधन उपलब्ध कराने पर प्रतिबंध शामिल हैं।

****

आइपीएल टी-20

पर्पल कैप

गेंदबाज	टीम	विकेट
हर्षल पटेल	पंजाब	24
बुमराह	मुंबई	20
चक्रवर्ती	केकेआर	20

आरेंज कैप

बल्लेबाज	टीम	रन
विराट कोहली	आरसीबी	741
रुतुराज	सीएसके	583
ट्रेविस हेड	हैदराबाद	567

शाहबाज के 'इंपैक्ट' से फाइनल में सनराइजर्स

क्वालीफायर-2 में हैदराबाद ने राजस्थान को 36 रन से हराया अब केकेआर से होगा सामना, शाहबाज प्लेयर आफ द मैच

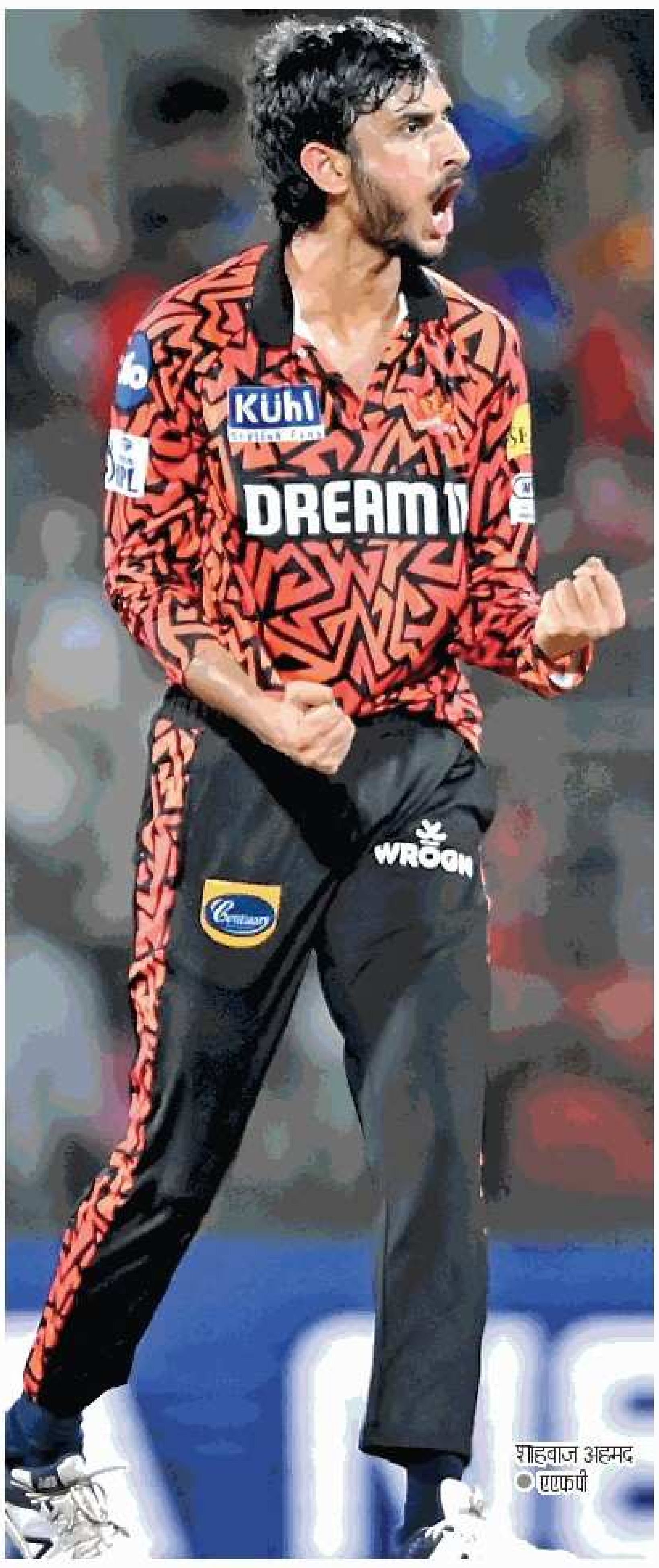
शाहबाज अहमद ● एएफपी

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली: आइपीएल में इंपैक्ट खिलाड़ी नियम को लेकर भले ही रोहित शर्मा, विराट कोहली, अक्षर पटेल जैसे खिलाड़ी सवाल उठा चुके हैं, लेकिन यही नियम राजस्थान रायल्स के विरुद्ध क्वालीफायर-2 मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए 'वरदान' साबित हुआ। ट्रेविस हेड की जगह इंपैक्ट खिलाड़ी के रूप में उतरे शाहबाज अहमद (3/23) ने गेंदबाजी से कमाल दिखाते हुए तीन विकेट झटककर मैच का रुख पलट दिया। सनराइजर्स के 175 रन के जवाब में राजस्थान की टीम सात विकेट पर 139 रन ही बना सकी। हैदराबाद ने 36 रन से यह मैच जीतकर तीसरी बार फाइनल में जगह बनाई। इससे पहले, सनराइजर्स ने 2016 में खिताब जीता था, जबकि 2018 में उपविजेता रही थी। अब रविवार को होने वाले फाइनल में उसका सामना कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) से होगा।

शहबाज का आलराउंड प्रदर्शन : हरियाणा के 30 वर्षीय आलराउंडर इस मैच में सनराइजर्स के लिए जीत की सबसे अहम कड़ी साबित हुए। 14वें ओवर में छह विकेट गिरने के बाद सनराइजर्स ने शाहबाज को इंपैक्ट खिलाड़ी के रूप में उतारा और उन्होंने एक छक्का जड़ते हुए 18 रन बनाए।

इसके बाद जब यशस्वी (42) और संजू सैमसन (10) के बीच साझेदारी पनप रही थी तो पैट कमिंस ने शाहबाज को गेंद सौंपी और उन्होंने यशस्वी को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद उन्होंने 12वें ओवर में इस सत्र में राजस्थान के सबसे सफल बल्लेबाज रियान पराग (06) और आर अश्विन (00) को आउट कर सनराइजर्स के लिए जीत की नींव तैयार कर दी। शाहबाज ने 13 डाट गेंद फेंकी। चेपक में शाहबाज ने दूसरी बार तीन विकेट लिए हैं। इससे पहले उन्होंने 2021 में आरसीबी की ओर से खेलते हुए हैदराबाद के विरुद्ध सात रन देकर तीन विकेट लिए थे। शहबाज को आरसीबी ने इस सत्र में सनराइजर्स हैदराबाद से मयंक डागर की जगह 'ट्रेड' किया था। इस सत्र में शहबाज छह विकेट लेने के साथ ही 159 रन बना चुके हैं, जिसमें एक अर्धशतक शामिल है।

स्कोर बोर्ड

हैदराबाद : 175/9 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
ट्रेविस का. अश्विन बो. संदीप	34	28	3/1
अभिषेक का. कोहलर बो. बोल्ट	12	05	1/1
राहुल त्रिपाठी का. चहल बो. बोल्ट	37	15	5/2
मार्करैम का. चहल बो. बोल्ट	01	02	0/0
क्लासेन बो. संदीप शर्मा	50	34	0/4
नीतीश का. चहल बो. आवेश	05	10	0/0
अब्दुल समद बो. आवेश	00	01	0/0
शाहबाज का. ध्रुव बो. आवेश	18	18	0/1
कमिंस अविजित	05	05	1/0
उनादकट रन आउट	05	02	1/0

अतिरिक्त : 8 (लेबा-1, वा-7), कुल : 20 ओवर में नौ विकेट पर 175 रन, विकेटपतन : 1-13 (अभिषेक, 0.6), 2-55 (त्रिपाठी, 4.3), 3-57 (मार्करैम, 4.6), 4-99 (हेड, 9.6), 5-120 (नीतीश, 13.5), 6-120 (समद, 13.6), 7-163 (क्लासेन, 18.1), 8-170 (शाहबाज, 19.3), 9-175 (उनादकट, 19.6), गेंदबाजी : ट्रेंट बोल्ट 4-0-45-3, अश्विन 4-0-43-0, संदीप 4-0-25-2, आवेश 4-0-27-3, चहल 4-0-34-0

राजस्थान : 139/7 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
जायसवाल का. समद बो. शाहबाज	42	21	4/3
कोहलर का. त्रिपाठी बो. कमिंस	10	16	1/0
सैमसन का. मार्करैम बो. अभिषेक	10	11	1/0
रियान का. अभिषेक बो. शाहबाज	06	10	0/0
ध्रुव जुरैल अविजित	56	35	7/2
अश्विन का. क्लासेन बो. शाहबाज	00	03	0/0
हेटमायर बो. अभिषेक	04	10	0/0
रोवमैन का. अभिषेक बो. नटराजन	06	12	0/0
बोल्ट अविजित	00	03	0/0

अतिरिक्त : 5 (लेबा-1, वा-3, नोबा-1), कुल : 20 ओवर में सात विकेट पर 139 रन, विकेटपतन : 1-24 (कोहलर, 3.6), 2-65 (जायसवाल, 7.5), 3-67 (सैमसन, 8.3), 4-79 (रियान, 11.1), 5-79 (अश्विन, 11.4), 6-92 (हेटमायर, 13.4), 7-124 (रोवमैन, 17.4), गेंदबाजी : भुवनेश्वर 3-0-33-0, कमिंस 4-0-30-1, नटराजन 3-0-13-1, उनादकट 1-0-5-0, शाहबाज 4-0-23-3, अभिषेक 4-0-24-2, मार्करैम 1-0-10-0

सबसे ज्यादा फाइनल

10	सीएसके
6	मुंबई
4	केकेआर
3	आरसीबी
3	हैदराबाद

प्लेआफ में सनराइजर्स के लिए सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी

3/19	भुवनेश्वर कुमार vs केकेआर	2016
3/19	राशिद खान vs केकेआर	2018
3/23	शहबाज अहमद vs राजस्थान	2024
3/25	जेसन होल्डर vs आरसीबी	2020

6 मैच हारी है राजस्थान रायल्स की टीम प्लेआफ में 11 मैचों में, सबसे ज्यादा प्लेआफ मुकाबले आरसीबी ने हारे हैं। आरसीबी ने 16 में से 10 प्लेआफ मैच हारे हैं

कप्तान और कोच ने मुझसे कहा कि स्थिति के आधार पर हम आपका उपयोग करेंगे, मेरी भूमिका निचले क्रम में बल्लेबाजी करने की थी। उन्होंने कहा कि अगर हम असफल हो गए तो हम आपको भेजेंगे। जब मैं बल्लेबाजी कर रहा था तो मुझे लगा कि इस विकेट में कुछ है और जिस तरह से आवेश और संदीप ने गेंदबाजी की उससे पता चला। ऐसे मैच में प्लेयर आफ द मैच मैं गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। हम फाइनल जीतने के बाद ही जश्न मनाएंगे, आज रात हम सिर्फ आराम करेंगे।
- शाहबाज अहमद, आलराउंडर, हैदराबाद

बल्ले से नहीं तो गेंद से हिट अभिषेक: शहबाज को दूसरे छोर से अभिषेक शर्मा का साथ मिला, जिन्होंने संजू सैमसन और शिमरन हेटमायर (04) को आउट कर सनराइजर्स को जीत से दूर कर दिया। इस मैच में अभिषेक बल्ले से फ्लाप रहे, लेकिन गेंद से उन्होंने कमाल किया। अभिषेक ने अपने कोटे के चार ओवर में केवल 24 रन बनाए। अभिषेक और शहबाज की गेंदबाजी सनराइजर्स के लिए अच्छा सकेंत है क्योंकि फाइनल में इसी मैदान पर खेला जाना है।

राजस्थान के स्पिनर रहे फ्लाप : चेपक की पिच को स्पिनरों की मदद के लिए जाना जाता है, लेकिन पहली पारी में राजस्थान के स्पिनर युजवेंद्र सिंह चहल और आर अश्विन यहां कोई कमाल नहीं दिखा सके। इसका बड़ा कारण है कि पहली पारी में जहां औसत टर्न 1.8 डिग्री रहा, तो वहीं दूसरी पारी में गेंद 3.8 डिग्री तक घूमी। इसके कारण हैदराबाद के स्पिनरों ने जहां पांच विकेट चटकाए तो चहल व अश्विन एक भी विकेट नहीं ले सके। इतना ही नहीं अश्विन ने तो 45 रन खर्च किए। राजस्थान के स्पिनरों का फ्लाप शो उसकी हार की बड़ी वजह रहा।

क्लासेन की क्लास : लीग चरण में हैदराबाद की टीम ने छह बार 200 से ऊपर का स्कोर खड़ा किया था, लेकिन क्वालीफायर-1 में केकेआर के विरुद्ध वह 159 रन का स्कोर ही खड़ा कर पाए थे तो राजस्थान के विरुद्ध 175 रन ही बना सके। केकेआर के विरुद्ध तो उसके केवल तीन ही बल्लेबाज दोहरे अंक तक पहुंच पाए थे, तो रायल्स के विरुद्ध अगर क्लासेन न होते तो उसके लिए 150 का स्कोर तक पहुंचना भी मुश्किल लग रहा था।

क्लासेन ने अपनी पारी में चार छक्के जड़े और इस सत्र में अपना चौथा अर्धशतक पूरा किया। इसके साथ ही इस सत्र में उनके 40 छक्के हो गए हैं।

धौनी को खेलना बंद करने का कारण समझ नहीं आता : कैफ

आइपीएल डायरी

- फार्म और बड़े शाट खेलने की क्षमता को देखकर दिया बयान
- धौनी ने सत्र में 220.55 के स्ट्राइक रेट से बनाए 161 रन

मुंबई, प्रेट्र: भारत के पूर्व बल्लेबाज मोहम्मद कैफ का मानना है कि फार्म, फिटनेस और आसानी से बड़े शाट खेलने की क्षमता को देखते हुए ऐसा कोई कारण नहीं है कि महेंद्र सिंह धौनी को आइपीएल का अगला सत्र नहीं खेलना चाहिए। अटकलें लगाई जा रही हैं कि चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) को पांच आइपीएल खिताब दिलाने वाले धौनी अपना अंतिम आइपीएल खेल चुके हैं।

पिछले वर्ष घुटने की चोट के लिए सर्जरी करवाने वाले सीएसके के पूर्व कप्तान धौनी ने इस सत्र में 73 गेंदों में 220.55 के स्ट्राइक रेट से 161 रन बनाए। उन्होंने विकेटकीपर के रूप में भी काफी अच्छा प्रदर्शन किया। कैफ को लगता है कि धौनी के पास खेलने के लिए काफी कुछ बचा है।

कैफ ने कहा, 'व्यक्तिगत रूप से, मुझे नहीं लगता कि वह अपना पूरा क्रिकेट खेल चुके हैं, वह मैच (रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विरुद्ध अंतिम लीग मैच) नहीं जीत सका। आखिरी ओवर में छक्का मारने के बाद वह आउट हो गए। आप उनकी बाडी लैंग्वेज देखकर अंदाजा लगा सकते हैं कि सीएसके के लिए मैच नहीं जीत पाने से वह काफी निराश लग रहे थे।' उन्होंने कहा, 'उन्हें वापस क्यों नहीं आना चाहिए? वह फिट है, वह रन बना रहे हैं और छक्के लगा रहे हैं और खेलना बंद करने का कोई कारण नहीं है यह उस पर निर्भर करते हैं, हम धौनी के बारे में यह नहीं कह सकते कि उनकी योजना क्या है।' कैफ ने कहा कि कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान श्रेयस अय्यर अपने शांत स्वभाव से सबको प्रभावित करते हैं और उन्होंने इस वर्ष टीम की सफलता का श्रेय उनकी नेतृत्व क्षमता को दिया।

जब मैं फार्म से जूझ रहा था तो कार्तिक ने मनोबल बढ़ाया था: कोहली

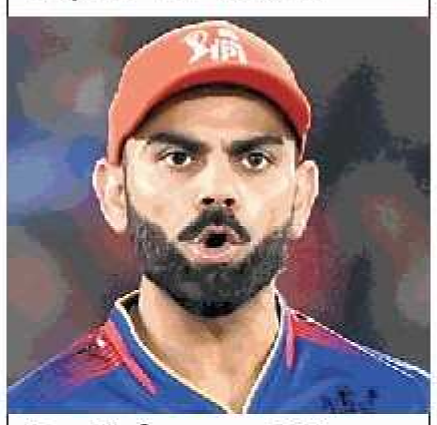
विराट कोहली ● फाइल फोटो, प्रेट्र

बेंगलुरु, प्रेट्र: भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली ने रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के आइपीएल अभियान के खत्म होने के बाद संन्यास लेने वाले दिनेश कार्तिक को समझदार और ईमानदार व्यक्ति करार देते हुए कहा कि इस अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज ने 2022 सत्र में उनका मनोबल बढ़ाया था, जब वह फार्म प्राप्त करने में जूझ रहे थे। कार्तिक ने बुधवार को अपना अंतिम आइपीएल मैच खेला, जिसमें आरसीबी प्लेआफ में राजस्थान रायल्स से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई। कोहली ने कहा, 'मैदान के बाहर मेरी उनसे काफी अच्छी और दिलचस्प बातें हुई हैं। वह बहुत समझदार व्यक्ति हैं और उन्हें सिर्फ क्रिकेट नहीं बल्कि काफी चीजों की अच्छी जानकारी भी है।' लगभग 11 मिनट के इस वीडियो में कार्तिक पत्नी दीपिका पल्लीकल कार्तिक, उनके व्यक्तिगत मेंटोर अभिषेक नायर, आरसीबी के सहायक कोच मालोलान रंगराजन और फिटनेस कोच शंकर बासु के विदाई संदेश हैं।

एक नजर में

सेंथिलकुमार और अभय क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

दोहा: भारत के वेलावन सेंथिलकुमार और अभय सिंह क्यूएसएफ 3 स्क्वाश टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। यह पीएसए विश्व टूर ब्रांज श्रेणी का टूर्नामेंट है। मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन सेंथिलकुमार ने मिस्र के सातवीं वरीयता प्राप्त उमर मोसाद को 12-11, 11-3, 9-3 से हराया। चोट के कारण मोसाद ने 30 मिनट में कोर्ट छोड़ दिया। अभय ने फ्रांस के आगस्टे डुसोर्ड को 11-5, 5-11, 10-12, 11-5, 9-3 से मात दी। सेंथिलकुमार का सामना अब मिस्र के तारिक मोमेन से होगा, जबकि अभय की टक्कर मलेशिया के ऐन योउ एंग से होगी। (प्रेट्र)

भारतीय जूनियर हाकी टीम स्थानीय डच क्लब से हारी

ब्रेडा: भारतीय जूनियर हाकी टीम मौजूदा यूरोप दौरे के तीसरे मैच में स्थानीय डच क्लब ब्रेडासे हाकी वेरेनिजिंग पुश से 4-5 से हार गई। पहले मैच में पेनाल्टी शूटआउट में 4-2 से जीत दर्ज करने के बाद भारत को बेल्जियम की जूनियर टीम ने पिछले मैच में 3-2 से हराया था। कप्तान रोहित, सौरभ आनंद कुशवाह, अंकित पाल और अर्शदीप सिंह ने भारत के लिए गोल दागे। (प्रेट्र)

फीफा विश्व क्वालीफायर मैच के लिए भारतीय टीम घोषित

भुवनेश्वर: कुवैत के विरुद्ध छह जून को होने वाले विश्व कप क्वालीफाइंग मैच के लिए भारत की 27 सदस्यीय फुटबाल टीम की घोषणा कर दी गई है जिसमें फारवर्ड पार्थिव गोगोई और डिफेंडर मोहम्मद हम्माद चोट के कारण बाहर हैं जबकि अनुभवी स्ट्राइकर सुनील छेत्री का यह अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच होगा। भुवनेश्वर में 32 खिलाड़ी शिविर में थे जिनमें से पांच (फुरबा लाचेंपा, पार्थिव, इमरान खान, हम्मदाद और जितिन एमएस) को रिलीज कर दिया गया है। (प्रेट्र)

जोकोविक जिनेवा सेमीफाइनल में हारे

जिनेवा: शीर्ष रैंकिंग पर काबिज सर्बियाई टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविक शुक्रवार को यहां जिनेवा ओपन के सेमीफाइनल में टामस माचाक से हार गए। जोकोविक इस सत्र में एक भी ट्राफी जीते बिना रविवार से शुरू होने वाले फ्रेंच ओपन में अपने खिताब की रक्षा के लिए उतरेंगे। माचाक ने सेमीफाइनल में जोकोविक को 6-4, 0-6, 6-1 से शिकस्त दी। (रायटर)

अगर बीसीसीआइ संकेत देता है कि आवेदन करने पर उन्हें कोच बनाया जाएगा तो आवेदन करेंगे केकेआर के मेंटर गौतम

भारतीय टीम के कोच बनने को इच्छुक हैं गंभीर

अभिषेक त्रिपाठी ● जागरण

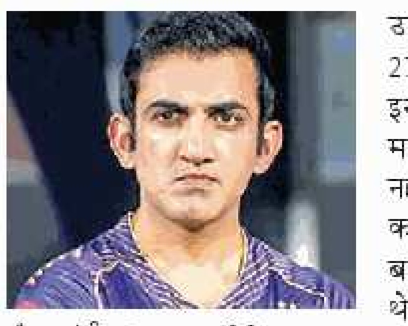
गौतम गंभीर ● फाइल फोटो, एक्स

नई दिल्ली: भारतीय क्रिकेट टीम के वर्तमान मुख्य कोच राहुल द्रविड़ का कार्यकाल अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी-20 विश्व कप के साथ जून में समाप्त हो रहा है। द्रविड़ वर्तमान में इस पद के लिए दोबारा आवेदन नहीं करना चाहते हैं। ऐसे में इस महत्वपूर्ण पदभार के लिए बीसीसीआइ ने नए कोच की तलाश जोर-शोर से शुरू कर दी है। इस संबंध में बोर्ड ने केकेआर के मेंटर गौतम गंभीर से भी संपर्क किया है और अब खबर आ रही है कि निवर्तमान भाजपा सांसद इस पद पर विराजमान होना भी चाहते हैं।

दैनिक जागरण ने पहले ही बताया था कि कुछ दिनों पहले बीसीसीआइ ने भारतीय टीम के कोच पद के लिए गंभीर से संपर्क किया था। सूत्रों के मुताबिक गंभीर भारतीय कोच को सम्मान का पद मानते हैं और इसके लिए वह कोलकाता नाइटराइडर्स के मेंटर का पद छोड़ सकते हैं। हालांकि अभी उनका पूरा फोकस रविवार को केकेआर को फाइनल की ट्राफी दिलाना है। फाइनल के दिन ही चेन्नई में बीसीसीआइ के कुछ बड़े लोगों से उनकी आगे की चर्चा भी हो सकती है। कई चीजों पर अभी बात होनी बाकी है। सूत्र ने कहा कि फाइनल के अगले दिन तक कोच पद के लिए आवेदन करना है और यह कोई बड़ा काम नहीं है। अभी तक उन्होंने आवेदन नहीं किया है लेकिन अगर चीजें सही रहीं और बीसीसीआइ यह संकेत देता है कि उनके आवेदन करने पर उन्हें कोच बनाया जाएगा तो वह 27 जून को आवेदन करेंगे। अभी इस बारे में उनकी केकेआर के मालिक शाह रुख खान से बात नहीं हुई है। अगर वह आवेदन करेंगे तो इसके बारे में उन्हें भी बताएंगे क्योंकि शाह रुख चाहते थे कि कम से कम 10 साल तक गंभीर केकेआर के साथ जुड़े रहे। जब गंभीर लखनऊ सुपर जायंट्स के मेंटर थे तो अभिनेता शाह रुख खान ने उनको ऐसा प्रस्ताव दिया था कि वह खुद को रोक नहीं पाए थे। शाह रुख ने गंभीर से कहा था कि आपको 10 साल तक मेरी टीम संभालनी है, आपको इसके लिए जितनी भी फीस चाहिए उसे खाली पड़ी चेक में भर लें। अगर गंभीर भारतीय कोच बनते हैं तो उन्हें एक सत्र के बाद ही केकेआर को मेंटर के तौर पर छोड़ना होगा। गंभीर की कप्तानी में 2012 और 2014 में केकेआर आइपीएल चैंपियन बनी थी। गंभीर के मेंटर बनने के बाद केकेआर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अंकतालिका में पहले नंबर में जगह बनाई और उसके बाद क्वालीफायर-1 में सनराजर्स हैदराबाद को हराकर फाइनल में पहुंची।

शुरुआत में बीसीसीआइ राहुल द्रविड़ की जगह वीवीएस लक्ष्मण को मुख्य कोच बनाना चाहता था लेकिन वह अभी इस पद पर विराजमान नहीं होना चाहते हैं। वह राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के निदेशक के तौर पर काम कर रहे हैं और उसी में व्यस्त हैं। आइपीएल के वर्तमान सत्र की समाप्ति 26 मई को होगी और इस पद के आवेदन की अंतिम तिथि 27 मई है। बीसीसीआइ ने इस बार साढ़े तीन वर्ष के कोच के लिए आवेदन निकाला है। अब जो कोच बनेगा वह 2027 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले वनडे विश्व कप तक इस पद पर रहेगा। रिकी पोंटिंग और जस्टिन लैंगर और एंडी फ्लावर जैसे दिग्गज भारतीय कोच बनने से पहले ही इन्कार कर चुके हैं।

भारतीय समझ वाले कोच चाहिए : शाह

खेल संवाददाता, जागरण ● नई दिल्ली: बीसीसीआइ सचिव जय शाह ने शुक्रवार को इन दावों का खंडन किया कि बोर्ड ने किसी पूर्व आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर से भारत का मुख्य कोच बनने के लिए संपर्क किया है। उन्होंने यह कहकर राहुल द्रविड़ के बाद भारतीय कोच की नियुक्ति का संकेत दिया कि नए कोच को देश में खेल के ढांचे की गहरी समझ होनी चाहिए।

जय शाह ●

समझा जाता है कि द्रविड़ ने बोर्ड को बता दिया है कि वह कार्यकाल में और विस्तार नहीं चाहते। आस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर रिकी पोंटिंग और जस्टिन लैंगर ने दावा किया है कि उन्होंने इस पद की पेशकश ठुकरा दी है। कोलकाता नाइट राइडर्स के मेंटर और पूर्व बल्लेबाज गौतम गंभीर को भी इस पद के प्रमुख दावेदारों में माना जा रहा है। शाह ने कहा, 'मैंने या बीसीसीआइ किसी ने भी किसी आस्ट्रेलियाई पूर्व क्रिकेटर से कोच के पद के लिए संपर्क नहीं किया है। मीडिया में चल रही इस आशय की खबरें सरासर गलत हैं।' पोंटिंग और लैंगर आइपीएल में क्रमशः दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपरजायंट्स के कोच हैं। द्रविड़ के बाद भारतीय कोच ही चुनने का संकेत देते हुए शाह ने कहा, 'राष्ट्रीय टीम के लिए सही कोच तलाशना लंबी प्रक्रिया है। हम ऐसे व्यक्ति की तलाश कर रहे हैं जिसे भारतीय क्रिकेट के ढांचे की गहरी समझ हो और हुनर से शिखर तक पहुंचा हो।' बीसीसीआइ सचिव ने यह भी कहा कि अगले कोच की नियुक्ति के लिए घरेलू क्रिकेट ढांचे की समझ जरूरी है। बीसीसीआइ ने कोच के पद के लिए आवेदन देने की अंतिम तिथि 27 मई रखी है। शाह ने कहा कि भारत का मुख्य कोच बनना अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे प्रतिष्ठित काम है और इसमें उच्च स्तर का पेशेवरपन चाहिए। उन्होंने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारतीय टीम के कोच के पद से प्रतिष्ठित काम कोई नहीं। टीम इंडिया के विश्वभर में प्रशंसक हैं और उनकी लोकप्रियता अद्भुत है। हमारा खेल में गौरवशाली इतिहास है। इस पद के लिए शीर्ष स्तर के पेशेवरपन की जरूरत है।' उन्होंने आगे कहा, 'एक अरब प्रशंसकों की अपेक्षाओं पर खरे उतरना बड़े सम्मान की बात है और बीसीसीआइ सही उम्मीदवार को चुनेगा जो भारतीय क्रिकेट को आगे ले जा सके।'

हाई कोर्ट ने प्रशासनिक समिति को सौंपी ईएफआइ की लगाम

जासं, नई दिल्ली: भारतीय घुड़सवारी संघ (ईएफआइ) के अंदर चल रही मनमानी और अनियमितताओं को देखते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने ईएफआइ की लगाम प्रशासक को सौंप दी है। अदालत ने कहा कि अदालत राष्ट्रीय खेल महासंघ के प्रशासन में हस्तक्षेप नहीं करेगी, लेकिन जब प्रशासन मनमाने, मनमर्जी व विकृत तरीके से चलाया जा रहा हो, तो इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। न्यायमूर्ति तारा वितस्ता गंजू की पीठ ने कहा कि ईएफआइ के प्रशासन की निगरानी के लिए दिल्ली हाई कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति नज्मी वजीरी की अध्यक्षता में तदर्थ प्रशासनिक समिति नियुक्त करने का आदेश दिया गया। अदालत ने कहा कि कमेटी में न्यायमूर्ति वजीरी के अलावा पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त डा. एसवाई कुरैशी और अधिवक्ता रोहिणी मुसा को सदस्य नियुक्त किया गया। अदालत ने कहा कि एएसी ईएफआइ के दिन-प्रतिदिन के प्रशासन व संचालन का कार्यभार संभालेगी।

भारतीय कंपाउंड मिक्स्ड टीम फाइनल में

खेल डायरी

येचियोन, प्रेट्र: ज्योति सुरेखा वेन्नम और प्रियांश की जोड़ी तीरंदाजी विश्व कप के दूसरे चरण में शुक्रवार को कंपाउंड मिक्स्ड टीम स्पर्धा के फाइनल में पहुंच गई, जबकि दीपिका कुमारी ने शानदार वापसी करके व्यक्तिगत रिकर्व सेमीफाइनल में जगह बनाई। कंपाउंड महिला टीम बुधवार को ही फाइनल में पहुंच गई थी। ज्योति, परनीत कौर और अदिति स्वामी ने भारत का पहला पदक पक्का कर दिया था।

युवा कंपाउंड तीरंदाज प्रथमेश फुगे व्यक्तिगत वर्ग के सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज भारतीय कंपाउंड मिक्स्ड टीम ने 16 तीरों में दो अंक ही गंवाते हुए मेजबान देश के हान सियुंगियोन और यांग जाएवोन को 158-157 से हराया। अब उनका सामना अमेरिका की ओलिविया डीन और सायेर सुलिवान से होगा।

इससे पहले ज्योति और प्रियांश ने वियतनाम को 159-152 से हराया था। वहीं क्वार्टर फाइनल में पांचवीं वरीयता प्राप्त मेक्सिको को 156-155 से मात दी। दिसंबर 2022 में मां बनने के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वापसी कर रही विश्व की पूर्व नंबर एक तीरंदाज दीपिका ने लगातार चार जीत दर्ज करके अंतिम चार में जगह बनाई। वह रिकर्व वर्ग में अकेली भारतीय बची हैं। उनका सामना विश्व की नंबर दो तीरंदाज दक्षिण कोरिया की लिम सिहयिओन से होगा, जिसने शंघाई में पहले चरण में स्वर्ण पदक जीता था।

दीपिका कुमारी ● फाइल फोटो, एक्स

सिंधू मलेशिया मास्टर्स के सेमीफाइनल में पहुंचीं

पीवी सिंधू ● फाइल फोटो, एक्स

कुआलालंपुर, प्रेट्र: दो बार की ओलिंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने मलेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट में चीन की शीर्ष वरीयता प्राप्त हान युइ को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। सिंधू ने प्रतिद्वंद्वी को 55 मिनट तक चले क्वार्टर फाइनल मुकाबले में 21-13, 14-21, 21-12 से हराया। पूर्व विश्व चैंपियन सिंधू का सामना अब इंडोनेशिया की कुसुमा वरदानी या थाइलैंड की बुसानन ओंगामरूंगफान से होगा। अन्य मुकाबलों में अश्मिता चालिहा को क्वार्टर फाइनल में झांग यि मैन ने 21-10, 21-15 से हराया। सिंधू ने पहला गेम आसानी से जीत लिया। दूसरे गेम में चीनी खिलाड़ी ने वापसी की लेकिन तीसरे गेम में सिंधू ने उसे कोई मौका नहीं दिया।

अमेरिका ने बांग्लादेश पर टी20 सीरीज में ऐतिहासिक जीत दर्ज की

ह्यूस्टन, प्रेट्र : पाकिस्तानी मूल के तेज गेंदबाज अली खान के अंतिम दो ओवरों में तीन विकेट की मदद से अमेरिका ने दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में बांग्लादेश को छह रन से हराकर आइसीसी के पूर्णकालिक सदस्य देश के विरुद्ध सीरीज में ऐतिहासिक जीत दर्ज की। पहले टी20 में पांच विकेट से जीत दर्ज करने के बाद आत्मविश्वास से ओतप्रोत अमेरिका ने दूसरा मैच भी जीतकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की विजयी बढ़त बना ली।

यह सीरीज अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारी के लिए अहम है। खान ने अंतिम दो ओवरों में तीन विकेट लेकर जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 25 रन देकर तीन विकेट लिए। पहले बल्लेबाजी में अमेरिका ने छह विकेट पर 144 का स्कोर बनाया। जवाब में बांग्लादेश की टीम 19.3 ओवर में 138 रन पर सिमट गई। बांग्लादेश ने नौ ओवर शेष रहते तीन विकेट पर 78 रन बना लिए थे, लेकिन इसके बाद खान ने अमेरिका को जीत तक पहुंचाया।

रैना ने पाक को दिलाई विश्व कप की याद

7 दिन शेष — T20 विश्व कप

नई दिल्ली, जेएनएन : पाकिस्तान के पूर्व कप्तान और दिग्गज आलराउंडर शाहिद अफरीदी को आइसीसी ने वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए दूत बनाया है। अफरीदी 2009 में टी20 विश्व कप जीतने वाली पाकिस्तान टीम का हिस्सा थे। उनसे पहले युवराज सिंह, क्रिस गेल और उसैन बोल्ट को आइसीसी ने इस टूर्नामेंट का दूत बनाया था। शाहिद अफरीदी के टी20 विश्व कप के दूत बनने के बाद एक पाकिस्तानी खेल पत्रकार ने सुरेश रैना को ट्रोल करने की कोशिश की। इसके जवाब में रैना ने भी पाकिस्तान को 2011 विश्व कप की याद दिला दी।

आइपीएल में कमेंट्री के दौरान रैना से पूछा गया था कि क्या वह संन्यास से वापसी करेंगे? इसके जवाब में रैना ने कहा था, 'सुरेश रैना हूं, शाहीद अफरीदी नहीं।' इसके बाद उनकी यह बात इंटरनेट मीडिया पर खूब साझा की गई। इसी को लेकर जब आइसीसी ने अफरीदी को दूत बनाया तो पाकिस्तान के एक पत्रकार ने ट्राल करने की कोशिश करते सुरेश रैना और अफरीदी की फोटो डालकर लिखा, 'आइसीसी ने टी20 विश्व कप 2024 के लिए शाहिद अफरीदी को दूत बनाया है। हैलो सुरेश रैना?' इसके जवाब में रैना ने लिखा, 'मैं आइसीसी का दूत नहीं हूं, लेकिन मेरे घर पर 2011 विश्व कप है। क्या आपको मोहाली का मैच याद है? आशा है कि यह आपके लिए कुछ अविस्मरणीय यादें वापस लाएगा।'

भारत के लिए 2018 में अंतिम मैच खेलने वाले सुरेश रैना ने 2020 में धौनी के साथ ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा था। 2011 विश्व कप के सेमीफाइनल में पाकिस्तान के विरुद्ध अंत में आकर रैना ने अविजित 36 रन बनाए थे।

भारतीय टीम का पहला दल आज होगा रवाना

नई दिल्ली, जेएनएन : विश्व कप दौरे के लिए भारतीय टीम का पहला दल कल रात मुंबई से अमेरिका के लिए रवाना होगा। टीम के खिलाड़ी मुंबई के सांताक्रुज स्थित ग्रांड हयात होटल में रुकेंगे। रात 10 बजे एमिरात्स एयरलाइंस की फ्लाइट से टीम इंडिया दुबई से होते हुए न्यूयार्क के लिए रवाना होगी। टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली और कोच राहुल द्रविड़ समेत अन्य खिलाड़ी और सपोर्ट स्टाफ भी पहले हाफ में अमेरिका जाने के लिए रवाना होंगे। भारतीय टीम को अपना पहला अभ्यास मैच बांग्लादेश के विरुद्ध न्यूयार्क के स्टेडियम में खेलना है।

बाबर की अगुआई में फिर उतरेगा पाक

नई दिल्ली, जेएनएन: पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने आगामी टी20 विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी। बाबर आजम की कप्तानी में टीम एक और आइसीसी टूर्नामेंट खेलती नजर आएगी। वहीं, गैरी कर्स्टन टीम के हेड कोच होंगे। इस टीम में तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर और आलराउंडर इमाद वसीम की वापसी हुई है। वहीं, पांच खिलाड़ी पहली बार यह टूर्नामेंट खेलते दिखेंगे। पाकिस्तान की टी20 विश्व कप टीम में चार बल्लेबाज, दो विकेटकीपर, तीन स्पिन आलराउंडर, एक स्पिनर और पांच तेज गेंदबाज हैं।

****

दैनिक जागरण
सप्तरंग
जोश नई राहों का

शनिवार, 25 मई, 2024

अप्रेंटिसशिप/इंटर्नशिप

खोलें करियर के द्वार

मौजूदा लोकसभा चुनाव के दौरान एक राजनीतिक पार्टी की ओर से युवाओं को एक साल की अनिवार्य अप्रेंटिसशिप उपलब्ध कराने की बात की जा रही है। अप्रेंटिसशिप और इंटर्नशिप से करियर की राहें आसान हो जाती हैं। आइए जानते हैं, अप्रेंटिसशिप और इंटर्नशिप में क्या फर्क होता है और इससे करियर आगे बढ़ाने में कैसे मदद मिल सकती है...

आमतौर पर पढ़ाई के साथ-साथ अपनी कोई पेशेवर स्किल और अनुभव बढ़ाने के लिए युवा अप्रेंटिसशिप या इंटर्नशिप करते हैं। ये अप्रेंटिसशिप या इंटर्नशिप आप अपने स्कूल-कालेज की पढ़ाई के दौरान भी कर सकते हैं या फिर ग्रेजुएशन पूरा करने के बाद। वैसे तो, व्यावहारिक अनुभव हासिल करने के लिहाज से दोनों ही उपयोगी माने जाते हैं, लेकिन दोनों में एक बेसिक फर्क यह है कि अप्रेंटिसशिप लंबी अवधि के लिए होता है। यह एक साल से लेकर तीन-चार साल तक के लिए हो सकता है। इस दौरान जब आप किसी इंडस्ट्री को अप्रेंटिस के रूप में ज्वाइन करते हैं, तो वहां आपसे एक फुलटाइम कर्मचारी की तरह काम कराया जाता है। इस दौरान आपको सीनियर और अनुभवी कर्मचारियों व अधिकारियों के साथ काम करने का मौका मिलता है। समय-समय पर आपके लिए अलग से ट्रेनिंग प्रोग्राम भी आयोजित किया जाता है, ताकि आप संबंधित इंडस्ट्री या कंपनी की रीति नीति को सही से समझ सकें। इस अप्रेंटिसशिप के दौरान आपको हर महीने एक निश्चित धनराशि भी स्टाइपेंड के रूप में मिलती है। जब आपकी यह अप्रेंटिसशिप पूरी हो जाती है, तो आपके लिए संबंधित कंपनी/विभाग में ही स्थायी कर्मचारी बनने का रास्ता खुल जाता है। वहीं, इंटर्नशिप एक अल्प अवधि की व्यवस्था है, जो आमतौर पर कंपनियों/उद्योगों की ओर से कोर्स के दौरान या कोर्स के बाद उपलब्ध कराई जाती है। यदि हम अप्रेंटिसशिप और इंटर्नशिप में बेसिक फर्क की बात करें, तो एक इंटर्न को किसी भी संस्थान में वहां के कर्मचारियों के काम को देखते हुए अनुभव हासिल करने का अवसर मिलता है। संस्थान में उसे एक कर्मचारी के रूप में ट्रीट नहीं किया जाता है। इंटर्नशिप के दौरान प्रायः कोई भुगतान या स्टाइपेंड भी नहीं दिया जाता है। दूसरी बात यह कि अप्रेंटिसशिप की तरह इंटर्नशिप को नौकरी की गारंटी भी नहीं माना जाता है। बस, यह इंडस्ट्री को समझने और एक सही करियर निर्णय लेने के लिए उपयुक्त तरीका माना जा सकता है।

इन क्षेत्रों के लिए ट्रेनिंग जरूरी

यदि आप आइटी, मार्केटिंग एवं सेल्स, फाइनेंस, इंजीनियरिंग, कम्युनिकेशंस, फार्मा, मैन्यूफैक्चरिंग, कंस्ट्रक्शन, हेल्थकेयर, टेक्निशियन जैसे फील्ड से जुड़े पेशे की पढ़ाई कर रहे हैं या इस क्षेत्र में करियर बनाने की सोच रहे हैं, तो आपको इस सेक्टर की कंपनियों और उद्योगों में अप्रेंटिसशिप या इंटर्नशिप हासिल करने पर अवश्य ध्यान देना चाहिए।

धीरेंद्र पाठक

एक्स्ट्रा शाट

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत आइआइटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों द्वारा आरंभ किए गए आनलाइन कोर्स के जरिए आप भी अपने कौशल को निखार कर करियर की दौड़ में आगे रह सकते हैं। इन आनलाइन कोर्सों में न तो सीटों की सीमा है, न ही उम्र की और इसके लिए आइआइटी-जेईई देने की भी आवश्यकता नहीं। और क्या है ऐसे कोर्सों की खासियत, बता रहे हैं अरुण श्रीवास्तव...

फोटो: इमेजेज बाजार

29 हजार से अधिक छात्र हैं पंजीकृत

3 हजार वर्किंग प्रोफेशनल इसके जरिए अपनी योग्यता बढ़ा रहे हैं

20 हजार से अधिक छात्र दूसरे डिग्री कोर्सों के साथ इसे कर रहे हैं

2500 से अधिक पहले बैच के छात्रों को वार्षिक साढ़े आठ लाख से 25 लाख रुपये का पैकेज दुनिया की बड़ी कंपनियों से मिला है।

आनलाइन कोर्स से निखारें कौशल

इंजीनियरिंग करने की चाह रखने वाले हर युवा का सपना आइआइटी से पढ़ने का होता है, पर नियमित कोर्स में सीटें कम होने के कारण सीमित संख्या में जेईई एडवांस उत्तीर्ण करने वाले युवाओं को ही इनमें प्रवेश मिल पाता है। पर केंद्र सरकार की नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) में चार वर्षीय कोर्सों/आनलाइन कोर्सों को प्रोत्साहन मिलने और आइआइटी द्वारा इस तरह के कोर्स आरंभ करने के बाद इनकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ी है। सबसे बड़ी बात यह है कि इससे देश भर के युवाओं को आइआइटी से पढ़ने का अवसर मिल रहा है। इस तरह के एक लोकप्रिय कोर्स की बात करें, तो आइआइटी मद्रास द्वारा संचालित आनलाइन कोर्स बैचलर आफ साइंस इन डेटा साइंस एंड एप्लीकेशन (चार वर्षीय) के लिए इन दिनों आवेदन चल रहा है। इस कोर्स में पहले से ही करीब 29 हजार छात्र पंजीकृत हैं। हाल में इस कोर्स को पूरा करने वाले पहले बैच (2020-2024) के लगभग ढाई हजार छात्रों को साढ़े आठ लाख से 25 लाख रुपये वार्षिक के जाब पैकेज मिले हैं। आइआइटी के प्लेसमेंट सेल के अनुसार, ये पैकेज दुनिया की जानी मानी कंपनियों (जैसे-एडोबी, सिस्को, एचएसबीसी, डिलाइट, आइबीएम, एक्सेंचर) में मिले हैं। इतना ही नहीं, इस कोर्स को करने वाले साढ़े आठ सौ से अधिक छात्रों को दुनिया के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में आगे की पढ़ाई के लिए प्रवेश भी मिला है।

नहीं कोई बंधन: आइआइटी मद्रास के निदेशक प्रो. वी. कामकोटि के अनुसार, इस कोर्स के माध्यम से संस्थान ने पढ़ाई में रुचि रखने वालों के लिए द्वार खोल दिए हैं। दिलचस्प बात यह है कि इस कोर्स को करने के लिए उम्र की भी कोई सीमा नहीं है। इसे 17 से 81 वर्ष की उम्र वाला कोई भी व्यक्ति कर सकता है, चाहे वह दुनिया में कहीं भी रहता हो। इतना ही नहीं, जहां आइआइटी के नियमित कोर्स करने के लिए जेईई एडवांस उत्तीर्ण करने की अनिवार्यता रहती है, वहीं इस कोर्स के लिए ऐसी कोई शर्त नहीं है। बारहवीं उत्तीर्ण करने वाला कोई भी व्यक्ति इस आनलाइन कोर्स के लिए अपना पंजीकरण करा सकता है और अपनी सुविधा के अनुसार आनलाइन क्लास का समय चुन सकता है। एक तरह से सही मायनों में इस कोर्स को शिक्षा आपके द्वार का दर्जा दिया जा सकता है। यही कारण है कि इसे केवल बारहवीं उत्तीर्ण युवा ही नहीं, डाक्टर, गृहणियां भी कर रहे हैं।

बीच में छोड़ने की है सुविधा: राष्ट्रीय शिक्षा नीति में एक और अच्छी पहल कोर्स से बीच में बाहर निकलने यानी एक्जिट की है, जो इस कोर्स में भी लागू है। अच्छी बात यह है कि इसमें कोई नुकसान नहीं है। इस कोर्स को चार हिस्सों में पूरा करने और बीच में विराम लेकर बाहर निकलने का विकल्प है अर्थात एक वर्ष में फाउंडेशन सर्टिफिकेट, दो वर्ष में डिप्लोमा, तीन वर्ष में बीएससी डेटा साइंस की डिग्री और चार वर्ष में बीएस डेटा साइंस एंड एप्लीकेशन की डिग्री मिलती है। इस कोर्स के लचीलेपन ने इसे जल्दी लोकप्रिय बना दिया है। पांच लाख रुपये वार्षिक से कम आय वाले परिवारों की लड़कियों के लिए यह कोर्स निश्शुल्क है, जबकि कमजोर आर्थिक स्थिति वाले छात्रों के लिए भी शुल्क में छूट का प्रविधान है।

एफकैट 2/2024

इंडियन एअरफोर्स में फ्लाइंग तथा ग्राउंड ड्यूटी (टेक्निकल/नान टेक्निकल) ब्रांचेज में भर्ती के लिए आयोजित होने वाली परीक्षा एअरफोर्स कामन एडमिशन टेस्ट (एफकैट 02/2024) के लिए नोटिफिकेशन आ गया है। विभिन्न ब्रांचों में अफसर पदों पर भर्ती के लिए यह परीक्षा साल में दो बार आयोजित होती है। इस परीक्षा के लिए आवेदन करने की प्रक्रिया इस बार 30 मई से शुरू होने जा रही है। आइये जानें, इस परीक्षा की बेहतर तैयारी कैसे की जाए...

वायुसेना में अधिकारी बनने की राह

एकुरेसी और स्पीड पर ध्यान

यदि परीक्षा की तैयारी के शुरुआती दिनों में ही आपने इस पर अपनी पकड़ बना ली, तो फिर परीक्षा में कोई प्रश्न आपसे छूटेगा नहीं, जो आपको आ रहा है। एफकैट क्लियर करने के लिए यह जरूरी भी है, क्योंकि आपको 120 मिनट में 100 प्रश्न (300 अंकों का) हल करने होते हैं।

समझें पैटर्न: दूसरी प्रतियोगी परीक्षाओं की तरह इस परीक्षा में भी बैठने के लिए आपको इसके सिलेबस की पूरी जानकारी होनी चाहिए, जैसे कि प्रश्नपत्र में किन-किन विषयों से प्रश्न आते हैं, कितने अंकों के ये प्रश्न होते हैं, पूछे जाने वाले प्रश्नों का स्तर कैसा होता है इत्यादि। यह पैटर्न समझने के लिए सबसे पहले आपको पिछले चार पांच वर्षों के प्रश्नपत्रों को बारीकी से जरूर देखना चाहिए। इससे पिछले वर्षों के प्रश्नपत्रों की प्रकृति को समझते हुए आगे की तैयारी में काफी मदद मिलेगी। इससे यह भी अंदाजा मिल जाएगा कि किन विषयों और अध्यायों से ज्यादा प्रश्न पूछे जाते हैं। इसके बाद पेपर पैटर्न को ध्यान में रखते हुए अपने रुचि वाले विषयों पर मजबूत पकड़ बनाने की कोशिश करें, ताकि यदि उनमें से प्रश्न आएं, तो वह आपसे छूटे नहीं। परीक्षा के पूरे सिलेबस को समझने के लिए एक बार नोटिफिकेशन भी अवश्य देखें। वैसे, इस परीक्षा में सभी प्रश्न जनरल अवेयरनेस, वर्बल एबिलिटी इन इंग्लिश, न्यूमेरिकल एबिलिटी, रीजनिंग तथा मिलिट्री एप्टिट्यूट टेस्ट से जुड़े होते हैं।

करें खुद का विश्लेषण: इस परीक्षा को लेकर आपकी तैयारी कैसी है, इसकी सही जानकारी करने का एक तरीका तो यह है कि पिछले वर्षों के प्रश्नपत्रों का बीच-बीच में अभ्यास करते रहें। इसके आधार पर अपनी तैयारी के स्तर का भी विश्लेषण करें और पता करें कि आपकी कमजोरी और मजबूती क्या है? आप किस विषय में अच्छे हैं और किसमें काम करने की जरूरत है?

रिवीजन और माक टेस्ट से अभ्यास: तैयारी करते समय आपने जो कुछ पढ़ा है, उसे कुछ समय के अंतराल पर रिवाइज जरूर करते रहें। इससे आपने जो पढ़ा है, वह आपके दिमाग में बना रहेगा। नोट्स आदि से यह रिवीजन आप जितनी बार कर सकते हैं, उतनी बार करते रहें, तभी आपको अपनी तैयारी का पूरा लाभ मिल सकेगा। सप्ताह में कम से कम एक दिन आनलाइन माक टेस्ट से भी अभ्यास करें। यह अभ्यास आप परीक्षा जैसी स्थिति में ही करें और फिर अपनी गलतियों को नोट कर उन्हें सुधारें। परीक्षा के आखिरी एक डेढ़ महीने के दौरान ऐसा आप जरूर करें। प्रश्नों को तेजी से कैसे हल किया जा सकता है, इसकी ट्रिक्स भी सीखें।

धीरेंद्र पाठक

वर्ग पहेली-2640

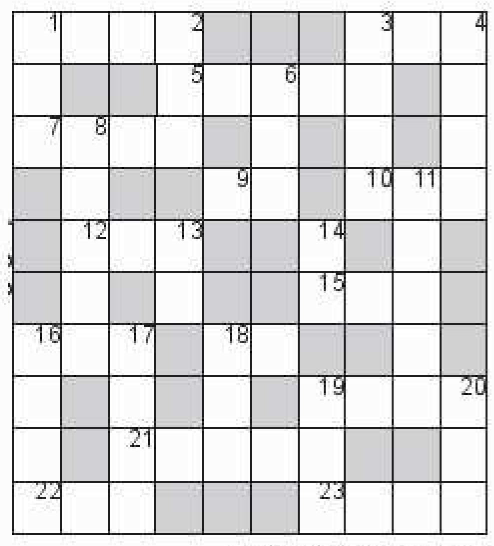

बाएं से दाएं

1. खबर, सूचना (4)। 3. पहुंच से बाहर (3)।5. किसी से ईर्ष्या या जलन करना (2,3)।7. हिस्सेदार, साझी (4)।9. प्राण, जीवन (2)। 10. शरीर के रंध्रों से निकलने वाला जल (3)।12. जल में रहने वाला एक जंतु, यदि (3)।15. दरिद्रता, निर्धनता (3)। 16. समुद्र, सागर, समंदर (3)।18. अलावा (2)। 19. मधुर या मीठी बोली (4)। 21. बहाना (5)।22. सिंह, शेर (3)।23. बनिया, साहूकार (4)।

ऊपर से नीचे

1. अचानक (3)।2. हवाई जहाज की स्थिति का पता लगाने का यंत्र (3)। 3. विविध प्रकार की आकृति (4)।4. फुसलाना (4)।6. वाक्य, बात (3)।8. पंजाब की पांच नदियों में से एक (3,2)।11. हिम्मत करना (2,3)।13. बिना काम की चीज (2)।14. शताब्दी, सौ साल (2)। 16. धीमा करना (4)।17. राजा नंद का प्रधानमंत्री, जिसने चाणक्य से मिल कर षड्यंत्र रचा था (4)।18. जुल्म, अत्याचार (3)। 19. लेखनी (3)।20. जलाना (3)।

© Bird Features & Writing Agency

कल का हल

प			अ	ब		स	ह	म	त
रि	म	झि	म			मी		ह	
ज			र	त्ना	क	र		सू	
न	मा	ज			ल		हु	स	ने
		ने	का	रे	ना		र		ट
पा		श्रु		गी	द	ग	द		
स	मि	ति		ड़			मं	न	सा
	च		अ	ना	या	सै			था
	क		ज्ञा			मु	द्रा	क्ष	र
दे	ना	द	न		के	द्व			ण

जागरण सुडोकू-2640

	9	7		8	2			6
6								
		5		9				3
7			8		3		6	
2				7			3	
		4	5					8
5					7	6		1
	2		1				9	
1				4		8		2

कल का हल

1	4	7	9	5	8	2	3	6
8	5	3	2	6	4	1	7	9
6	9	2	1	7	3	8	5	4
7	2	9	4	1	6	3	8	5
3	6	5	7	8	2	4	9	1
4	8	1	5	3	9	7	6	2
9	1	8	6	2	7	5	4	3
2	7	4	3	9	5	6	1	8
5	3	6	8	4	1	9	2	7

आज का भविष्यफल- 25 मई, 2024 शनिवार

के. ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति : ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष द्वितीया।
आज का राहुकाल : प्रातः 09 बजे से 10 बजकर 30 मिनट तक।
आज का दिशाशूल : पूर्व। आज का पर्व एवं त्योहार : देवर्षि नारद जयंती

कल 26 मई, 2024 का पंचांग
कल का दिशाशूल : पश्चिम
कल का पर्व एवं त्योहार : गणेश चतुर्थी व्रत
कल की भद्रा : प्रातः 06 बजकर 34 मिनट से सायं 06 बजकर 07 मिनट तक।
विक्रम संवत 2081 शके 1946 उत्तरायण, उत्तरगोल, ग्रीष्म ऋतु ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष की तृतीया तत्पश्चात चतुर्थी मूल नक्षत्र तत्पश्चात पूर्वाआषाढ़ा नक्षत्र साध्य योग तत्पश्चात शुभ योग धनु में चंद्रमा।

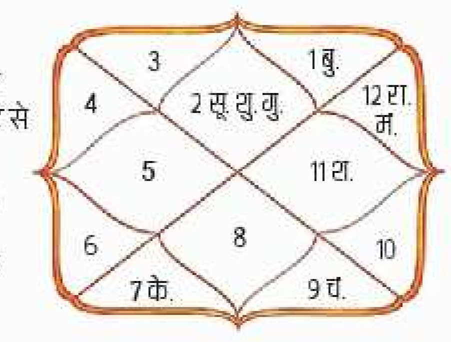

मेष : आर्थिक मामलों में सुधार होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा पूरी होगी।
वृष : जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।
मिथुन : दूसरों के कार्य में हस्तक्षेप न करें। सावधानी बरतें।
कर्क : आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।
सिंह : जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। धन, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी।
कन्या : बुद्धि कौशल से किया गया कार्य संपन्न होगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी।
तुला : शासनसत्ता का सहयोग मिलेगा। रोग और शत्रु परास्त होंगे।
वृश्चिक : आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।
धनु : विरोधी परास्त होगा लेकिन स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।
मकर : चल रहा प्रयास सार्थक होगा। संतान के कारण चिंतित रहेंगे।
कुंभ : व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। धन, सम्मान, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी।
मीन : रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

राष्ट्रीय फलक

न्यूज गैलरी

गुजरात के सूरत में ट्रक पलटने से तीन लोगों की मौत

सूरत : गुजरात के सूरत जिले में सब्जी ले रहा ट्रक पलट गया जिससे उसमें सवार श्रमिकों में से तीन की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार तड़के राष्ट्रीय राजमार्ग 53 पर बारदोली में किकवाड़ गांव के समीप यह दुर्घटना हुई। यह ट्रक महाराष्ट्र के नासिक जिले के सतना कस्बे से सब्जी लेकर सूरत की ओर आ रहा था। (प्रेट्र)

कर्नाटक के हावेरी में पुल से गिरी कार, चार की मौत

बेंगलुरु : कर्नाटक के हावेरी जिले के रानीबेन्नूर शहर के समीप शुक्रवार तड़के एक कार पुल से सर्विस रोड पर जा गिरी। इस दुर्घटना में चार लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। दुर्घटना प्रभावित हावेरी शहर के अश्विनी नगर के निवासी थे और तिरुपति जा रहे थे। हालागेरी ब्रिज पर ड्राइवर ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया था। (आइएएनएस)

तमिलनाडु के पूर्व डीजीपी पत्नी को धमकी देने में गिरफ्तार

चेन्नई : तमिलनाडु के पूर्व विशेष डीजीपी राजेश दास को जबरन घर में प्रवेश करने और धमकी देने के आरोप में शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया गया। उनकी पत्नी राज्य की ऊर्जा सचिव बीला वेंकटेसन ने शिकायत सौंपी थी। बीला के अनुसार, 18 मई को सुरक्षा गार्ड पर हमले के बाद राजेश और उनके सहयोगी घर में प्रविष्ट कर गए। पिछले वर्ष राजेश को कोर्ट ने महिला आइपीएस अधिकारी की यौन प्रताड़ना के लिए दोषी ठहराया था। (प्रेट्र)

अमेरिकी राजदूत पहले दौरे पर बेंगलुरु पहुंचे

बेंगलुरु : भारत में अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी शुक्रवार को अपने पहले आधिकारिक दौरे पर शुक्रवार को बेंगलुरु पहुंचे। अमेरिकी राजदूत ने साइंस गैलरी बेंगलुरु का दौरा किया। एक्स पोस्ट में उन्होंने कहा कि साइंस गैलरी बेंगलुरु की संस्थापक जाह्नवी फाल्के और टीम से मिलकर प्रसन्नता हुई। (प्रेट्र)

असम में 8.5 करोड़ के नशीले पदार्थ जब्त, चार गिरफ्तार

गुवाहाटी : असम के कछार जिले में दो अलग-अलग अभियानों में 8.5 करोड़ के नशीले पदार्थ जब्त कर चार लोगों को गिरफ्तार किया गया। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने जानकारी दी है। (प्रेट्र)

उत्तर भारत के लिए राहत लेकर आ रहा है चक्रवात

अरविंद शर्मा जागरण

- 28 मई से उत्तर-पश्चिम भारत की हवा का रुख भी बदल जाएगा
- पश्चिम से पूर्व की ओर चलेगी हवा, तापमान में आएगी गिरावट

राजस्थान के बीकानेर में शुक्रवार को भीषण गर्मी के साथ तपते रेगिस्तानी क्षेत्र में पाकिस्तान से लगी सीमा पर गश्त करते बीएसएफ के जवान। प्रेट्र

नई दिल्ली : राजस्थान एवं दिल्ली समेत उत्तर-पश्चिम भारत के पांच राज्यों को अभी तीन-चार दिनों तक गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद नहीं दिख रही है। किंतु बंगाल की खाड़ी में बन रहे चक्रवात 'रेमल' (अरबी भाषा का नाम, जिसका अर्थ है रेत) का असर व्यापक होने जा रहा है। पांचवें दिन (28 मई) से यह चक्रवात उत्तर-पश्चिम भारत की हवा का रुख भी बदल देगा, जिससे अधिकतम तापमान में थोड़ी कमी आएगी। पंजाब, हरियाणा एवं दिल्ली समेत पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अभी हवा की दिशा पूर्व से पश्चिम की ओर है। इससे अधिकतम तापमान में गिरावट आई है, लेकिन हवा में नमी की मात्रा ज्यादा रहने से उमस भरी गर्मी लोगों को परेशान कर रही है। निजी एजेंसी स्काइमेट का अनुमान है कि चार दिनों के बाद चक्रवात के असर से उत्तर भारत की हवा का रुख बदलकर पश्चिम से पूर्व हो जाएगा। इसमें नमी नहीं रहेगी, जिससे उमस वाली गर्मी से राहत मिल सकेगी।

स्काइमेट के प्रवक्ता महेश पलावत के अनुसार, चक्रवात की गति 80 से 100 किलोमीटर प्रति घंटा तक हो सकती है, जो अगले तीन दिनों में एक बड़े सर्किल में उत्तर में पहाड़ी क्षेत्रों से होते हुए पंजाब, हरियाणा, दिल्ली एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश की हवा की दिशा को बदल देगा। तब तक गर्मी के तेवर में कोई कमी की उम्मीद नहीं है।

इस बीच, मौसम विभाग (आइएमडी) ने उत्तर-पश्चिम भारत में अगले चार दिनों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। राजस्थान में तापमान शुक्रवार को भी अपने उच्चतम शिखर पर है। फलौदी में तापमान 49.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जैसलमेर में 48.3 एवं जोधपुर में 47.6 डिग्री तापमान रहा। बाड़मेर में शुक्रवार को भी 48.2 डिग्री तापमान रहा। एक दिन पहले यहां तापमान 48.8 डिग्री पहुंच गया था। हालांकि दिल्ली के अधिकतम तापमान में गिरावट आई है। किंतु गर्मी से राहत नहीं है। आइएमडी के अनुसार, जम्मू-कश्मीर, पंजाब एवं हरियाणा में अभी लू की स्थिति बनी रहेगी। अगले चार दिनों तक गर्म हवा चलती रह सकती है। आइएमडी ने राजस्थान एवं गुजरात के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। 28 मई तक पंजाब के लिए भी रेड अलर्ट है। यहां तक कि हिमालयी क्षेत्र हिमाचल और जम्मू-कश्मीर के लिए भी अगले चार दिनों के लिए हीट वेव की चेतावनी जारी की गई है। दक्षिण भारत में प्री-मानसून बारिश की स्थिति बनी हुई है। अगले चार दिनों तक केरल एवं अंडमान निकोबार में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है।

एनसीएमसी ने कहा, चक्रवात से कम से कम हो नुकसान

नई दिल्ली, प्रेट्र : राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन समिति (एनसीएमसी) ने चक्रवात 'रेमल' के आगमन के मद्देनजर शुक्रवार को बंगाल की खाड़ी में मौजूद सभी मछुआरों से वापस लौटने को कहा। साथ ही अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सुनिश्चित करें कि जीवन का कोई नुकसान न हो और संपत्ति को नुकसान कम से कम हो।

कैबिनेट सचिव राजीव गौबा की अध्यक्षता वाली एनसीएमसी ने एक बैठक में चक्रवात के मद्देनजर तैयारियों पर चर्चा की। इसमें बताया गया कि खतरे वाले इलाकों में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की 12 टीमों को तैनात किया गया है और पांच अतिरिक्त टीमों को तैयार रखा गया है। जारी बयान के अनुसार; सेना, नौसेना एवं तटरक्षक बल के बचाव एवं राहत दलों के साथ जहाजों एवं विमानों को तैयार रखा गया है। कोलकाता एवं पारादीप के बंदरगाहों को जहाजरानी के महानिदेशक द्वारा नियमित अलर्ट एवं परामर्श जारी किए जा रहे हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, 'रेमल' शनिवार सुबह तक मजबूत हो जाएगा और शनिवार रात तक तीव्र चक्रवात में तब्दील हो जाएगा। यह रविवार रात को बंगाल की खाड़ी के सागर द्वीप और बांग्लादेश के खेपुपारा के बीच तट से टकराएगा। विभाग ने 26-27 मई को बंगाल एवं ओडिशा के तटवर्ती जिलों में तेज वर्षा की चेतावनी दी है। गौबा ने बंगाल सरकार से कहा कि प्रभावित होने वाले इलाकों में वह बड़े होर्डिंग की स्थिति की समीक्षा करे। साथ ही उन्होंने बंगाल सरकार को आश्वस्त किया कि सभी केंद्रीय एजेंसियां सतर्क हैं और सहायता के लिए उपलब्ध हैं।

देवता शाश्वत नाबालिग, केस विधि सम्मत : मंदिर पक्ष

जागरण संवाददाता, जागरण • प्रयागराज : 'देवता शाश्वत नाबालिग होते हैं, इसलिए सीपीसी के आदेश 32 का प्रविधान (यह नाबालिग के विरुद्ध मुकदमे के संबंध में प्रक्रिया से संबंधित है) प्रकरण में भी लागू होगा।' शुक्रवार को इलाहाबाद हाई कोर्ट में मथुरा स्थित कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद विवाद को लेकर दाखिल सिविल वादों की सुनवाई के दौरान मंदिर पक्ष ने यह बातें कहीं।

भगवान श्रीकृष्ण विराजमान कटरा केशव देव द्वारा मित्र के माध्यम से सिविल वाद दायर किए गए हैं। जमीन से मस्जिद का अवैध कब्जा हटाकर वापस सौंपने की मांग से जुड़ा केस विधि सम्मत है। मुकदमों की ग्राह्यता का निर्णय वाद बिंदु तय करने और पक्षों से साक्ष्य लेने के बाद किया जा सकता है। विवादित स्थल के धार्मिक स्वरूप का पता लगाने को सर्वे कराना जरूरी है, तभी साक्ष्य मिलेगा। समयाभाव के कारण सुनवाई अगली तिथि 27 मई तक के लिए स्थगित कर दी गई। वैसे एक से 18 वादों में दोनों पक्षों की बहस लगभग हो चुकी है।

पुणे कार दुर्घटना के समय पूरे होश में था आरोपित : पुलिस आयुक्त

- पोर्श कार हादसा मामले में सुबूतों से छेड़छाड़ की कोशिश की गई
- यह दिखाने का प्रयास किया गया कि किशोर गाड़ी नहीं चला रहा था
- आरोपित के पिता समेत छह अन्य को न्यायित हिरासत में भेजा गया

पुणे पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार। फाइल

पुणे, प्रेट्र: पुणे पोर्श कार दुर्घटना मामले में रोज नए तथ्य सामने आ रहे हैं। पुलिस आयुक्त ने कहा कि सुबूतों के साथ छेड़छाड़ करने की कोशिश की गई थी। ताकि यह दिखाया जा सके कि आरोपित किशोर गाड़ी नहीं चला रहा था। जबकि, दुर्घटना के समय किशोर पूरी तरह होश में था, उसे अच्छी तरह पता था कि उसके कृत्य से इस तरह का हादसा हो सकता है। इस बीच, आरोपित के पिता विशाल अग्रवाल समेत छह लोगों को सात जून तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। वहीं मामले को यरवदा पुलिस स्टेशन से क्राइम ब्रांच को सौंप दिया गया है।

गौरतलब है कि पुणे के कल्याणी नगर में रविवार तड़के पोर्श कार चला रहे किशोर ने मोटरसाइकिल से जा रहे दो साफ्टवेयर इंजीनियरों को टक्कर मार दी थी जिससे दोनों की मौत हो गई थी।

पुणे पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार ने कहा कि हमारी जांच के दौरान यह बात साफ हो गई है कि किशोर ही कार चला रहा था। हमने घटनाक्रम से संबंधित सभी जरूरी साक्ष्य जुटा लिए हैं। उदाहरण के लिए जब किशोर घर से निकला था तो रजिस्टर में उसके कार के साथ निकलने की इंट्री है। आयुक्त ने कहा कि सीसीटीवी साक्ष्यों और चश्मदीदों के आधार पर इस बात की पुष्टि हुई है कि कार किशोर चला रहा था, जबकि ऐसा दिखाने का प्रयास किया गया कि दुर्घटना के समय कार ड्राइवर चला रहा था। उन्होंने कहा कि ऐसी कोशिश करने वालों के खिलाफ आइपीसी की धारा 201 (सुबूत नष्ट करना) के तहत कार्रवाई करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि अदालत में पुलिस का पक्ष प्रभावी तरीके से रखने के लिए विशेष वकीलों की नियुक्ति की जाएगी। उन्होंने कहा कि सुबूतों के आधार पर आरोपित को कम से कम 10 साल की सजा होगी। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने इन आरोपों को खारिज कर दिया कि किशोर को थाने में पिज्जा और बर्गर खाने को दिए गए। इन आरोपों में कोई सच्चाई नहीं है। कुछ चश्मदीदों पर दबाव होने की शिकायतों के बारे में पूछे जाने पर कुमार ने कहा कि अगर इस तरह की बात सामने आई तो संबंधित पुलिस अधिकारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

गुजरात में युवक की मौत पर ग्रामीणों का हाइवे पर उत्पात

गांधीनगर, प्रेट्र: गुजरात के साबरकांठा जिले के हिम्मतनगर शहर में शुक्रवार को हादसे में युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने व्यस्त राजमार्ग को अवरुद्ध कर तकरीबन आधा घंटे तक उत्पात मचाया। इस दौरान ग्रामीणों ने पुलिस वाहन में आग लगा दी। काफी समझाने के बाद भी नहीं मानने पर पुलिस ने ग्रामीणों को तितर-बितर करने के लिए तकरीबन 90 आंसू गैस के गोले छोड़े।

गुजरात में हिम्मतनगर को शामलाजी को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग 48 पर शुक्रवार सुबह तेज गति की कार की टक्कर से गामडी गांव निवासी युवक की मौत हो गई। घटना के विरोध में गामडी गांव के लोग सड़कों पर आ गए और राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस पर ग्रामीणों ने पथराव कर दिया और एक पुलिस वाहन में आग लगा दी। साबरकांठा एसपी विजय पटेल ने बताया कि हालात पर काबू पाने के लिए और पुलिस बल बुलाया गया और भीड़ को तितर-बितर करने के लिए करीब 90 आंसू गैस के गोले छोड़े गए।

अयोध्या के श्रीराम मंदिर परिसर में मोबाइल फोन पर पूर्ण प्रतिबंध

जागरण संवाददाता, अयोध्या

- श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की बैठक में लिया गया निर्णय
- वीआइपी दर्शन के नाम पर भी मोबाइल फोन नहीं ले जा सकेंगे

अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर परिसर में अब मोबाइल फोन ले जाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद से ही मंदिर परिसर में मोबाइल ले जाना प्रतिबंधित था, लेकिन वीआइपी दर्शन के नाम पर भी लोग अब मंदिर परिसर में मोबाइल फोन नहीं ले जा सकेंगे।

यह निर्णय शुक्रवार तो श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पदाधिकारियों के साथ मंडलायुक्त गौरव दयाल एवं आइजी प्रवीण कुमार की बैठक में लिया गया। मोबाइल फोन प्रतिबंधित किए जाने का निर्णय गुरुवार को इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हनुमानजी की खंडित मूर्ति की घटना से भी जोड़ कर देखा जा रहा है।

ट्रस्ट की दो दिवसीय बैठक का पहले दिन मंदिर परिसर में श्रीराम के साथ पूरक मंदिरों की शृंखला के रूप में सप्तऋषियों के मंदिर का भी निर्माण किया जा रहा है। मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष एवं ट्रस्ट के सदस्य नृपेंद्र मिश्र ने कहा कि सप्तऋषियों का मंदिर सितंबर माह तक तैयार कर लिया जाएगा। सप्तऋषियों की शृंखला में अगस्त्य, अत्रि, भारद्वाज, गौतम, यमदग्नि, वशिष्ठ और विश्वामित्र शामिल हैं। साथ ही प्रथम तल के गर्भगृह में राम दरबार को स्थापित करने की तैयारी भी चल रही है।

अभी यह तय किया जाना है कि राम दरबार की मूर्ति किस पत्थर से निर्मित कराई जाए। मूर्ति का निर्माण तो निकट भविष्य में किसी चुनिंदा मूर्तिकार के हाथों कराया जाएगा, लेकिन अभी उसका स्वरूप तय करने में प्रख्यात चित्रकार वासुदेव कामथ केंद्रीय भूमिका का निर्वहन कर रहे हैं। वह मूर्ति निर्माण से पूर्व राम दरबार का रेखा चित्र बनाएंगे। ट्रस्ट की मुहर के बाद उसी चित्र के अनुरूप मूर्ति का निर्माण किया जाएगा।

****

एवरेस्ट के शिखर पर पहुंचने वाले पहले दृष्टिहीन व्यक्ति बने एरिक

2001 में आज ही अमेरिकी एथलीट एरिक वेहेनमेयर माउंट एवरेस्ट के शिखर पर पहुंचने वाले पहले दृष्टिहीन व्यक्ति बने थे। 2008 में पापुआ न्यू गिनी के कार्स्टेंस पिरामिड पर चढ़ाई के साथ वह सात महाद्वीपों के सबसे ऊंचे स्थान तक पहुंचने वाले पहले व्यक्ति बन गए।

मंगल ग्रह पर लैंड हुआ नासा का फीनिक्स मार्स लैंडर

2008 में आज ही नासा का फीनिक्स मार्स लैंडर मंगल ग्रह के उत्तरी ध्रुव पर उतरा था। खुदाई करने में सक्षम रोबोटिक भुजा वाले यान ने ही पहली बार मंगल ग्रह पर पानी होने की जानकारी दी थी। इसने मंगल ग्रह पर तीन महीने बिताए एवं वहां के बारे में कई अहम जानकारी दी।

रासबिहारी बोस ने रखी थी आजाद हिंद फौज की नींव

रासबिहारी बोस का जन्म 1886 में आज ही बंगाल में हुआ था। 1905 में बंगाल के विभाजन और उसके बाद हुई घटनाओं से आहत होकर क्रांतिकारी गतिविधियों में हिस्सा लेने लगे। 23 दिसंबर, 1912 को भारत के तत्कालीन वायसराय लार्ड हार्डिंग पर बम फेंककर सुर्खियों में आ गए। 1913 में गदर आंदोलन में अहम भूमिका निभाई। 1915 में अंग्रेजों से बचने के लिए जापान चले गए। 1942 में टोक्यो में इंडियन इंडिपेंडेंस लीग की स्थापना की जिसे बाद में सुभाष चंद्र बोस ने आजाद हिंद फौज के रूप में विकसित किया।

टेस्ट किट से नवजातों में सिकल सेल की होगी पहचान

जांच ▶ मेडिकल कालेज में स्थापित रिसर्च यूनिट ने किया विकसित, चार हजार पीड़ित बच्चों पर होगा परीक्षण

अभिषेक राय ● नईदुनिया

रायपुर : राजधानी के मेडिकल कालेज में स्थापित मेडिकल रिसर्च यूनिट (एमआरयू) के विज्ञानियों ने नवजात शिशुओं में सिकल सेल के वाहकों की पहचान के लिए जेनेटिक टेस्ट किट विकसित की है। जिसकी मदद से चार माह से कम उम्र के पीड़ित बच्चे की जांच कर यह पता लगाना संभव हो जाएगा कि उसमें सिकल सेल बीमारी के लक्षण माता-पिता दोनों से आए हैं या किसी एक से। विज्ञानियों का कहना है कि अभी तक ऐसा कोई टेस्ट उपलब्ध नहीं है, जिसमें चार माह से कम उम्र के बच्चे में इस समस्या का पता चल सके। विज्ञानियों ने किट का क्लीनिकल परीक्षण शुरू कर दिया है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) के निर्देशानुसार चार हजार बच्चों पर किट का परीक्षण किया जाएगा। इसके बाद इसके उपयोग पर निर्णय होगा। परीक्षण सफल होने पर प्राथमिक, सामुदायिक, जिला अस्पतालों, हाट बाजारों और स्वास्थ्य शिविरों में जांच संभव हो जाएगी। बताते चलें कि केंद्र सरकार ने 17 राज्यों में वर्ष-2047 तक सिकल सेल उन्मूलन का लक्ष्य रखा है। मेडिकल कालेज के पैथालाजी विभाग के प्रमुख डा अरविंद नेरल का कहना है कि यदि किसी बच्चे में माता-पिता दोनों की वजह से सिकल सेल की समस्या आई है, तो इसे गंभीर रूप माना जाता है। यदि किसी एक की वजह से लक्षण है तो स्थिति चुनौतीपूर्ण नहीं रहती है। सिकल सेल एक जेनेटिक बीमारी है, जो माता-पिता से बच्चों तक पहुंचती है। इस बीमारी से शरीर में रेड ब्लड सेल्स सही ढंग से काम नहीं कर पाते, जिसकी वजह से शरीर में खून की कमी हो जाती है।

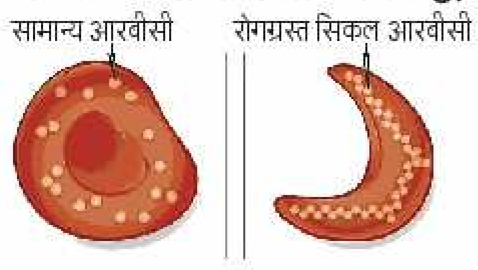

आइसीएमआर के निर्देश पर 100 नवजातों पर हो चुका है परीक्षण

विज्ञानी डा. जगन्नाथ पाल और डा. योगिता राजपूत ने बताया कि मोनोक्रोम मल्टीप्लेक्स रियल टाइम पीसीआर आधारित जिनेटिक टेस्ट विकसित किया गया है। 100 नवजातों पर परीक्षण करने के बाद किट तैयार किया गया। किट तैयार होने पर मंजूरी के लिए आइसीएमआर को भेजा गया था। आइसीएमआर ने परीक्षण के निर्देश दिए हैं, जो चार हजार नवजातों पर होगा।

रिसर्च टीम के साथ डा जगन्नाथ पाल (बाएं) और डा योगिता राजपूत (दाएं)। नईदुनिया

गुजरात- महाराष्ट्र में भी सिकल सेल के मरीज

2011 में गुजरात सिकल सेल एनीमिया कंट्रोल सोसाइटी का गठन किया गया था। गुजरात, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में सिकल सेल कार्यक्रम में आनुवंशिक परामर्श प्रदान किया जाता था। कार्यक्रम में क्लीनिकों में रेफर करने व रोगियों की पहचान करने के उद्देश्य से सिकल सेल लक्षण का पता लगाने के लिए जनसंख्या स्क्रीनिंग का विस्तार करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।.

सिकल सेल बीमारी की प्रदेश में हो रही है स्क्रीनिंग

केंद्र सरकार के निर्देश पर प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग की तरफ से सिकल सेल बीमारी की पहचान के लिए स्क्रीनिंग की जा रही है। मरीजों की पहचान के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीम घर-घर पहुंच रही है। राज्य कार्यक्रम अधिकारी डा. निधि ग्वालरे ने बताया कि केंद्र सरकार की ओर से तीन वर्षों में एक करोड़ 81 हजार लोगों की स्क्रीनिंग का लक्ष्य मिला है। एक साल के भीतर ही एक करोड़ बारह हजार लोगों की स्क्रीनिंग की जा चुकी है। सिकल सेल के 22 हजार मरीज मिले हैं। स्वास्थ्य विभाग के बेहतर कार्य को देखते हुए केंद्र सरकार ने अब दो साल में निर्धारित लक्ष्य को पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

फिल्म रिव्यू — भैया जी ✪✪

प्रमुख कलाकार : मनोज बाजपेयी, जोया हुसैन, सुविंदर विकी, जतिन गोस्वामी, विपिन शर्मा, भागीरथी बाई
निर्देशक : अपूर्व सिंह कार्की **अवधि :** दो घंटे 15 मिनट

शतक पर आउट हो गए मनोज

मनोज की अपनी शैली और पहचान एक्शन में आड़े आती है। चित्र सौ. : फिल्म टीम

अभिनेता मनोज बाजपेयी ने अपने दमखम पर अभिनय जगत में पहचान बनाई है। भैयाजी उनकी सौंवी फिल्म है। वह इस फिल्म के निर्माता भी हैं। ज्यादातर धीर-गंभीर, सार्थक और अर्थपूर्ण सिनेमा का हिस्सा रहे मनोज की यह फिल्म प्रतिशोध ड्रामा है। इसमें उन्होंने काफी एक्शन किया है। दीपक किंगरानी और अपूर्व सिंह कार्की द्वारा लिखित यह फिल्म पिछली सदी के सातवें-आठवें दशक की फिल्मों की याद दिलाती है, जब मां-बहन या पिता-भाई के साथ अन्याय होने पर नायक के मन में प्रतिशोध की ज्वाला धधक उठती थी। 'सिर्फ एक बंदा काफी है' का निर्देशन कर चुके अपूर्व सिंह कार्की 'भैयाजी' में इस घिसे-पिटे फार्मूले पर ही सिमट गए हैं। इसमें कोई ताजगी या नयापन नहीं है।

फिल्म का आरंभ बिहार में अधेड़ उम्र के रामचरण उर्फ भैयाजी (मनोज बाजपेयी) के साथ पूर्व नेशनल शूटर मिताली (जोया अख्तर) की शादी की तैयारियों से होता है। भैयाजी मोबाइल फोन पर दिल्ली में पढ़ रहे अपने छोटे भाई वेदांत (आकाश मखीजा) से बात कर रहे हैं, जो अपने दो दोस्तों के साथ घर आ रहा है। अगले दिन दिल्ली के पुलिस थाने से फोन आता है कि उसके भाई का एक्सीडेंट हुआ है, तुरंत थाने आएं। पहुंचने पर पता चलता है कि वेदांत का निधन हो चुका है और दबंग चंद्रभान (सुविंदर विकी) के बिगड़ैल बेटे अभिमन्यु (जतिन गोस्वामी) ने उसे मारा है। वहां से भैयाजी के अतीत की परतें खुलती हैं। साधारण-सा दिखने वाला भैयाजी कभी अपने इलाके का दबंग था। दो बाहुबली आमने-सामने आते हैं और शुरू होता है रंजिश का खेल। फिल्म की कमजोर कड़ी इसकी कहानी है। चंद्रभान को क्रूर, निर्मम व दबंग दिखाने की कोशिश विश्वसनीय नहीं बन पाई। फिल्म कब दिल्ली से बिहार आती-जाती है, कुछ पता ही नहीं चल पाता।

फिल्म का भार अकेले मनोज बाजपेयी के कंधों पर है, लेकिन वह इसे ढो पाने में सक्षम नहीं दिखते। मनोज की अपनी शैली और पहचान एक्शन दृश्यों में आड़े आती है। वह प्रभावी नहीं लगते। मिताली बनीं जोया को भी एक्शन करने का मौका मिला है, जिसमें वह ठीक लगी हैं। सुविंदर विकी का पात्र लेखन स्तर पर कमजोर है। वह भी उसे संभाल नहीं पाते हैं। मां की भूमिका में भागीरथी बाई जरूर जंची हैं। फिल्म में भोजपुरी गीत-संगीत का उपयोग हुआ है, लेकिन पात्रों की बोली में वह पुट नजर नहीं आता है।

स्मिता श्रीवास्तव

✪✪✪✪✪ उत्कृष्ट ✪✪✪✪ बहुत अच्छी ✪✪✪ अच्छी ✪✪ औसत ✪ औसत से कम

अपनी राय हमें जरूर बताएं : feature@jagran.com

मैसुरु के फिल्म निर्माता ने कान में ला सिनेफ का पुरस्कार जीता

कान फिल्म महोत्सव में ला सिनेफ प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीतने के बाद चिदानंद एस नाइक सह कलाकारों के साथ। इंटरनेट मीडिया

कान फेस्टिवल में पायल कपाड़िया की निर्देशित 'आल वी इमेजिन एज लाइट' के वर्ल्ड प्रीमियर में कलाकार रेड कारपेट पर नजर आए। रायटर

कान, प्रेट्र : 77वें कान फिल्म महोत्सव में मैसुरु के फिल्म निर्माता ने गुरुवार को झंडे गाड़ दिए। चिदानंद एस नाइक की "सनफ्लावर वर द फर्स्ट वन्स टू नो" ने यहां ला सिनेफ का पहला पुरस्कार जीता।

डाक्टर से फिल्म निर्माता बने नाइक ने पुणे के फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट आफ इंडिया के टेलीविजन विंग में यह फिल्म बनाई। यह एक कन्नड़ लोक कथा पर आधारित फिल्म है जो एक बूढ़ी औरत के बारे में है जोकि मुर्गा चुरा लेती है। ला सिनेफ प्रतियोगिता का तीसरा पुरस्कार मानसी माहेश्वरी की एनीमेशन फिल्म "बनीहुड" को मिला। मेरठ में जन्मी और निफ्ट दिल्ली की पूर्व छात्रा माहेश्वरी ने यूके के राष्ट्रीय फिल्म व टेलीविजन स्कूल की छात्रा के रूप में फिल्म बनाई। प्रतियोगिता में दूसरा पुरस्कार कोलंबिया विश्वविद्यालय के आसिया सेगालोविच द्वारा निर्देशित "आउट आफ द विडो थ्रू द वाल" और ग्रीस के थेसालोनिकी के अरस्तू विश्वविद्यालय के निकोस कोलिउकोस द्वारा निर्मित "द कैओस शी लेफ्ट बिहाइंड" को संयुक्त रूप से मिला। प्रथम पुरस्कार विजेता को 15,000 यूरो, उपविजेता को 11,250 यूरो व तृतीय पुरस्कार को 7,500 यूरो दिए जाते हैं।

पायल की 'आल वी इमेजिन एज लाइट' ने कान में बटोरी तारीफें

कान, प्रेट्र : फिल्मकार पायल कपाड़िया की फिल्म 'आल वी इमेजिन एज लाइट' को 2024 के कान फिल्म फेस्टिवल में प्रदर्शित किया गया है। इस फिल्म को खासी तारीफें मिल रही हैं। फिल्म की कास्ट ने शुक्रवार को रेड कारपेट पर थिरक कर खुशी जताई। कान में तीस सालों के इतिहास में पहली बार किसी भारतीय फिल्म को रातों रात इतनी ख्याति मिली। साथ ही पहली बार किसी भारतीय महिला निर्देशक की फिल्म प्रदर्शित की गई जो फिल्म गाला की प्रतियोगिता 'पाम डि ओर' का हिस्सा है। पायल कपाड़िया की बतौर निर्देशक यह पहली फिल्म है। कलाकार कानी कुसुति, दिव्या प्रभा, छाया कदम व हृदु हरून भी समारोह में शामिल हुईं। यह फिल्म गुरुवार को ग्रांड थियेटर लुमेर में दिखाई गई थी। वहां मौजूद विशिष्ट दर्शकों ने फिल्म की पूरी टीम का गर्मजोशी से स्वागत किया।

ग्रहों की परेड में लद्दाख से दिखेंगे सिर्फ दो ग्रह

राज्य ब्यूरो, जम्मू : तीन जून को छह ग्रहों के एक कतार में होने के दुर्लभ नजारे पर लद्दाख के हानले में स्थापित खगोलीय वेधशाला की भी नजर रहेगी। विश्व के कई हिस्सों में इस खगोलीय नजारे को देखने के लिए खगोल विज्ञानी उत्साहित हैं। लद्दाख के हानले से केवल शनि व मंगल ग्रहों को ही देखा जा सकेगा। बुध, बृहस्पति, यूरेनस व नेपच्यून ग्रह हानले खगोलीय वेधशाला से नहीं दिखेंगे।

लेह के दूरदराज हानले में देश की पहली डार्क नाइट स्काई सेंचुरी बनाने का काम जोरों पर है। केंद्र सरकार लद्दाख को देश में एस्ट्रो टूरिज्म के एक केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में काम कर रही है। हानले में खगोलीय वेधशाला के इंजीनियर दोरजे आंगचुक का कहना है कि इस खगोलीय नजारे पर हमारी भी नजर रहेगी, लेकिन हमें ग्रहों की सीमित परेड देखने को मिलेगा।

इधर-उधर की

रुबिक क्यूब हल का रोबोट ने बनाया वर्ल्ड रिकार्ड

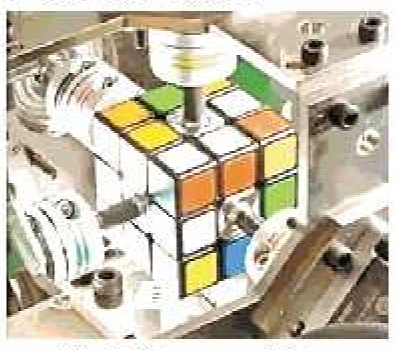

एक सेकेंड से भी कम समय में किया रुबिक क्यूब हल। इंटरनेट मीडिया

लंदन, एजेंसी : विश्व स्तरीय स्पीडक्यूबर्स अक्सर 10 सेकेंड से भी कम समय में रुबिक क्यूब हल कर लेते हैं। हालांकि जापानी कंपनी मित्सुबिशी इलेक्ट्रिक कार्पोरेशन द्वारा विकसित किए गए एक रोबोट ने एक सेकेंड से भी कम समय में रुबिक क्यूब हल कर गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड अपने नाम कर लिया है। 21 मई को टोक्यो में हुए इस रिकार्ड प्रयास का वीडियो गिनीज ने ब्लिंक एंड यू मिस इट शीर्षक से इंस्टाग्राम पर साझा किया है। क्लिप में रोबोट को 3x3x3 रुबिक क्यूब को केवल 0.305 सेकेंड में हल करते हुए देखा जा सकता है। वीडियो ने नेटिजन को हैरान कर दिया है। एक यूजर ने इसपर कमेंट किया कि रुबिक क्यूब मेरे पलक झपकाने से पहले ही हल हो गया।

भारत में कैंसर के 20% मामले 40 वर्ष से कम उम्र के लोगों में

अनुसंधान

कैंसर पूरे विश्व के लिए एक चुनौती बना हुआ है। भारत में भी बड़ी संख्या में लोग इसकी चपेट में आ रहे हैं। एक नए अध्ययन में चिंताजनक तस्वीर सामने आई है। शोध के अनुसार, भारत में कैंसर के 20 प्रतिशत मामले 40 वर्ष से कम उम्र के लोगों में पाया गया। इनमें 60 प्रतिशत पुरुष व 40 प्रतिशत महिलाएं थीं। शोधकर्ताओं ने इसके लिए युवाओं की खराब जीवनशैली को जिम्मेदार माना है।

शोध के अनुसार, सिर और गर्दन का कैंसर सबसे अधिक 26 प्रतिशत और इसके बाद पेट, लिवर जैसे गैस्ट्रोइन्टेस्टाइन कैंसर की भागीदारी 16 प्रतिशत पाई गई। इसके अलावा 15 प्रतिशत मामले ब्रेस्ट कैंसर और नौ प्रतिशत ब्लड कैंसर के थे। अध्ययन में यह भी पाया गया कि भारत में कैंसर के 27 प्रतिशत मामले पहले और दूसरे चरण के थे, जबकि 63 प्रतिशत मामले तीसरे और चौथे चरण में पहुंच चुके थे। दिल्ली के एनजीओ कैंसर मुक्त भारत फाउंडेशन के अध्ययन में 1,368 कैंसर पीड़ितों को शामिल किया गया। अध्ययन का नेतृत्व करने वाले सीनियर ऑंकोलाजिस्ट

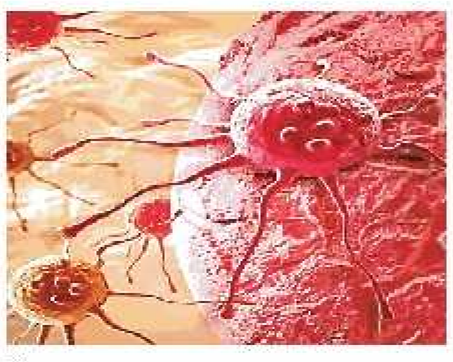

कैंसर। फाइल

आशीष गुप्ता ने बताया कि इसके लिए देशभर में इस वर्ष एक मार्च से 15 मई बीच फाउंडेशन के कैंसर हेल्पलाइन का इस्तेमाल किया गया। शोध का निष्कर्ष शुक्रवार को जारी किया गया।

शोध में पाया गया कि समुचित जांच की कमी के कारण लगभग दो तिहाई मामले देर से पता चले। शोध दल के अगुआ ने सुझाव दिया कि स्वस्थ जीवनशैली और तंबाकू व शराब की लत छोड़कर युवाओं में बढ़ते कैंसर के जोखिम को कम किया जा सकता है। कहा, भारत में तेजी से बढ़ता मोटापा, खाने की आदत में बदलाव, खासतौर पर अल्ट्रा प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों का सेवन और शारीरिक गतिहीनता युवाओं में कैंसर की दर बढ़ने के प्रमुख कारण हैं। (आइएएनएस)

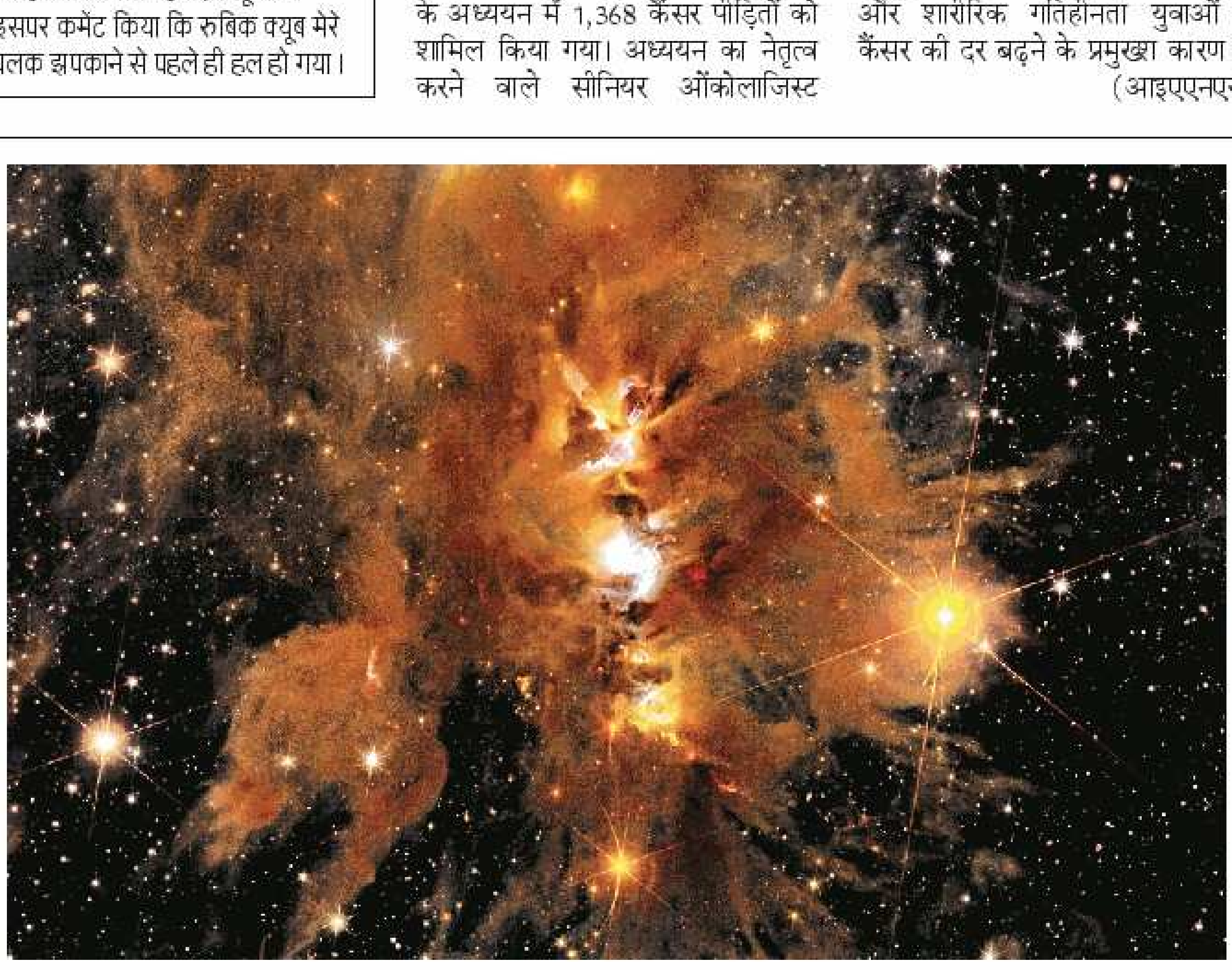

ब्रह्मांड का अद्भुत 'संसार'

ब्रह्मांड अपने भीतर अनेक रहस्यों को समेटे हुए है और खगोल विज्ञानी रहस्यों की परतों को हटाने की कोशिश मे जुटे हुए हैं। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी की यूक्लिड टेलीस्कोप के माध्यम से तारा निर्माण क्षेत्र मेसियर 78 को दर्शाया है, जो अंतरतारकीय धूल (ब्रह्मांडीय धूल) के आवरण में लिपटी तारा निर्माण की जीवंत नर्सरी है। यह इस टेलीस्कोप से ब्रह्मांड की विज्ञानी छवियों के प्रथम बैच की तस्वीर है। यह टेलीस्कोप छह वर्षों में दो बिलियन आकाशगंगाओं का निरीक्षण करेगी। एएफपी

स्क्रीन शाट

प्रियंका का नाम गलत लेने पर फूटा प्रशंसकों का गुस्सा

जी ले जरा पर काम शुरू कर सकती हैं प्रियंका चोपड़ा। फाइल

कहते हैं कि नाम में क्या रखा है। हालांकि नाम में बहुत कुछ रखा है, खासकर तब जब वह नाम प्रतिष्ठित हो। अगर किसी प्रतिष्ठित व्यक्ति के नाम का कोई उसका मजाक बनाए, तो उनके प्रशंसकों का नाराज होना लाजमी है। ऐसा ही कुछ भड़क गए हैं देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा के प्रशंसक, जब एक ब्रिटिश होस्ट ने उनका नाम टीवी पर गलत ले लिया। दरअसल, एंडी पीटर्स नाम के ब्रिटिश होस्ट मैडम तुसाद वैक्स म्यूजियम में प्रियंका चोपड़ा की वैक्स स्टैच्यू के बिल्कुल बगल में खड़े थे। एंकर ने जब पूछा कि आपके बगल में कौन है? इस पर उन्होंने कहा कि यह चिया चियांका चाप फ्री हैं। फिर एंकर के कहने पर उन्होंने सही से नाम लिया, लेकिन इस वीडियो के वायरल होते ही प्रियंका के प्रशंसकों ने गुस्सा जताया। एक यूजर ने लिखा, 'कोई एंडी पीटर्स को बताओ की प्रियंका ने मैडम तुसाद में अपने लिए जगह कमाई है, जो वह नहीं कमा पाए हैं।' एक ने लिखा, 'वह प्रियंका चोपड़ा हैं, दुनिया उनको जानती है। आप कौन हैं?' वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा कि गलती कोई भी कर सकता है, लेकिन यह बेइज्जती की गई है, क्योंकि यह एंडी ने जानबूझ कर किया है। खैर, इस बीच प्रियंका के प्रशंसकों के लिए एक खुशखबरी यह है कि अभिनेता और निर्देशक फरहान अख्तर जी ले जरा फिल्म पर काम शुरू कर सकते हैं। इस फिल्म की घोषणा के बाद फिल्म ठंडे बस्ते में चली गई थी। लेकिन फरहान इस फिल्म को प्रियंका, कट्रीना कैफ और आलिया भट्ट के साथ बनाना चाहते हैं। जैसे ही तीनों की डेट्स मिलेंगी, वह इस फिल्म पर काम शुरू कर देंगे।

प्रिटी ने बताई अभिनय से दूर रहने की वजह

पिछले काफी समय से अभिनय से दूर चल रही अभिनेत्री प्रिटी जिंटा फिल्म लाहौर 1947 के साथ अभिनय में वापसी कर रही हैं। उन्हें आखिरी बार 2018 में भैयाजी सुपरहिट फिल्म में देखा गया था। एक साक्षात्कार के दौरान प्रिटी ने कहा कि वह पिछले छह वर्षों से अपना समय बिजनेस को समर्पित कर रही थीं। मैं इस अवधि के दौरान परिवार को प्राथमिकता देना चाहती थीं। कोई फिल्म नहीं करना चाहती थी। मैं व्यवसाय पर ध्यान केंद्रित कर रही थी, मैं निजी जीवन पर ध्यान दे रही थी। लोग भूल जाते हैं कि बतौर कलाकार आपका शिल्प महत्वपूर्ण है। आगे उन्होंने कहा कि मैंने इंडस्ट्री में कभी किसी एक्टर को डेट नहीं किया। लाजिकल बात यह थी कि मुझे अपना खुद का परिवार भी बनाना था। आपको जिंदगी जीना नहीं भूलना चाहिए। इसलिए मैं बच्चे चाहती थी। उन्होंने कहा कि हर कोई मुझसे कह रहा था तुम पीछे छूट जाओगी। मैं सोचती थी, ठीक है। अब मैं हंस रही हूं, लेकिन यह सच है और यह हर उस महिला पर लागू होता है, जो वहां काम करती है। उन्होंने कहा कि मेरे बच्चे ढाई साल के हैं। मैं काम पर वापस आकर खुश हूं। हालांकि कई बार मुझे ग्लानि होती है, क्योंकि घर को मिस करती हूं। मेरे बच्चे मुझसे कहते हैं कि मां साथ रहो। फिर खुद को समझाती हूं कि बहुत सारी मां काम करती हैं। जब मैंने लाहौर 1947 की स्क्रिप्ट पढ़ी तो बहुत अच्छी लगी। मैं उसका हिस्सा बनना चाहती थी।

आगामी दिनो में लाहौर 1947 में नजर आएंगी प्रिटी जिंटा। फाइल

किरदार वहीं, बदल गया चेहरा, सना सैयद की जगह अब अद्रिजा निभाएंगी किरदार

शो मस्ट गो आन। फिल्म इंडस्ट्री में इस लाइन को हर कोई दिल से लगाकर रखता है। कुछ भी हो जाए शो चलते रहना चाहिए। कई बार कलाकारों को किसी कारण से शो छोड़ना पड़ता है. लेकिन उनके द्वारा निभाए गए किरदार भी अहम होते हैं, तो उन्हें दूसरे कलाकारों को निभाना पड़ता है। ऐसा ही कुछ हो रहा है, जी टीवी के शो कुंडली भाग्य के किरदार डाक्टर पालकी खुराना के साथ। अब इस रोल में सना सैयद नहीं नजर आएंगी। उनकी जगह अब अद्रिजा राय इसे निभाएंगी। दरअसल, सना मां बनने वाली हैं, जिसकी वजह से उन्हें इस शो को अलविदा कहना पड़ा। अद्रिजा यह रोल निभाने के लिए तैयार जरूर हैं, लेकिन थोड़ी सी नर्वस भी हैं। वह कहती हैं कि शो के लोगों, सह-अभिनेताओं, निर्देशक, प्रोडक्शन टीम ने गर्मजोशी से मेरा स्वागत किया है। मैं टीम में शामिल होकर उत्साहित हूं। यह एक प्रतिष्ठित शो है। पालकी का किरदार जिस तरह से लिखा गया है, उसने मुझे यह भूमिका निभाने के लिए उत्साहित किया है। हालांकि जब आप पहले किसी अन्य कलाकार द्वारा निभाये गये किरदार को निभाते हैं, तो अचानक हुआ बदलाव कई बार दर्शकों को नापसंद आ सकता है। ऐसे में उन्हें वह बदलाव न महसूस होने देना बड़ी चुनौती होती है। मैं दर्शकों का मनोरंजन करने की पूरी कोशिश करूंगी और अपना सौ प्रतिशत दूंगी।

पालकी का रोल निभाने को लेकर नर्वस हैं अद्रिजा राय। टीम अद्रिजा

हर पाठ लोग फिल्मों से सीख रहे हैं, ऐसा नहीं है : शेफाली शाह

कई बार फिल्में तब विवाद में आ जाती हैं, जब उसके किसी दृश्य से दर्शक संतुष्ट नहीं होते। या फिर उनकी भावनाएं आहत होती हैं। इंटरनेट मीडिया के दौर में यह तेजी से होता है। एनिमल फिल्म के साथ ऐसा तब हुआ था, जब रणबीर कपूर का किरदार तृप्ति डिमरी के किरदार से जूते चाटने के लिए कहता है। फिल्म के उस सीन पर ट्रोलिंग हुई थी। अब एक साक्षात्कार में शेफाली ने फिल्मों का बचाव करते हुए कहा कि मदर इंडिया फिल्म देखकर हर कोई मदर इंडिया की इज्जत तो नहीं करने लग गया ना। अगर फिल्म बराबरी का अच्छा प्रभाव नहीं डाल पा रही है, तो बुरी चीजों के लिए सारी जिम्मेदारी केवल उस पर क्यों डाली जा रही है। लोग जिम्मेदारियां एक फिल्म पर डाल रहे हैं। सिर्फ एनिमल फिल्म की ही बात नहीं है। जब आइटम नंबर्स करते हैं, तो कहा जाता है कि महिला को एक सजावटी वस्तु की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है। लेकिन वह भूल जाते हैं कि वह महिला भी तो आइटम नंबर करने के लिए तैयार है। कोई सर पर बंदूक रखकर नहीं कराया गया है। फिल्मों में दिखाया जाता है कि बेटा अपनी मां की कितनी इज्जत कर रहा है। क्या लोग वह सीखते हैं? ऐसा तो नहीं है न कि हर पाठ वह फिल्मों से सीख रहे हैं। जब अच्छी बातें नहीं अपना रहे हैं, तो ऐसा क्यों सोचना कि सब बुरा फिल्मों की वजह से सीख रहे हैं। फिल्मों पर इस तरह का बोझ डालना बहुत ही अवास्तविक है। मुझे लगता है कि आपको कंटेंट या तो पसंद आ सकता है या नहीं। दर्शकों की जो भी पसंद होगी, उसकी इज्जत है। ऐसा नहीं होना चाहिए कि यह दिखाओ, वो मत दिखाओ।

फिल्मों के साथ डिजिटल प्लेटफार्म पर भी काम कर रही हैं शेफाली शाह - इंस्टाग्राम - @shefalishahofficial

****